वार्षिक रिपोर्ट
2024-2025





अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बीबीनगर
हैदराबाद महानगर क्षेत्र,
तेलंगाना – 508126

प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
के अधीन



श्री जगत प्रकाश नड्डा
माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार



श्री प्रतापराव जाधव
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
आयुष मंत्रालय
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार



श्रीमती अनुप्रिया पटेल
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन
एवं उर्वरक मंत्रालय,
भारत सरकार



डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम
अध्यक्ष, एम्स बीबीनगर



प्रो. (डॉ.) अमिता अग्रवाल
कार्यकारी निदेशक, एम्स बीबीनगर



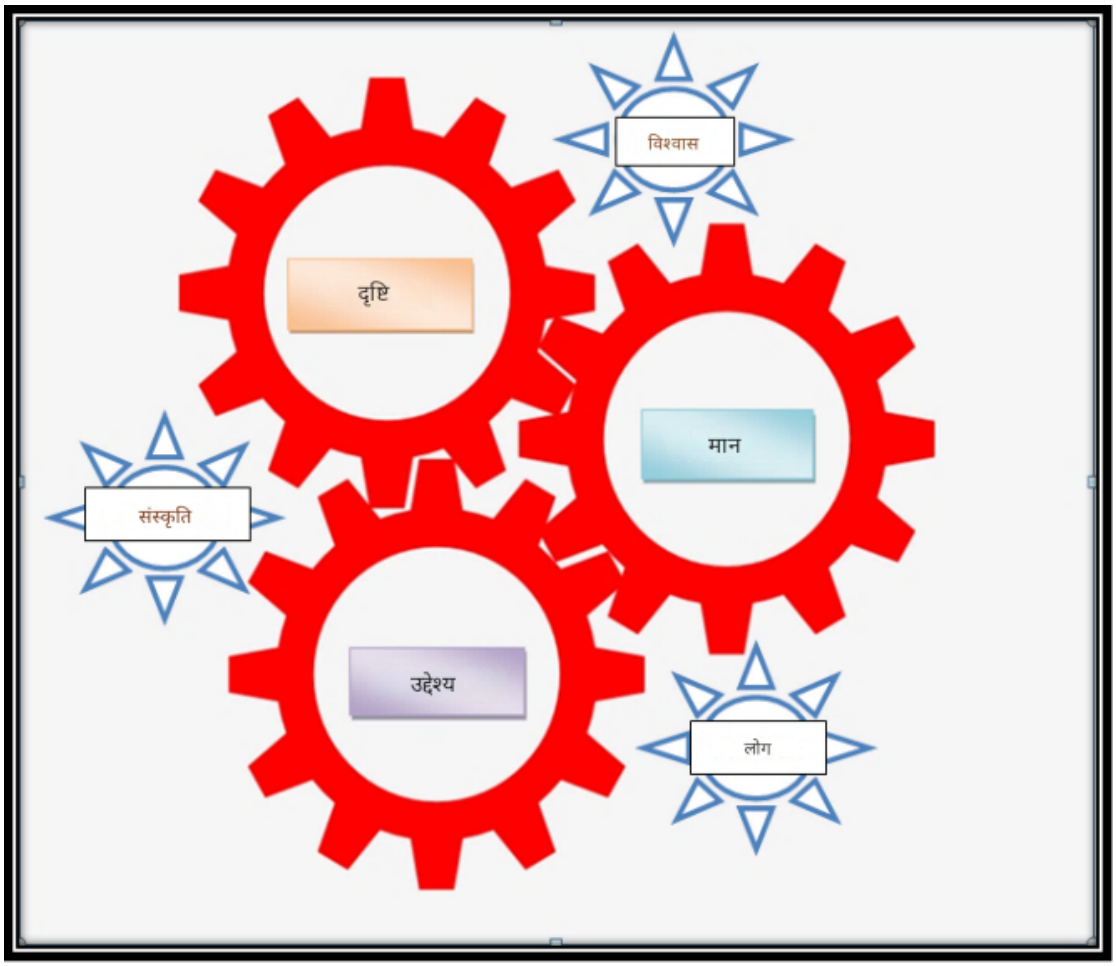
प्रो. (डॉ.) जॉर्ज ए.डी'सूज़ा
प्रेसिडेंट, एम्स **बीबीनगर**
[06.08.2025 तक]



प्रो. (डॉ.) अहन्थेम संता सिंह
पूर्व निदेशक, एम्स, बीबीनगर
08-05-2025 से 22-10-2025 तक



प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया
पूर्व निदेशक, एम्स बीबीनगर
07-05-2025 तक



दृष्टि

एक लीडिंग ग्लोबल हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट के तौर पर उभरना, जो अच्छी मेडिकल एजुकेशन दे, ज़रूरी साइंटिफिक रिसर्च को बढ़ावा दे और मरीज़ों को आसानी से मिलने वाली और अच्छी हेल्थ केयर दे। इंस्टिट्यूट स्टूडेंट्स में नैतिक और नैतिक मूल्यों को डालने और उन्हें काबिल हेल्थ केयर प्रोवाइडर बनाने पर ज़ोर देता है।

मिशन

मेडिकल एजुकेशन, साइंटिफिक रिसर्च और पेशेंट केयर में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के तौर पर आगे बढ़ना। आपसी विश्वास और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक पॉजिटिव वर्क कल्चर बनाना। अच्छे आपसी रिश्तों और लंबे समय तक चलने वाली रेप्युटेशन के साथ हाई प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सेट करना।

अनुक्रमणिका

क्र.स.	विषय – वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	**वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य**	01
2.	**कार्यकारी निदेशक के संदेश**	03
3.	**संस्थान - सामान्य अवलोकन**	10
4.	**इंजीनियरिंग अनुभाग**	17
5.	**प्रशासन**	27
6.	**शैक्षणिक अनुभाग**	39
7.	**अनुसंधान अनुभाग**	85
8.	**समितियाँ**	112
9.	**विभाग**	143
10.	**अस्पताल सेवाएं**	266
11.	**वित्त अनुभाग**	312

वार्षिक रिपोर्ट समिति



डॉ. माधुरी तरनीकांति
अतिरिक्त प्रोफेसर
शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
अध्यक्ष



डॉ. मीली पांडा
सह - प्राध्यापक
सीएफएम विभाग
सदस्य सचिव



डॉ. श्रीकृष्ण
अतिरिक्त प्रोफेसर
ईएनटी विभाग
सदस्य



डॉ. सैलूयेलाबोइना
सहायक प्रोफेसर
जैव रसायन विभाग
सदस्य



डॉ. अभिमन्यु शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर,
विकृति विज्ञान विभाग
सदस्य



डॉ. दीप्ति कोंडा
सह - प्राध्यापक,
त्वचाविज्ञान विभाग
सदस्य



डॉ. सीएच राम कृष्ण प्रसाद
सह - प्राध्यापक
एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
सदस्य

कार्यकारी निदेशक का संदेश

प्रोअह (.डॉ) .न्थेम सांता सिंह
कार्यकारी निदेशक
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बीबीनगर
हैदराबाद महानगर क्षेत्रतेलंगाना ,



मुझे तेलंगाना के बीबीनगर स्थित एम्स की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित ,प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के सातवीं चरण के हत ,हमारा संस्थान 2019में अपनी स्थापना के बाद से चिकित्सा शिक्षा ,अनुसंधान और रोगी देखभाल के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में निरंतर विकसित हुआ है। हैदराबाद-वारंगल राजमार्ग के किनारे 201एकड़ में फैला ,एम्स बीबीनगर तेलंगाना और उसके बाहर स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम के रूप में उभर रहा है।

सबसे पहले ,मैं भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी सहयोग और मार्गदर्शन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। मैं माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का भी आभारी हूँ । जाधव प्रतापराव गणपतराव जी , माननीय राज्य मंत्री ,आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ,और श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ,माननीय राज्य मंत्री ,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय , भारत सरकार ,को उनके निरंतर प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद।

मैं मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव, आईएएस, सचिव स्वास्थ्य एवं) (परिवार कल्याण, श्री अपूर्व चंद्रा, आईएएस, पूर्व सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), श्री होवेदा अब्बास, एएस एंड एफए, श्री जयदीप कुमार मिश्रा, पूर्व एएस एंड एफए, और सुश्री अंकिता मिश्रा बुंदेला, आईएएस, संयुक्त सचिव शामिल हैं (पीएमएसएसवाई), का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिनका मार्गदर्शन हमारी प्रगति में महत्वपूर्ण रहा है। मैं अगस्त से संस्थान के सभी 2020सदस्यके सशक्त नेतृत्व के लिए भी समान रूप से आभारी हूँ, और हमारे नए अध्यक्ष डॉचंद्रशेखर मेश .्राम का हार्दिक स्वागत करता हूँ।

1,366 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ ,20 प्रमुख ब्लॉकों के निर्माण में 83.97% भौतिक प्रगति हासिल हो चुकी है और 2025के अंत तक इसके पूरा होने की उम्मीद है ,तब तक एम्स बीबीनगर लगभग पूर्ण कार्यक्षमता प्राप्त कर लेगा।

शैक्षणिक मोर्चे पर ,संस्थान ने 2019से अब तक 511छात्रों वाले छह एमबीबीएस बैचों में प्रवेश दिया है। हमारे पहले बैच ने दिसंबर 2024में अपनी इंटर्नशिप पूरी कर ली है ,और दूसरा बैच दिसंबर 2025तक अपनी इंटर्नशिप पूरी कर लेगा। सातवें एमबीबीएस बैच के लिए प्रवेश प्रक्रिया अभी जारी है। स्नातकोत्तर शिक्षा का विस्तार 22एमडी/एमएस विभागों तक हो गया है ,जिनमें 144जूनियर रेजिडेंट हैं ,साथ ही न्यूरोलॉजी ,पीडियाट्रिक सर्जरी ,पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर ,ग्लोबल हेल्थ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी , और नियोनेटोलॉजी में सुपर-स्पेशलिटी डीएम/एम.सीएच पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। अगस्त 2023में शुरू

किए गए नर्सिंग कॉलेज ने 2024से बीएससी)ऑनर्स (नर्सिंग में प्रवेश को दोगुना करके 60सीटें कर दिया है और एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम शुरू किया है ,जबकि संबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों को तीन से बढ़ाकर सात कर दिया गया है।

अनुसंधान हमारे संस्थान की प्रमुख ताकत बना हुआ है ,जिसके अब तक 865प्रकाशन हो चुके हैं ,जो हमारे संकाय की शैक्षिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अस्पताल क्षेत्र में ,आंशिक रूप से निर्मित बुनियादी ढाँचे से संचालित होने के बावजूद ,हमारी सेवाएँ 12 लाख से ज़्यादा बाह्य-रोगियों और 21,770 आंतरिक-रोगियों को प्रदान की गई हैं। 35 कार्यात्मक विभाग,132 संकाय सदस्य ,500 से ज़्यादा नर्सिंग अधिकारियों और 3ऑपरेशन थिएटरों के साथ ,जहाँ प्रतिदिन 15-20 बड़ी सर्जरी की जाती हैं ,हम किफ़ायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना जारी रखते हैं। हमारी सुविधाओं में अब आईसीयू ,डायलिसिस ,प्रसव कक्ष ,एमआरआई सहित नैदानिक सेवाएँ और एक रक्त भंडारण केंद्र शामिल हैं। *ई*, *संजीवनी के तहत* -तेलंगाना के सभी 33जिलों में 1.36 लाख से अधिक टेली-परामर्श पहुंच चुके हैं ,जबकि स्वास्थ्य शिविरों और गांवों को गोद लेने के माध्यम से हमारी सामुदायिक पहुंच सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ये सभी उपलब्धियाँ हमारे संकाय ,नर्सिंग अधिकारियों ,अस्पताल कर्मचारियों ,प्रशासनिक एवं तकनीकी टीमों और हमारे छात्रों के समर्पण और कड़ी मेहनत के कारण संभव हुई हैं। परिचालन संबंधी चुनौतियों के बावजूद ,उनकी दृढ़ता और सेवाभाव ,एम्स बीबीनगर की रीढ़ बने हुए हैं।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं ,हम एम्स बीबीनगर को सही मायनों में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं -जो तेलंगाना और राष्ट्र के लोगों के लिए शिक्षा ,अनुसंधान और रोगी देखभाल में मानक स्थापित करेगा।



प्रोअह (.डॉ) .न्थेम सांता सिंह
कार्यकारी निदेशक
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बीबीनगर

1. कार्यकारी निदेशक कार्यालय की रिपोर्ट

1.1 एम्स बीबीनगर की महत्वपूर्ण कार्यक्रम

तारीख	कार्यक्रम
02 अप्रैल 2024	आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में शिरापरक-थ्रोम्बो-एम्बोलिक विकारों पर आईसीएमआर की राष्ट्रीय अस्पताल आधारित रजिस्ट्री - राष्ट्रीय टास्क फोर्स के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया।
08 अप्रैल 2024	एम्स बीबीनगर का प्रथम स्थापना दिवस समारोह।
14 अप्रैल 2024	एम्स, बीबीनगर में भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर की 134 वीं जयंती मनाई गई।
18 अप्रैल 2024	एम्स, बीबीनगर के नेफ्रोलॉजी विभाग ने डायलिसिस यूनिट शुरू की।
18 और 19 अप्रैल 2024	एम्स, बीबीनगर के विभागों ने संयुक्त रूप से "नर्सों के लिए उन्नत घाव देखभाल (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण)" पर कार्यशाला का आयोजन किया।
07 मई 2024	एम्स, बीबीनगर और आईआईटी, हैदराबाद ने 7 मई, 2024 को अग्रणी विचारों के साथ सहयोगात्मक योजनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया।
09 मई 2024 से 11 मई 2024 तक	एनएएमएस, नई दिल्ली में नेतृत्व विकास (लीड) पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
11 मई 2024	एम्स, बीबीनगर में रोगी पंजीकरण के लिए डिजिटल कियोस्क की स्थापना शुरू हुई।
29 मई 2024	एम्स, बीबीनगर ने 29 मई, 2024 को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया।
06 जून 2024 से 09 जून 2024	एम्स, भुवनेश्वर का आधिकारिक दौरा और परियोजनाओं की समीक्षा।
10 जून 2024 और 11 जून 2024	एम्स, नई दिल्ली में "कैंसर देखभाल वितरण की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर चर्चा करने के लिए पीएमएसएसवाई के तहत सभी कैंसर केंद्रों के लिए राष्ट्रीय संविधान" में भाग लिया।
11 जून 2024	एम्स बीबीनगर ने तेलंगाना सशस्त्र बल महिला प्रारंभिक डिग्री कॉलेज, भुवनगिरी में महिला सशक्तिकरण के लिए योग पर सत्र आयोजित किया।
12 जून 2024	एम्स, बीबीनगर ने विश्व रक्तदाता दिवस 2024 के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया।
21 जून 2024	एम्स, बीबीनगर ने भुवनागिरी के सभी आईसीडीएस कार्यकर्ताओं के लिए सामान्य योग प्रोटोकॉल सत्र का आयोजन किया।
21 जून 2024	एम्स बीबीनगर 2024 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा।
21 जून 2024	ईएनटी विभाग, एम्स बीबीनगर ने अत्याधुनिक ओटो एकॉस्टिक एमिशन (ओएई) और बीईआरए कक्ष का शुभारंभ किया।
21 जून 2024 से 22 जून 2024	प्रोफेसर (डॉ.) विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक को 21 जून 2024 (योग दिवस) को रीथिंक इंडिया इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आरोग्य रत्न (फ्यूचर ऑफ हेल्थकेयर अवार्ड्स 2024) से सम्मानित किया गया।
25 जून 2024	एम्स, बीबीनगर ने अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया।
29 जून 2024	श्री. चमाला किरण कुमार रेड्डी, माननीय सांसद लोकसभा, भोंगिर लोकसभा क्षेत्र ने एम्स बीबीनगर का अपना पहला दौरा किया

01 जुलाई 2024	एम्स बीबीनगर ने 01.07.2024 को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया।
04 जुलाई 2024	एम्स, बीबीनगर और आईआईटी, हैदराबाद ने अनुसंधान पर सहयोग के लिए हाथ मिलाया।
03 और 05 जुलाई 2024	एम्स, बीबीनगर, तेलंगाना के नवजात विज्ञान विभाग ने नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
06 जुलाई 2024	एम्स बीबीनगर के माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने "जूनोटिक रोगों की रोकथाम" विषय पर एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया।
07 जुलाई 2024	3 नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीयसाक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के बारे में जागरूकता सत्र।
10 जुलाई 2024	कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास भाटिया ने माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी किशन रेड्डी जी से मुलाकात की और उन्हें एम्स बीबीनगर के नए विकास और प्रगति के बारे में जानकारी दी।
11 जुलाई 2024	दंत चिकित्सा विभाग ने एमडीएस कार्यक्रम शुरू करने और नई ओपीजी मशीन का अनावरण करने के लिए एक औपचारिक पूजा का आयोजन किया, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर (डॉ.) विकास भाटिया, माननीय कार्यकारी निदेशक ने किया।
12 जुलाई 2024	कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया ने एचआईटीईएस एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ एम्स बीबीनगर के विभिन्न भवन खंडों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की।
19 जुलाई 2024	चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया ।
20 जुलाई 2024	एम्स, बीबीनगर के न्यूरोलॉजी विभाग ने विश्व मस्तिष्क दिवस के उपलक्ष्य में “मस्तिष्क स्वास्थ्य और रोकथाम” विषय पर एक सीएमई का आयोजन किया।
19 से 21 जुलाई 2024	बाल चिकित्सा विभाग ने डॉक्टरों के लिए भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी (आईएपी) बेसिक और एडवांस लाइफ सपोर्ट (बीएलएस और एएलएस) पाठ्यक्रम आयोजित किया।
26 जुलाई 2024	एम्स बीबीनगर में एफएमटी स्थापना दिवस मनाया गया
05 जुलाई 2024	एम्स, बीबीनगर ने विश्व स्तनपान सप्ताह-2024 मनाया
30 जुलाई 2024	एम्स, बीबीनगर ने अंगदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।
06 और 07 अगस्त 2024	प्रोफेसर (डॉ.) विकास भाटिया ने 06 और 07 अगस्त 2024 को नई दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा विभाग और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, पीजीआईएमईआर द्वारा आयोजित “तंबाकू नियंत्रण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए रोडमैप विकसित करने हेतु प्रमुख हितधारकों और नेटवर्किंग भागीदारों के लिए क्षेत्रीय परामर्श” में भाग लिया।
15 अगस्त 2024	एम्स बीबीनगर में 78 वां स्वतंत्रता दिवस
16 अगस्त 2024	डीजीएचएस और एनसीडीसी के निदेशक प्रो. (डॉ.) अतुल गोयल ने एमबीबीएस बैच 2024 की एम्स बीबीनगर प्रवेश पुस्तिका जारी की और विभिन्न चल रहे निर्माण स्थलों का दौरा किया।
24 अगस्त 2024	एम्स बीबीनगर के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग ने कीमोथेरेपी दवा तैयारी कक्ष का उद्घाटन किया।

27 अगस्त 2024	श्री जटोथु हुसैन, माननीय सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली ने एम्स बीबीनगर का अपना पहला दौरा किया और संस्थान की प्रगति का निरीक्षण किया।
29 अगस्त 2024	एम्स, बीबीनगर ने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान में योगदान दिया।
10 सितंबर 2024	एम्स बीबीनगर हैदराबाद के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी और रेडी ई ओडायग्नोसिस विभागों ने संयुक्त रूप से बहुविषयक ट्यूमर बोर्ड चर्चा बैठकें शुरू कीं।
08 सितंबर 2024 से 10 सितंबर	प्रोफेसर (डॉ.) विकास भाटिया 09 सितंबर 24 को अरूपदाई वीदु मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, किरुममपक्का, पुदुचेरी के स्नातक दिवस, 2024 में "मुख्य अतिथि" के रूप में शामिल हुए।
09 से 13 सितंबर 2024	एम्स बीबीनगर के मनोचिकित्सा विभाग ने 'आत्महत्या रोकथाम सप्ताह' के लिए सफलतापूर्वक गतिविधियाँ शुरू की हैं।
14 सितंबर 2024	राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की माननीय सदस्य सुश्री सैयद शहजादी ने एम्स बीबीनगर का दौरा किया।
27 सितम्बर 24 (AN) से 30 सितम्बर 24 (FN)	6 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में “मुख्य वक्ता” के रूप में भाग लिया।
04 अक्टूबर 2024	एम्स, बीबीनगर ने भोंगिर जिला न्यायालय में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।
07 अक्टूबर 2024	एम्स बीबीनगर की सुरक्षा समिति ने 2024 बैच के छात्रों के लिए फाउंडेशन कोर्स के एक भाग के रूप में राचकोंडा डिवीजन की एसएचई टीम (सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण) के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।
07 अक्टूबर 2024	एम्स बीबीनगर में पूजा समारोह के साथ प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया, संकाय, प्रशासनिक कर्मचारी और नर्सिंग अधिकारी उपस्थित थे।
08 अक्टूबर 2024	एमबीबीएस 2024 बैच ने फाउंडेशन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र, कान्हा शांति वनम का दौरा किया।
10 अक्टूबर 2024	एम्स, बीबीनगर में "विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस" मनाया गया। 10 अक्टूबर को "विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस" के रूप में मनाया जाता है और विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, इस पूरे महीने कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
10 अक्टूबर 2024	एम्स बीबीनगर की बाजरा संवर्धन समिति ने राष्ट्रीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर) के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। राष्ट्रीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर) की टीम ने बाजरे के बारे में विस्तृत जानकारी दी और 17 से 19 अक्टूबर तक हैदराबाद में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज सम्मेलन 6.0 में भाग लेने का अनुरोध किया।
18 अक्टूबर 2024	एम्स, बीबीनगर के रेडी ई ओ डायग्नोसिस विभाग ने स्तन कैंसर संगोष्ठी का आयोजन किया।
19 अक्टूबर 2024	सामुदायिक चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने स्टेटा का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर चार दिवसीय कार्यशाला पूरी की
29 अक्टूबर 2024	माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद उत्सव के एक भाग के रूप में एम्स, बीबीनगर में ड्रोन सेवाओं का वर्चुअल शुभारंभ किया।

08 नवंबर 2024	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार एम्स, बीबीनगर ने 21-10-2024 से 23-10-2024 तक स्वच्छता ही सेवा विशेष अभियान 4.0 और कर्म योगी सप्ताह - राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का आयोजन किया।
12 नवंबर 2024	एम्स, बीबीनगर ने 37वें वार्षिक इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स अंडरग्रेजुएट क्विज के सेंट्रल जोनल राउंड में जीत हासिल की। एम्स, बीबीनगर के एमबीबीएस छात्र भगवंत पवार गणेश (2020 बैच) और ओमकार पटनायक (2021 बैच) ने कानपुर में आयोजित 37वें वार्षिक इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स अंडरग्रेजुएट क्विज के सेंट्रल जोनल राउंड में जीत हासिल की।
14 नवंबर 24	आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत "ड्रोन सर्विसेज फॉर हेल्थ आउटरीच इनिशिएटिव" ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवा में बदलाव ला रहा है! ।ICMR के सहयोग से AIIMS बीबीनगर द्वारा इसका नेतृत्व किया जा रहा है।
18 नवंबर 2024	एम्स बीबीनगर ने 18 नवंबर से 23 नवंबर 2024 तक विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW) मनाया।
02 दिसंबर 2024	मॉडल हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज, बोम्मालारामरम में "स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। किशोरों में एचआईवी/एड्स की रोकथाम के प्रयासों में जागरूकता अभियान, स्कूल आधारित शिक्षा और किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम (एईपी) जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
06 दिसंबर 2024	एक स्वास्थ्य दिवस: एम्स, बीबीनगर में माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने अपना चौथा स्थापना दिवस मनाया । एम्स बीबीनगर ने 6 दिसंबर 2024 को स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस पर एक दिवसीय बैठक आयोजित की।
11 दिसंबर 2024	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने पहली एंडोस्कोपिक सर्जरी सफलतापूर्वक की है।
13 दिसंबर 2024	एम्स बीबीनगर में क्रिसमस पूर्व समारोह।
17 दिसंबर 2024	एम्स बीबीनगर के एनाटॉमी विभाग ने एमबीबीएस 2024 बैच के छात्रों के प्रवेश के उपलक्ष्य में एक यादगार व्हाइट कोट समारोह का आयोजन किया।
21 दिसंबर 2024	एम्स, बीबीनगर में विश्व ध्यान दिवस मनाया गया।
24 जनवरी 2025	एम्स, बीबीनगर के आईटी सेल ने 'उन्नत चिकित्सा प्रौद्योगिकी में साइबर सुरक्षा: स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को सुरक्षित करना' विषय पर एक सीएमई का आयोजन किया।
25 जनवरी 2025	एम्स, बीबीनगर में वार्षिक खेल आयोजन, *स्पार्क-2025* का उद्घाटन किया गया।
26 जनवरी 2025	एम्स बीबीनगर में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।
27 जनवरी 2025	एम्स बीबीनगर के एनाटॉमी विभाग ने 5वें स्थापना दिवस के अवसर पर अवलोकण 2025 मनाया।
30 जनवरी 2025.	एम्स बीबीनगर में यूजी गर्ल्स हॉस्टल की प्रवेश पूजा।
29 जनवरी 2025	एम्स बीबीनगर के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग ने अपना 5वां स्थापना दिवस मनाया।
19 फ़रवरी 2025	एम्स बीबीनगर ने "ट्रांसजेंडर के स्वास्थ्य पर डॉक्टरों के लिए जागरूकता " कार्यक्रम का आयोजन किया ।
20 फ़रवरी 2025	डीएचआर ने एम्स, बीबीनगर में स्वास्थ्य में व्यवस्थित समीक्षा और नेटवर्किंग सहायता (SARANH) पर कार्यशाला का आयोजन किया।
21 फ़रवरी 2025	एम्स बीबीनगर के हड्डी रोग विभाग ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के तहत सड़क सुरक्षा अभियान का आयोजन किया है।
19 फ़रवरी 25 से 22 फ़रवरी 25	एम्स बीबीनगर ने 19 फरवरी से 22 फरवरी 2025 तक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण पर 4 दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया।

तक	
08 मार्च 2025	एम्स बीबीनगर ने 03 मार्च से 07 मार्च 2025 तक “जन औषधि सप्ताह 2025” मनाया, जिसका विषय था “जेनेरिक दवाओं को “हां” कहें”।
09 मार्च 2025	एम्स बीबीनगर उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अत्याधुनिक उपकरणों को एकीकृत कर रहा है। अस्पताल ने अपनी डायग्नोस्टिक सेवाओं में 160 स्लाइस सीटी स्कैनर को भी शामिल किया है।
10 मार्च 2025	एम्स बीबीनगर का 5वां वार्षिक दिवस मनाया गया।
12 मार्च 2025	एम्स बीबीनगर में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह मनाया गया
18 मार्च 2025	17 और 18 मार्च 2025 को "कमजोर जनजातीय समुदायों के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सतत विकास के लिए अच्छी संभावनाएं और प्रथाएं" पर सीएमई सह कार्यशाला आयोजित की गई।
20 मार्च 2025	एम्स, बीबीनगर में आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला
20 मार्च 2025	एम्स, बीबीनगर ने स्वास्थ्य देखभाल पर कार्यशाला आयोजित की।
26 मार्च 2025	एम्स बीबीनगर ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जब बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) ने गंभीर रूप से बीमार 1,500 बच्चों को सफलतापूर्वक अस्पताल से छुट्टी मिलने का जश्न मनाया।
26 मार्च 2025	नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक स्वास्थ्य देखभाल में रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता पर उपसमिति - स्वच्छता अभियान समिति के तहत 11 कार्यशालाओं का समापन समारोह।
28 मार्च 2025	एम्स बीबीनगर के ऑर्थोपेडिक्स विभाग ने अत्याधुनिक स्पाइन एंडोस्कोपिक सेवाएं शुरू कीं।
30 मार्च 2025	एम्स बीबीनगर ने गुणवत्ता उत्कृष्टता में उपलब्धि हासिल की, हमारे पैरा क्लिनिकल विभागों के लिए एनएबीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। (11-13 मार्च, 2025, और 17-29 मार्च, 2025)।

संस्थान
सामान्य अवलोकन

संस्थान - सामान्य अवलोकन

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) की घोषणा 2003 में सस्ती/विश्वसनीय तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने और देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। देश में बहुत महत्वपूर्ण संस्थानों के निर्माण की सुविधा के लिए, भारत सरकार ने एम्स अधिनियम, 1956 को कानून बनाया है जिसके तहत भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एम्स की स्थापना की जाती है। एम्स, बीबीनगर हैदराबाद महानगर क्षेत्र (एचएमआर) (तेलंगाना) को पीएमएसएसवाई के "चरण-VII" में दर्शाया गया था। इसकी शुरुआत अगस्त 2019 में हुई। यह संस्थान रंगपुर और कोंडामादुगु, बीबीनगर मंडल, यदाद्री-भुवनगिरि जिले के गांवों में 201 एकड़ क्षेत्र में स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन (बीबीनगर) और बस स्टैंड दो किलोमीटर दूर हैं और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (शमशाबाद) लगभग 54 किलोमीटर दूर स्थित है। यह स्थल NH-163 - हैदराबाद - वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है।

एम्स बीबीनगर वर्तमान में अपने नए सौंपे गए ब्लॉकों (पूर्व में निम्स अस्पताल) से संचालित हो रहा है। अन्य भवनों का निर्माण कार्य जारी है और कुछ ब्लॉक पहले ही सौंप दिए गए हैं। पाँच बैचों में लगभग 500 एमबीबीएस छात्र वर्तमान में अपना करियर बना रहे हैं, जिनमें से 50 छात्रों के पहले बैच ने अपनी इंटर्नशिप पूरी कर ली है। वर्तमान में, रोगी देखभाल, शिक्षा, विभाग स्थापना, प्रशासन और छात्रावास सुविधाओं का प्रबंधन हमें सौंपे गए कुछ नए ब्लॉकों के साथ-साथ कुछ मौजूदा पुराने ब्लॉकों से किया जा रहा है। पाँच वर्षों की अवधि में, संस्थान ने तेज़ी से विकास किया है और संकाय विकास, शिक्षण, अनुसंधान, सहयोग, सामुदायिक गतिविधियों और रोगी देखभाल के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान किया है।

एम्स, बीबीनगर का संक्षिप्त विवरण

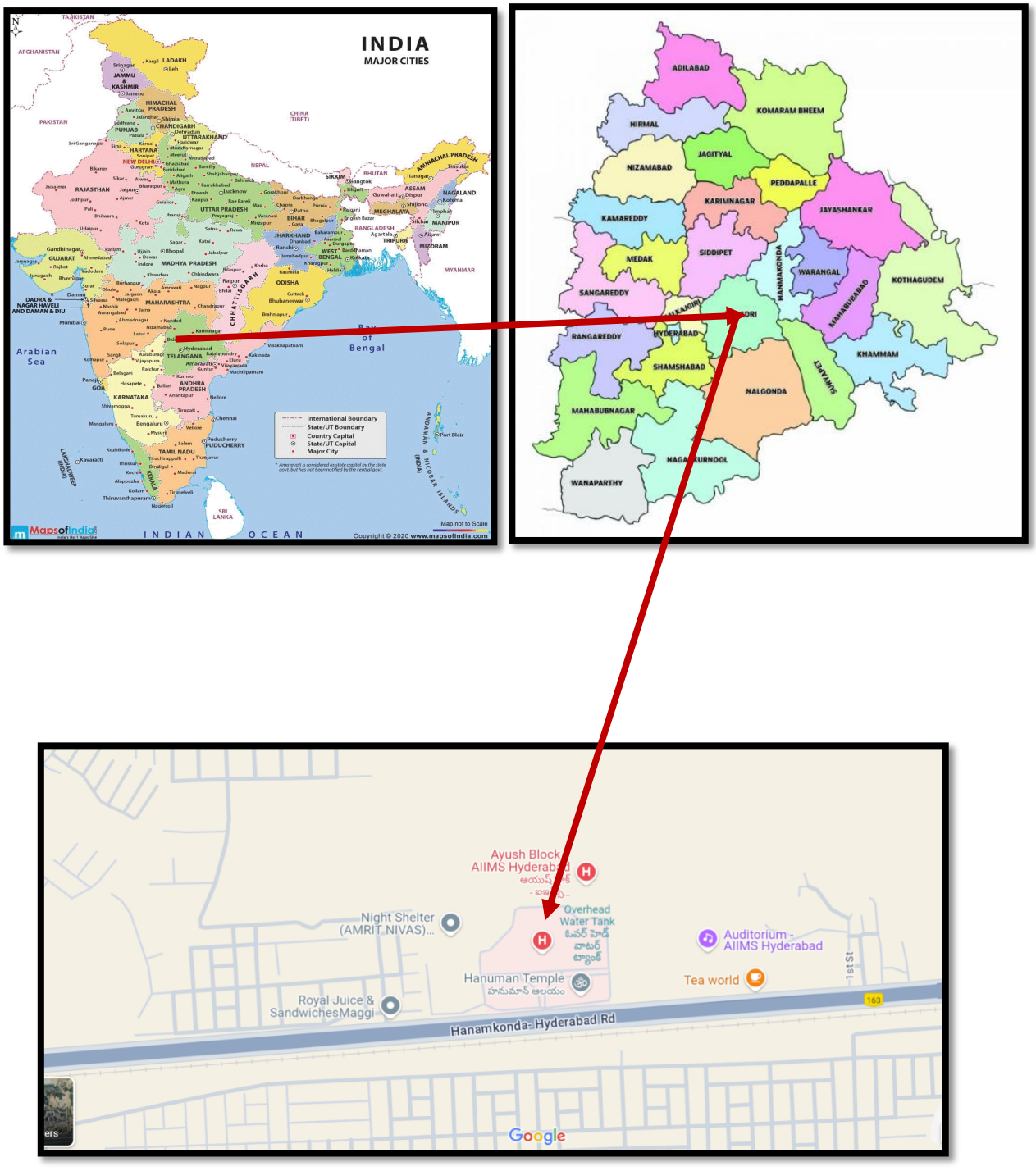
परियोजना विवरण:

1. स्थान: रंगपुर, बीबीनगर, यदाद्री-भुवनागिरी, तेलंगाना
2. भूमि क्षेत्र: 201.648 एकड़ और
3. परियोजना लागत: 1365.95 करोड़ रुपये (20.02.2023 को स्वीकृत)
4. निष्पादन एजेंसी: ईपीसी अनुबंध मोड के तहत मेसर्स एचएलएल हाइट्स
5. खरीद सहायता एजेंसी: मेसर्स एचएलएल हाइट्स
6. निर्माण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

- अस्पताल ब्लॉक: ओपीडी, आईपीडी, आयुष और ओटी ब्लॉक सहित 750 बिस्तरों वाला
- शैक्षणिक ब्लॉक: मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज
- आवासीय ब्लॉक: निदेशक का बंगला, गेस्ट हाउस, आवासीय आवास
- संकाय और कर्मचारी, डॉक्टरों, नर्सों और छात्रों के लिए छात्रावास और मरीजों के लिए रात्रि आश्रय

जगह स्थान:

गाँव: रंगापुर और कोंडामादुगु
मंडल: बीबीनगर
जिला: यदाद्रि-भुवनगिरि, हैदराबाद महानगर क्षेत्र



संस्थान निकाय

क्रम सं	नाम	पद का नाम
1.	प्रो. (डॉ.) जॉर्ज ए डिसूजा, डीन, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु	अध्यक्ष
2	श्री. बंदी संजय कुमार, माननीय सांसद लोकसभा	सदस्य
3	श्री. अरविन्द धर्मपुरी, माननीय सांसद लोकसभा	सदस्य
4	माननीय सांसद राज्य सभा (रिक्त)	सदस्य
5	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय / भारत सरकार द्वारा नामित	सदस्य
6	डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
7	एएस एवं एफए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
8	मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार	सदस्य
9	डॉ. बी करुणाकर रेड्डी, कुलपति कलोजी नारायण राव यूएचएस, वारंगल, तेलंगाना	सदस्य
10	प्रो. बीएस मूर्ति, निदेशक, आईआईटी, हैदराबाद	सदस्य
11	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व डीन, सीएसजेएम विश्वविद्यालय कानपुर	सदस्य
12	डॉ. राकेश शर्मा, सीईओ और प्रयोगशाला निदेशक, उत्तरी दिल्ली पैथोलॉजी क्लिनिक, नई दिल्ली	सदस्य
13	डॉ. सुब्बैया शनमुगम, प्रोफेसर और प्रमुख, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, किल्पौक मेडिकल कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु	सदस्य
14	डॉ. वसंत कामथ, मेडिसिन के प्रोफेसर, एमवीजे मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल, बेंगलुरु, कर्नाटक	सदस्य
15	डॉ. के. मनोहर, निदेशक, निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद	सदस्य
16	प्रो. के.एस. मोहन, मनोचिकित्सा के प्रोफेसर, मालाबार मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, कालीकट, केरल	सदस्य
17	प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक, एम्स बीबीनगर	सदस्य सचिव

स्थायी विशेष आमंत्रित:

1	अपर सचिव	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (संस्थान के प्रभारी), भारत सरकार
2	संयुक्त सचिव	पीएमएसएसवाई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
3	डीन	शिक्षाविद, एम्स, बीबीनगर
4	उप निदेशक	प्रशासन, एम्स, बीबीनगर
5	वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार / वित्तीय सलाहकार	एम्स, बीबीनगर

शासी निकाय

क्रम सं	नाम	पद का नाम
1	प्रो. (डॉ.) जॉर्ज डिसूजा, अध्यक्ष, एम्स बीबीनगर	अध्यक्ष
2	माननीय सांसद राज्य सभा (रिक्त)	सदस्य
3	सचिव , स्वास्थ्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित	सदस्य
4	डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
5	मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार / नामित	सदस्य
6	एएस एवं एफए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
7	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व डीन, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर	सदस्य
8	डॉ. राकेश शर्मा, सीईओ, नॉर्थ दिल्ली पैथोलॉजी क्लिनिक, नई दिल्ली	सदस्य
9	डॉ. सुब्बैया शनमुगम, प्रोफेसर और प्रमुख, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, किल्पौक मेडिकल कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु	सदस्य
10	डॉ. वसंत कामथ, मेडिसिन के प्रोफेसर, एमवीजे मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल, बेंगलुरु, कर्नाटक	सदस्य
11	प्रोफेसर (डॉ.) विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक, एम्स बीबीनगर	सदस्य सचिव

स्थायी विशेष आमंत्रित सदस्य
अतिरिक्त सचिव - पीएमएसएसवाई प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
संयुक्त सचिव - पीएमएसएसवाई प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
डीन (अकादमिक) - एम्स बीबीनगर
उप निदेशक (प्रशासन) - एम्स बीबीनगर
वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार / वित्तीय सलाहकार - एम्स बीबीनगर

स्थायी वित्त समिति

क्रम सं	नाम	पद का नाम
1	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय **/** भारत सरकार द्वारा नामित	अध्यक्ष
2	माननीय सांसद, लोकसभा	सदस्य
3	एएस एवं एफए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4	डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
5	मुख्य सचिव / तेलंगाना सरकार के नामित	सदस्य
6	डॉ. राकेश शर्मा, सीईओ और प्रयोगशाला निदेशक नॉर्थ दिल्ली पैथोलॉजी क्लिनिक, नई दिल्ली	सदस्य
7	प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक, एम्स, बीबीनगर	सदस्य सचिव

स्थायी चयन समिति

क्रम सं	**नाम**	**पद का नाम**
1	डॉ. सुब्बैया शनमुगम, प्रोफेसर और प्रमुख, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, किल्पौक मेडिकल कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु।	अध्यक्ष
2	डॉ. वसंत कामथ, मेडिसिन के प्रोफेसर एमवीजे मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल, बेंगलुरु, कर्नाटक	उपाध्यक्ष
3	डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4	डॉ. राकेश शर्मा, सीईओ और प्रयोगशाला निदेशक नॉर्थ दिल्ली पैथोलॉजी क्लिनिक, नई दिल्ली	सदस्य
5	डॉ. के.एस. मोहन, मनोचिकित्सा के प्रोफेसर मालाबार मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान केंद्र	सदस्य
6	डॉ. बी करुणाकर रेड्डी, कुलपति, कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, वारंगल, तेलंगाना	सदस्य
7	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर	सदस्य
8	प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक, एम्स बीबीनगर	सदस्य सचिव

स्थायी शैक्षणिक समिति

क्रम सं	**नाम**	**पद का नाम**
1	डॉ. वसंत कामथ, मेडिसिन के प्रोफेसर, एमवीजे मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल, बेंगलुरु, कर्नाटक	अध्यक्ष
2	श्री बंदी संजय कुमार, माननीय सांसद लोकसभा	सदस्य
3	डॉ. के. मनोहर, निदेशक, निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद	उपाध्यक्ष
4	डॉ. सुब्बैया शनमुगम, प्रोफेसर और प्रमुख, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, किल्पौक मेडिकल कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु	सदस्य
5	डॉ. के.एस. मोहन, मनोचिकित्सा के प्रोफेसर, मालाबार मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र	सदस्य
6	प्रो. बीएस मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद	सदस्य
7	प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक, एम्स बीबीनगर	सदस्य सचिव

*इन्हें 2021 से पिछले वर्षों की रिपोर्टों के समान ही पढ़ा जा सकता है।

प्रशासन/वित्त/शैक्षणिक पद	नाम
कार्यकारी निदेशक	प्रो.(डॉ.) विकास भाटिया
डीन (अकादमिक)	प्रो.(डॉ.) राहुल नारंग
डीन (परीक्षा)	प्रो.(डॉ.) नितिन अशोक जॉन
डीन (अनुसंधान)	प्रो.(डॉ.) संगीता संपत
एसोसिएट डीन (अकादमिक)	डॉ. मृदुला चंद्रुपटला
एसोसिएट डीन (परीक्षा) और सीवीओ	डॉ. शशांक शेखर पांडा
एसोसिएट डीन (अनुसंधान)	डॉ. गोविंदराव के
रजिस्ट्रार	डॉ. अपर्णा वर्मा भोंगीर
चिकित्सा अधीक्षक प्रभारी	प्रो. (डॉ.) अभिषेक जे. अरोड़ा
अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक	डॉ. एस कल्याणी सूर्या धाना लक्ष्मी
उप निदेशक (प्रशासन)	डॉ. बिपिन पी. वर्गीस
वित्तीय सलाहकार	श्री राशिद अब्बास अंसारी
ओएसडी सह पीआरओ	डॉ. प्रशांत माडा
पीआरओ आई/सी	डॉ. आर. श्यामला
अधीक्षण अभियंता	श्री डी. गोवर्धन
संकाय प्रभारी प्रशासन	डॉ. पीएस सिद्धार्थ राव
लेखा अधिकारी	श्री जी. वेंकट सतीश

	इंजीनियरिंग गतिविधियाँ	शुरू कर दिया	गतिविधि
	मास्टर प्लान	31.03.2021	भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित
	ईपीसी निविदा	निविदा - 11.02.2022 एलओए - 07.07.2022	एनसीसी को पुरस्कार पत्र जारी किया गया निर्माण कार्य शुरू हो गया है
	201 एकड़ भूमि का हस्तांतरण	04.06.2020	राजस्व विभाग से स्थानांतरित टीएस

	इंजीनियरिंग गतिविधियाँ	शुरू कर दिया	गतिविधि
1	मास्टर प्लान	31.03.2021	भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित
2	ईपीसी निविदा	निविदा - 11.02.2022 एलओए - 07.07.2022	एनसीसी को पुरस्कार पत्र जारी किया गया निर्माण कार्य शुरू हो गया है
3	201 एकड़ भूमि का हस्तांतरण	04.06.2020	राजस्व विभाग से स्थानांतरित टीएस

प्रशासन

संस्थान का सामान्य प्रशासन प्रभाग गतिविधियों का प्रबंधन करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रभाग है और संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कार्यकारी निदेशक को प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। इसमें संकाय और कर्मचारियों से संबंधित सभी स्थापना संबंधी मामले, भंडार एवं खरीद, शिकायतें, समीक्षा बैठकें आयोजित करना और कार्यकारी निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य प्रशासनिक मामले शामिल हैं। सुचारू संचालन और संचालन के लिए, प्रशासनिक, शैक्षणिक अनुभाग, वित्त, अस्पताल सेवाएँ, विभाग और स्वास्थ्य केंद्र कार्यकारी निदेशक को रिपोर्ट करते हैं । उप निदेशक (प्रशासन), प्रशासनिक अधिकारी और लेखा अधिकारी के साथ मिलकर संस्थान की प्रगति और विकास के लिए कार्य करते हैं। शैक्षणिक अनुभाग, परीक्षा अनुभाग, अनुसंधान अनुभाग और चिकित्सा शिक्षा इकाई पूरी तरह कार्यात्मक हैं और एक सकारात्मक कार्य संस्कृति स्थापित करने के लिए एक-दूसरे के साथ समन्वय में काम करते हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए भर्ती स्थिति

1. **स्टाफ की स्थिति** : एम्स, बीबीनगर की कुल स्वीकृत स्टाफ संख्या 1557 है। 31 मार्च 2025 तक विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	वर्ग	स्वीकृत शक्ति	पदस्थ कुल कर्मचारी	रिक्त पद
1	प्रोजेक्ट सेल पोस्ट	08	05	3
2	संकाय	183	124	59
3	समूह ए (गैर-संकाय)	09	05	4
4	ग्रुप ए (नर्सिंग संकाय)	21	21	0
5	सीनीयर रेजिडेंट	200	152	48
6	जूनियर रेजिडेंट	200	173	27
7	ग्रुप बी (नर्सिंग अधिकारी और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी)	831	534	297
8	ग्रुप बी (अन्य गैर-संकाय)	63	44	19
9	समूह सी	42	22	20
कुल		**1557**	**1080**	**477**

2. **a. संकाय:** 44 संकाय पदों (20 विभागों से) को भरने के लिए चरण-I के साक्षात्कार, जो विज्ञापन संख्या AIIMS/BBN/RECT/FACULTY/2024/133 के माध्यम से 08.07.2024 को विज्ञापित किए गए थे, 12-12-2024 से 14-12-2024 तक पूरे हो गए हैं। कुल 29 उम्मीदवारों का चयन किया गया है, जिनमें से 12 उम्मीदवारों ने 31-03-2025 से पहले कार्यभार ग्रहण कर लिया है। चरण-I भर्ती प्रक्रिया के कुल 17 रिक्त पद (13 विभागों से) और जिन पदों के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुए थे, उन्हें विज्ञापन संख्या AIIMS/BBN/RECT/FACULTY/2025/29/584 के माध्यम से 08-03-2025 को प्रतिनियुक्ति/अनुबंध के आधार पर पुनः विज्ञापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, संस्थान की आवश्यकता के अनुसार, 17 विभागों के कुल 18 संकाय पदों के लिए विजिटिंग फैकल्टी योजना के आधार पर 28-03-2025 को विज्ञापन संख्या: AIIMS/BBN/RECT/VIS FAC/2025/30/625 के माध्यम से विज्ञापन दिया गया है। दूसरे चरण के साक्षात्कार शीघ्र ही आयोजित करने की योजना है।

b. संकाय मूल्यांकन पदोन्नति योजना: एम्स बीबीनगर में सहायक प्रोफेसरों और एसोसिएट प्रोफेसरों को क्रमशः एसोसिएट प्रोफेसर और अतिरिक्त प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति प्रदान करने के संबंध में मूल्यांकन पदोन्नति योजना (एपीएस) साक्षात्कार 24 से 25 सितंबर 2025 तक आयोजित किए गए। 17

विभागों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। कुल 39 सहायक प्रोफेसरों और 17 एसोसिएट प्रोफेसरों को क्रमशः एसोसिएट प्रोफेसर और अतिरिक्त प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

3. **नर्सिंग अधिकारी:** विभागीय पुष्टिकरण समिति (डीसीसी) और विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) ने पात्र नर्सिंग अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान करने के संबंध में बैठकें आयोजित कीं। एम्स बीबीनगर में कुल 116 नर्सिंग अधिकारियों को वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

4. नर्सिंग कॉलेज: प्रोफेसर-सह-प्रधानाचार्य के पद को भरने के लिए साक्षात्कार, जिसका विज्ञापन सूचना संख्या एम्स /बीबीएन/रेक्ट/आरईजी (जीआर-ए)/2021/136 दिनांक 27-08-2021 और सूचना संख्या एम्स/बीबीएन/रेक्ट/आरईजी (जीआर-ए)/2022/2243 दिनांक 30-12-2022 के तहत किया गया था, 23-09-2024 और 24-09-2024 को आयोजित किया गया था। चयनित उम्मीदवार 20-12-2024 को संस्थान में शामिल हुए। इसके अलावा, विज्ञापन संख्या एम्स/बीबीएन/कॉन /गेस्ट फैकल्टी/2024/416 दिनांक 25-11-2024 के तहत कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स बीबीनगर के लिए प्रति घंटा आधार पर अतिथि संकाय (अंग्रेजी, तेलुगु, समाजशास्त्र, सांख्यिकी) की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इसके बाद, उपरोक्त पदों के लिए साक्षात्कार 24/01/2025 को आयोजित किए गए। अंग्रेजी, तेलुगु और समाजशास्त्र विषयों के लिए कुल 03 उम्मीदवारों का चयन किया गया है।

5. **ग्रुप बी और सी:** एम्स नई दिल्ली ने फरवरी 2025 में निम्नलिखित 06 ग्रुप बी और 13 ग्रुप सी पदों को भरने के लिए सीबीटी परीक्षा आयोजित की।

क्रम सं.	**पद का नाम**	**स्तर**	**पदों की संख्या**	**अनुशंसा**
1	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	07	01	यू.आर.-1
2	निजी सहायक (पीए)	06	01	यू.आर.-1
3	कार्यकारी सहायक (एनएस)	06	01	यू.आर.-1
4	तकनीशियन (प्रयोगशाला)	06	01	यूआर-1 (दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद)
6	स्टोर कीपर	06	01	एससी-1
7	पुस्तकालय एवं सूचना सहायक (ग्रेड III)	06	01	एससी-1 (दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद)
8	आशुलिपिक	04	03	यूआर-2, ओबीसी-1
9	उच्च श्रेणी लिपिक	04	01	यूआर-1 (पूर्व सैनिक)
10	मेडिकल रिकॉर्ड तकनीशियन	04	04	यूआर-3, ओबीसी-1 (02 पद पीडब्ल्यूबीडी के लिए आरक्षित हैं))
11	अग्नि तकनीशियन	04	02	यूआर-2 (पूर्व सैनिक)
12	अवर श्रेणी लिपिक	02	03	यूआर-2, एसटी-1
कुल				**19**

6. **गैर-संकाय समूह 'ए':** चिकित्सा भौतिक विज्ञानी-02, बाल मनोवैज्ञानिक-01 और नैदानिक मनोवैज्ञानिक-01 के पदों के लिए विज्ञापन संख्या: AIIMS/BBN/RECT/NON_FAC/2024/343 के तहत 12-03-2024 को विज्ञापन दिया गया था। उपरोक्त पदों के लिए साक्षात्कार 20-11-2024 को

आयोजित किए गए थे। कुल 04 उम्मीदवारों का चयन किया गया है, जिनमें से 03 ने 31-03-2025 तक कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

7. सलाहकार पद: निम्नलिखित सलाहकार पदों को भरने के लिए रिक्तियों की सूचना 08.07.2024 को विज्ञापन संख्या: AIIMS/BBN/RECT/CONSULTANT/2024/134 के तहत विज्ञापित की गई थी। इसके बाद, उपरोक्त पदों के लिए साक्षात्कार 21-11-2024 को आयोजित किए गए। कुल 03 उम्मीदवारों (सिस्टम एनालिस्ट, सलाहकार (ऑडिट) और सलाहकार (प्रोक्योरमेंट)) का चयन किया गया। तीनों उम्मीदवार 31-03-2025 से पहले इस संस्थान में कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं।

क्रम सं.	पद का नाम	पदों की संख्या
01	सलाहकार (लेखा परीक्षा)	01
02	सलाहकार (खरीद)	01
03	वरिष्ठ आईटी सलाहकार	01
04	प्रणाली विश्लेषक	01

8. प्रतिनियुक्ति: निम्नलिखित पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरने के लिए रिक्तियों की सूचना 08-07-2024 को विज्ञापन सूचना संख्या: AIIMS/BBN/RECT/DEPUTATION/2024/288 के माध्यम से विज्ञापित की गई है। तत्पश्चात, दिनांक 13/09/2024 के नोटिस के माध्यम से चिकित्सा अधीक्षक, सहायक परीक्षा नियंत्रक, प्रशासनिक अधिकारी के पदों के लिए उम्मीदवारों की अंतिम पात्रता स्थिति घोषित की गई और 20/09/2024 को साक्षात्कार आयोजित किए गए। ACE और AO के पदों के लिए चयनित उम्मीदवार 31-03-2025 से पहले इस संस्थान में कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं। शेष पदों के लिए चरण-2 के साक्षात्कार शीघ्र ही आयोजित करने की योजना है।

क्रम सं.	पद का नाम	समूह	पदों की संख्या
1	चिकित्सा अधीक्षक	ए	01
2	रजिस्ट्रार	ए	01
3	नर्सिंग अधीक्षक	ए	02
4	कार्यकारी अभियंता (सिविल)	ए	01
6	कार्यकारी अभियंता (विद्युत)	ए	01
7	सहायक परीक्षा नियंत्रक	ए	01
8	प्रशासी अधिकारी	ए	01
9	लेखा अधिकारी	ए	01
10	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	बी	01
11	सहायक लेखा अधिकारी	बी	02
12	उच्च श्रेणी लिपिक	सी	04

डीपीआर (उपकरण) विंग, एम्स बीबीनगर

चिकित्सा शिक्षा के निरंतर विकसित होते परिदृश्य में, किसी भी मेडिकल कॉलेज में उपकरणों का उचित स्वागत और स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एम्स बीबीनगर जैसे राष्ट्रीय महत्व के नए संस्थान में उपकरणों का स्वागत और स्थापना कई अनूठी चुनौतियों का सामना करती है। इन चुनौतियों में अक्सर खरीद, सुविधाओं और शैक्षणिक विभागों के बीच समन्वय की समस्याएँ, मानकीकृत निरीक्षण प्रोटोकॉल का अभाव, अपर्याप्त दस्तावेज़ीकरण और अप्रत्याशित रसद संबंधी बाधाओं के कारण स्थापना में संभावित देरी शामिल होती है। ये बाधाएँ आवश्यक उपकरणों के समय पर एकीकरण में बाधा डाल सकती हैं, जिससे रोगी देखभाल, शैक्षिक गतिविधियों और अनुसंधान के अवसरों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट या डीपीआर, जैसा कि आम तौर पर जाना जाता है, एचएलएल हाइट्स की एक पहल है जिसमें एम्स बीबीनगर के लिए उपकरणों का प्रबंधन किया जाता है । भारत के राष्ट्रपति द्वारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत कार्य करने और एम्स बीबीनगर के कार्यकारी निदेशक और एचएलएल हाइट्स के अध्यक्ष के बीच हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौता एक अनूठा दस्तावेज है, जिसने एम्स बीबीनगर के लिए चिकित्सा उपकरण प्राप्त करने की आसान प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त किया है। संक्षेप में, एम्स बीबीनगर के संकाय अपने विभागों के लिए उपकरणों की एक विस्तृत सूची में से उपकरण चुन सकते हैं, जो प्रत्येक विभाग के लिए विशिष्ट है और जिसका कुल बजट 185 करोड़ है; फिर एचएलएल हाइट्स आपूर्ति आदेश जारी करता है और उपकरण एम्स बीबीनगर में वितरित और स्थापित हो जाता है, जिसके बाद भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नियंत्रित आपूर्तिकर्ता को भुगतान जारी किया जाता है । एम्स बीबीनगर के लिए डीपीआर के अंतर्गत उपकरणों के प्रबंधन हेतु दिनांक 13 जनवरी, 2023 के कार्यालय आदेश एम्स/बीबीएन/एडमिन/ओओ/2023 के अनुसार। डीपीआर विंग में एक टीम शामिल है जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

- ✓ **डॉ. शशांक शेखर पांडा , प्रोफेसर और प्रमुख,** बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, नोडल अधिकारी के रूप में
- ✓ **डॉ. पराग पाटिल** , एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग को अतिरिक्त नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
- ✓ **श्री जितेंद्र झा** कार्यालय सहायक के रूप में
- ✓ **श्री गोरापल्ली नितिन कुमार** , स्टोरकीपर
- ✓ **श्री कपिल कुमार सिंह** , निम्न श्रेणी लिपिक

इस शाखा का उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों की प्राप्ति, निरीक्षण और स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाओं को अनुकूलित और सुव्यवस्थित करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रोगियों, छात्रों और संकाय सदस्य को रोगी देखभाल, व्यावहारिक शिक्षा और अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक उपकरणों तक पहुँच प्राप्त हो। कुशल प्रक्रियाओं को लागू करके और विभिन्न विभागों के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर, एम्स बीबीनगर अपनी क्षमताओं को बढ़ा सकता है और स्वास्थ्य सेवा शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बनाए रख सकता है।

इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य संस्थान के भीतर चिकित्सा उपकरणों की प्राप्ति, निरीक्षण और स्थापना के लिए एक व्यवस्थित और कुशल प्रक्रिया स्थापित करना है। इसमें उपकरण निरीक्षण के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल विकसित करना, उपकरण रिकॉर्ड के लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाना और खरीद, सुविधाओं और शैक्षणिक विभागों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक ढाँचा लागू करना शामिल है। नियमित बैठकें और संचार माध्यम खरीद, सुविधाओं और शैक्षणिक विभागों के बीच समन्वय को सुगम बनाने में मदद करते हैं, जिससे सूचना का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित होता है । इन उद्देश्यों को प्राप्त करके, परियोजना का उद्देश्य विलंब को कम करना, पारदर्शिता बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना है कि रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए चिकित्सा उपकरण आसानी से उपलब्ध हों। इस परियोजना के कार्यान्वयन से कई महत्वपूर्ण लाभ होने की उम्मीद है। सबसे पहले, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं से उपकरण स्थापना में देरी कम होगी, जिससे रोगियों, छात्रों और संकाय सदस्य को समय पर आवश्यक उपकरण प्राप्त हो सकेंगे। दूसरा, डीपीआर विंग द्वारा अनुरक्षित केंद्रीकृत डेटाबेस पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाएगा, जिससे हितधारक आसानी से स्थापना की प्रगति पर नज़र रख

सकेंगे। इसके अलावा, मानकीकृत प्रोटोकॉल उपकरणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगे, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देंगे। अंत में, विभागों के बीच बेहतर समन्वय सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देगा, जिससे समग्र दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय महत्व के किसी भी संस्थान के सुचारू संचालन के लिए कुशल उपकरण प्राप्ति और स्थापना प्रक्रियाएँ अनिवार्य हैं। प्रक्रियाओं के मानचित्रण, मानकीकृत प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन, एक केंद्रीकृत डेटाबेस की स्थापना और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस परियोजना का व्यापक दृष्टिकोण उपकरण प्रबंधन में क्रांति लाने के लिए तैयार है। अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाकर, संस्थान रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में अग्रणी के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को सुदृढ़ कर सकता है। यह उपक्रम उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि रोगियों, छात्रों और संकाय सदस्य के पास स्वास्थ्य सेवा के गतिशील क्षेत्र में फलने-फूलने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों।

List of departments and funds sanctioned for

New AIIMS - COST ESTIMATION		
Sl.No	DEPARTMENTS	Cost Estimate in (INR)
	TEACHING BLOCK	
1	Anatomy	25925000
2	Biochemistry	71015000
3	Physiology	22030000
4	Community Medicine	44682500
5	Microbiology	31438000
6	Pharmacology	10550000
7	Lab medicine & Pathology	18050000
8	Forensic Medicine including Toxicology	13135000
	Sub Total	236825500
	SPECIALITY DEPARTMENTS	
1	General Surgery	21320000
2	General Medicine	6270000
3	Paediatrics	7244500
4	Orthopedics	30480000
5	Ophthalmology	21750000
6	Psychiatry	4900000
7	Dermatology	7005000
8	ENT	26300000
9	Obst & Gynecology	16740000
10	Physical Medicine and Rehabilitation (PMR)	28597903
11	Respiratory & Pulmonary Medicine	12600000
	Sub Total	183207403
	SUPER SPECIALITY DEPARTMENTS	
1	Cardiology	73408000
2	CTVS	27236000
3	Neurology	24026000
4	Neuro surgery	37800000
5	Gastro enterology	18700000
6	Endocrinology	4300000
7	Surgical Oncology	13180000
8	Medical Oncology	15325000
9	Radiation Oncology	250000000
10	Urology	72580000
11	Nephrology	13250000
12	Pediatric Surgery	14750000
13	Pediatric Surgery	37860000
	Sub Total	602415000
	OTHER DEPARTMENTS & MEDICAL SERVICES	
1	Radiology	187000000
2	Anaesthesiology	185570000
3	Blood Bank (Transfusion Medicine)	16708500
4	Eemrgency & Trauma	14350000
5	Ayush Facilities	12101000
6	MOT (16Nos)	130000000
7	Integration (06 OTs)	48000000
8	MGPS	100000000
9	CSSD	70000000
10	Medical Laundry (Out Sourced)	0
11	Kitchen (Out Sourced)	0
12	Mortuary & Postmortem (Equipment added in Forensic Deptt.)	0
13	Pnumatic Tube System (Not Considered))	0
	Sub Total	763729500
	GROSS TOTAL ESTIMATE	1786177403

डीपीआर निधि व्यय विवरण, एम्स बीबीनगर

डीपीआर चिकित्सा उपकरण के लिए कुल निधि (ओटी, एमजीपीएस, सीएसएसडी, डिस्कोपेड वस्तुओं को छोड़कर) = 145.11 करोड़

	डीपीआर चरण	**वर्ष**	**उपकरणों की संख्या**	**फंड करोड़ में)**	**द्वारा भुगतान किया गया**	**धन समाप्त करोड़ में)**
क	**मास्टर डीपीआर सूची**	2018-2019	728		--	--
ख	प्रथम	2020 - 2021	46 (गैर एवं पैरा क्लिनिकल)	2.28	एम्स, बीबीनगर	**63.91**
ग	**द्वितीय**	2021 - 2022	58 (गैर एवं पैरा क्लिनिकल)	2.23	एम्स, बीबीनगर	
घ	**तृतीय - ए**	2022 - 2023	140 (विशेषज्ञता विभाग)	23.8	पीएमएसएसवाई	
ड़	**तृतीय - बी**	2022 - 2023	1 एमआरआई (3टी)	13.55	पीएमएसएसवाई	
च	**चतुर्थ-ए**	2023 - 2024	36 (स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी)	4.40	पीएमएसएसवाई	
छ	**आवश्यक / आपात कालीन उपकरण**	2023 – 2024	एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन	0.65	पीएमएसएसवाई	
			डीआरएफ	1.35	पीएमएसएसवाई	
			सीटी सिम्युलेटर सिस्टम – 16 स्लाइस	8.09	पीएमएसएसवाई	
			सीटी-स्कैन 128 स्लाइस	7.56	पीएमएसएसवाई	
ज	**IV बी और सी**	2024 - 2025	26 (स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी)	5.44	पीएमएसएसवाई	**5.44**
	कुल (समाप्त)			**69.35**		
झ	**डीपीआर** एनेस्थीसिया वर्कस्टे		एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन (14 इकाइयाँ)	8.9	मंत्रालय द्वारा पहले ही रद्द कर दिया गया (2024) एबीबीएन द्वारा स्वीकृत नया प्रस्ताव (2025) - "एल" में 83 उपकरणों में शामिल	

	शन				
न	**डीपी आर**	2024-2025	हेला - 1 + एचडीआर ब्रैकीथेरेपी - 1 (रेडी ई ओथेरेपी)	20	HITES से मांगी गई तकनीकी विशिष्टताएँ
त	**वी**	2023-2024	130 इंडेंट उठाया गया 28 विभाग	36.62	HITES से मांगी गई तकनीकी विशिष्टताएँ
	वी-ए	2024-2025	83 27 विभाग	27.28	18.02.2025 को HITES से प्रस्ताव प्राप्त हुआ सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन की प्रतीक्षा में
	वी-बी	2024-2025	15 एफएमटी विभाग	6.4	15.02.2025 को HITES से प्रस्ताव प्राप्त हुआ दर तर्कसंगतता समिति के अनुमोदन की प्रतीक्षा है।
	वी-सी	2025-2026	5 5 विभाग	2.37	21.04.2025 को HITES से प्रस्ताव प्राप्त हुआ सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन की प्रतीक्षा में
	वी-डी	2025-2026	22 उपकरण 6 विभाग	5.55	29.04.2025 को HITES से प्रस्ताव प्राप्त हुआ तकनीकी विनिर्देश और मूल्य बोली दस्तावेज HITES से प्राप्त नहीं हुए।
	वी-ई	2025-2026	7 उपकरण 5 विभाग	38.06	25.06.2025 को HITES से प्रस्ताव प्राप्त हुआ, मंजूरी का इंतजार।

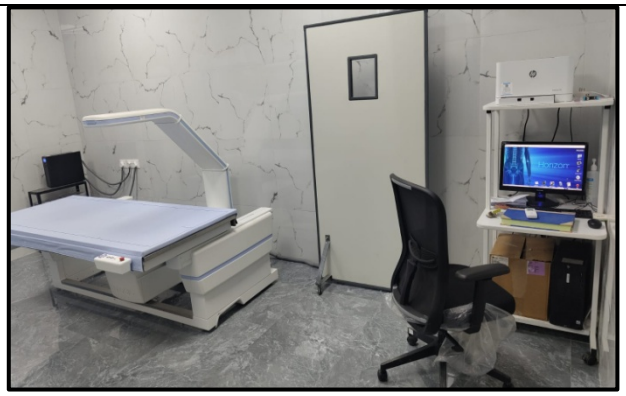
2024-25 के दौरान स्थापित किए जाने वाले प्रमुख उपकरण





पूरी तरह से स्वचालित जमावट विश्लेषक



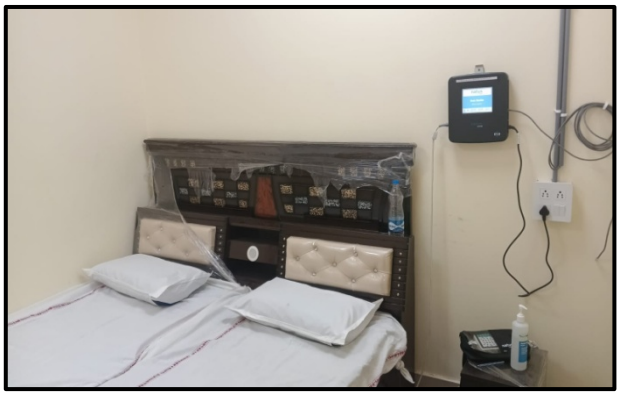


डेक्सा स्कैन

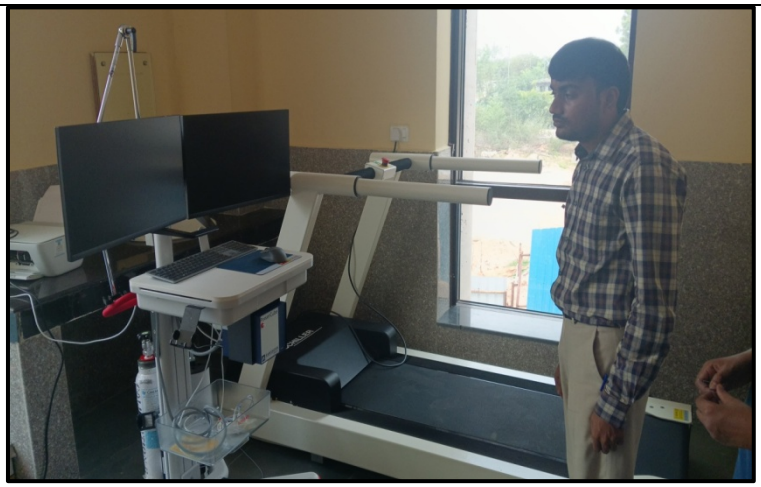


इलेक्ट्रॉनिक रक्त कोशिका गणक छह भाग अंतर





पॉलीसोम्नोग्राफी प्रणाली



कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण मशीन



सीटी स्कैन 128 स्लाइस

इंजीनियरिंग अनुभाग

अधीक्षण अभियंता की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग अनुभाग वर्तमान अस्पताल भवन की इंजीनियरिंग आवश्यकताओं की देखभाल कर रहा है। इसके अतिरिक्त, इंजीनियरिंग अनुभाग विभिन्न निर्माणों, स्थान के पुनर्गठन और अन्य इंजीनियरिंग संबंधी मामलों के लिए एम्स के विभिन्न विभागों और एम्स बीबीनगर परियोजना की निष्पादन एजेंसी HITES के बीच समन्वय कर रहा है। वर्तमान में इंजीनियरिंग अनुभाग में जेई (सिविल), जेई (इलेक्ट्रिकल) और जेई (ए/सी एंड आर) हैं। ये जेई 2023-24 की चौथी तिमाही में शामिल हो गए हैं । इंजीनियरिंग अनुभाग ने संस्थान की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न विस्तार गतिविधियाँ/कार्य किए हैं। ये कार्य संस्थान के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण थे क्योंकि मौजूदा भवन में किए गए कुछ प्रमुख विस्तार कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है।

क्रम सं.	कार्य का नाम	उपयोगकर्ता विभाग
1.	एमआरआई मशीन के लिए चेंज ओवर स्विच का प्रावधान।	रेडी ई ओलॉजी
2.	विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए एल्युमीनियम विभाजन प्रदान करके स्थान का निर्माण ओपीडी एवं डायग्नोस्टिक्स सहित विभाग।	अस्पताल प्रशासन
3.	रोगी के बिस्तर के पर्दे के विभाजन का प्रावधान।	ओपीडी क्षेत्र और आपातकालीन कक्ष
4.	ऑक्सीजन मैनिफोल्ड में द्वितीयक और आरक्षित ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली की स्थापना।	ऑक्सीजन सेल
5.	एमजीपी प्रणाली के लिए नए अतिरिक्त एयर कंप्रेसर, एयर ड्रायर और वैक्यूम पंप का प्रावधान।	ऑक्सीजन सेल
6.	विभिन्न विभागों के लिए स्प्लिट एयर कंडीशनर का प्रावधान।	प्रशासन
7.	सीएसएसडी के लिए आरओ प्लांट की स्थापना।	सीएसएसडी
8.	विभिन्न विभागों के लिए दीवार पर लगे पंखों का प्रावधान।	प्रशासन

एम्स बीबीनगर परियोजना इस वर्ष 2024-25 में यूजी बॉयज़ हॉस्टल और यूजी गर्ल्स हॉस्टल के पूरा होने के साथ भव्य दिखने लगी है। इन इमारतों में एमबीबीएस के छात्र रहते हैं। आयुष ब्लॉक का उपयोग वर्तमान में न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, पीएमआर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, कार्डियोलॉजी, कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी, सीएफएम टीकाकरण, यूरोलॉजी के लिए बाह्य रोगी के रूप में किया जा रहा है। आने वाला वर्ष संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष होगा क्योंकि अधिकांश बुनियादी ढाँचा निर्माण कार्य एम्स बीबीनगर परियोजना के एक भाग के रूप में पूरे किए जाएँगे।

एम्स, बीबीनगर में निर्माण कार्य की स्थिति :

विवरण	वास्तविक
शारीरिक प्रगति (%)	83.07%
वित्तीय प्रगति(रु.)	834.90 करोड़ रुपये

एम्स बीबीनगर के निर्माण कार्य का ठेका मेसर्स एनसीसी लिमिटेड को दिया गया है और वर्तमान स्थिति इस प्रकार है:

ग्राहक	**स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW)**
कार्यकारी एजेंसी	हाईट्स
ईपीसी ठेकेदार	मेसर्स एनसीसी लिमिटेड
स्वीकृति/अनुमोदन तिथि	17.12.2018
स्वीकृत संशोधित लागत	1365.95 करोड़ रुपये (20.02.2023 को स्वीकृत)
कार्य शुरू करने की तारीख	जुलाई-2022 (भवन एवं सेवाएँ)
कार्य समाप्ति का शेड्यूल	जुलाई-2024 (भवन एवं सेवाएँ)
लक्ष्य पूर्ति	जनवरी-2025 (चिकित्सा उपकरण सहित)

विवरण	**की योजना बनाई**	**वास्तविक**
शारीरिक प्रगति	100%	83.07%
वित्तीय प्रगति(रु.)–30-06- 2025	1110.55 करोड़ रुपये	834.90 करोड़ रुपये (जारी निधि)

31-05-2024 तक परियोजना निधि की स्थिति :

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त धनराशि	करोड़ रुपये
उपयोग की गई धनराशि	753.76 करोड़ रुपये
HITES के पास उपलब्ध धनराशि	81.14 करोड़

अनुमोदन की स्थिति

1. एईआरबी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त की गई।
2. स्थायी एच.टी. आपूर्ति और जल आपूर्ति के लिए वैधानिक शुल्क में छूट प्राप्त हुई।
3. एचएमडीए अनुमोदन प्रक्रियाधीन है।

विभिन्न भवनों के लिए HITES द्वारा दी गई प्रस्तावित समय-सीमा इस प्रकार है:

क्रम सं.	ब्लॉक का नाम	फर्श	लक्षित समापन
1	हॉस्पिटल विश्राम गृह(रैन शेल्टर)	भूतल+ 3	28-अगस्त- 23 (पूर्ण)
2	आयुष ब्लॉक	भूतल+ 1	14-अक्टूबर- 23 (पूर्ण)
3	टाइप-VI क्वार्टर	भूतल+ 5	कार्य पूर्ण हो चुका है। बाह्य विकास कार्य पूरा होने वाला है।
4	गेस्ट हाउस	भूतल+ 2	
5	सामुदायिक इमारत	भूतल	15-09-25
6	निदेशक निवास	भूतल+ 1	
7	उपरोक्त भवनों के लिए ईएसएस एवं सेवा भवन	भूतल	17-06-2025 को सक्रिय
8	यूभूतल बॉयज़ हॉस्टल	भूतल+ 18	14 सितंबर -24 (अधिवासित)
9	डाइनिंग ब्लॉक	भूतल+ 1	
10	उपरोक्त दो भवनों के लिए ईएसएस एवं सेवा भवन	भूतल	
11	शैक्षणिक ब्लॉक	भूतल+ 5	परीक्षण और अंतिम गहन सफाई का कार्य जारी है, क्रमिक स्थानांतरण 10 जुलाई 2025 से शुरू हो सकता है ।
12	यूभूतल गर्ल्स हॉस्टल	भूतल+ 19	26 फरवरी -25 (अधिवासित)
13	प्रकार- II	भूतल+ 15	30 सितंबर 25
14	टाइप-II और III	भूतल+ 15	
15	प्रकार- IV&V क्वार्टर	भूतल+ 23	
16	पीभूतल विवाहित और कार्यरत नर्स छात्रावास	भूतल+ 20	
17	पीभूतल लड़के और लड़कियों के छात्रावास	भूतल+ 16	31 अक्टूबर -25
18	मौजूदा अस्पताल ब्लॉक सी एंड एफ	भूतल+ 4	30 सितंबर -25
19	नया अस्पताल ब्लॉक	भूतल+ 4	31 अक्टूबर 25
20	सभागार	भूतल+ 1	
21	मौजूदा अस्पताल (अन्य ब्लॉक)	एलभूतल+ भूतल+ 5	31 दिसंबर 25

सुविधाओं का विवरण

क्रम सं.	भवन/ विवरण	मंजिलों की संख्या	क्षमता
1	अस्पताल भवन (अतिरिक्त कार्य, मौजूदा भवन का विध्वंस और पुनर्निर्माण)	एलभूतल+ भूतल+5	720 बिस्तर + आपातकालीन के लिए 1 ओटी और प्रसव के लिए 1 ओटी
2	नया अस्पताल ब्लॉक और कनेक्टिंग कॉरिडोर	भूतल+4	16 ऑपरेशन थियेटर और रेडी ई ओथेरेपी सुविधाएं, जिनमें ब्रेकी थेरेपी के लिए 1 ऑपरेशन थियेटर भी शामिल है
3	आयुष अस्पताल	भूतल+1	30 बिस्तर
4	शैक्षणिक ब्लॉक	भूतल+5	125 प्रवेश (100एमबीबीएस+ईडब्ल्यूएस)60 प्रवेश (नर्सिंग कॉलेज)
5	सभागार	भूतल+1	650-सीटर+सम्मेलन हॉल
6	अमृत निवास	भूतल+3	249 अधिभोग+6 दुकानें
7	निर्देशक बंगला	भूतल+1	1 इकाई
8	गेस्ट हाउस और क्लब	भूतल+2	8 कमरे, 4 सुइट और 2 वीआईपी सुइट
9	टाइप-II क्वार्टर	भूतल+15	62 डीयू और 8 दुकानें
10	टाइप-II और III क्वार्टर	भूतल+15	48 डीयूओएफटी-II और 16ओएफटी-III
11	टाइप-IV और V क्वार्टर	भूतल+23	21 DUofT-IV&24ofT- V
12	टाइप-VI क्वार्टर	भूतल+5	6डीयू
13	यूभूतल लड़कों का छात्रावास (एमबीबीएस + नर्सिंग)	भूतल+18	392 अधिभोग
14	यूभूतल गर्ल्स हॉस्टल (एमबीबीएस + नर्सिंग)	भूतल+19	496 अधिभोग
15	पीभूतल लड़के और लड़कियों के छात्रावास	भूतल+16	240 अधिभोग (128 लड़के + 112 लड़कियां)
16	पीभूतल विवाहित, कार्यरत नर्स छात्रावास, पारगमन आवास और अंतर्राष्ट्रीय विद्वान	भूतल+20	238 अधिभोग (पीभूतल 72, नर्स 150, ट्रांजिट अकाउंट और अंतर्राष्ट्रीय छात्र 16)
17	डाइनिंग ब्लॉक	भूतल+1	
18	सामुदायिक ब्लॉक	भूतल	
19	सेवा भवन	भूतल	
20	शवगृह	भूतल	

प्रगति

टाइप **IV** एवं **V** क्वार्टर्स **(**भूतल **+23)**	टाइप **-II & III** क्वार्टर्स **(**भूतल **+15** मंजिल**)**
	

गेस्ट हाउस और क्लब



अमृत निवास	आयुश ब्लॉक
	

सामुदायिक ब्लॉक



स्नातकोत्रर छात्र- छात्राएँ , छात्रावास	टाइप **IV** क्वार्टर्स
	
निदेशक बंगला	
	

आरटी ओटी कॉम्प्लेक्स	एचवीएसी संयंत्र
	

शैक्षणिक ब्लॉक



अपशिष्ट प्रबंधन कक्ष	एचटी पैनल कक्ष
	

ईएसएस और सेवा भवन



2024-2025 में मौजूदा भवन में अतिरिक्त सुविधाओं का निर्माण

	
सबस्टेशन में एमआरआई मशीन के लिए चेंज ओवर स्विच का प्रावधान	सीएसएसडी के लिए आरओ प्लांट
	
ऑक्सीजन मैनिफोल्ड में द्वितीयक और आरक्षित ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली की स्थापना।	एमजीपी प्रणाली के लिए नए अतिरिक्त एयर कंप्रेसर, एयर ड्रायर और वैक्यूम पंप की स्थापना.

	
एल्यूमीनियम विभाजन	पर्दे के विभाजन
	
विभिन्न विभागों के लिए स्प्लिट एयर कंडीशनर का प्रावधान.	विभिन्न विभागों के लिए दीवार पर पंखों का प्रावधान.

शैक्षणिक

शैक्षणिक अनुभाग नीतियाँ बनाता है, योजनाएँ बनाता है और शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन करता है। इन गतिविधियों में स्नातक पाठ्यक्रम और संकाय विकास शामिल हैं। यह अनुभाग नए छात्रों के लिए प्रवेश संबंधी औपचारिकताएँ संभालता है, पाठ्यक्रम विकसित और संशोधित करता है और एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त स्नातक छात्रों के मूल्यांकन सहित शिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है ।

क्र. सं.	**नाम**	**पद का नाम**
1.	डॉ. राहुल नारंग (अकादमिक) प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग	डीन (अकादमिक), एम्स बीबीनगर
2.	डॉ. नितिन अशोक जॉन, प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	डीन (परीक्षा), एम्स बीबीनगर
3.	डॉ. संगीता संपत, प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग	डीन (अनुसंधान), एम्स बीबीनगर
4.	डॉ मृदुला चंद्रपतला, प्रोफेसर और प्रमुख, एनाटॉमी	एसोसिएट डीन (अकादमिक)
5.	डॉ. कुसनेनिवार गोविंदराव नरसिंहराव, अतिरिक्त प्रोफेसर, सीएफएम विभाग	एसोसिएट डीन (अनुसंधान)
6.	डॉ. शशांक शेखर पांडा, प्रोफेसर, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग	एसोसिएट डीन (परीक्षा)
7.	डॉ. बी अपर्णा वर्मा, अतिरिक्त प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग	रजिस्ट्रार
8.	डॉ. मधुसूदन यू, एसोसिएट प्रोफेसर शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	संकाय प्रभारी स्नातक, (शैक्षणिक)
9.	डॉ. आशुतोष रथ, एसोसिएट प्रोफेसर पैथोलॉजी विभाग	संकाय प्रभारी पीजी, (शैक्षणिक)
10.	डॉ. मानसा रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, बाल चिकित्सा सर्जरी	संकाय प्रभारी सुपर स्पेशलिटी, (शैक्षणिक)

<u>यूजी (अकादमिक)</u>

छठे बैच की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। आवंटित 100 सीटों में से एमसीसी के रिक्त पदों के दौर के अंत तक 100 सीटें भर गई हैं। 2024 के मौजूदा बैच में 100 छात्र हैं।

प्रवेश समिति		
1	डॉ. राहुल नारंग, डीन (अकादमिक)	अध्यक्ष
2	डॉ. नितिन जॉन अशोक, डीन (परीक्षा)	सह-अध्यक्ष
3	डॉ. बी अपर्णा वर्मा, रजिस्ट्रार	सचिव
4	डॉ. गुणवंती राठौड़, अतिरक्त प्रोफेसर *	सदस्य एवं नोडल अधिकारी (पीजी प्रवेश)
5	डॉ. आनंद, अतिरक्त प्रोफेसर *	सदस्य एवं नोडल अधिकारी, (स्नातकोत्तर प्रवेश)
6	डॉ. लता टी, प्रोफेसर*	नर्सिंग कॉलेज (ऑनर्स) के सदस्य एवं प्रिंसिपल
7	डॉ. पराग पी पाटिल, एसोसिएट प्रोफेसर*	सदस्य एवं पाठ्यक्रम समन्वयक (पैरामेडिकल पाठ्यक्रम)
8	डॉ. सुप्रिया गरपति, अतिरिक्त प्रोफेसर	सदस्य
9	डॉ. माधवी एरिके, अतिरिक्त प्रोफेसर	सदस्य
10	डॉ. गीता एसजी , एसोसिएटप्रोफ़ेसर	सदस्य
11	डॉ. नीमू हेज , एसोसिएट प्रो	सदस्य

12	डॉ. प्रशांत माडा , एसोसिएट प्रो	सदस्य
13	डॉ. दीपक कुमार , सहायक प्रोफेसर	सदस्य
14	डॉ. जेरार्ड मार्शल राज डी , एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
15	डॉ. साई स्पुर्ती , सहायक प्रो	सदस्य
16	डॉ. गैरे संदीप, एसोसिएट प्रो	सदस्य
17	डॉ. वामन कुलकर्णी , एसोसिएट प्रो	सदस्य
18	डॉ. गोमती आर , एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
19	डॉ. प्रणिता वी , सहायक प्रो	सदस्य
20	डॉ. ए नयना सिंधु , एसोसिएट प्रो	सदस्य
21	डॉ. आशुतोष रथ , एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
22	डॉ. सीटू पालो , एसोसिएट प्रो	सदस्य
23	डॉ. मधुसूदन यू , एसोसिएट प्रो	सदस्य
24	डॉ. सुनील कुमार डी चव्हाण , एसोसिएटप्रोफ़ेसर	सदस्य
25	डॉ. विद्या गंजी , एसोसिएट प्रो	सदस्य
नर्सिंग अधिकारी		
1	सुश्री अहिल्या सीजी	सदस्य
2	सुश्री एलिज़ेबाथ रानी	सदस्य
3	श्री संतोष	सदस्य
4	श्री श्रीकांत	सदस्य
5	श्री वसंत कुमार कस्तूरी	सदस्य
6	श्री प्रदेश	सदस्य
7	सुश्री शशिकला	सदस्य
8	श्री राहुल	सदस्य
9	सुश्री धिव्या	सदस्य
10	सुश्री वासुदेव रजनी	सदस्य

<u>छात्रों की गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ</u>

1. 12 जुलाई, 2024 को बैलिस्टिक डिवीजन, भोंगीर द्वारा एमबीबीएस छात्रों को हथियारों का प्रदर्शन ।
2. जुलाई 2024 को तंजावुर मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की क्विज में यूजी छात्रों ने तीसरा पुरस्कार जीता ।
3. जुलाई 2024 को तंजावुर मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय एफएमटी लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में यूजी छात्रों ने तीसरा पुरस्कार जीता ।
4. राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर के सहयोग से एम्स बीबीनगर द्वारा 26 जुलाई 2024 को फोरेंसिक में सर्वोत्तम प्रथाओं पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

<u>छात्र कल्याण समिति</u>

छात्रों की शारीरिक और मानसिक समस्याओं के समाधान और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए 09.09.2023 को निम्नलिखित समिति सदस्य के साथ छात्र कल्याण समिति की शुरुआत की गई

- डॉ. साई कृष्ण टिक्का, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, **प्रभारी संकाय**
- डॉ. मधुसूदन यू, सहायक प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान, संकाय प्रभारी यूजी शिक्षाविद, सदस्य **(छात्र कल्याण)**
- डॉ. शैलजा प्रभाला, अतिरिक्त प्रोफेसर, पैथोलॉजी एवं अध्यक्ष, सदस्य (**छात्र परामर्श कार्यक्रम)**
- डॉ. देबाशीष बिसोई, सहायक प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी सदस्य (**छात्र ईएचएस**)
- डॉ. भूषण कांबले, सहायक प्रोफेसर, सीएफएम सदस्य (**छात्र ईएचएस**)
- डॉ सुप्रिया गरपति, एसोसिएट प्रोफेसर और सदस्य (**सांस्कृतिक समिति**)
- डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी यू, सहायक प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी सदस्य (**खेल**)

आयोजित गतिविधियाँ

- मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर सीएमई 26.10.24 को आयोजित की गई थी, निमहंस, बैंगलोर के प्रख्यात प्रोफेसर डॉ सुरेश बड़ा मठ और डॉ अरुणा वणिकर पूर्व अध्यक्ष यूजी मेडिकल बोर्ड एनएमसी, मेडिकल छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए हस्तक्षेप के संबंध में विभिन्न विशेषज्ञों के बीच पैनल चर्चा हुई।







पीजी अकादमिक: -

कुलसचिव कार्यालय और डीन कार्यालय एमडी/एमएस स्नातकोत्तर रेजिडेंट के शैक्षणिक मामलों का समन्वय करते हैं। जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों में संस्थान के विभिन्न विभागों में उपलब्ध एमडी/एमएस पाठ्यक्रम में क्रमशः बारह स्नातकोत्तर रेजिडेंट और 49 रेजिडेंट शामिल हुए। कार्यालय में अर्ध-मासिक [illegible] किया जाता है। जन [illegible] एस पाठ्यक्रम पू[illegible]

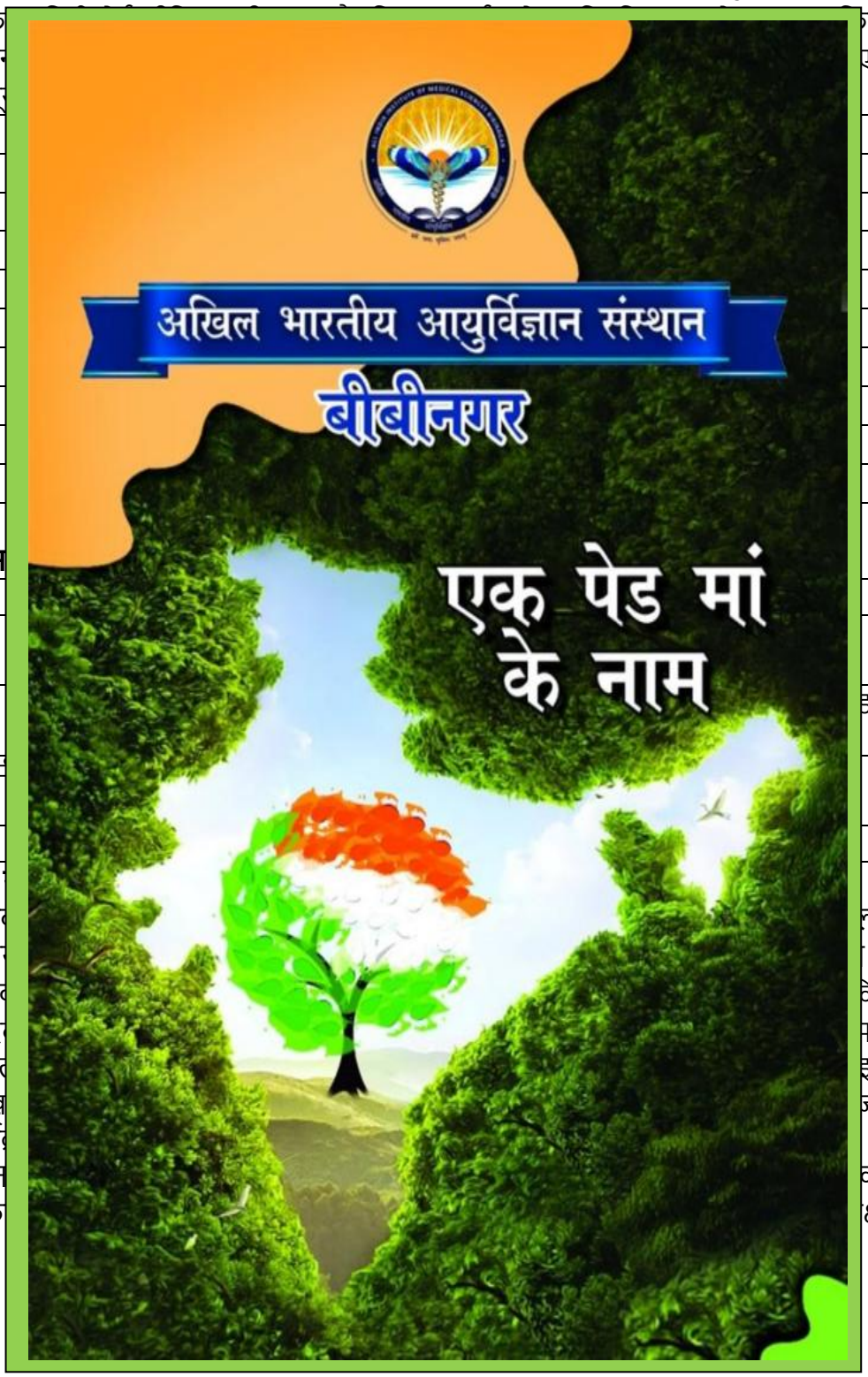
क्र.सं.	
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
कुल	

ग्रीन कैंपस[illegible]

नाम	
डॉ. भिंगारदेव	
डॉ. मधुलता	[illegible]हल
डॉ. लक्ष्[illegible] ताडी	
डॉ. सुरराज	

आयोजित [illegible]

कहते हैं, ए[illegible]लते हुए, माननी[illegible] ने वृक्षारोपण [illegible]विश्व पर्यावरण दि[illegible]मारे ग्रह को बेहत[illegible]इस राष्ट्रीय प्रमुख[illegible]जन किया। कार्य[illegible] एम्स बीबीन[illegible]को शामिल कि[illegible]क्षा रखता है।



प्रतिष्ठित वृक्षारोपण की झलक



AIIMS Bibinagar Executive Director
Prof (Dr) Vikas Bhatia along with National
Minority representative member during plantation event



Manager, Powergrid Corporation of India
Limited donating Herbal plants to the institute



AIIMS Bibinagar Executive Director Prof (Dr) Vikas Bhatia along with Shri Jatothu Hussain, Honorable member of National Commission for Scheduled Tribes, New Delhi during plantation event



AIIMS Bibinagar Executive Director Prof (Dr) Vikas Bhatia along with Prof. (Dr) Atul Goel, honorable DGHS in plantation event



AIIMS Bibinagar Executive Director Prof (Dr) Vikas Bhatia along with Prof (Dr) Prashant P Joshi, Executive Director,AIIMS Nagpur and Prof (Dr) Ashutosh Biswas, Executive Director, AIIMS Bhubaneswar during plantation event



Honorable President Prof.(Dr.) George A D'Souza planting sapling with Honorable Executive Director, Prof. (Dr.) Vikas Bhatia



एक पेड़ माँ के नाम -संकाय पौधारोपण कार्यक्रम



एक पेड़ माँ के नाम - छात्र (एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग) पौधारोपण कार्यक्रम



इंद्रालय गांव के जिला परिषद स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम

एंटी रैगिंग कमेटी

Anti-Ragging Committee AIIMS Bibinagar Hyderabad

AIIMS/BBN/DEAN/ Date -OFFICE ORDER

As per directions of the Hon'ble Supreme court of India, UGC and other regulating bodies, AIIMS Bibinagar Hyderabad has formulated its policy against the ragging and constituted Anti-ragging Committee. The committee is as follows:

S.No.	Committee	Contact details	Position
2.	Dean (Academics) AIIMS Bibinagar	dean@aiimsbibinagar@edu.in	Chairperson
3.	DDA, AIIMS Bibinagar	dda@aiimsbibinagar.edu.in	Member
4.	Dr. Aparna Verma, Registrar AIIMS Bibinagar	registrar.aiimsbbnagar@gmail.com	Member Secretary
5.	Dr. Gunvanti Rathod, Associate Dean(Academics) AIIMS Bibinagar	gunvanti.path@aiimsbibinagar.edu.in	Member
6.	Dr.Pragnesh Parmar, Chief Hostel Superintendent	pragnesh.fmt@aiimsbibinagar.edu.in	Member
7.	Dr. Lakshmijyothi Tadi, Addl. Hostel Superintendent (Girls)	lakshmi.micro@aiimsbibinagar.edu.in	Member
8.	Dr.PrafullK, Addl. Hostel Superintendent (Boys)	prafull.phys@aiimsbibinagar.edu.in	Member
9.	Dr. Alka Bhingardeo, Hostel Superintendent (Girls)	alka.anat@aiimsbibinagar.edu.in	Member
10.	Dr. Gerard Marshall Raj D, Assistant Professor, Dept. of Pharmacology	gerard.pharma@aiimsbibinagar.edu.in	Member
11.	Dr. Serma Subathra Principal, College of Nursing	serma.subathra@gmail.com	Member
12.	Dr. Patil Parag Parshuram Assistant Professor, Department of Pathology	parag.path@aiimsbibinagar.edu.in	Member
13.	Mr. Mohd Akbar, Hostel Warden	akbar.warden@aiimsbibinagar.edu.in 9848786248	Member
14.	Mr. P Kishore Babu, Hostel Warden	Kisho.warden@aiimsbibinagar.edu.in 9000010110	Member
15.	Mr. Ramesh Kumar	Inspector +91 8712662473	Member
16.	Sudeeksha	1st year student - Female thotasudeeksha9@gmail.com	Member
17.	Devashish Chandan 1st year student - male	dvashishchandan714@gmail.com	Member
18.	Parent of student Mr. Gurunath Reddy Gali	9396905909	Member
19.	Media Person Mr. Dathrak Dayakar	gandhidayakar@gmail.com	Member
20	NGO Person	Contact details will be updated in due course	Member

आयोजित गतिविधियाँ

रैगिंग एक दंडनीय अपराध है। परिसर को रैगिंग मुक्त बनाने के लिए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बीबीनगर ने संस्थान की स्थापना के समय से ही एंटी-रैगिंग समिति का गठन किया था। संस्थान के माननीय निदेशक ने समिति को संस्थान में रैगिंग मुक्त संस्कृति स्थापित करने के लिए हर संभव उपाय करने के निर्देश दिए थे। पिछले वर्ष संस्थान में रैगिंग की कोई घटना सामने नहीं आई और आगे भी इसी तरह की रैगिंग मुक्त संस्कृति जारी रहने की उम्मीद है। पिछले वर्ष परिसर में रैगिंग मुक्त संस्कृति स्थापित करने के लिए समिति द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए थे –

1. नव प्रवेशित छात्रों को अलग भवन में आवास दिया गया - अमृत निवास, जिससे शुरुआती कुछ महीनों तक वरिष्ठ बैचों के साथ उनका संपर्क नहीं हो पाया
2. यूजीसी पोर्टल पर नव प्रवेशित छात्रों का नामांकन
3. छात्रों द्वारा रैगिंग विरोधी शपथ
4. नए छात्रों के प्रवेश के शुरुआती कुछ महीनों के लिए छात्रावास में डॉक्टरों की रात्रि ड्यूटी
5. छात्रावास, कैंटीन, वाचनालय तथा छात्रों के एकत्र होने वाले अन्य स्थानों पर रैगिंग विरोधी जागरूकता के लिए पोस्टर प्रदर्शित करना।
6. नए बैच के फाउंडेशन कोर्स में समिति सदस्य द्वारा रैगिंग विरोधी व्याख्यान
7. रैगिंग विरोधी दस्ते का औचक निरीक्षण
8. उच्च अधिकारियों का एंटी-रैगिंग निगरानी प्रकोष्ठ
9. रैगिंग विरोधी सप्ताह का आयोजन, जिसमें रैगिंग विरोधी शपथ, व्याख्यान, फिल्में, रंगोली प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां शामिल होंगी।
10. नियमित रैगिंग विरोधी बैठकें



चिकित्सा शिक्षा इकाई

छात्रों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए संशोधित चिकित्सा शिक्षा इकाई (एमईयू) का प्रस्ताव नीचे दिया गया है:

नाम	विभाग	पद का नाम
डॉ. राहुल नारंग	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	अध्यक्ष
डॉ. संगीता संपत	जैव रसायन विभाग	सह-अध्यक्ष 1
डॉ. नितिन अशोक जॉन	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	सह-अध्यक्ष 1
डॉ. रश्मि कुंदापुर	सीएफएम विभाग	समन्वयक: 1 (टीम 1 से 5 की गतिविधियों का पर्यवेक्षण एवं देखरेख करेगा)
डॉ. माधुरी तरनीकांति	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	समन्वयक: 2 (टीम 6 से 10 की गतिविधियों का पर्यवेक्षण एवं देखरेख करेंगे)

क्र. सं.	टीम नं.	टीम का नाम	टीम लीडर और सदस्य
1	टीम-1	चिकित्सा शिक्षा शिक्षण और प्रशिक्षण टीम	1. डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताड़ी (**टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ.आशुतोष रथ (पैथोलॉजी) 2. डॉ. रोहिणी मोटवानी (एनाटॉमी) 3. डॉ. रेखा (फार्माकोलॉजी)
2.	टीम-2	एकीकरण और संरेखण	1.डॉ.रश्मि कुंदापुर (**टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ.मिशु मंगला (ओबीजीवाई) 2.डॉ.सीतू पालो (पैथोलॉजी) 3.डॉ. मीली पांडा (सीएफएम) 4.डॉ. वी. मौनिका रेड्डी (बाल रोग)
3.	टीम-3	फाउंडेशन और अभिविन्यास टीम	1.डॉ गुणवंती राठौड़ **(टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ.एम कल्पना (शरीर क्रिया विज्ञान) 2.डॉ. मधुसूदन एस (बाल चिकित्सा) 3.डॉ मधुसूदन यू (शरीर क्रिया विज्ञान) 4.डॉ.नीमू हेग (ईएनटी) 5.डॉ. सुप्रिया गरपति (एनाटॉमी) 6.डॉ. ए न्या सिंधु (जनरल सर्जरी)
4.	टीम-4	वैकल्पिक और विनिमय कार्यक्रम	1.डॉ.प्रग्नेश परमार **(टीम लीडर)** **सदस्य:** 1. डॉ शसंकर शेखर पांडा (बाल चिकित्सा सर्जरी) 2. डॉ. अन्नपूर्णा श्रीरामभटला (रेडी ई ओ डायग्नोसिस)
5.	टीम-5	एआई सहित आईसीटी	1.डॉ. राधिका सोनकर **(टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ. सीतू पालो (पैथोलॉजी) 2.डॉ. अपर्णा वर्मा बी(बायोकेमिस्ट्री) 3. डॉ. मधु लता कर्रा (जैव रसायन)
6	टीम-6	आकलन और मूल्यांकन	1.डॉ.अपर्णा वर्मा बी (**टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ मधुसूदन यू (शरीर क्रिया विज्ञान) 2.डॉ. प्रशांत मादा (एफएमटी) 3. डॉ. मधु लता कर्रा (जैव रसायन)

7	टीम-7	फीडबैक और मेंटी मेंटर टीम	1. डॉ. शैलजा प्रभाला (**टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ. प्रशांत मादा (एफएमटी) 2.डॉ.पराग पाटिल परशुराम(पैथोलॉजी)
8	टीम-8	दृष्टिकोण, नैतिकता और संचार (AETCOM)	(**टीम लीडर)** 1.डॉ.माधुरी टी 2.डॉ.साई कृष्ण टिक्का **सदस्य:** 1. डॉ.डॉ. आर श्यामला (माइक्रोबायोलॉजी) 2. डॉ. विद्या गंजी (मनोचिकित्सा) 3. डॉ. अभिमन्यु शर्मा (पैथोलॉजी) 4. डॉ. नीमू हेगे (ईएनटी)
9	टीम - 9	कौशल प्रयोगशाला	1.डॉ. एस.कल्याणी सूर्य धन लक्ष्मी **(टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ विशाखा जैन (जनरल मेडिसिन) 2.डॉ. वी. मौनिका रेड्डी (बाल रोग) 3.डॉ. वंदना श्रीधरसा दौलताबाद (शरीर क्रिया विज्ञान) 4.डॉ. माधवी ईरीके (फार्माकोलॉजी)
10	टीम-10	जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य	1.डॉ.राहुल नारंग **(टीम लीडर)** **सदस्य:** 1.डॉ. आर श्यामला (माइक्रोबायोलॉजी)

चिकित्सा शिक्षा इकाई के सदस्य

नाम	**पद का नाम**	**विभाग**
डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताडी	टीम लीडर	अतिरिक्त प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी।
डॉ. रोहिणी मोटवानी	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, एनाटॉमी.
डॉ. आशुतोष	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन।

एम्स बीबीनगर में मेडिकल एजुकेशन यूनिट (एमईयू) की टीम एमईयू-1 ने 24 मार्च से 28 मार्च, 2025 तक स्वास्थ्य पेशेवरों के शिक्षकों के लिए शैक्षिक विज्ञान पर 5 दिवसीय राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन 24 मार्च को दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ किया गया, जिसमें कार्यकारी निदेशक प्रो. डॉ. विकास भाटिया, अकादमिक डीन प्रो. डॉ. राहुल नारंग और जेआईपीएमईआर में चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. ज़ायप्रगासरसन सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति और उनकी टीम के सदस्य शामिल हुए: डॉ. लता चतुर्वेदुला, प्रसूति एवं स्त्री रोग की प्रोफेसर; डॉ. मधुसूदनन पी, अतिरिक्त प्रोफेसर और न्यूक्लियर मेडिसिन के प्रमुख; डॉ. शिवरामन जी, अतिरिक्त प्रोफेसर और ईएनटी के प्रमुख इस कार्यक्रम के बाद एमईयू जेआईपीएमईआर के संकाय को सम्मानित किया गया और कार्यकारी निदेशक प्रो डॉ विकास भाटिया ने उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम में एम्स बीबीनगर के विभिन्न विभागों के 30 संकाय सदस्य ने सक्रिय भागीदारी की, जिन्होंने पांच दिनों तक पूरे मनोयोग से भाग लिया, जिससे शिक्षण प्रथाओं को बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता परिलक्षित हुई। सत्रों में शिक्षण और सीखने के अनुभव दोनों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शैक्षिक गतिविधियाँ शामिल थीं। इन गतिविधियों में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई), विशिष्ट शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करना, छोटे समूह शिक्षण, बड़े समूह चर्चा, अपरंपरागत शिक्षण अनुभव, एईटीसीओएम, शिक्षण के लिए डिजिटल उपकरण, प्रारंभिक नैदानिक प्रदर्शन, माइक्रोटीचिंग, और बहुत कुछ शामिल थे। 28 मार्च, 2025 को दोपहर के भोजन के बाद, कार्यकारी निदेशक ने समापन टिप्पणी की, जिन्होंने पाठ्यक्रम के सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया ।



समूह III: एकीकृत शिक्षण का सारांश:						
दवा						
क्रम सं.	**तारीख**	**विषय**	**शामिल विभाग**	**प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ**	**छात्र भागीदारी और प्रतिक्रिया**	**चुनौतियाँ और सुझाव**
1	10.02.2024	लौह की कमी से होने वाला एनीमिया.	1.सामान्य चिकित्सा 2. पैथोलॉजी 3.शरीर क्रिया विज्ञान	छोटे समूह चर्चाएँ, पावर पॉइंट चित्र, स्लाइड	बैच – 2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए	प्री-क्लिनिकल, पैरा-क्लिनिकल और क्लिनिकल विषयों के बीच पाठ्यक्रम को समन्वित करने में कठिनाई। प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण उपकरण (जैसे सिमुलेशन-आधारित शिक्षण और केस-आधारित चर्चा) प्रस्तुत करना छात्रों से नियमित फीडबैक को प्रोत्साहित करना।
2	09.03.2024	झटका	1. औषध सामान्य दवा	छोटे समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	बैच – 2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए	
3	13.04.2024	फेफड़े का क्षयरोग	1. सामान्य चिकित्सा 2. सूक्ष्म जीव विज्ञान 3. फार्माकोलॉजी 4. सीएमएफएम	पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड, छोटे समूह चर्चा।	बैच – 2022, प्रश्न पूछे गए और उन्होंने अच्छी प्रतिक्रिया दी।	
4	27.04.2024	हृद्पेशीय रोधगलन	1. सामान्य चिकित्सा 2. जैव रसायन	छोटे समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	बैच - 2023, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए।	
5	08.06.2024	हृद्पेशीय रोधगलन	1. सामान्य चिकित्सा 2. जैव रसायन 3. पैथोलॉजी	छोटे समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	बैच - 2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए।	
6	10.08.2024	मलेरिया	1. सामान्य	छोटे	बैच -	

			चिकित्सा 2. सूक्ष्म जीव विज्ञान 3. फार्माकोलॉजी 4. सामुदायिक चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा	समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए।	

फोरेंसिक चिकित्सा और विष विज्ञान						
क्र सं	तारीख	विषय	शामिल विभाग	प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ	छात्र भागीदारी और प्रतिक्रिया	चुनौतियाँ और सुझाव
1		**पदार्थ उपयोग विकार** 1.पहचान और प्रबंधन 2. पदार्थ उपयोग विकारों के उपचार में प्रयुक्त दवाओं का औषध विज्ञान 3. पदार्थ उपयोग विकारों के फोरेंसिक पहलू	1.मनोचिकित्सा विभाग 2. फार्माकोलॉजी विभाग 3. फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान विभाग	**व्याख्यान-आधारित शिक्षण:** संबंधित विभागों के संकाय सदस्य द्वारा प्रस्तुत, पदार्थ उपयोग विकारों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं को कवर किया गया।	शून्य सत्र में केवल 11 छात्र उपस्थित थे	एकीकृत शिक्षण सत्र वर्तमान में शनिवार को आयोजित किए जाते हैं, क्योंकि सप्ताहांत होने के कारण अक्सर छात्रों की उपस्थिति कम होती है। अधिकतम भागीदारी और सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, इन सत्रों को कार्यदिवस पर पुनर्निर्धारित करने पर विचार करें। इसके अतिरिक्त, सत्रों को इस तरह से निर्धारित किया जाना चाहिए कि उन्हें अवकाश/छुट्टियों के तुरंत पहले या बाद में आयोजित न किया जाए, क्योंकि इससे उपस्थिति और प्रभावशीलता पर और अधिक प्रभाव पड़ सकता है।

भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास						
क्रम सं.	**तारीख**	**विषय**	**शामिल विभाग**	**प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ**	**छात्र भागीदारी और प्रतिक्रिया**	
	26/10/2024	स्ट्रोक रोगी का देखरेख (स्ट्रोक जागरूकता दिवस के अवसर पर)	न्यूरोलॉजी, पीएमआर, बाल चिकित्सा, रेडी ई ओलॉजी	छात्रों को पाँच समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह ने पुनर्वास सहित स्ट्रोक के विभिन्न विषयों पर अपने मामले प्रस्तुत किए। बाद में, उस विषय पर सभी के बीच चर्चा हुई।	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	

सामुदायिक चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा							
1.	20/07/2024	a. तंबाकू के उपयोग का बोझ b. ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस और तंबाकू c. निकोटीन की लत और तंबाकू की लत से मुक्ति d. एमपावर और कोटपा	सीएमए फएम, ईएनटी और मनोचिकित्सा विभाग	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके	-	चूँकि उसी दिन अतिथि व्याख्यान भी था, कुछ छात्र एकीकृत शिक्षण गतिविधि में शामिल नहीं हो सके और आयोजकों की ओर से भी छात्रों को अतिथि व्याख्यान के लिए भेजने के लिए लगातार फ़ोन आ रहे थे। इसलिए हमें जल्दी से काम पूरा करना पड़ा।

				व्याख्यान		
2.	19/10/2024 6वें और 7वें सेमेस्टर एमबीबीएस	a. एचआईवी/एड्स की महामारी विज्ञान और नैदानिक विशेषताएं b. एड्स का निदान और परीक्षण c. एचआईवी प्रबंधन, नई दवाएं और इससे संबंधित चुनौतियाँ d. राष्ट्रीय कार्यक्रम और आगे का रास्ता।	सीएमए फएम, माइक्रोबायोलॉजी और फार्माकोलॉजी विभाग	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान		शून्य.

ईएनटी						
	23/11/1024	थायरॉइड विकार और थायरॉइड नोड्यूल का प्रबंधन	ईएनटी, एनाटॉमी और शरीर क्रिया विज्ञान विभाग		-	-

प्रसूति एवं स्त्री रोग						
क्रम सं.	**तारीख**	**कवर किए गए विषय**	**शामिल विभाग**	**प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ**	**छात्र प्रतिक्रिया और भागीदारी**	
1.	12-03-2024	गर्भाशय और डिम्बग्रंथि ट्यूमर मामलों में एमआरआई निष्कर्ष और क्लिनिक रोग संबंधी मूल्यांकन (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजीवाई/ रेडी ई ओलॉजी	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
2.	15-03-2025	पैप-स्मीयर आँकड़े जनवरी-जून 2023 (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजीवाई/ पैथोलॉजी	पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
3.	09-04-2024 (सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक)	प्रसूति एवं स्त्री रोग में चिकित्सा संबंधी कानूनी पहलू	प्रसूति एवं स्त्री रोग और फोरेंसिक चिकित्सा	पैनल चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करते हुए व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
1.	14-06-2024	नवजात रोग विशेषज्ञ द्वारा नवजात पुनर्जीवन (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजीवाई/ नवजात विज्ञान	पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
2.	19-07-2024	अंतर-विभागीय बैठक (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजीवाई/ पैथोलॉजी	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	

			/रेडी ई ओलॉजी			
3.	30-08-2024	क्लिनिको पैथोलॉजिकल मीट (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजी वाई/ पैथोलॉजी	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
4.	20-09-2024	कार्सिनोमा वल्वा9 (अंतरविभागीय बैठक)	ओबीजी वाई/ पैथोलॉजी रेडी ई ओ-ऑन्कोलॉजी/रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
5.	18-10-2024	सीपीसी (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजी वाई/ पैथोलॉजी रेडी ई ओ-ऑन्कोलॉजी/रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
6.	22-11-2024	एंडोमेट्रियोइड कार्सिनोमा (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजी वाई/ पैथोलॉजी / रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
7.	20-12-2024	एंडोमेट्रियल इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया पर केस सीरीज़ (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजी वाई/ पैथोलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
8.	17-01-2025	सीपीसी (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजी वाई/ पैथोलॉजी / रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
9.	21-02-2025	चरण IVB डिम्बग्रंथि दुर्दमता का मामला (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजी वाई/ पैथोलॉजी रेडी ई ओ-ऑन्कोलॉजी/रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
10	21-03-2025	कैंसर बोर्ड की बैठक (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबीजी वाई/पैथो लॉजी/ रेडी ई	पावर-पॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	

			ओलॉजी/			
पैथोलॉजी एनएडी प्रयोगशाला चिकित्सा						
1.	10-02-2024, बैच: एमबीबीएस 2022	आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया	पैथोलॉजी/शरीर क्रिया विज्ञान और सामान्य चिकित्सा	-	-	-
2.	08-06-2024 एमबीबीएस 2022	हृद्पेशीय रोधगलन	जैव रसायन, पैथोलॉजी और प्रयोगशाला चिकित्सा और सामान्य चिकित्सा।	-	-	-
3.	09-11-2024 एमबीबीएस 2022	गैस्ट्रिक कैंसर	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन और जनरल सर्जरी।	-	-	-

एमईयू टीम 5 (आईसीटी (एआई सहित)

क्र.सं.	**नाम**	**पद का नाम**
1	डॉ. राधिका एस	टीम लीडर
2	डॉ. अपर्णा वर्मा	सदस्य
3	डॉ. सीटो पालो	सदस्य
4	डॉ. मधुलता कर्रा	सदस्य

टीम ने 11/12/2024 को आयोजित बैठक में वर्ष 2025 के लिए कार्य योजना तैयार की थी। गैर-नैदानिक और नैदानिक विभागों के लिए यूजी गतिविधियों की पहचान की गई, जिनमें शामिल हैं :-

1) प्रयोगशाला रिपोर्ट अपलोड करने और सत्यापन का प्रदर्शन
2) एचएमआईएस में रिपोर्ट अपलोड करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण
3) एचएमआईएस में ई-प्रिस्क्रिप्शन का ईएमआर बनाने का प्रदर्शन
4) ईएमआर बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण
5) एचएमआईएस पोर्टल पर जनगणना तैयार करने का प्रदर्शन
6) कंप्यूटर सहायता प्राप्त शिक्षा
7) डेटाबेस में ADRs अपलोड करने का प्रदर्शन
8) एआई अवधारणाओं और अनुप्रयोगों का परिचय
9) ई-संजीवनी पर टेली-परामर्श का प्रदर्शन
10) एचएमआईएस आईडी निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण
11) संदर्भ तंत्र

विभागाध्यक्षों से एक संकाय को समन्वयक के रूप में नामित करने का अनुरोध किया गया। सुझाई गई कार्य योजना पर काम करने के लिए प्रथम एमबीबीएस, द्वितीय एमबीबीएस और अंतिम एमबीबीएस यूजी प्रशिक्षण में शामिल अधिकांश विभागों के समन्वयकों की पहचान कर ली गई है।

फाउंडेशन कोर्स और अभिविन्यास कार्यक्रम समिति के सदस्य

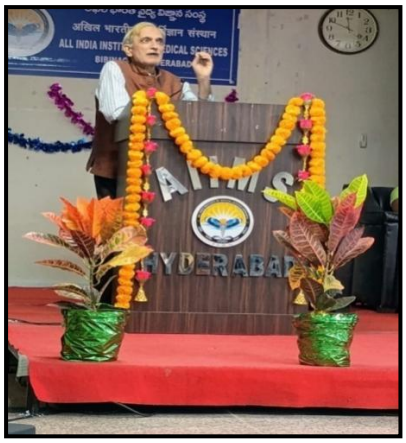
नाम	**पद का नाम**	**विभाग**
डॉ. गुणवंती राठौड़	टीम लीडर	अतिरिक्त प्रोफेसर पैथोलॉजी विभाग

डॉ. एम. कल्पना	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
डॉ. मधुसूदन यू	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
डॉ. मधुसूदन एस	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, बाल चिकित्सा विभाग
डॉ. नीमू हेगे	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, ईएनटी विभाग
डॉ. ए. न्याना सिंधु	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, सर्जरी विभाग
डॉ. सुप्रिया गरपति	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

1. एमबीबीएस 2024 बैच के लिए फाउंडेशन कोर्स और अभिविन्यास कार्यक्रम

30.09.2024 को उद्घाटन किया गया और 7.10.2024 तक जारी रहा। विशेष अवसर का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. महापात्रा सर, कुलपति, SUM संस्थान, SOA, विश्वविद्यालय ओडिशा ने किया। सत्र में एम्स, बीबीनगर, हैदराबाद के अध्यक्ष, सम्मानित प्रोफेसर डॉ. जॉर्ज ए. डिसूजा, संस्थान के दूरदर्शी निदेशक, प्रो. डॉ. विकास भाटिया, चिकित्सा अधीक्षक, प्रो. डॉ. अभिषेक अरोड़ा, डीन अकादमिक, प्रो. डॉ. राहुल नारंग और अभिविन्यास और फाउंडेशन कोर्स समिति की पूरी टीम ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एम्स, बीबीनगर की विभिन्न समितियों और संकाय सदस्य द्वारा विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए जिनमें संगीत, मूवी और डांस क्लब की गतिविधियाँ, AETCOM सत्र, नेतृत्व कौशल, टीम वर्क, एम्स में खेल, हमारा परिसर हरा-भरा परिसर, संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा प्री-क्लिनिकल, पैरा क्लिनिकल और क्लिनिकल विभागों का परिचय छात्रों ने "कान्हा शांतिवनम" का भी दौरा किया जो हैदराबाद का लोकप्रिय योग और तनाव प्रबंधन केंद्र है।

इस यात्रा के बाद सभी छात्र बहुत खुश थे। फाउंडेशन कोर्स के विभिन्न सत्रों ने भारतीय संस्कृति और विरासत की समृद्धि और विविधता का एक विहंगम दृश्य प्रस्तुत किया और छात्रों को अपने बैचमेट्स की रुचियों और प्रतिभाओं से परिचित होने में भी मदद की। छात्रों ने एक समूह गतिविधि में भी भाग लिया जिसमें उन्होंने 'एक चिकित्सक के रूप में मेरा सपना' पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने अपने जीवन की एक नई यात्रा शुरू करने के प्रति उत्साह और उमंग व्यक्त की। सभी छात्रों ने उत्कृष्ट प्रतिक्रिया दी कि फाउंडेशन कोर्स उनके लिए अपने साथियों के साथ अच्छे संबंध बनाने, विभिन्न संकाय सदस्य के साथ बातचीत करने और मेडिकल कॉलेज के वातावरण के सभी पहलुओं से परिचित होने में बहुत मददगार रहा।





एमबीबीएस 2023 बैच का अभिविन्यास कार्यक्रम

एम्स, बीबीनगर की चिकित्सा शिक्षा इकाई की फाउंडेशन कोर्स एवं अभिविन्यास कार्यक्रम समिति द्वारा 9 से 13 सितंबर 2024 तक एमबीबीएस 2023 बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य विषयों में अस्पताल के शिष्टाचार और विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा क्लिनिकल पोस्टिंग की विस्तृत जानकारी, व्यावहारिक और सैद्धांतिक परीक्षा पैटर्न के साथ एमबीबीएस के दूसरे विषयों का परिचय, मरीजों के साथ संवाद के महत्व पर एटीकॉम सत्र और मरीजों व उनके परिजनों के साथ उचित व्यवहार सीखने पर चर्चा शामिल थी। इसके अलावा, शैक्षिक फिल्म, तनाव प्रबंधन, अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग और छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता पर भी सत्र आयोजित किए गए। कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया ने पुरस्कार वितरण के दौरान भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं का उत्साहवर्धन किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। अभिविन्यास कार्यक्रम पर उत्कृष्ट प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं।









01.01.2025 को एम्स, बीबीनगर में इंटर्न के दूसरे बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

एम्स बीबीनगर ने प्रशिक्षुओं के दूसरे बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अभिविन्यास का उद्घाटन एम्स बीबीनगर के कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया ने किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं के नए बैच का स्वागत किया और चिकित्सा पेशे में समर्पण, करुणा और नैतिकता के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संस्थान द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने और स्वास्थ्य सेवाओं की उन्नति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन भाषण के बाद, अकादमिक डीन डॉ. राहुल नारंग ने प्रशिक्षुओं के आगे के शैक्षणिक सफर का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अभिषेक अरोड़ा ने रोगी देखभाल के महत्व, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की ज़िम्मेदारी और अस्पताल के दैनिक संचालन में आने वाली चुनौतियों पर बात की। उन्होंने अनुशासन, बारीकियों पर ध्यान और टीम वर्क की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जो अस्पताल के सुचारू संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं। रजिस्ट्रार डॉ. अपर्णा वर्मा ने प्रशिक्षुओं को अपनी शुभकामनाएँ दीं और इंटर्नशिप के प्रशासनिक और प्रक्रियात्मक पहलुओं पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने आचार संहिता, मूल्यांकन प्रक्रिया और एक अनुकूल शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध संसाधनों पर विस्तार से चर्चा की। अभिमुखीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य नए प्रशिक्षुओं को संस्थागत नीतियों, शैक्षणिक ढाँचे और उनके द्वारा निभाई जाने वाली नैदानिक ज़िम्मेदारियों से परिचित कराना था।





टीम 10: एक स्वास्थ्य टीम द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

क्र. सं.	आयोजन की तिथि	कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागी	कार्यक्रम
1	18/11/2024	AMRA जागरूकता सप्ताह	एमबीबीएस छात्र	रंगोली
2	06/12/2024	वन हेल्थ डे और स्थापना दिवस समारोह	एमबीबीएस छात्र	ई-पोस्टर, रंगोली

3	08/04/2025	"हीलिंग द प्लैनेट, हीलिंग आवरसेल्व्स: एक सतत भविष्य में चिकित्सा शिक्षा की भूमिका" नारा: "ग्रह के लिए डॉक्टर: शिक्षित करें, नवाचार करें, बनाए रखें!"	एमबीबीएस छात्र	प्रस्तुतियाँ (पीपीटी, इन्फोग्राफिक्स, या भौतिक मॉडल) लघु वृत्तचित्र शैली के वीडी ई ओ (3–5 मिनट) इंटरैक्टिव स्टॉल (लाइव प्रदर्शन, व्यावहारिक गतिविधियाँ)

सांस्कृतिक समिति

समिति की मुख्य विशेषताएं

एम्स बीबीनगर में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन कार्यकारी निदेशक प्रो. डॉ. विकास भाटिया, डीन अकादमिक प्रो. डॉ. राहुल नारंग, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. अभिषेक अरोड़ा, सभी संकाय, नर्सिंग अधिकारी, छात्र (एमबीबीएस और नर्सिंग), गैर-शिक्षण कर्मचारी, सुरक्षा और हाउसकीपिंग विभाग के कर्मचारियों द्वारा किया गया। 2019 बैच के प्रथम बैच के छात्रों को प्रोविजनल एमबीबीएस डिग्री प्रमाण पत्र जारी किया गया। संकाय, छात्र और नर्सिंग अधिकारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एम्स बीबीनगर की सांस्कृतिक समिति ने संकाय सदस्य, छात्रों और उनके परिवार व मित्रों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम "डांडिया नाइट" का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत देवी दुर्गा की "आरती" से हुई और उसके बाद नृत्य और आनंद से भरपूर डांडिया नाइट का आयोजन हुआ। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे परिवार और मित्रों ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ इस रात का जश्न मनाया। यह कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा। अगले दिन बथुकम्मा उत्सव मनाया गया और स्टाफ सदस्य ने एक विशाल रंग-बिरंगा बथुकम्मा बनाया। फिर सभी संकाय सदस्य और छात्रों ने पीले रंग की पारंपरिक वेशभूषा पहने और अन्य स्टाफ सदस्य के साथ मिलकर बथुकम्मा गीतों पर बड़े उत्साह से नृत्य किया। यह वाकई त्योहारों के मौसम की एक खूबसूरत शाम थी।

भारतीय संविधान के निर्माण का प्रतीक गणतंत्र दिवस एम्स बीबीनगर में बड़े ही गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हमारे निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और उसके बाद गणमान्य व्यक्तियों के ज्ञानवर्धक भाषणों से हुई। इसके बाद संकाय सदस्य, छात्रों और नर्सिंग अधिकारियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें हमारे राष्ट्र के लिए सैन्य अधिकारियों के बलिदान को दर्शाया गया।

उद्भव 2024, वार्षिक छात्र सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 5 मार्च को उद्घाटन और प्रकाश दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुआ, जिसमें सुबह डॉ विकास भाटिया, निदेशक, डॉ रश्मि कुंदापुर (नोडल अधिकारी सांस्कृतिक समिति), डॉ दीप्ति कोंडा (अतिरिक्त नोडल अधिकारी सांस्कृतिक

समिति), डॉ अभिषेक अरोड़ा (चिकित्सा अधीक्षक), डॉ अपर्णा (रजिस्ट्रार), डॉ संगीता संपत (डीन रिसर्च) ने किया। कई स्टॉल लगाए गए थे जिनमें स्वादिष्ट भोजन और शीतल पेय उपलब्ध थे। इसके बाद विभिन्न साहित्यिक और कला प्रतियोगिताएं जैसे फेस पेंटिंग, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, मॉक पार्लियामेंट, एकल गायन, एकल नृत्य का आयोजन किया गया। वास्तविक संसद से मिलता-जुलता मॉक पार्लियामेंट काफी हिट रहा, जिसमें छात्रों ने विभिन्न राजनीतिक विषयों पर अद्भुत चर्चा और बहस के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अगले दिन, 5 मार्च को, सुबह समूह गायन, वादन, रंगोली, मेहंदी के साथ कार्यक्रम शुरू हुए और फिर मज़ेदार क्रिज़ोटिका और जस्ट अ मिनट, समूह नृत्य प्रतियोगिताएँ हुईं जो शाम तक चलीं। छात्रों ने एक शानदार फ़ैशन शो प्रस्तुत किया जिसके साथ सभी कार्यक्रम समाप्त हुए। डीजे के साथ कार्यक्रम का समापन शानदार रहा। यूडीएचएचवी के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को वार्षिक दिवस के एक भाग के रूप में 10 मार्च 2024 को पुरस्कार प्रदान किए गए। सांस्कृतिक चैंपियन और साहित्यिक चैंपियन को 11 मार्च 2024 को सम्मानित किया गया।

10 और 11 मार्च 2023 को वार्षिक दिवस समारोह के दौरान संकाय, रेजिडेंट, छात्रों और नर्सिंग अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति से हुई। 5 और 6 मार्च 2024 को आयोजित सांस्कृतिक उत्सव के सबसे प्रशंसित छात्र नृत्य प्रदर्शनों को सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान दोहराया गया और उन्हें खूब सराहना मिली। संकाय सदस्य ने रीमिक्स नृत्य प्रदर्शन और एक शानदार फैशन शो में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया।

समिति के सदस्य

नाम	**पद का नाम**	**विभाग**
डॉ. रश्मि कुंदापुर	अध्यक्ष	अतिरिक्त प्रोफेसर सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा
डॉ.कल्पना.एम	नोडल अधिकारी	एसोसिएट प्रोफेसर शरीर क्रिया विज्ञान
डॉ.दीप्ति कोंडा	अतिरिक्त नोडल अधिकारी	सहायक प्रोफेसर त्वचाविज्ञान
डॉ.रोहिणी.मोटवानी	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, एनाटॉमी
डॉ. रेखा.यू	सदस्य	सहायक प्रोफेसर फार्माकोलॉजी
डॉ. विजिता	सदस्य	सहायक प्रोफेसर नेत्र विज्ञान
डॉ. साईं स्फूर्ति	सदस्य	सहायक प्रोफेसर मनोचिकित्सा
डॉ. नीमू	सदस्य	सहायक प्रोफेसर ईएनटी
डॉ. मधुलता.के.	सदस्य	सहायक प्रोफेसर जैव रसायन विज्ञान
डॉ. गायत्री	सदस्य	सहायक प्रोफेसर एंडोक्रिनोलॉजी
डॉ. वेमुरी महेश बाबू	सदस्य	सहायक प्रोफेसर प्लास्टिक सर्जरी
श्री मंजूनाथ	सदस्य	नर्सिंग अधिकारी

1. **समिति की उपलब्धियाँ और प्रमुख कार्यक्रम**














MALANG
AMPHETAMINE
2024
UdbhAV
ANTARANG
SHUTTERBUGS
KALOS
Ameya
RIYAV








ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Bibinagar, Hyderabad
9th Annual Day Celebrations
10th and 11th March 2024







साहित्यिक गतिविधियाँ समिति

1. समिति की मुख्य विशेषताएं

साहित्यिक गतिविधियाँ समिति को संस्थान पत्रिका समिति और साहित्यिक गतिविधियाँ समिति के रूप में दो उप-समितियों में विभाजित किया गया है। संस्थान पत्रिका समिति वार्षिक पत्रिका के डिजाइन और निर्माण में शामिल है और सदस्य पत्रिका बनाने के लिए प्रत्येक नए आने वाले एमबीबीएस बैच के छात्रों के साथ मिलकर काम करते हैं। संस्थान पत्रिका का उद्देश्य छात्रों और सभी कर्मचारियों को गद्य, कविता, कलाकृति, फोटोग्राफी आदि लिखने की उनकी साहित्यिक और कलात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। यह तीन भाषाओं अर्थात अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय तेलुगु भाषा से योगदान आमंत्रित करता है। एक साल की लंबी तैयारी के बाद, "इन्विक्टस- हमेशा विजेता" नामक पत्रिका हर साल वार्षिक दिवस यानी 10 मार्च को जारी की जाती है। इस वर्ष, संस्थान पत्रिका "इन्विक्टस" का विमोचन मुख्य अतिथि, श्री ज़ेंडगे हनुमतोडी, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, यदाद्री भुवनागिरि और इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया, डीन अकादमिक प्रो. (डॉ.) राहुल नारंग और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) अभिषेक अरोड़ा, सभी संकाय सदस्य, छात्र, नर्सिंग अधिकारी, प्रशासनिक कर्मचारी और कुछ छात्रों के अभिभावक भी उपस्थित थे। दूसरी उपसमिति साहित्यिक कार्यक्रमों, जैसे वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, बस एक मिनट, के आयोजन का कार्य देखती है। छात्रों के लिए मैड-ऐड्स आदि, जो आमतौर पर वार्षिक संस्थान सांस्कृतिक उत्सव के दौरान संस्थान सांस्कृतिक समिति के साथ मिलकर आयोजित किए जाते हैं।

4 , 5 और 6 मार्च 2024 को आयोजित सांस्कृतिक उत्सव "उद्भव" के एक भाग के रूप में , साहित्यिक गतिविधि समिति ने विभिन्न प्रतियोगी कार्यक्रमों जैसे मॉक पार्लियामेंट, क्विज़ोटिका, 'जस्ट ए मिनट', मैड-ऐड्स, भाषण और ऑनलाइन कविता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें एमबीबीएस के सभी बैचों के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की। संकाय सदस्य की सहज भागीदारी ने इन आयोजनों में और भी अधिक आनंद और उत्साह भर दिया और सभी ने इनका भरपूर आनंद लिया। सभी प्रतिभागियों और आयोजक छात्र सदस्य को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।

1. समिति के सदस्य: संस्थान पत्रिका उप समिति

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. शैलजा प्रभाला	नोडल अधिकारी	अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
डॉ. अलका भिंगारदेव	अतिरिक्त नोडल अधिकारी	सहायक प्रोफेसर, शरीर रचना विभाग
डॉ. अन्नपूर्णा श्रीरामभटला	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, रेडी ई ओडायग्नोसिस विभाग
डॉ. प्रशांत माडा	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
डॉ. सीएच रामा कृष्ण प्रसाद	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, एनेस्थिसियोलॉजी

साहित्यिक गतिविधियाँ उप समिति

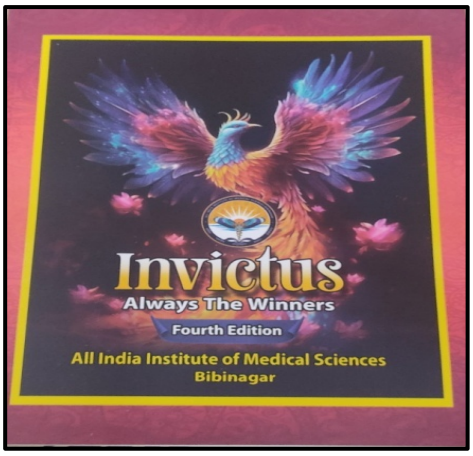
नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. शैलजा प्रभाला	नोडल अधिकारी	अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
डॉ. अलका	अतिरिक्त नोडल	सहायक प्रोफेसर, शरीर रचना विभाग

भिंगारदेव	अधिकारी	
डॉ. सीतू पालो	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग
डॉ. इमैनुएल प्रदीप	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग
डॉ. मधुलता के	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग

समिति की उपलब्धियाँ और प्रमुख कार्यक्रम



मुख्य अतिथि श्रीज़ेंडगे हनुमंत कोंडीबा, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, यदाद्री भुवनगिरि, सम्मानित अतिथि, डॉ. बी. करुणाकर रेड्डी, वीसी, केएनआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, वारंगल , द्वारा वार्षिक दिवस 2024 पर "इनविक्टस" पत्रिका के चौथे संस्करण का विमोचन।



इंस्टीट्यूट मैगज़ीन, इन्विक्टस- ऑलवेज द विनर्स" के चौथे संस्करण का कवर पेज



मार्च 2024 में छात्रों/प्रतिभागियों के लिए 'जस्ट ए मिनट' कार्यक्रम

खेल समिति

1. **समिति की मुख्य विशेषताएं**

खेल समिति द्वारा खेलकुद का आयोजन किया, खेल उपकरण खरीदे गये और संस्थान में खेल सुविधाओं में सुधार किया। वर्ष 2024-2025 में, खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय

प्रगति हुई। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने टूर्नामेंटों और गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए नए टेबल टेनिस कोर्ट बनाए गए और अधिक इनडोर खेल उपकरण जोड़े गए।

2. खेल समिति के सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. अय्या श्यामा सुंदर	नोडल अधिकारी	अतिरिक्त प्रोफेसर, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी यू	अतिरिक्त नोडल अधिकारी	एसोसिएट प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग
डॉ. यदुकुल एस	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान विभाग
डॉ. प्रफुल्ल	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
डॉ. वंदना	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
डॉ. गीता एसजी	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, एनाटॉमी विभाग
डॉ. विजय	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, दंत चिकित्सा विभाग
डॉ. वसंत कुमार कस्तूरी	सदस्य	ट्यूटर, नर्सिंग कॉलेज
श्रीमती एरा दीपिका दयाल	सदस्य	ट्यूटर, नर्सिंग कॉलेज
श्री सरवनन सी	सदस्य	नर्सिंग अधिकारी

3. समिति की उपलब्धियाँ और प्रमुख कार्यक्रम

1. चौथा मानसून खेल टूर्नामेंट (2024)

खेल समिति ने 20 सितंबर से 03 अक्टूबर 2024 तक आयोजित चौथे मानसून खेल टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक, प्रो. विकास भाटिया द्वारा डॉ. अय्या श्यामा सुंदर, डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी और आयोजन टीम की उपस्थिति में किया गया। मानसून खेल 2024 और स्पार्क-2025 की आयोजन समिति में शामिल थे:

डॉ. यदुकुल एस - आयोजन अध्यक्ष	**डॉ. विजय** – आयोजन सचिव
श्री सरवनन सी – संयुक्त आयोजन सचिव	**डॉ. वसंत कुमार कस्तूरी** - कोषाध्यक्ष
श्रीमती एरा दीपिका दयाल – कार्यक्रम समन्वयक	**श्री अनुभव** और **सुश्री कीर्तिका** - आयोजक खेल सचिव

टूर्नामेंट में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम जैसे इनडोर खेल शामिल थे। बारिश के मौसम के बावजूद, इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे संस्थान में शारीरिक फिटनेस, सौहार्द और एकता की भावना को बढ़ावा मिला। टूर्नामेंट का समापन 3 अक्टूबर 2024 को एक समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

I. नए खेल बुनियादी ढांचे की स्थापना

इनडोर खेलों की बढ़ती मांग को पूरा करने तथा छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए सुलभ सुविधाएं प्रदान करने के लिए समिति ने निम्नलिखित पहल की:

a) **टेबल टेनिस कोर्ट:**

- **अमृत निवास** - अप्रैल 2024 में चालू किया गया ।
- **यूजी बॉयज़ हॉस्टल** - फरवरी 2025 में स्थापित

b) **मनोरंजन सुविधाएँ:**

- अनौपचारिक मनोरंजन को प्रोत्साहित करने तथा मानसिक-आधारित खेलों के माध्यम से तनाव को कम करने के लिए अतिरिक्त कैरम और शतरंज बोर्ड खरीदे गए।

II. फिट इंडिया सप्ताह – 2024

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप, एम्स बीबीनगर में 7 से 13 दिसंबर 2024 तक डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी यू और डॉ. यदुकुल एस के मार्गदर्शन में **फिट इंडिया सप्ताह का छठा संस्करण मनाया गया।** [7] दिसंबर को उद्घाटन समारोह में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने फिट इंडिया शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान, कार्यकारी निदेशक ने समिति के सदस्य के साथ, उपस्थित लोगों को संबोधित किया और फिटनेस को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के महत्व पर ज़ोर दिया। पूरे सप्ताह कई आकर्षक शारीरिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें संस्थान के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिससे स्वास्थ्य और कल्याण की सामूहिक भावना को बढ़ावा मिला।

III. स्पार्क – 2025: वार्षिक खेल टूर्नामेंट

प्रमुख वार्षिक खेल टूर्नामेंट, **स्पार्क-2025** , का उद्घाटन 25 जनवरी 2025 को एम्स बीबीनगर परिसर में हुआ। यह टूर्नामेंट तीन श्रेणियों में विभाजित है: छात्र, संकाय और गैर-संकाय कर्मचारी। इसमें क्रिकेट, फुटबॉल, थ्रोबॉल, शतरंज, कैरम, खो-खो, टेबल टेनिस, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे कई खेलों की प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में भारतीय खेलों की दो प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित थीं:

a) **श्री निरंजन रेड्डी** , ओलंपिक रजत पदक विजेता गगन नारंग के मुख्य कोच
b) **श्री संदेश रेड्डी** , पैरा-पिस्टल शूटिंग में राष्ट्रीय चैंपियन और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता

समारोह के दौरान, कार्यकारी निदेशक प्रो. विकास भाटिया ने संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और डॉ. यदुकुल और उनकी टीम के नेतृत्व वाली स्पार्क 2025 की आयोजन समिति को अपनी शुभकामनाएँ दीं। टूर्नामेंट का समापन 3 मार्च 2025 को एक समापन समारोह के साथ हुआ, जहाँ विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

<table>
<tr>
<td>  </td>
<td>  </td>
</tr>
<tr>
<td>मानसून खेल स्पर्धाओं के विजेता नोडल अधिकारी डॉ. अय्या श्यामा सुंदर, अतिरिक्त नोडल अधिकारी डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी और आयोजन अध्यक्ष डॉ. यदुकुल एस के साथ गर्व से पोज़ देते हुए। यह क्षण उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों के लिए खुशी और मान्यता को दर्शाता है।</td>
<td>कार्यकारी निदेशक प्रो. विकास भाटिया, वित्तीय सलाहकार श्री राशिद अब्बास अंसारी , डीन अकादमिक प्रो. राहुल नारंग, डीन रिसर्च प्रो. संगीता संपत और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. अभिषेक अरोड़ा के साथ फिट इंडिया शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। एम्स बीबीनगर समुदाय स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए एकजुट है।</td>
</tr>
</table>

	
कार्यकारी निदेशक प्रो. विकास भाटिया ने मुख्य अतिथि श्री निरंजन रेड्डी, श्री संदेश रेड्डी, डीन अकादमिक प्रो. राहुल नारंग, डीन परीक्षा प्रो. नितिन अशोक जॉन और नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. टी. लता के साथ स्पार्क 2025 (वार्षिक खेल दिवस) का ध्वज और टी-शर्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर उत्साह और गर्व के साथ वार्षिक खेल उत्सव का आधिकारिक शुभारंभ हुआ। छात्र प्रतिनिधियों ने भी गणमान्य व्यक्तियों के साथ एकता और खेल भावना का प्रतीक प्रस्तुत किया।	स्पार्क 2025 के छात्र, संकाय और नर्सिंग अधिकारी श्रेणियों के सर्वश्रेष्ठ एथलीट गर्व से अपने पुरस्कार प्राप्त करते हैं। उनके साथ कार्यकारी निदेशक, प्रशासन उप निदेशक डॉ. बिपिन पी. वर्गीस , परीक्षा विभागाध्यक्ष और चिकित्सा अधीक्षक तथा अस्थि रोग विभागाध्यक्ष प्रो. महेश्वर लक्कीरेड्डी भी मौजूद हैं। यह क्षण सभी समूहों में खुशी, गर्व और सफलता के उत्सव को दर्शाता है।

संकाय मामले

08 मई 2020 को कार्यकारी निदेशक, डॉ. विकास भाटिया के कार्यभार संभालने के बाद, स्थायी चयन समिति [एसएससी] ने संकाय के लिए 5 चरणों में भर्ती प्रक्रिया आयोजित की थी। कुल **132** नियुक्ति आदेश जारी किए गए, जिनमें से **114** संकाय सदस्य ने सुपर स्पेशियलिटी विभागों सहित विभिन्न विभागों में कार्यभार ग्रहण कर लिया है और कई कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया में हैं। इन **114** संकाय सदस्य में से **11** प्रोफेसर, **20** अतिरिक्त प्रोफेसर, **22** एसोसिएट प्रोफेसर, **63** सहायक प्रोफेसर हैं। इसके अतिरिक्त हमारे पास विभिन्न विभागों में **117** वरिष्ठ रेजिडेंट और **20** जूनियर रेजिडेंट (गैर शैक्षणिक) और **02** वरिष्ठ रेजिडेंट, **127** जूनियर रेजिडेंट (शैक्षणिक) और **05** वरिष्ठ रेजिडेंट (शैक्षणिक) हैं। संकाय सदस्य का विवरण इस प्रकार है:-

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान पदनाम	विभाग
1	डॉ. नीरज अग्रवाल	प्रोफेसर और प्रमुख	सीएफएम
2	डॉ. किशोर यादव जोथुला	सह - प्राध्यापक	सीएफएम
3	डॉ. दुर्गेश प्रसाद साहू	सह - प्राध्यापक	सीएफएम
4	डॉ. कुस्नेनिवार गोविंदराव	अतिरिक्त	सीएफएम

	नरसिंहराव	प्रोफेसर	
5	डॉ. प्रशांत माडा	सह - प्राध्यापक	फोरेंसिक दवा
6	डॉ. आर श्यामला	अतिरिक्त प्रोफेसर	कीटाणु-विज्ञान
7	डॉ. मीली पांडा	सह - प्राध्यापक	सीएफएम
8	डॉ. सुनील कुमार डी चव्हाण	सह - प्राध्यापक	कीटाणु-विज्ञान
9	डॉ. देबाशीष बिसोई	सह - प्राध्यापक	औषध
10	डॉ. राजा एस	सह - प्राध्यापक	कीटाणु-विज्ञान
11	डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताडी	अतिरिक्त प्रोफेसर	कीटाणु-विज्ञान
12	डॉ. माधवी एरिके	अतिरिक्त प्रोफेसर	औषध
13	डॉ. गोमती आर	सह - प्राध्यापक	सीएफएम
14	डॉ. यू रेखा प्रियदर्शिनी	सह - प्राध्यापक	औषध
15	डॉ. जेरार्ड मार्शल राज डी	सह - प्राध्यापक	औषध
16	डॉ. सुमित्रा शिवकोटी	सहायक प्रोफेसर	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
17	डॉ. शैलजा प्रभाला	अतिरिक्त प्रोफेसर	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
18	डॉ. अय्या श्यामा सुंदर	अतिरिक्त प्रोफेसर	अनेस्थिसियोलॉजी
19	डॉ. सीएच राम कृष्ण प्रसाद	सह - प्राध्यापक	अनेस्थिसियोलॉजी
20	डॉ. शालम निकहत शीरीन	अतिरिक्त प्रोफेसर	कीटाणु-विज्ञान
21	डॉ. पाटिल पराग परशुराम	सह - प्राध्यापक	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
22	डॉ. अन्नपूर्णा श्रीरामभटला	अतिरिक्त प्रोफेसर	रेडी ई ओडायगनोसिस
23	डॉ. वामन कुलकर्णी	सह - प्राध्यापक	सीएफएम
24	डॉ. अभिमन्यु शर्मा	सह - प्राध्यापक	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
25	डॉ. राहुल नारंग	प्रोफेसर और प्रमुख	कीटाणु-विज्ञान
26	डॉ. एस कल्याणी सूर्य धन लक्ष्मी	अतिरिक्त प्रोफेसर	अनेस्थिसियोलॉजी
27	डॉ. यदुकुल.एस	अतिरिक्त प्रोफेसर	फोरेंसिक दवा
28	डॉ. सीतू पालो	सह - प्राध्यापक	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
29	डॉ. आशुतोष रथ	सह - प्राध्यापक	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
30	डॉ. गुणवंती राठौड़	अतिरिक्त प्रोफेसर	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
31	डॉ. प्रग्नेश परमार	अतिरिक्त	फोरेंसिक दवा

		प्रोफेसर	
32	डॉ. रश्मि कुंदापुर	अतिरिक्त प्रोफेसर	सीएफएम
33	डॉ. अपर्णा वर्मा भोंगीर	अतिरिक्त प्रोफेसर	जीव रसायन
34	डॉ. रोहित सलूजा	सह - प्राध्यापक	जीव रसायन
35	डॉ. नितिन अशोक जॉन	प्रोफेसर और प्रमुख	शरीर क्रिया विज्ञान
36	डॉ. मधु लता कर्रा	सह - प्राध्यापक	जीव रसायन
37	डॉ. सुरराज एस	सह - प्राध्यापक	शरीर रचना
38	डॉ. अनीश सिंघल	सह - प्राध्यापक	शरीर क्रिया विज्ञान
39	डॉ. एम. कल्पना	अतिरिक्त प्रोफेसर	शरीर क्रिया विज्ञान
40	डॉ. विद्या गंजी	सह - प्राध्यापक	शरीर क्रिया विज्ञान
41	डॉ. अलका भिंगारदेव	सह - प्राध्यापक	शरीर रचना
42	डॉ. सुप्रिया गरपति	अतिरिक्त प्रोफेसर	शरीर रचना
43	डॉ. प्रफुल्ल के.	अतिरिक्त प्रोफेसर	शरीर क्रिया विज्ञान
44	डॉ. आनंद	अतिरिक्त प्रोफेसर	जीव रसायन
45	डॉ. अरियानाची. के	सह - प्राध्यापक	शरीर रचना
46	डॉ. माधुरी तरनीकांति	अतिरिक्त प्रोफेसर	शरीर क्रिया विज्ञान
47	डॉ. रोहिणी मोटवानी	अतिरिक्त प्रोफेसर	शरीर रचना
48	डॉ. मधुसूदन.यू	सह - प्राध्यापक	शरीर क्रिया विज्ञान
49	डॉ. सेलू येल्लाबोइना	सहायक प्रोफेसर	जीव रसायन
50	डॉ. गीता एसजी	सह - प्राध्यापक	शरीर रचना
51	डॉ. नैना कुमार	अतिरिक्त प्रोफेसर	प्रसूति एवं स्त्री रोग
52	डॉ. कोलावाली राघवेंद्र राव	सह - प्राध्यापक	नेत्र विज्ञान
53	डॉ. अर्चना गौर टी	सह - प्राध्यापक	शरीर क्रिया विज्ञान
54	डॉ. दीप्ति कोंडा	सह - प्राध्यापक	त्वचा विज्ञान
55	डॉ. सिद्धराम एस जंती	अतिरिक्त प्रोफेसर	नेत्र विज्ञान
56	डॉ. अरविंद कुमार मोर्य	अतिरिक्त प्रोफेसर	नेत्र विज्ञान
57	डॉ. इमैनुएल प्रदीप	सह - प्राध्यापक	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
58	डॉ. वी. मौनिका रेड्डी	सह - प्राध्यापक	बच्चों की दवा करने की विद्या
59	डॉ. संदीप गैरे	सह - प्राध्यापक	अनेस्थिसियोलॉजी
60	डॉ. साई कृष्ण टिक्का	अतिरिक्त	मनोचिकित्सा

		प्रोफेसर	
61	डॉ. कांबले भूषण दत्तात्रेय	सह - प्राध्यापक	सीएफएम
62	डॉ. कृष्ण रामावत	सह - प्राध्यापक	जनरल सर्जरी
63	डॉ. संगीता संपत	प्रोफेसर और प्रमुख	जीव रसायन
64	डॉ. नमित कांत सिंह	अतिरिक्त प्रोफेसर	ईएनटी
65	डॉ. नीमू हेगे	सह - प्राध्यापक	ईएनटी
66	डॉ. ए. न्याना सिंधु	सह - प्राध्यापक	जनरल सर्जरी
67	डॉ. मधुसूदन एस	अतिरिक्त प्रोफेसर	बच्चों की दवा करने की विद्या
68	डॉ. अपर्णा जे	सह - प्राध्यापक	प्रसूति एवं स्त्री रोग
69	डॉ. तुषार मोहनलाल परमेश्वर	सह - प्राध्यापक	जनरल सर्जरी
70	डॉ. बीसी मालथेश	सह - प्राध्यापक	मनोचिकित्सा
71	डॉ. जितेंद्र सिंह निगम	अतिरिक्त प्रोफेसर	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
72	डॉ. नवनीता पटनायक	अतिरिक्त प्रोफेसर	प्रसूति एवं स्त्री रोग
73	डॉ. माले दीपक कुमार	सहायक प्रोफेसर	हड्डी रोग
74	डॉ. श्रीनिवास भीमराव सोमलवार	अतिरिक्त प्रोफेसर	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
75	डॉ. सैयद अहमद ज़की	सह - प्राध्यापक	बच्चों की दवा करने की विद्या
76	डॉ. अभिषेक जगदीशचंद्र अरोड़ा	प्रोफेसर और प्रमुख	रेडी ई ओडायगनोसिस
77	डॉ. महेश्वर लक्कीरेड्डी	प्रोफेसर और प्रमुख	हड्डी रोग
78	डॉ. एस. सिद्धार्थ राव	अतिरिक्त प्रोफेसर	जनरल सर्जरी
79	डॉ. विशाखा जैन	अतिरिक्त प्रोफेसर	सामान्य दवा
80	डॉ. शक्तिवादिवेल वी	अतिरिक्त प्रोफेसर	सामान्य दवा
81	डॉ. ढोले संदीप रमेशराव	सह - प्राध्यापक	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास
82	डॉ. दीपांकर सतपथी	सहायक प्रोफेसर	हड्डी रोग
83	डॉ. वेमुरी महेश बाबू	सहायक प्रोफेसर	फुफ्फुसीय चिकित्सा
84	डॉ. वाई रंजीत कुमार	सह - प्राध्यापक	हड्डी रोग
85	डॉ. मनसा रेड्डी वाधी	सहायक प्रोफेसर	बाल चिकित्सा सर्जरी
86	डॉ. एन चरण	सहायक प्रोफेसर	सामान्य दवा
87	डॉ. आर. अरुण	अतिरिक्त प्रोफेसर	रक्ताधान चिकित्सा एवं रक्त बैंक
88	डॉ. गोल्ला वाहिनी	सहायक प्रोफेसर	सामान्य दवा

89	डॉ. अनीता एस	सहायक प्रोफेसर	नेफ्रोलॉजी
90	डॉ. टी अशोक वर्धन रेड्डी	सहायक प्रोफेसर	तंत्रिका-विज्ञान
91	डॉ. सैयद इफ़्तेख़ार	सहायक प्रोफेसर	हड्डी रोग
92	डॉ. नीरज कुमार	प्रोफेसर और प्रमुख	तंत्रिका-विज्ञान
93	डॉ. श्रीकृष्ण बीएच	अतिरिक्त प्रोफेसर	ईएनटी
94	डॉ. राधिका एस	अतिरिक्त प्रोफेसर	औषध
95	डॉ. पीएस सिद्धार्थ राव	सहायक प्रोफेसर	अस्पताल प्रशासन
96	डॉ. विजय	सहायक प्रोफेसर	दंत चिकित्सा
97	डॉ. प्रणिता वी	सहायक प्रोफेसर	दंत चिकित्सा
98	डॉ. ममिदिपल्ली साईं स्फूर्ति	सहायक प्रोफेसर	मनोचिकित्सा
99	डॉ अमर कुमार रेपका	सहायक प्रोफेसर	उरोलोजि
100	डॉ रोहित बाबू मुला	सहायक प्रोफेसर	जलन और प्लास्टिक सर्जरी
101	डॉ. अनुराग नेगी	प्रोफेसर और प्रमुख	दंत चिकित्सा
102	डॉ. मिशु मंगला	सह - प्राध्यापक	प्रसूति एवं स्त्री रोग
103	डॉ. मृदुला चंद्रुपटला	प्रोफेसर और प्रमुख	शरीर रचना
104	डॉ. वंदना एस दौलताबाद	सह - प्राध्यापक	शरीर क्रिया विज्ञान
105	डॉ. दीपा जी	सहायक प्रोफेसर	शरीर रचना
106	डॉ. अनुषा देवल्ला	सहायक प्रोफेसर	प्रसूति एवं स्त्री रोग
107	डॉ. एसएम रुद्रेश	अतिरिक्त प्रोफेसर	कीटाणु-विज्ञान
108	डॉ. किरण कुमार तेजवथ	सहायक प्रोफेसर	जीव रसायन
109	डॉ. राहुल गर्ग	सहायक प्रोफेसर	कीटाणु-विज्ञान
110	डॉ. चंद्रमौली आर	सहायक प्रोफेसर	रेडी ई ओथेरेपी
111	डॉ. पेड्डीरेड्डी अरुण मित्रा	सहायक प्रोफेसर	सीएफएम
112	डॉ. ए चैतन्य प्रत्यूषा	सहायक प्रोफेसर	अनेस्थिसियोलॉजी
113	डॉ. शशांक शेखर पांडा	प्रोफेसर और प्रमुख	बाल चिकित्सा सर्जरी
114	डॉ. एस. थानिगैनाथन	सह - प्राध्यापक	न्यूनैटॉलॉजी
115	डॉ ई श्रीकांत	सहायक प्रोफेसर	हड्डी रोग
116	डॉ. सत्यनारायण कुम्मारी	सहायक प्रोफेसर	रेडी ई ओडायगनोसिस
117	डॉ. गढ़ीराजू मनीषा वर्मा	सहायक प्रोफेसर	बच्चों की दवा करने की विद्या
118	डॉ. विनोदिनी एम	सह - प्राध्यापक	मेडिकल ऑन्कोलॉजी/ हेमेटोलॉजी
119	डॉ. कोना किरण कुमार रेड्डी	सहायक प्रोफेसर	रेडी ई ओडायगनोसिस
120	डॉ.मोहम्मद हुसैन छोटू शेख	सह - प्राध्यापक	कार्डियोथोरेसिक शल्य - चिकित्सा
121	डॉ. दावूद यूबी	सहायक प्रोफेसर	रक्ताधान चिकित्सा एवं

			रक्त बैंक
122	डॉ. वेंकटेश्वर रेड्डी	सह - प्राध्यापक	जनरल सर्जरी
123	डॉ. प्रीतम एस	सह - प्राध्यापक	त्वचा विज्ञान
124	डॉ. अनिल कुमार जे	सहायक प्रोफेसर	न्यूरोसर्जरी
125	डॉ. सिबाब्रत्ता पटनायक	प्रोफेसर और प्रमुख	बच्चों की दवा करने की विद्या
126	डॉ. कुलदीप जी.बी.	अतिरिक्त प्रोफेसर	अस्पताल प्रशासन
127	डॉ. सुनील कुमार	सह - प्राध्यापक	जनरल सर्जरी
128	डॉ. दिनाकर बूटला	सहायक प्रोफेसर	कार्डियलजी
129	डॉ. स्वर्णलता सीलम	सह - प्राध्यापक	रेडी ई ओडायगनोसिस
130	डॉ. हरि कुमार एस	सह - प्राध्यापक	नेत्र विज्ञान
131	डॉ. बुर्सुपल्ले महेश रेड्डी	सह - प्राध्यापक	रेडी ई ओ निदान
132	डॉ. अजय कुमार के	एसोसिएट प्रोफेसर(डिपार्टमेंट)	रेडी ई ओथेरेपी

नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) समिति

1. मुख्य बिन्दु

अगस्त 2024 में एम्स बीबीनगर में नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) समिति शुरू की गई थी। यह समिति सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के आदेशानुसार गठित की गई थी और इसकी अध्यक्षता नोडल अधिकारी डॉ. ममीदिपल्ली साईं स्फूर्ति, सहायक प्रोफेसर, मनोरोग विभाग ने की थी। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रथम वर्ष के स्नातक (यूजी) छात्रों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से पहल पर चर्चा करने के लिए एनएमबीए समिति के सदस्य के साथ बैठक सितंबर 2024 में आयोजित की गई थी। मनोरोग विभाग, एम्स बीबीनगर ने नशा मुक्त भारत अभियान के सिलसिले में 12 अगस्त 2024 को हमारे संस्थान के छात्रों और शिक्षकों के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक सामूहिक शपथ का आयोजन किया है। इसी के क्रम में, हमने जिला परिषद हाई स्कूल, कोंडामादुगु के छात्रों के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया। समिति ने 7 अक्टूबर 2024 को नए एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। प्रस्तुति के बाद, छात्रों को शामिल करने और मादक द्रव्यों के सेवन पर उनके दृष्टिकोण जानने के लिए एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। दिसंबर 2024 में खेल समिति के सहयोग से एक खेल गतिविधि आयोजित की गई। इसके अलावा, समिति ने प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाने, तनाव कम करने और एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मासिक सेमिनार/गतिविधियों की एक श्रृंखला भी शुरू की।

प्रस्तावित गतिविधियाँ:

क्रम सं.	गतिविधियाँ	प्रतिभागी	आवृत्ति
1.	अभिविन्यास कार्यक्रम (एनएमबीए और एनएमबीए प्रतिज्ञा के बारे में जागरूकता)	प्रथम वर्ष एमबीबीएस	प्रतिवर्ष एक बार

2.	घोषणा पत्र: एंटी-रैगिंग फॉर्म नशीली दवाओं के विरोधी रूप छात्रावास में अचानक दौरे के लिए सहमति (नशीली दवाओं की जांच)	प्रथम वर्ष के एमबीबीएस, नर्सिंग, पैरामेडिकल छात्र	प्रतिवर्ष एक बार अभिविन्यास के दौरान।
3.	जागरूकता सृजन के लिए सेमिनार / कार्यशालाएँ (योग समिति के साथ समन्वय)	प्रथम वर्ष एमबीबीएस	महीने में एक बार (1 घंटे का सत्र)
4.	पड़ोसी सीमा का संवेदनशील होना (गतिविधियों में वॉकथॉन/मैराथन/स्किट शामिल हैं)	बीबीनगर और कोंडामाडुगु के निवासी	3 महीने में एक बार
5.	गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता पैदा करना (चर्चा की गई गतिविधियों में मूवी क्लब, कार्यक्रमों के लिए खेल समिति के साथ समन्वय, नारा लेखन/पोस्टर/लघु फिल्म जैसी प्रतियोगिताएं शामिल हैं)	प्रथम वर्ष के एमबीबीएस, नर्सिंग, पैरामेडिकल छात्र	6 महीने में एक बार
6.	सहकर्मी सहायता समूह का गठन	एमबीबीएस के प्रत्येक बैच के प्रतिनिधि	प्रत्येक सत्र की शुरुआत
7.	मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार वाले छात्रों की पहचान करना (मनोचिकित्सा/फार्माकोथेरेपी के माध्यम से उचित उपचार)	प्रथम वर्ष के एमबीबीएस, नर्सिंग, पैरामेडिकल छात्र	जब भी आवश्यकता हो
8.	छात्रावास में औचक नशीली दवाओं की जांच	प्रथम वर्ष के एमबीबीएस, नर्सिंग, पैरामेडिकल छात्रावास के छात्र	रुक रुक कर

समिति के सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. ममिदिपल्ली साईं स्फूर्ति	सहायक प्रोफेसर	मनोचिकित्सा
डॉ. साई कृष्ण टिक्का	अतिरिक्त प्रोफेसर	मनोचिकित्सा
डॉ. बीसी मालथेश	सह - प्राध्यापक	मनोचिकित्सा
डॉ. पराग पाटिल परशुराम	सह - प्राध्यापक	पैथोलॉजी, पैरा-मेडिकल कोर्स समन्वयक
डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताडी	अतिरिक्त प्रोफेसर	माइक्रोबायोलॉजी, अतिरिक्त छात्रावास अधीक्षक: बालिकाएं
डॉ. तुषार एम परमेश्वर	सह - प्राध्यापक	सर्जरी, उप छात्रावास अधीक्षक: लड़के
डॉ. लक्ष्मी	वरिष्ठ रेजिडेंट	मनोचिकित्सा

डॉ. शांतिनी अजय	शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट	मनोचिकित्सा
श्री किशोर बाबू	छात्रावास वार्डन: लड़के	
श्री वसंत कुमार	ट्यूटर/ क्लिनिकल प्रशिक्षक	नर्सिंग
श्री सूरज कुमार मीणा	नर्सिंग अधिकारी	नर्सिंग
श्री प्रसून सोनी	सीआर 2021 एमबीबीएस बैच	एमबीबीएस छात्र
सुश्री कृतिका	एलआर 2021 एमबीबीएस बैच	एमबीबीएस छात्र

3. उपलब्धियां और प्रमुख कार्यक्रम



अगस्त 2024 को हमारे संस्थान के छात्रों और शिक्षकों के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ सामूहिक शपथ



एनएमबीए गतिविधि- अवैध नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता- कोंडामादुगु, अगस्त 2024

 	
प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ अभिविन्यास कार्यक्रम, अक्टूबर 2024	खेल समिति के सहयोग से खेल गतिविधि, दिसंबर 2024

एनएमसीएन (राष्ट्रीय मेडिकल कॉलेज नेटवर्क)

- परियोजना का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा के लिए एक मानक और सुसंगत वातावरण तैयार करना तथा डॉक्टरों, चिकित्सा विशेषज्ञों और नागरिकों के लिए क्षमता निर्माण करना है।
- एनएमसीएन परियोजना के तहत कार्यों में से एक ऑनलाइन उपलब्ध चिकित्सा सामग्री का पुनर्गठन और सुधार करना और आईएनआई सहित पूरे भारत में कॉलेजों को ऑनलाइन उपलब्ध कराना है।

. सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन) से संबंधित कार्यों की देखरेख के लिए एक समिति गठित की गई है।

नाम	**विभाग**	**पद का नाम**
डॉ. मधुसूदन यू	अतिरिक्त प्रोफेसर, बाल रोग	नोडल अधिकारी
डॉ. रोहित सलूजा	एसोसिएट प्रोफेसर, जैव रसायन विज्ञान	आईटी विशेषज्ञ
डॉ. वामन कुलकर्णी	एसोसिएट प्रोफेसर, सीएम और एफएम	सदस्य
डॉ. नीमू हेगे	एसोसिएट प्रोफेसर, ईएनटी	सदस्य
डॉ. अरियानाची के	एसोसिएट प्रोफेसर, एनाटॉमी	सदस्य

आयोजित गतिविधियाँ

- आवश्यक अनुमोदन के बाद समिति ने चरण 2 एमबीबीएस के निम्नलिखित विभागों में संकाय समन्वयकों की पहचान की
- विकृति विज्ञान
- माइक्रोबायोलॉजी
- औषध विज्ञान
- फोरेंसिक चिकित्सा और विष विज्ञान
- संकाय समन्वयकों को सूची से विषयों का चयन करने और संकाय की पहचान करने का निर्देश दिया गया, जो सीबीएमई (योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा) विषयों के अनुसार ई-लर्निंग मॉड्यूल तैयार करेंगे।
- संकाय सदस्य ने निर्धारित प्रारूप में अपने पीपीटी तैयार किए, एनआरसी (राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, नई दिल्ली) से अनुमोदन के बाद, उन्हें अपने चयनित विषयों की वीडी ई ओ रिकॉर्डिंग के साथ आगे बढ़ने की अनुमति दी गई, निम्नलिखित विषय एनएमसीएन पोर्टल पर सफलतापूर्वक अपडेट / प्रक्रिया में हैं
- PY6.4 गहरे समुद्र में गोताखोरी: प्रस्तुतकर्ता डॉ. मधुसूदन यू
- पैथोलॉजी द्वारा ऑन्कोजीन का आणविक आधार
- PH1.10: एक सही, पूर्ण और सुपाठ्य जेनेरिक नुस्खे के भागों का वर्णन करें। नुस्खे में त्रुटियों की पहचान करें और उन्हें उचित रूप से सुधारें।
- FM7.1 संकेतों को सूचीबद्ध करें और सिद्धांतों और उपयुक्त उपयोग का वर्णन करें:
- समिति के सदस्य प्रगति पर चर्चा करने के लिए हर महीने के आखिरी शनिवार को मिलते हैं

विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित सीएमई/सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार/वेबिनार/शैक्षणिक कार्यक्रम

क्र. सं.	तारीख	कार्यक्रम का नाम	टिप्पणी
1.	22.02 2021	आंत माइक्रोबायोम, पोषण और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव पर सीएमई	
2.	06- 04-2021	आईएलबीएस के सहयोग से एनएएफएलडी पर राष्ट्रीय वेबिनार	
3.	01.05.2021	मृत शरीर प्रबंधन पर नर्सिंग कार्यशाला	
4.	23.05.2021	कोविड-19 में विटामिन डी की उच्च खुराक के भारतीय साक्ष्य पर वेबिनार	
5.	28.05.2021	शिक्षा - शरीर रचना विज्ञान सीखने में नया दृष्टिकोण	
6.	11.06.2021	प्रेरणा पर वेबिनार -POW WOW	
7.	15.06.2021	राष्ट्रीय संगोष्ठी- गर्भावस्था, मानसिक स्वास्थ्य और COVID-19	
8.	21.06.2021	सिकल सेल रोग पर सीएमई कार्यक्रम	
9.	21.06.2021	विश्व सिकल सेल दिवस 2021 पर सिकल सेल रोग पर वेबिनार	
10.	22.06.2021 – 05.07.2021	बाल चिकित्सा कोविड आईसीयू के लिए बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर में नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण	
11।	01.07.2021	स्वास्थ्य कर्मियों पर हमले पर सीएमई	
12.	16.07.2021	कार्यशाला - एडीआर रिपोर्टिंग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण	
13.	28.07.2021	हेपेटाइटिस बी पर राष्ट्रीय सीएमई - शमन और उन्मूलन की दिशा में कार्य	
14.	01-07.08.2021	विश्व स्तनपान सप्ताह समारोह 2021	
15.	5.08.2021	विश्व स्तनपान पर सीएमई	
16.	12.08.2021	कार्यशाला - अच्छा नैदानिक अभ्यास	
17.	13.08.2021	IKIGAI- विश्व अंगदान दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता	
18.	18-20.08.2021	नर्सिंग विकास कार्यक्रम के भाग के रूप में नर्सों के लिए संक्रमण नियंत्रण और नमूना संग्रह पर अतिथि व्याख्यानों की श्रृंखला	
19.	24.08.2021	मधुमेह रेटिनोपैथी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	
20.	30.08 – 02.09 2021	बुनियादी जीवन समर्थन कार्यशाला	
21.	3.9.2021	स्त्री रोग संबंधी कैंसर जागरूकता माह पर सीएमई	
22.	07.09.2021	डॉ. जी. शिल्पा रेड्डी द्वारा "आनुवंशिक रोगों के लिए नवजात शिशु की जांच" पर अतिथि व्याख्यान	

23.	13.9.2021	विश्व सेप्सिस दिवस पर सीएमई कार्यक्रम	
24.	20-21.09.2021	विभाग द्वारा आयोजित "चक्कर और असंतुलन पर राष्ट्रीय सीएमई: संतुलन का मार्ग"	
25.	17 - 23.09.2021	राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह समारोह	
26.	9, 16,23,30 सितंबर 2021	बाल चिकित्सा सेप्सिस अपडेट 2021 - बाल चिकित्सा सेप्सिस पर 4 भागों की वेबिनार श्रृंखला	बच्चों की दवा करने की विद्या
27.	1-30 सितंबर 2021	स्त्री रोग संबंधी कैंसर जागरूकता माह समारोह	ओबीजीवाई
28.	5 - 6 और 17.10.2021 _	दक्षिण भारत मेडिको-लीगल एसोसिएशन का वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (SIMLA 2021)	एफएमटी
29.	25-10- 2021	पैकेज लेबलिंग और बचपन में मोटापे के मुद्दे पर राष्ट्रीय वेबिनार	
30.	25.10.2021	स्नातक छात्रों के लिए स्व-स्तन परीक्षण पर कार्यशाला	
31.	28.10.2021	स्तन कैंसर के अद्यतन पर राष्ट्रीय सीएमई	ओबीजीवाई
32.	28.10.2021	स्तन कैंसर में अद्यतन पर सीएमई	ओबीजीवाई
33.	12.11.2021	सीएमई और व्यावहारिक कार्यशाला - ओरोजेनी	
34.	14-15.12.2021	सिजेरियन सेक्शन की दरों को अनुकूलित करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन	
35.	19.12.2021	कोविड-19 के बाद फीमरल हेड के एवस्कुलर नेक्रोसिस पर उभरती चिंताओं पर वेबिनार	
36.	12.01.2022	ऑक्सीजन स्टीवर्डशिप कार्यक्रम JHPIEGO	अनेस्थिसियोलॉजी
37.	27.01.2022	अवलोकन और एम्ब्रियन 2022	
38.	29.01.2022	व्यवहारिक शरीरक्रिया विज्ञान के लोकाचार पर सीएमई सह कार्यशाला - अनुवादात्मक अनुसंधान में सातत्य	शरीर क्रिया विज्ञान
39.	03.03.2022	विश्व श्रवण दिवस पर सीएमई: जीवन भर सुनने के लिए, ध्यान से सुनें”	ईएनटी
40.	15.03.2022	कार्यशाला - बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण के लिए विकास मानसिकता के माध्यम से लचीलापन का निर्माण	
41.	21-22.03.22	संक्रमण नियंत्रण के लिए स्वच्छता अभियान योजना पर कार्यशाला।	सीएफएम
42.	24.03.2022	विश्व टीबी दिवस समारोह	
43.	26.03.2022	"आणविक आनुवंशिकी और प्राइमर	

		डिजाइनिंग में प्रगति" पर ऑनलाइन सीएमई और कार्यशाला	
44.	26-28.03.2022	वायरोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन - VIROCON 2021- विषय: "उभरते और फिर से उभरते वायरल रोग - जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और शमन"	विकृति विज्ञान
45.	21-23.03.2022 और 28-30.03.2022	स्वच्छता कार्य योजना के एक भाग के रूप में एचआईसीसी पर कार्यशाला	
46.	31.03.2022	वर्चुअल संगोष्ठी - भारत में जेनेरिक दवाओं का उपयोग। हम कहां खड़े हैं?	औषध
47.	07.04.2022	" **आपातकालीन विष विज्ञान प्रबंधन** " पर कार्यशाला	एफएमटी
48.	11.05.2022	वर्चुअल "नर्सों पर राष्ट्रीय सीएनई: नेतृत्व के लिए एक आवाज"	एमएस ऑफिस
49.	16.07.2022	भारतीय मैटेरियोविजिलेंस कार्यक्रम (एमवीपीआई) पर कार्यशाला, फार्माकोलॉजी विभाग।	औषध
50.	18.07.2022	फोरेंसिक रेडी ई ओलॉजी पर सीएमई- आगामी मुद्दे और चुनौतियाँ।	एफएमटी और रेडी ई ओलॉजी
51.	30.07.2022	बुनियादी फेफड़े की अल्ट्रासोनोग्राफी और इकोकार्डियोग्राफी	एनेस्थिसियोलॉजी
52.	1-4 अगस्त 2022	"विश्व स्तनपान सप्ताह 2022	बच्चों की दवा करने की विद्या
53.	13.08.2022	डब्ल्यूएचओ 2021 सीएनएस ट्यूमर के वर्गीकरण पर कार्यशाला	विकृति विज्ञान
54.	18.08.2022	आंतरिक प्रश्नोत्तरी, एफएमटी विभाग।	एफएमटी
55.	07.09.2022	बाल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम	बच्चों की दवा करने की विद्या
56.	20-22.09.2022	दूसरा राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह	औषध
57.	26.09.2022	एमबीबीएस छात्रों के लिए गर्भनिरोधक पर अंतर महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ओबीजीवाई विभाग।	ओबीजीवाई
58.	28.09-01.10.22	STATA का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला	सीएफएम

59.	20.10.2022	ऑस्टियोपोरोसिस पर सीएमई: इलाज से पहले इसे हराएं	हड्डी रोग
60.	03.11.2022	वन हेल्थ डे 2022 "रेबीज पर अंतःविषय संगोष्ठी"	कीटाणु-विज्ञान
61.	14.11.2022	"विश्व मधुमेह दिवस" के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	जीव रसायन
62.	23.11.2022	विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW)	कीटाणु-विज्ञान
63.	07.12.2022	टीकाकरण सेवाओं को मजबूत करने के लिए सोशल मीडिया और संचार के माध्यम से स्वास्थ्य में सुधार " पर कार्यशाला	सीएफएम
64.	27-28.01.2023	अवलोकन-2023 कार्यशाला	शरीर रचना
65.	30-01-2023	"ईईजी विश्लेषण के लिए दृष्टिकोण: स्वास्थ्य और रोग में व्याख्या" पर कार्यशाला	शरीर क्रिया विज्ञान
66.	1-5-02-2023	"आईएपीएसएम 2023 सम्मेलन"	सीएफएम
67.	17-02-2023	"वर्चुअल ऑटोप्सी-वर्चुअल विच्छेदन टेबल का अनुभव" पर कार्यशाला	एफएमटी
68.	23-03-2023	स्नातक छात्रों के लिए "सॉ बोन वर्कशॉप"	हड्डी रोग
69.	15-17.03.2023	जूनियर रेजिडेंट (शैक्षणिक) के लिए "बेसिक रिसर्च मेथोडोलॉजी कार्यशाला"	आईआर सी
70.	24-25.03.2023	"एकल कोशिका जीनोमिक्स और डिजिटल ड्रॉपलेट पीसीआर और कैंसर एपिजेनेटिक्स" पर कार्यशाला	जीव रसायन
71.	06.04.2023	"मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम में न्यूरो-वैस्कुलर जोखिम मूल्यांकन" पर वेबिनार	शरीर क्रिया विज्ञान
72.	18.04.2023	"क्लिनिकल प्रैक्टिस में सामान्य चिकित्सा-कानूनी मुद्दे" पर सीएमई कार्यक्रम	ओबीजीवाई
73.	14.06.2023	विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर "पोस्टर प्रतियोगिता"	रक्ताधान चिकित्सा एवं रक्त बैंक
74.	22.06.2023	विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर "रक्तदान शिविर"	रक्ताधान चिकित्सा एवं रक्त बैंक
75.	26-27.06.2023	"बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम"	बच्चों की दवा करने की विद्या
76.	18.07.2023	फोरेंसिक नर्सिंग विषय पर नर्सिंग अधिकारियों के लिए "पोस्टर प्रतियोगिता"	एफएमटी
77.	24-27.07.2023	विश्व सिर और गर्दन कैंसर दिवस 2023 के अवसर पर ई-सीएमई, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रदर्शनी	ईएनटी
78.	28.07.2023	स्थापना दिवस के अवसर पर कोशिका विज्ञान में अद्यतन जानकारी	विकृति विज्ञान
79.	25.08.2023	"दर्द चिकित्सा में मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड" पर कार्यशाला	पीएमआर
80.	11.09.2023	"फार्माकोविजिलेंस" पर शैक्षणिक सत्र	औषध
81.	16-20.10.2023	"ऑस्टियोपोरोसिस सप्ताह और अस्थि खनिज घनत्व (बीएमडी) शिविर"	हड्डी रोग
82.	09.12.2023	"चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम" पर सीएमई	आधान

			चिकित्सा
83.	29.01.2024	डॉ. सुनील पूबानी, पूर्व अध्यक्ष, ईसीएमओ सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा "भारत में क्रिटिकल केयर: मेरी यात्रा" विषय पर अतिथि व्याख्यान	बच्चों की दवा करने की विद्या
84.	30.01.2024	"ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्ट और इसके नैदानिक निहितार्थ" पर सीएमई सह कार्यशाला	शरीर क्रिया विज्ञान
85.	30.01.2024 से 02.02.2024 तक	प्रशिक्षुओं के लिए बीएलएस और एसीएलएस कार्यशाला	सामान्य दवा
86.	14-15.02.2024	बाल चिकित्सा बुनियादी जीवन समर्थन कार्यशाला और बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन कार्यशाला	बच्चों की दवा करने की विद्या
87.	16.02.2024	प्रशिक्षुओं के लिए "आपदा प्रबंधन" पर 01 दिवसीय कार्यशाला	बाल रोग, सामान्य चिकित्सा और एनेस्थिसियोलॉजी
88.	20.02.2024	"श्रवण पुनर्वास" पर आधे दिन की सीएमई	ईएनटी
89.	08.04.2024	प्रथम संस्थान स्थापना दिवस समारोह 2024	अनुसंधान प्रकोष्ठ
90.	10.06.2024	"ऑनलाइन ई-पोस्टर प्रतियोगिता"	आधान चिकित्सा
91.	12.06.2024	"रक्तदान शिविर"	आधान चिकित्सा
92.	27.06.2024	"ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य" पर जागरूकता कार्यक्रम	अस्पताल प्रशासन
93.	19-21.07.2024	"बाल चिकित्सा बुनियादी जीवन समर्थन कार्यशाला/पाठ्यक्रम" और "बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन कार्यशाला/पाठ्यक्रम"	बच्चों की दवा करने की विद्या
94.	25.07.2024	"अंगदान अभियान"	रेडी ई ओ निदान
95.	26.07.2024	डॉ. योगेंद्र बंसल, प्रोफेसर और एचओडी, एफएमटी विभाग, पीजीआई, चंडीगढ़ द्वारा 2022 बैच के एमबीबीएस छात्रों के लिए "अतिथि व्याख्यान"	एफएमटी
96.	01-08.8.2024	"विश्व स्तनपान सप्ताह समारोह 2024"	नवजात विज्ञान, बाल रोग, ओबीजीवाई और सीएम एंड एफएम
97.	27.08.2024	"आईएपी-यूजी बाल चिकित्सा प्रश्नोत्तरी-विभागीय दौर 2024"	बच्चों की दवा करने की विद्या
98.	17-23.09.2024	"चौथा राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह"	औषध
99.	23.10.2024	"तनाव प्रबंधन" पर कार्यशाला	मनोचिकित्सा
100.	24.10.2024	सीएमई का शीर्षक "बर्न्स अवेयरनेस"	जलन और प्लास्टिक सर्जरी
101.	27.10.2024	"बाल चिकित्सा सेप्सिस अपडेट 2024- सीएमई सह कार्यशाला" पर एक दिवसीय कार्यक्रम	बच्चों की दवा करने

			की विद्या
102.	06.01.2025	02 घंटे का सीएमई सत्र "ट्रांसजेंडर और अन्य लिंग-अस्वीकृति व्यक्तियों के लिए लिंग-पुष्टि चिकित्सा देखभाल पर केंद्रित"	शरीर क्रिया विज्ञान और बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग
103.	21.02.2025	"राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान"	हड्डी रोग
104.	28.02.2025	"बेसिक नवजात पुनर्जीवन कार्यशाला"	बाल रोग एवं नवजात विज्ञान
105.	21-23.03.2025	स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए "बेसिक और एडवांस्ड पीडियाट्रिक लाइफ सपोर्ट कोर्स"	बच्चों की दवा करने की विद्या
106.	17.06.2025	"कोक्लियर इम्प्लांट पर लाइव सर्जिकल प्रदर्शन और सीएमई"	ईएनटी
107.	16.07.2025	"स्थापना दिवस"	एफएमटी

एंटी-रैगिंग समिति

क्र. सं.	**नाम**	**पद का नाम**
1.	प्रो. विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक, एम्स बीबीनगर	अध्यक्ष
2.	डॉ. राहुल नारंग, डीन (अकादमिक), एम्स बीबीनगर	उपाध्यक्ष
3.	डीडीए, एम्स बीबीनगर	सदस्य
4.	डॉ. बी अपर्णा वर्मा, रजिस्ट्रार, एम्स बीबीनगर	सदस्य
5.	डॉ. गुणवंती राठौड़, एसोसिएट डीन, एम्स बीबीनगर	सदस्य सचिव
6.	डॉ. प्रग्नेश परमार, मुख्य छात्रावास अधीक्षक	सदस्य
7.	डॉ. लक्ष्मी ज्योति टी, अतिरिक्त मुख्य छात्रावास अधीक्षक	सदस्य
8.	डॉ. प्रफुल्ल, एसो प्रोफेसर, छात्रावास अधीक्षक, बालक	सदस्य
9.	डॉ. अलका भिंगारदेव, छात्रावास अधीक्षक, कन्या	सदस्य
10.	डॉ. सुमित्रा एस, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
11।	डॉ. जेरार्ड मार्शल राज डी, सहायक प्रोफेसर	सदस्य
12.	श्री एच राघवेंद्र, सब इंस्पेक्टर	सदस्य
13.	स्वाति रामचंद्रन, द्वितीय वर्ष की छात्रा-महिला	सदस्य
14.	भगवंत पवार, द्वितीय वर्ष छात्र-पुरुष	सदस्य
15.	प्रथम वर्ष के छात्र-पुरुष	सदस्य
16.	प्रथम वर्ष की छात्राएं-महिलाएं	सदस्य
17.	प्रथम वर्ष छात्राओं के अभिभावक -महिला	सदस्य
18.	प्रथम वर्ष छात्रों के अभिभावक -पुरुष	सदस्य
19.	श्री. दथरक दयाकर (स्थानीय मीडियाकर्मी)	सदस्य
20.	एनजीओ व्यक्ति	सदस्य

- कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया की अध्यक्षता में गठित एंटी-रैगिंग समिति ने एम्स बीबीनगर परिसर में रैगिंग की समस्या को रोकने के लिए पूरी एहतियात बरती है। परिसर रैगिंग मुक्त है। डीन प्रो. डॉ. राहुल नारंग, उपाध्यक्ष के रूप में, एंटी-रैगिंग समिति को पूरी तरह से क्रियाशील बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रहे हैं।
- कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया ने नव प्रवेशित एमबीबीएस बैच 2023-24 के स्थापना दिवस के अवसर पर अपने उद्घाटन भाषण में छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वस्त किया कि एम्स बीबीनगर एक रैगिंग मुक्त परिसर बनाने का प्रयास करेगा। यह नया छात्रावास "आयुष भवन, परिसर के भीतर" नए छात्रों के लिए रैगिंग मुक्त एक अलग निवास स्थान है। छात्रों की देखभाल के लिए वार्डन तैनात रहेंगे। सुरक्षा गार्ड 24 घंटे तैनात रहेंगे। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के रैगिंग विरोधी नियम के अनुसार, छात्रों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने हेतु प्रतिदिन एक सहायक प्रोफेसर परिसर में ड्यूटी पर रहेगा।
- डीन (अकादमिक) प्रो. (डॉ.) राहुल नारंग ने अपने स्वागत भाषण में नवप्रवेशित छात्रों और अभिभावकों को संस्थान के रैगिंग मुक्त वातावरण का आश्वासन दिया। डीन महोदय ने आगे कहा कि अभिभावक और छात्र किसी भी समस्या के लिए बिना किसी झिझक के हमारी समिति के सदस्य से चर्चा कर सकते हैं।
- समिति के सदस्य ने सभी विद्यार्थियों को एंटी-रैगिंग समिति की ओर से 'एंटी-रैगिंग नियमों' के बारे में जानकारी दी तथा उन्हें संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं और सहायता के बारे में अवगत कराया तथा कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के संस्थान से संपर्क करना चाहिए।
- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम और निषेध) विनियम, 2022 के अनुसार संस्थान में विभिन्न एंटी-रैगिंग उपायों से अवगत कराने के लिए सीनियर बैच के छात्रों के अभिभावकों को एक पत्र भी पहले ही भेजा जा चुका है। संशोधित एंटी-रैगिंग समिति के सदस्य की अधिसूचनाओं के साथ एंटी-रैगिंग नियमों के बारे में जागरूकता बोर्ड परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में लगाए गए हैं। एंटी-रैगिंग समिति में छात्रों (सीनियर और जूनियर), सब-इंस्पेक्टर, स्थानीय मीडियाकर्मी और एक गैर-सरकारी संगठन के सदस्य का प्रतिनिधित्व भी शामिल है।
- छात्रावास समिति के सदस्य, एंटीरैगिंग समिति के सदस्य हमेशा छात्रों और अभिभावकों के संपर्क में रहते हैं, ताकि छात्रों को स्वस्थ और समग्र वातावरण प्रदान किया जा सके।

अनुसंधान प्रकोष्ठ

संस्था अनुसंधान प्रकोष्ठ (आईआरसी)

अनुसंधान प्रकोष्ठ शैक्षणिक संवर्द्धन और विकास का आधार है जो अवधारणा निर्माण को सरल बनाता है और नए विचारों एवं नवाचारों को जन्म देता है। इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य संकाय और छात्रों के लिए अनुसंधान कार्यक्रमों की निगरानी और प्रशासन करना तथा उन्हें अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

आईआरसी सदस्य:

क्र.सं.	**नाम**	**पद का नाम**
1	डॉ. संगीता संपत	डीन रिसर्च
2	डॉ. गोविंदराव एन. कुसनेनीवार	एसोसिएट डीन अनुसंधान
5	डॉ. वी. मौनिका रेड्डी	सदस्य सचिव
3	डॉ. मृदुला सी	सदस्य
4	डॉ. साई कृष्ण टिक्का	सदस्य
6	डॉ. देबासिस बेसोई	सदस्य
7	डॉ. अरुण मित्रा पी	सदस्य
8	डॉ. आशुतोष रथ	सदस्य
9	डॉ. अभिषेक जे अरोड़ा	सदस्य
10	डॉ. मीली पांडा	सदस्य
11	डॉ. विशाखा जैन	सदस्य
12	डॉ. दीप्ति कोंडा	सदस्य
13	डॉ. शशांक शेखर पांडा	सदस्य

इस प्रकोष्ठ के अंतर्गत संस्थान की नींव इस प्रकार मजबूत थी:

1. वैज्ञानिक सलाहकार समिति ने वर्ष 2024 के लिए 15 इंट्राम्यूरल फंडिंग परियोजनाओं को तकनीकी रूप से मंजूरी दी।
2. अनुसंधान प्रकोष्ठ ने तैयार किया है:
   - आंतरिक और बाह्य परियोजनाओं के संचालन के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज और एसओपी।
   - शोध परियोजनाओं में छात्रों को शामिल करने के लिए दिशानिर्देश।
   - एम्स, बीबीनगर में नैदानिक परीक्षणों के संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)।
3. 15/04/2024 को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा एम्स बीबीनगर को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (एसआईआरओ) के रूप में मान्यता दी गई।
4. अनुसंधान प्रकोष्ठ और संस्थागत अनुसंधान समिति हर महीने दूसरे और चौथे शुक्रवार को वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए दो बार मिलते हैं। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, अनुसंधान प्रकोष्ठ ने कुल 17 बैठकों में लगभग 160 प्रस्तावों की समीक्षा की है।
5. एमआरयू: 17/03/2025 - 18/03/2025 को "कमजोर आदिवासी समुदायों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सतत विकास की अच्छी प्रथाएँ और संभावनाएँ" शीर्षक से एक सीएमई/कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मुख्य प्रतिभागियों में आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी शिक्षक और एम्स बीबीनगर के अनुसंधान कर्मचारी शामिल थे। एमआरयू, एम्स बीबीनगर के अंतर्गत दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन दो परियोजनाओं में से एक परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के अंतिम चरण में है।
6. हाल ही में, आईसीएमआर-सहायक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार केंद्र (आईसीएमआर-सीएएचटी) ने 04/11/2024 को एम्स बीबीनगर में केंद्र की स्थापना के लिए मंजूरी दे दी है और 5 साल की अवधि के लिए 30 लाख रुपये की कुल निधि के साथ, 13/02/2025 को एम्स बीबीनगर में सहायक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना की गई। इस

केंद्र के तहत प्रस्तुत एम्स बीबीनगर के तीन प्रस्तावों को वित्त पोषण एजेंसी द्वारा अनुमोदित किया गया है।

7. आयुष मंत्रालय के अंतर्गत, योग के माध्यम से मन-शरीर हस्तक्षेप के लिए सहयोग केंद्र (सीसीएमबीआईवाई) ने एम्स बीबीनगर के साथ सहयोग करने के लिए 28/03/2025 को 5 वर्षों की अवधि के लिए 37 लाख रुपये की कुल निधि के साथ एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और पहली किस्त (19 लाख रुपये) 21/03/2025 को जारी की गई।
8. सीटीआरसी (क्लीनिकल ट्रायल रिव्यू कमेटी) जो आईआरसी का एक उप-भाग है, सभी परीक्षण परियोजनाओं की समीक्षा करती है और अब तक 5 बैठकें आयोजित कर चुकी है तथा 6 परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है जो कि प्रगति पर हैं।
9. अनुसंधान - अनुसंधान का दूसरा संस्करण 8 अप्रैल, 2024 को आयोजित प्रथम संस्थान स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पीजीआई चंडीगढ़ के पूर्व निदेशक डॉ. योगेश कुमार चावला द्वारा जारी किया गया।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति (अनुसंधान सलाहकार समिति)

क्र.सं.	**नाम**	**भूमिका**	**बाह्य /आंतरिक**
1.	डॉ. योगेश कुमार चावला, एमेरिटस प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	अध्यक्ष	बाह्य
2.	डॉ. स्वयम प्रगनन परिदा, अतिरिक्त प्रोफेसर, सीएफएम विभाग, एम्स, भुवनेश्वर	सदस्य	बाह्य
3.	डॉ. सदाशिवुडु, एडिशनल प्रोफेसर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, एनआईएमएस, हैदराबाद	सदस्य	बाह्य
4.	डॉ. भानु प्रकाश रेड्डी, एचओडी बायोकैमिस्ट्री, एनआईएन, हैदराबाद	सदस्य	बाह्य
5.	डॉ. विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक	सदस्य	आंतरिक
6.	डॉ. संगीता संपत, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष जैव रसायन, डीन अनुसंधान	सदस्य	आंतरिक
7.	डॉ. राहुल नारंग, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष माइक्रोबायोलॉजी	सदस्य	आंतरिक
8.	डॉ. माधुरी तरणाकांति, अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान	सदस्य	आंतरिक
9.	डॉ. वामन कुलकर्णी, एसोसिएट प्रोफेसर, सीएफएम	सदस्य	आंतरिक
10.	डॉ. सिद्धार्थ राव, अतिरिक्त प्रोफेसर, जनरल सर्जरी	सदस्य	आंतरिक
11।	डॉ. मौनिका रेड्डी वी, एसोसिएट प्रोफेसर, बाल रोग	सदस्य	आंतरिक

- **अनुसंधान अनुभाग द्वारा 16 मार्च, 2024 को आयोजित तीसरी एसएसी बैठक में, पद्मश्री, बीसी रॉय पुरस्कार विजेता प्रो. (डॉ.) योगेश चावला, पूर्व निदेशक एवं एमेरिटस प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर द्वारा संकाय सदस्य (इंट्राम्यूरल फंडेड प्रोजेक्ट्स) के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। तीसरी एसएसी बैठक के दौरान, संकाय सदस्य द्वारा प्रस्तुत 15 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिनकी अनुमानित राशि ₹62 लाख थी।**





- **संस्थान अनुसंधान प्रकोष्ठ ने जूनियर रेजिडेंट (शैक्षणिक) के लिए बुनियादी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया**

23 से 25 जनवरी, 2024 को एम्स, बीबीनगर में, संस्थान अनुसंधान समिति (आईआरसी) ने एक व्यापक तीन दिवसीय बुनियादी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य संस्थान के नए स्नातकोत्तर रेजिडेंट को आवश्यक शोध ज्ञान और कौशल से लैस करना था। सामुदायिक चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा विभाग (सीएमएफएम) में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ वामन कुलकर्णी द्वारा कुशलतापूर्वक समन्वित कार्यशाला में डॉ अपर्णा वर्मा, डॉ रश्मि कुंदापुर, डॉ मिली पांडा, डॉ मृदुला सी, डॉ डॉ माधवी एरिके और डॉ रोहित सलूजा सहित विभिन्न विभागों के संसाधन व्यक्तियों का एक प्रतिष्ठित पैनल शामिल था। कार्यशाला के अगले दिन विभिन्न अध्ययन डिजाइनों, शोध प्रश्नों, साहित्य समीक्षा और नमूना आकार गणना के व्यावहारिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, इस इंटरैक्टिव सत्र से सूचना और विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ, जिससे संकाय और छात्र दोनों को लाभ हुआ।



- **11 से 13 सितंबर, 2024, एम्स, बीबीनगर :**

11 से 13 सितंबर 2024 तक, आईआरसी ने तीन दिवसीय व्यापक बुनियादी शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य स्नातकोत्तर छात्रों को आवश्यक शोध, ज्ञान और कौशल से लैस करना था। डॉ. वामन कुलकर्णी द्वारा कुशलतापूर्वक समन्वित कार्यशाला में विभिन्न विभागों के संसाधनों का एक प्रतिष्ठित पैनल शामिल था, जिसमें डॉ. अपर्णा वर्मा, डॉ. रश्मि कुंदापुर, डॉ. मौनिका रेड्डी, डॉ. अरुण मित्रा पी, डॉ. माधवी एरिके, डॉ. मिली पांडा और डॉ. रोहित सलूजा शामिल थे। कार्यशाला का अगला दिन आकर्षक व्याख्यानों की एक श्रृंखला के साथ शुरू हुआ, जो शोध प्रश्न, साहित्य समीक्षा, विभिन्न अध्ययन डिजाइनों और नमूना आकार गणना के व्यावहारिक पहलुओं पर केंद्रित थे, जो इंटरैक्टिव हैंड्स-ऑन गतिविधियों द्वारा पूरित थे। दूसरे दिन, कार्यशाला कुछ 16 व्याख्यानों के साथ जारी रही तीसरे दिन, प्रतिभागियों के पूर्व-निर्धारित समूहों ने अपने शोध प्रोटोकॉल का मसौदा तैयार किया और प्रस्तुत किया, और संसाधन संकाय सदस्य ने प्रोटोकॉल के महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान की। इस संवादात्मक सत्र ने सूचनाओं और विचारों के उत्साहपूर्ण आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया, जिसने संकाय और निवासियों, दोनों को समान रूप से प्रभावित किया।

- **तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए डीएचआर-सारांश अनुदान के तहत व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण पर व्यावहारिक कार्यशाला एम्स बीबीनगर, तेलंगाना द्वारा आयोजित की गई।**
  तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए डीएचआर-सारांश अनुदान के तहत आयोजित व्यवस्थित समीक्षा और स्वास्थ्य में नेटवर्किंग सहायता (सारांश) कार्यशाला, एम्स बीबीनगर, तेलंगाना में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस व्यावहारिक कार्यशाला ने प्रतिभागियों को व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण में आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया, जिससे प्रस्तुत करने के लिए तैयार उच्च गुणवत्ता वाले शोध का विकास सुनिश्चित हुआ। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान क्षेत्र के विशेषज्ञों और विद्वानों की उत्साही भागीदारी देखी गई, और सभी निर्धारित गतिविधियों को योजना के अनुसार क्रियान्वित किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त ज्ञान और अनुभव स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अनुसंधान के तरीकों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। एम्स बीबीनगर, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सहयोग से, स्वास्थ्य विज्ञान में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।



- **एमआरयू के अंतर्गत "कमजोर जनजातीय समुदायों के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सतत विकास की अच्छी प्रथाएँ और संभावनाएँ" विषय पर सीएमई सह कार्यशाला। (दिनांक: 17 और 18 मार्च, 2025, स्थान: एम्स बीबीनगर)**
  एम्स बीबीनगर ने 17-18 मार्च, 2025 को "कमजोर जनजातीय समुदायों के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सतत विकास के अच्छे अभ्यास और संभावनाएं" पर दो दिवसीय सीएमई सह कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100-दिवसीय अभियान के तहत तपेदिक पर विशेष ध्यान देने के साथ आदिवासी स्वास्थ्य के प्रमुख मुद्दों पर

चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ, स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी शिक्षक) और एनजीओ के हितधारक एक साथ आए। सत्रों में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी), टीबी के बोझ और रोकथाम, वन हेल्थ दृष्टिकोण और स्थायी स्वास्थ्य सेवा में सर्वोत्तम प्रथाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को शामिल किया गया। शिक्षा जगत, सरकार और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिष्ठित अतिथियों ने अपने विचार साझा किए। दूसरे दिन स्वास्थ्य साक्षरता पर जोर दिया गया और जनजातीय स्वास्थ्य के लिए उन्नत संसाधन केंद्र के काम को प्रदर्शित किया गया



- **"पैन-एम्स रिसर्च कॉलोक्वियम" एम्स दिल्ली में डीन रिसर्च बैठक , 29 जनवरी 2025**

29 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली स्थित एम्स के डॉ. रामलिंग स्वामी बोर्डरूम में एक अखिल एम्स अनुसंधान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सभी एम्स के डीन रिसर्च को शामिल करते हुए यह अपनी तरह की पहली अनूठी बैठक है। इस बैठक में एम्स बीबीनगर के एसोसिएट डीन रिसर्च डॉ. गोविंदराव कुशनेनीवार ने भाग लिया। बैठक में भारत भर के विभिन्न एम्स परिसरों के प्रतिष्ठित डीन, एसोसिएट डीन, संकाय, शोधकर्ता और प्रशासक एक मंच पर आए। दिन भर चले इस कार्यक्रम में विभिन्न एम्स में अनुसंधान की स्थिति, अनुसंधान को बढ़ावा देने के उनके दृष्टिकोण और अनुसंधान संबंधी अंतर्दृष्टि पर चर्चा हुई और इसके आधार पर एक अखिल एम्स अनुसंधान संघ की नींव रखी गई, जो स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए एक साझा मंच प्रदान करके अंतर-संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देगा।





डॉ. गोविंदराव एनके, एसोसिएट डीन रिसर्च, ने एम्स बीबीनगर के शोध कार्य प्रस्तुत किए और पैन-एम्स रिसर्च कोलोक्वियम में एम्स दिल्ली के निदेशक माननीय प्रो. (डॉ.) एम. श्रीनिवास से सम्मान प्राप्त किया।

- **प्रथम संस्थागत स्थापना दिवस समारोह**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बीबीनगर ने 8 मार्च, 2024 को अपने पहले संस्थान स्थापना दिवस के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाया, जिसने चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संस्थान की आधारशिला रखने की पहली वर्षगांठ को चिह्नित करता है। समारोह की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसमें प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, संकाय, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे। पद्मश्री प्रो. डॉ. योगेश चावला, प्रोफेसर एमेरिटस और पूर्व निदेशक, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित किया। उनके साथ सम्मानित अतिथि के रूप में एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. डॉ. मीनू सिंह और प्रशो फाउंडेशन के अध्यक्ष और आईआईपीएच हैदराबाद के पूर्व निदेशक प्रो. डॉ. जीवीएस मूर्ति शामिल हुए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एम्स बीबीनगर के कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रो. डॉ. विकास भाटिया ने की, साथ ही संस्थान के डीन और प्रशासनिक प्रमुखों सहित प्रतिष्ठित संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। इस समारोह में एम्स बीबीनगर के अध्यक्ष प्रो. डॉ. जॉर्ज ए डिसूजा ने भी वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। केवल तीन वर्षों में, एम्स बीबीनगर ने अनुसंधान और नवाचार में उल्लेखनीय प्रगति की है, और कई आंतरिक और बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं हासिल की हैं। उल्लेखनीय उपलब्धियों में एक बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (₹5 करोड़), एक वीडीआरएल प्रयोगशाला (₹1.5 करोड़), एक स्वास्थ्य क्षेत्रीय केंद्र (₹1.2 करोड़), और एक आगामी जैव सुरक्षा स्तर III प्रयोगशाला (₹17 करोड़) की स्थापना शामिल है। इसके अतिरिक्त, 657 प्रकाशनों और 16 सक्रिय अनुसंधान सहयोगों के साथ, एम्स बीबीनगर अपने शैक्षणिक और वैज्ञानिक योगदान को मजबूत कर रहा है। सम्मानित सदस्य में शामिल थे:

1. पद्मश्री प्रो. डॉ. योगेश चावला, अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समिति
2. डॉ. स्वयं प्रज्ञान परिदा, एम्स भुवनेश्वर
3. डॉ. सदाशिवुडु, निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद
4. डॉ. भानु प्रकाश, आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद
5. प्रोफेसर डॉ. जी सूर्यनारायण राजू, अध्यक्ष, आईईसी, एम्स बीबीनगर
6. श्री. पद्मा राव लक्का राजू, कानूनी विशेषज्ञ, आईईसी, एम्स बीबीनगर
7. सुश्री मीता जोशी, सामाजिक वैज्ञानिक, आईईसी, एम्स बीबीनगर
8. श्री. दुर्गा दास साहा, ले प्रतिनिधि, आईईसी, एम्स बीबीनगर
9. श्रीमती एमवीएल नारायणम्मा, ले प्रतिनिधि, आईईसी, एम्स बीबीनगर



अप्रैल, 2024 से मार्च 2025 के दौरान अनुसंधान परियोजनाओं, समझौता ज्ञापनों और प्रकाशनों का विवरण

अप्रैल, 2024 से मार्च 2025 के दौरान अनुसंधान परियोजनाओं, समझौता ज्ञापनों और प्रकाशनों का विवरण

क्र.सं.	परियोजनाओं के प्रकार	संख्या	बजट (रु.) यदि कोई हो,
1.	आंतरिक वित्त पोषित परियोजनाएं जारी हैं	24	96,09,994.15/-
2.	बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं जारी हैं (एमआरयू, सीटीआरसी और अन्य बाह्य परियोजनाओं सहित)	42	35,80,87,777.00/-
3.	स्नातकोत्तर आईसीएमआर वित्त पोषित परियोजनाएं	10	-
4.	स्नातक आईसीएमआर एसटीएस वित्त पोषित परियोजनाएं	11	-
5.	स्नातक स्तर की अंतःसंरचनात्मक वित्त पोषित परियोजनाएँ	02	20,000.00/-
6.	समझौता ज्ञापनों की कुल संख्या (शुरुआत से संचयी)	20	-
6.	संकाय सदस्य द्वारा प्रकाशित कुल पुस्तकों की संख्या	178	-
7.	स्नातक छात्रों द्वारा प्रकाशित कुल पुस्तकों की संख्या	7	-

अंतःसंग्रहीत वित्त पोषित परियोजनाएँ						
क्र. सं.	**फ़ाइल संख्या**	**परियोजना का शीर्षक**	**पीआई नाम**	**स्वीकृति तिथि**	**कुल बजट**	**स्थिति**
1	एम्स/बीबीएन/आईएम-एफ/रिसर्च/2024/38	दक्षिण भारत के एक तृतीयक देखभाल संस्थान में आने वाले हाइपरयूरेसीमिया रोगियों में मैग्नीशियम और सूजन संबंधी मार्करों का सहसंबंध - एक क्रॉस-सेक्शनल विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. माले दीपक कुमार	25-06-24	रु. 2,43,257.15	चल रहे
2	एम्स/बीबीएन/आईएम-एफ/रिसर्च/2024/39	एस-ईसीसी राशि वाले 3-6 वर्ष के बच्चों में पोषण संबंधी कमियों के मूल्यांकन, दंत पुनर्वास और पोषण संबंधी पूरकता के उपाय - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. प्रणिता वी	25-06-24	रु. 4,99,927	चल रहे
3	एम्स/बीबीएन/आईएम-एफ/रिसर्च/2024/40	वृद्धावस्था जीनोम का अनावरण" वृद्ध पुरुषों में हृदय संबंधी रोगों के लिए सहयोगी बायोमार्कर के रूप में आयु संबंधी वाई गुणसूत्र हानि या एसआरवाई जीन उत्परिवर्तन की जांच करने के लिए एक अध्ययन	डॉ. गीता एसजी	25-06-24	रु. 4,33,500	चल रहे
4	एम्स/बीबीएन/आईएम-एफ/रिसर्च/2024/41	दक्षिण भारत के तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस और फ्लोराइड के स्तर के साथ इसकी गंभीरता का संबंध - एक विश्लेषणात्मक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	डॉ. संदीप ढोले	25-06-24	रु. 2,46,400	चल रहे
5	एम्स/बीबीएन/आईएम-एफ/रिसर्च/2024/42	पैर के अल्सर वाले और बिना अल्सर वाले टाइप-II मधुमेह रोगियों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी की व्यापकता, पैर के अल्सर वाले और बिना अल्सर वाले गैर मधुमेह रोगियों की तुलना में	डॉ. तुषार मोहनलाल परमेश्वर	25-06-24	रु. 4,90,400	चल रहे

6	एम्स/बीबीएन /आईएम-एफ/रिसर्च/ 2024/43	इंटरस्फिंक्टेरिक और ट्रांसफिंक्टेरिक फिस्टुला-इन-एनो रोगियों में ऑटोलॉगस प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के साथ LIFT बनाम फाइब्रिन गोंद के साथ LIFT बनाम अकेले LIFT का तुलनात्मक विश्लेषण, एक पायलट अध्ययन	डॉ. ए. न्याना सिंधु	25-06-24	रु. 3,54,650	चल रहे
7	एम्स/बीबीएन /आईएम-एफ/रिसर्च/ 2024/44	ग्रामीण तेलंगाना में माध्यमिक विद्यालय के बच्चों में क्षय को रोकने में एक अभिघातजन्य पुनर्स्थापन तकनीक के साथ सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड की 38% प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. विजय	25-06-24	रु. 4,85,250	चल रहे
8	एम्स/बीबीएन /आईएम-एफ/रिसर्च/ 2024/45	आंखों पर पट्टी बांधे बच्चों में अर्जित "स्पर्श संबंधी बोध कौशल" में न्यूरोप्लास्टिक परिवर्तन, एक कार्यात्मक एमआरआई अध्ययन	डॉ. टी. अशोक वर्धन रेड्डी	25-06-24	रु. 3,88,960	चल रहे
10	एम्स/बीबीएन /आईएम-एफ/रिसर्च/2024/46	क्रोनिक पित्ती में इंटरल्यूकिन-6 और इंटरल्यूकिन-33 के सीरम स्तर और रोग की गंभीरता के साथ उनका सहसंबंध	डॉ. दीप्ति कोंडा	25-06-24	रु. 4,99,500	चल रहे
11	एम्स/बीबीएन /आईएम-एफ/रिसर्च/ 2024/47	वुल्वोवैजिनल कैंडिडिआसिस से पीड़ित महिलाओं के लिए मौखिक प्रोबायोटिक्स थेरेपी की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन	डॉ. जे. अपर्णा	25-06-24	रु. 3,41,250	चल रहे
12	एम्स/बीबीएन /आईएम-एफ/रिसर्च/ 2024/48	अस्थमा रोगियों और सामान्य व्यक्तियों में miR-125b की अभिव्यक्ति के स्तर, सूजन संबंधी मार्करों पर जोर देते हुए	डॉ. वेमुरी महेश बाबू	22-07-24	5,00,000	चल रहे

13	एम्स/बीबीएन/रिस/आईएम-एफ/2024/49	टाइप 2 मधुमेह रोगियों में ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन के स्तर पर पारंपरिक बहु-भोजन आहार पैटर्न और व्यायाम के विरुद्ध केवल दो भोजन और व्यायाम के प्रभाव की तुलना: तृतीयक देखभाल संस्थान, तेलंगाना में एक खुला लेबल समानांतर डिज़ाइन यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण	डॉ गोविंद राव एन. के.	13-09-24	रु. 4,98,259/-	चल रहे

बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएँ

क्र. सं.	फ़ाइल संख्या	परियोजना का शीर्षक	अनुकरणीय	मंजूरी की तिथि	एजेंसी	कुल बजट	स्थिति
1	एम्स/बीबीएन/ईएम-एफ/2023/34	भारत में जनजातीय आबादी में यौन संचारित संक्रमणों की व्यापकता, उनसे जुड़े जोखिम कारक और उपचार चाहने का व्यवहार - एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन	डॉ. राजा. एस	05-02-24	आईसीएमआर	रु.38,47,401	चल रहे
2	एम्स/बीबीएन/ईएम-एफ/2023/35	संकल्प": नवजात मृत्यु दर को एकल अंक में लाने के लिए कार्यक्रम कार्यान्वयन और निगरानी को मजबूत करना – एक कार्यान्वयन अनुसंधान	डॉ. एस. थानिगैनाथन	12-01-24	बीएमजीएफ	रु.6,24,16,341	चल रहे
3	एम्स/बीबीएन/ईएम-एफ/2023/36	तेलंगाना के आवासीय विद्यालयों में किशोरियों की वृहद और सूक्ष्म पोषण स्थिति पर पशु स्रोत भोजन की प्रभावकारिता - गैर-यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (ईएएसएनएआर अध्ययन)"।	डॉ. गोमती आर,	10-01-24	आईसीएमआर-एनएमआरआई	रु.23,07,910	चल रहे
4	एम्स/बीबीएन/ईएम-एफ/2024/37	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2 मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली मूल्यांकन	डॉ. वामन कुलकर्णी	17-08-23	एनएमएचएस	75,00,000 रुपये	चल रहे
5	एम्स/बीबीएन/ईएम-एफ/2024/	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए डीएचआर-सारांश अनुदान के अंतर्गत व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण पर व्यावहारिक कार्यशाला	डॉ. साईं कृष्ण टिक्का,	23-07-24	आईसीएमआर	रु.6,00,000	पुरा होना।

	38						
6	एम्स /बीबीएन/ईएम-एफ/2024/39	मृत जन्मे शिशुओं के माता-पिता की सहायता के लिए भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली हेतु शोक देखभाल पैकेज का विकास और व्यवहार्यता परीक्षण	डॉ. माधुरी तरनीकांति	19-09-24	आईसीएमआर-एनएचआरपी	रु.75,19,569	चल रहे
7	एम्स /बीबीएन/ईएम-एफ/2024/40	दक्षिण भारतीय मधुमेह जनसंख्या में ग्लिप्टिन की फार्माकोजेनेटिक्स: ग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया में अंतर-व्यक्तिगत परिवर्तनशीलता का आकलन	डॉ. जेरार्ड मार्शल राज,	3/9/24 (स्वीकृति तिथि) 10-10-2024	सर्ब	26,06,820 रुपये	चल रहे
8	एम्स /बीबीएन/ईएम-एफ/2025/41	भारत में विभिन्न नैदानिक स्थितियों के लिए साक्ष्य आधारित एंटीबायोटिक: व्यवस्थित समीक्षा/मेटा-विश्लेषण का संचालन	डॉ. सैयद इफ़्तेख़ार	23-12-24	आईसीएमआर	5,13,500 रुपये	चल रहे
9	एम्स /बीबीएन/ईएम-एफ/2025/42	स्तन और मुख कैंसर का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण”	डॉ. अभिमन्यु शर्मा	08-02-25	आईसीएमआर	रु.3,64,000	चल रहे
10	एम्स /बीबीएन/ईएम-एफ/2025/43	सहज प्रारंभिक गर्भावस्था हानि में तंत्रिका वृद्धि कारक और उसके रिसेप्टर्स की भूमिका: गर्भाधान के उत्पादों पर एक इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री-आधारित विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. सीतू पालो	09-01-25	सीएसआईआर	रु.2,69,583	चल रहे
11	एम्स /बीबीएन/ईएम-एफ/2025/44	भारत में विविध क्षेत्रों और सुविधाओं में हृदय रोग जोखिम न्यूनीकरण के लिए व्यक्तिगत और स्वास्थ्य प्रणालियों के कारकों का आकलन - अनुभागीय अध्ययन	डॉ. विशाखा जैन	24-01-25	आईसीएमआर	30,000	चल रहे
12	AIIMS/BBN/CTRC/2022/अक्टूबर	स्वस्थ भारतीय वयस्कों में पैनेशिया बायोटेक लिमिटेड के डेंगू टेट्रावेलेंट वैक्सीन, लाइव एटेन्यूएटेड (रीकॉम्बिनेंट, लियोफिलाइज्ड) - "डेंगीऑल" की एकल	डॉ. रश्मि कुंदापुर	20-08-24	आईसीएमआर पैनेसिया बायो	86,68,420 रुपये	चल रहे

	/प्रोटोकॉल I/01	खुराक की प्रभावकारिता, प्रतिरक्षाजनकता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण III, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन			टेक लिमिटेड		
13	एम्स/बीबीएन/सीटीआरसी/2023/जनवरी/प्रोटोको एल/02	स्वस्थ भारतीय बच्चों के बीच जापानी एन्सेफलाइटिस की रोकथाम के लिए एक अदला-बदली खुराक अनुसूची में प्रशासित जेनवैक और जीव टीकों की प्रतिरक्षाजन्यता और सुरक्षा: एक बहुकेन्द्रीय, चरण IV, खुले लेबल वाला, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण	डॉ. रश्मि कुंदापुर	29.03.2023	आईसीएमआर	58,72,690 रुपये	चल रहे
14	AIIMS/BBN/CTRC/2023/जून/प्रोटोकॉल I/03	पतन जोखिम बढ़ाने वाली दवाओं (एफआरआईडी) पर वृद्ध आबादी में गिरने के जोखिम को कम करने के लिए डिप्रेस्क्राइबिंग हस्तक्षेप (एआरएमओआर) एक खुला लेबल, और समानांतर समूह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (डी-फ्राइड) परीक्षण	डॉ. माधवी एरिके	09-06-23	आईसीएमआर	रु.1,05,85,344	चल रहे
15	AIIMS/BBN/CTRC/2023/Sep/Protocol/05	प्रजनन आयु वर्ग की गैर-गर्भवती महिलाओं में मध्यम लौह की कमी से होने वाले एनीमिया के उपचार में पुनर्नवादि मंडूरा की अकेले और द्राक्षावलेह के साथ संयोजन में प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना आयरन फोलिक एसिड से की गई: एक समुदाय-आधारित तीन भुजाओं वाला बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. गोमती आर	12.12.2023	आईसीएमआर (सीसीआरएएस)	रु.33,31,497	चल रहे
16	AIIMS/BBN/CTRC/2023/अक्टूबर/प्रोटोकॉल I/06	गुर्दे की पथरी रोग (केएसडी) के जोखिम कारकों और आंत के माइक्रोबायोटा में परिवर्तन के कारण प्रोबायोटिक के उपयोग के केएसडी पर प्रभाव का मूल्यांकन करने वाला दो-चरणीय अध्ययन	डॉ. अनीता एस	09.01.2024	आईसीएमआर	रु.1,29,99,634	चल रहे
17	AIIMS/BBN/CTRC/2024/	क्या बच्चों में गंभीर तीव्र कुपोषण (सीएसएएम) के समुदाय-आधारित प्रबंधन के लिए अनुभवजन्य एंटीबायोटिक्स आवश्यक हैं?	डॉ.गोमती आर, एसोसिएट प्रोफेसर	18.03.2025	आईसीएमआर	64,85,284	चल रहे

	दिसंबर/प्रोटोकॉल/08	क्या सीएसएएम के लिए एक-खुराक एज़िथ्रोमाइसिन एक सप्ताह के एमोक्सिसिलिन की जगह ले सकता है: यादृच्छिक-नियंत्रण परीक्षण?					
18	एम्स/बीबीएन/आरईएस/एमआरयू/2023/01	विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल स्तरों पर जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना - एक जिला मॉडल	डॉ. वामन कुलकर्णी	18-08-23	आईसीएमआर	रु.5,00,00,000	चल रहे
19	एम्स/बीबीएन/आरईएस/एमआरयू/2023/02	भारत में जनजातीय आबादी के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवा वितरण में अंतर विश्लेषण, सामने आई चुनौतियाँ और सुदृढ़ीकरण	डॉ.मीली पांडा	17-08-23	आईसीएमआर		चल रहे

वित्तीय वर्षवार प्रकाशन (2024-2025)

1. **कुमार एन, श्रीरामभटला ए, प्रभाला एस, मंगला एम** . जब अप्रत्याशित घटित होता है: एक बाल रोगी में बड़े हेमेटोसैलपिनक्स के साथ पृथक फैलोपियन ट्यूब मरोड़ को डिम्बग्रंथि पुटी मरोड़ समझ लिया गया: एक केस रिपोर्ट। इंडियन जे केस रिपोर्ट्स। 2025; 13 मार्च।
2. **कुमार एन, रथ ए, सेट्टी ए, राठौड़ पीटी, अपर्णा जे** . सिस्टेडेनोफिब्रोमा और कंट्रालेटरल कोलिजन घाव: एक अनोखी डिम्बग्रंथि केस रिपोर्ट। ऑन्कोसाइंस। 2025 मार्च 31;12:26-33। DOI:10.18632/oncoscience.616। PMID: 40165932; PMCID: PMC11957567।
3. गुप्ता पी, **स्फूर्ति एम.एस.** , रायकर पी.आर. ट्यूबरस स्क्लेरोसिस से जुड़े न्यूरोसाइकियाट्रिक विकारों के प्रबंधन में चुनौतियाँ। भारतीय मनश्चिकित्सा के इतिहास 9(2):पृष्ठ 185-188, अप्रैल-जून 2025 | DOI: 10.4103/aip.aip_14_24
4. **मंगला एम, पालो एस, देवल्ला ए** , कनिकाराम पीके. डिम्बग्रंथि ट्यूमर के इंट्राऑपरेटिव जोखिम स्तरीकरण के लिए इंप्रिंट और स्क्रैप साइटोलॉजी की नैदानिक सटीकता का मूल्यांकन: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। कैंसर साइटोपैथोलॉजी। 2025;e70024. doi:10.1002/cncy.70024
5. **मैरी एम, कंदूर सी, श्रीरामभटला ए** , एट अल. (15 फ़रवरी, 2025) योनि से अत्यधिक रक्तस्राव का कारण बनने वाली गर्भाशय धमनी शिरापरक विकृति की रेडी ई ओलॉजिकल जानकारी: एक दुर्लभ मामला। क्यूरियस 17(2): e79067. doi:10.7759/cureus.79067
6. **मंगला एम** , गर्ग पी, योगा पुरीनी पी, पॉल एस, कौर एच, राठौड़ एसआर, आदि। भारतीय महिलाओं में योनि और योनि की शारीरिक विविधताएँ - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे कटन एस्थेट सर्जन। doi: 10.25259/jcas_41_24।
7. **मंगला एम** , राठौड़ एसआर, श्री एसके, मोटवानी आर, अपर्णा जे, पटनायक एन. शरीर रचना विज्ञान पर पुनर्विचार, प्राकृतिक विविधताओं को अपनाना: दक्षिण भारतीय महिलाओं में लेबिया माइनोरा माप का एक क्रॉस-सेक्शनल अन्वेषण। जे साइकोसेक्स हेल्थ। 2025;1–8. doi:10.1177/26318318251320891.
8. **मंगला एम** , कुमार एन, कौर एच, सिंगला डी. पहली तिमाही के अल्ट्रासाउंड में हाइड्रॉप्स फीटालिस का पता लगाने का विश्लेषण। पेरिनाटोल जर्नल पेरिनैटल नियोनेटल केयर। 2025;26(1):1–7
9. **इमैनुएल के, सुसाई एस, चंद्रुपटला एम, बागुल बी, अलवाल एन.** एक्सिलरी नस के एकतरफा दोहराव का एक मामला: एक दुर्लभ शारीरिक रूपांतर। जे क्लिन डायग्नोसिस रिसर्च। 2025 अप्रैल;19(4):AD01-AD03. doi: 10.7860/JCDR/2025/78340.20827.
10. **रवितेजा पी, चंद्रुपटला एम, के ए.** सतही और गहरे पामर आर्चेस का अनूठा रूपांतर: साहित्य समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट। क्यूरियस। 2025 फ़रवरी 9;17(2):e78792. doi: 10.7759/cureus.78792. PMID: 40078250; PMCID: PMC11902920.
11. **गरपति एस, तरणीकांति एम, धनलक्ष्मी केएस, यादव के, वेमुरी एमबी, कट्टा आरआर।** स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के बीच बुनियादी जीवन समर्थन प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का एक व्यापक मूल्यांकन। *अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एडवांस्ड मेडिसिन।* 2025 मार्च;12(2):208-212।
12. हे आरई, ओ'हर्न के, ज़ोर्को डीजे, ली एलए, मूनी एस, मैक्केड सी, आदि। बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा से बचे लोगों में अभिघातज के बाद के तनाव विकार में योगदान देने वाले व्यापकता और जनसंख्या-स्तरीय कारकों की व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर मेडिसिन 26(4):पृष्ठ e531-e543, अप्रैल 2025। | DOI: 10.1097/PCC.0000000000003696

13. **बालासुब्रमण्यम पीसी, मुरुगन डी, संप्रति एम, सिंह एस, रेड्डी एम** . इंटरस्टीशियल लंग एंड लिवर डिजीज (आईएलएलडी) जो लगातार निमोनिया के रूप में प्रकट होता है। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स। 2025;1–1
14. ए देवल्ला, पी.के. कनिकाराम, ए. श्रीरामभटला, एस. गब्बेटा। गर्भावस्था के दौरान तीव्र मूत्र प्रतिधारण का कारण बनने वाला संक्रमित पूर्वकाल योनि भित्ति पुटी: एक केस रिपोर्ट। वर्तमान महिला स्वास्थ्य समीक्षा। 2025; 21: 1-5 e15734048352088। DOI: 10.2174/0115734048352088250305165142
15. **गर्ग आर.** , सिंह, ए., बनर्जी, टी. (2024)। ग्नथोस्टोमियासिस। इन: पारिजा, एससी, चौधरी, ए. (संस्करण) लेहरबुचडरपारासिटारेनज़ूनोज़ एन.स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-4312-4_51
16. **गर्ग आर.** , वानखड़े एबी, बनर्जी टी. पी.-1764. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल ट्रॉमा अस्पताल में एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप हस्तक्षेपों को अनुकूलित करने के लिए एंटीबायोटिक उपयुक्तता और किफायती लागत का बिंदु व्यापकता अध्ययन। ओपन फोरम संक्रामक रोग 2025 फ़रवरी (खंड 12, संख्या अनुपूरक_1, पृष्ठ ofae631-1927) में। यूएस: ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। https://doi.org/10.1093/ofid/ofae631.1927
17. रमन्ना केएम, सुमंत टीएस, कोंडा डी, एरिके एम, कलाइसेल्वन एसपी, एलंगोवन सी, कोंडा वीजीआर, जंती एसएस। तृतीयक देखभाल अस्पताल में क्रोनिक स्पॉन्टेनियस अर्टिकेरिया के रोगियों में हिस्टाग्लोबुलिन को एंटीहिस्टामाइन के साथ मिलाने का प्रभाव - एक यादृच्छिक परीक्षण। आर्क डर्मेटोल रिसर्च। 2025 मार्च 1;317(1):516। doi: 10.1007/s00403-025-04045-w। PMID: 40024926
18. ढोले एस, केपी, दौलताबाद वी.एस., आदि (4 फ़रवरी, 2025) एकाधिक अंग विच्छेदन के बाद पुनर्वास: एक केस रिपोर्ट। क्यूरियस 17(2): e78527. doi:10.7759/cureus.78527
19. साहू डी, प्रसाद पी, पीएस ; सिंह, अरविंद कुमार, भाटिया वी, पूर्वी ओडिशा के एक ग्रामीण ब्लॉक में ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस सेवाओं का सेवा अंतराल मूल्यांकन: एक मिश्रित-विधि अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन : 10.4103/ijcm.ijcm_293_23, 21 फरवरी, 2025. | DOI: 10.4103/ijcm.ijcm_293_23
20. बालन वाई, भोंगीर एवी, कांबले बीडी, शक्तिवादिवेल वी, सुंदरमूर्ति आर. फुफ्फुसीय तपेदिक के रोगियों में सीरम कैथेलिसिडिन और विटामिन डी के स्तर का संक्रामकता से संबंध: एक संभावित समूह अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजिकल 2023;12:289-93
21. **यू मधुसूदन** , हेज एन, एट अल., 2024. जिंक की कमी: वेस्टिबुलर डिसफंक्शन का अग्रदूत? चिकित्सा अनुसंधान अभिलेखागार, [ऑनलाइन] 12(4)। https://doi.org/10.18103/mra.v12i4.5210
22. पटले ए, **श्रीरामभटला ए** , अरोड़ा एजे, लक्कीरेड्डी एम, वेल्लादुरई एम, माले डीके, कपूर एम. एच्लीस टेंडन टियर्स पर प्रमुख इमेजिंग परिप्रेक्ष्य—एक रेडी ई ओलॉजिकल रोडमैप: सचित्र निबंध। iRADIOLOGY. 2024 दिसंबर;2(6):594-602. https://doi.org/10.1002/ird3.104
23. समाला एस, **श्रीरामभटला ए, प्रभाला एस.** हिस्टोपैथोलॉजी की तुलना में फेफड़ों के कार्सिनोमा के संदिग्ध मामलों के मूल्यांकन में मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी (एमडीसीटी) की नैदानिक सटीकता। जर्नल ऑफ कार्डियोवैस्कुलर डिजीज रिसर्च। 2024;15(10):2149–58 doi: 10.48047/jcdr.2024.15.10.209
24. रविकोटी एस, **भाटिया वी** , मोहनसुंदरी एसके तपेदिक (टीबी) उपचार व्यवस्था में हालिया प्रगति

जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर 14(2):पृष्ठ 521-525, फरवरी 2025. | DOI: 10.4103/jfmpc.jfmpc_1237_24.

25. सुसाई एस, चंद्रुपटला एम, नायक ए, गांधीचेरला डी. ट्रिपलीकेट पिटेड पेक्टोरलिस मेजर मांसपेशी का एक असामान्य द्विपक्षीय झिल्लीदार रूप: एक केस रिपोर्ट। जे क्लिन डायग्नोसिस रिसर्च। 2025 फ़रवरी;19(2):AD01-AD03. doi: 10.7860/JCDR/2025/76720.20636.

26. कुमार एन, मंगला एम. नैनोटेक्नोलॉजी और नैनोबॉट्स का उदय: स्त्री रोग संबंधी कैंसर प्रबंधन में एक नए युग की शुरुआत - एक व्यापक समीक्षा। कैंसर कीमोथेर फार्माकोल 95, 18 (2025)। https://doi.org/10.1007/s00280-024-04747-4

27. कुमार एन, प्रदीप आई, मंगला एम, श्रीरामभटला ए, जरथी ए. गर्भाशय ग्रीवा के सतही रूप से फैलने वाले स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा का गर्भाशय, पैराओवेरियन, पैराट्यूबल ऊतक और योनि की सतह तक असामान्य विस्तार: एक अनोखी केस रिपोर्ट। जे मिडलाइफ़ हेल्थ 2024;15:201-5.

28. छाबड़ा एस, कुमार एन. "दुखों का मौन" - ग्रामीण सुदूर क्षेत्रों के समुदायों में किशोरियों में यौन हिंसा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव रिसर्च। 2024;3(3)। DOI: 10.58489/2836-2225/027

29. कुमार एन, शर्मा ए, मंगला एम. एट अल. एडेनोमायसिस या एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा? रजोनिवृत्ति के बाद निदान में रेडी ई ओलॉजिकल कमियाँ: एक केस रिपोर्ट। इजिप्ट जे रेडी ई ओल न्यूक्ल मेड 55, 229 (2024)। https://doi.org/10.1186/s43055-024-01399-5

30. छाबड़ा एस, कुमार एन. ग्रामीण सुदूर क्षेत्र की बुजुर्ग महिलाओं का दैनिक जीवन और दुर्व्यवहार, एक समुदाय आधारित अध्ययन। (ग्रामीण बुजुर्ग महिलाओं का जीवन और दुर्व्यवहार), जर्नल ऑफ मेडिकल डिस्कवरीज़, 2024;1(1); DOI: https://www.doi.org/rpc/2024/rpc.jmd/0089

31. कुमार एन. प्राथमिक एंडोमेट्रियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा को समझना: एक विस्तृत विश्लेषण, न्यू एमिरेट्स मेडिकल जर्नल। 2024;5:e02506882339937. DOI: 10.2174/0102506882339937241218060633

32. छाबड़ा एस, कुमार एन. दूरदराज के गांवों में गर्भवती महिलाओं के भोजन के संदर्भ में नवजात शिशु के परिणाम - एक समुदाय आधारित अध्ययन। मेड जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी 2024;12(2):1190. https://doi.org/10.47739/2333-6439/1190

33. **कृष्णा आर** , सिंधु एन, परमेश्वर टी, राव एसएस, कांबले बी. क्रोनिक एक्टिव वेनस अल्सर के मरीजों के प्रबंधन में केवल चार-परत ड्रेसिंग और हाइड्रोकोलॉइड पैच की प्रभावकारिता जानने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन। अमेरिकन जर्नल ऑफ सर्जन्स केस रिपोर्ट, 2024;5(9):1154.

34. लक्ष्मी एस.के., राम ए.बी., प्रसाद सी.एच., गैरे एस., वाघरे ए. स्पाइनल एनेस्थीसिया बनाम पेरिफेरल नर्व ब्लॉक के तहत सर्जरी करवाने वाले मरीजों में ऑप्टिक नर्व शीथ व्यास के आकार पर प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। इंडियन जे एनेस्थ 2025;69:200 -5.

35. टिक्का एसके, भाटिया वी, साहू डीपी, मालतेश बीसी, मीना एसके, नूतन एस. ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में कोविड-19 महामारी से संबंधित कथित तनाव, अनिद्रा, अवसाद और चिंता: एक मध्यस्थता विश्लेषण। प्राइम केयर कम्पैनियन सीएनएस डिसऑर्डर। 2025; 27(1):24m03723. doi: 10.4088/PCC.24m03723.

36. **ढोले एस, के प्रफुल्ल, दौलताबाद वी.एस.** , एट अल. (4 फ़रवरी, 2025) एकाधिक अंग विच्छेदन के बाद पुनर्वास: एक केस रिपोर्ट। क्यूरियस 17(2): e78527. DOI 10.7759/cureus.78527

37. **देवल्ला ए., मंगला एम., रामावथ के.,** प्रभाला एस., कुमार एन., जरथी ए. इमेजिंग पर आक्रामक गर्भाशयी रसौली का अनुकरण करने वाला फैला हुआ सिस्टिक एडेनोमायसिस: रजोनिवृत्ति के बाद की एक नैदानिक परेशानी! ऑन्कोसाइंस। 2025; 12:21-25। https://doi.org/10.18632/oncoscience.615

38. कार जे, ओंग क्यूसी, एर्लिख फॉक्स टी, आदि। चिकित्सा शिक्षा ढाँचे में डिजिटल स्वास्थ्य दक्षताएँ: डेल्फी अध्ययन पर आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय सहमति वक्तव्य। *जेएएमए नेटवर्क ओपन।* 2025; 8(1):e2453131. doi:10.1001/jamanetworkopen.2024.53131

39. गौर ए, वरथराजन एस, बालन वाई, तरनीकांति एम, नितिन ए जॉन , उमेश एम, गंजी वी, मेडला के . टाइप 2 डायबिटीज़ में ब्रेन-डिराइव्ड न्यूरोट्रॉफ़िक फ़ैक्टर (बीडीएनएफ) और अन्य न्यूरोट्रॉफ़िक फ़ैक्टर और न्यूरोपैथी के साथ उनका संबंध 2024 अक्टूबर;193(5):2287-2292. DOI: 10.1007/s11845-024-03716-3. ईपब 2024 मई 28.

40. मोटवानी आर, बोडला ए.के., पेद्दामद्दम एस.के., **चंद्रुपटला एम.,** चेरुकुरी एन., **लक्कीरेड्डी एम.** , आदि। घुटने के जोड़ का ऑस्टियोआर्थराइटिस और मेटाबोलिक सिंड्रोम से इसका संबंध: एक केस कंट्रोल अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2025;14:434-40।

41. प्रभाला एस, सोमलवार बी.एस., जोशी ए.एल., असलम के, परमेश्वर टी.एम. व्यापक सिस्टिक और रक्तस्रावी परिवर्तन के साथ विशाल परिधीय श्वानोमा। द साइंटिफिक हेरिटेज जर्नल 2025;153:28-30। DOI: 10.5281/zenodo.14729599

42. काशा एस, यालामंचिली आरके, रोहित जीपीआरके और अन्य। 3- और 4-भाग वाले समीपस्थ ह्यूमरस फ्रैक्चर में औसत दर्जे का बट्रेस प्रदान करने और वेरस पतन को रोकने के लिए ह्यूमरस शाफ्ट का मध्यीकरण: शल्य चिकित्सा तकनीक की समीक्षा। जेएसईएस समीक्षा, रिपोर्ट और तकनीक, 5(1), 22-29। DOI:10.1016/j.xrrt.2024.10.002।

43. परिमी, विजया प्रसन्ना, **प्यति ए, एरिके एम** . रूमेटाइड आर्थराइटिस के रोगियों और स्वस्थ नियंत्रित आबादी में कोवैक्सिन और कोविशील्ड टीकों के प्रति दीर्घकालिक एंटीबॉडी प्रतिक्रियाएँ - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर 2025; 14(1):पृष्ठ 107-114. | DOI: 10.4103/jfmpc.jfmpc_907_24

44. सिद्दीकी एम.ए., गर्ग एस., टिक्का एस.के. उपचार योग्य मनोभ्रंश में संज्ञानात्मक क्षीणता को संबोधित करने के लिए नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश। इंडियन जे साइकियाट्री 2025; 67(1):41-53. DOI: 10.4103/indianjpsychiatry.indianjpsychiatry_684_24

45. टिक्का एस.के., मालथेश बी.सी., स्पूरथी एम.एस., कुसनेनीवार जी.एन., अग्रवाल एन., डी'अवोसा जी., कात्शु एम.जेड.यू.एच.। मनोविकृति के नैदानिक उच्च जोखिम वाले युवाओं की पहचान: भारत में एक समुदाय-आधारित अध्ययन। अर्ली इंटरव साइकियाट्री। 2025 जनवरी;19(1):e13581। DOI: 10.1111/eip.13581।

46. रेड्डी डीवी, सतपथी डी, राजा बीएस, माले डीके, आहूजा के, यलमनचिली आरके, लक्कीरेड्डी एम, इफ्तेखार एस. सर्वाइकल स्पोंडिलोटिक मायलोपैथी के मरीज़ों में लैमिनेक्टॉमी और फ्यूजन के साथ लैमिनेक्टॉमी के बाद नैदानिक और रेडी ई ओलॉजिकल परिणामों की तुलना: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। न्यूरोसर्जिकल रिव्यू। 2024 दिसंबर; 47(1):1-2.

47. कुमार पी, चौधरी एन, कोकने एएम, ज़मान एफ, कांबले बी, यादव के, कालिडॉस वीके, कुशनेनीवार जीएन एट अल. सामुदायिक चिकित्सा में एक सारांश मूल्यांकन खाका तैयार करना: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एक विशेषज्ञ सहमति दृष्टिकोण। बीएमसी मेड एडुक. 2024 दिसंबर 27; 24(1):1539. DOI: 10.1186/s12909-024-06365-3. PMID: 39731076; PMCID: PMC11673342.

48. भाटिया वी, पांडा एम . भारतीय स्वास्थ्य बजट 2023 आवंटन: नीति कार्यान्वयन की रूपरेखा और गतिशीलता को समझना। *आईजेईएफ* , 4(2), पृष्ठ 73-79, नवंबर 2024, doi: 10.54105/ijef.B2583.04021124.

49. चेरुवु वी, खान एमएम, देवल्ला एवी (23 दिसंबर, 2024) एम्स भोपाल प्री-स्टर्नल केलोइड स्केल (एबीपीएसकेएस) का विकास: गंभीरता का आकलन करने और उपचार परिणामों की तुलना करने का एक उपकरण। क्यूरियस 16(12): e76255. DOI 10.7759/cureus.76255

50. चौधरी एम.सी., **मोहनसुंदरी एस.के.** , आरा एम. स्तन स्व-परीक्षण: प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में ज्ञान, जागरूकता और अभ्यास। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ रिस मेड साइंस। 2024;12(6):1999-2003। DOI : https://dx.doi.org/10.18203/2320-6012.ijrms20241548

51. श्रीमती रश्मी सिंह, **मोहनसुन्दरी एसके** , श्री सूरज कुमार मीना, श्रीमती रानी बी, श्रीमती नीलम वशिष्ठ, श्रीमती प्रथीबा साथियानथन, श्रीमती प्रीति साथियानथन विशेष स्तनपान में चुनौतियों को संबोधित करने के लिए प्रभावी दृष्टिकोण खंड 6, अंक 3, मई-जून 2024 IJFMR240320844

52. **मोहनसुंदरी एस.के.** , थानिगैनाथन एस., गदापल्ली आर., आदि। एक नए स्व-प्रशासित नासोफेरींजल वॉश नमूना संग्रहण उपकरण की कार्यात्मक क्षमता, सुरक्षा और नए COVID-19 को अलग करने की क्षमता का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन। बीएमजे इनोवेशन, ऑनलाइन प्रथम प्रकाशन: 10 जनवरी 2024। DOI: 10.1136/bmjinnov-2023-001122।

53. **मोहनसुंदरी एस.के.** थानिगैनाथन एस., पद्मजा ए. सर्जरी से गुज़र रहे बच्चों में प्रीऑपरेटिव चिंता पर संगीत चिकित्सा हस्तक्षेप और दृश्य चित्रण तकनीकों और केवल पारंपरिक उपचार की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। कॉम्प्लिमेंट थेर क्लिनिकल प्रैक्टिस। 2023 सितंबर 11;53:101799। DOI: 10.1016/j.ctcp.2023.101799। मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। PMID: 37757544।

54. **मोहनसुंदरी एसके** प्रथीबा एस., प्रीति एस., वसंत कुमार कस्तूरी, मैगी पी., गुरु पी., एरा डी. डी. मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान पद्धतियों के बीच प्रमुख असमानताएं। Ijariit. 2024; 10(1): 10(1): 347-353. दोई: www.IJARIIT.com ।

55. **जोसेफ जे, वर्की बीपी, वर्गीस ए, मैथ्यूज ई, धंडापानी एम, शर्मा एसके, एट अल। भारत में स्ट्रोक महामारी विज्ञान में आयु, लिंग और क्षेत्रीय विविधताएँ: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा -विश्लेषण। इंडियन जे कम्युनिटी फैम मेड 2024;10:7-17। *डीओआई:* 10.4103/ijcfm.ijcfm_22_23**

56. **साथियानथन पी, साथियानथन पी, मोहनसुंदरी एसके,** पी एसजे, **आरएमएल, सिंह आर, एट अल.** प्रसव के दौरान जन्म साथी - भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य। अंतर्राष्ट्रीय शोध प्रकाशन और समीक्षा जर्नल। 2024 जुलाई; 5(7):605 11. डीओआई: https://doi.org/10.55248/gengpi.5.0724.1619

57. जोसेफ जे , खाखा डीसी. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्रों में जाने वाले रोगियों में शराब पर निर्भरता के लिए डिसल्फिराम उपचार के प्रति शराब से परहेज, अनुपालन और दृष्टिकोण। एडिक्ट हेल्थ। 2024;16(3):152–158. doi:10.34172/ahj.1537

58. मंगला एम, कुमार एन. जन्मजात विसंगतियों में पुनरावृत्ति के जोखिम: माता-पिता के परामर्श के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका। नियोरिव्यूज़। 2024 दिसंबर 1;25(12):e793-e803. doi: 10.1542/neo.25-12-e793. PMID: 39616141.

59. देवल्ला ए. प्रीमेनोपॉज़ में गर्भनिरोधक: गर्भ निरोधकों की प्रजनन क्षमता, प्रजनन क्षमता और व्यवहार्यता की समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिप्रोडक्शन कॉन्ट्रासेप्ट ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी 2024; 13:3777-84। https://dx.doi.org/10.18203/2320 -1770.ijrcog20243626

60. शिवकोटि एस, प्रभाला एस. अस्पतालों की नई दुनिया. स्कोलास्टिक मेडिकल साइंसेज 2.8 (2024): 01-05.

61. गैरे, संदीप डीएम, अय्या, श्यामा सुंदर डीएम, अम्मानाब्रोलु, भार्गव राम एमडी, सीएच, राम कृष्ण प्रसाद

एमडी, संगिनेनी, कल्याणी सूर्य धन लक्ष्मी एमडी। अपर थोरैसिक एपिड्यूरल लोकल एनेस्थेटिक का असामान्य वितरण: केस रिपोर्ट। ए और ए अभ्यास 18(11): पी ई01874, नवंबर 2024। | डीओआई: 10.1213/XAA.0000000000001874.

62. पाधी एस, पाणिग्रही सी, मिश्रा एस, महापात्रा एस, अयानार पी, साहू डीपी एट अल. बच्चों और किशोरों में अप्लास्टिक एनीमिया और न्यूरोब्लास्टोमा में अस्थि मज्जा नमूनाकरण: पूर्वी भारत में एक एकल तृतीयक देखभाल केंद्र से पूर्वव्यापी डेटा। 2024 नवंबर; 40 (1) https://link.springer.com/article/10.1007/s12288-024-01921-9 .

63. 63. खोबरागड़े पीवाई, पेट्रोसियन एस, डे एस, डे एबी, ली जे. भारत में अनुदैर्ध्य वृद्धावस्था अध्ययन के लिए मनोभ्रंश के सामंजस्यपूर्ण नैदानिक मूल्यांकन की डिज़ाइन और कार्यप्रणाली: वेव 2. जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन जेरिएट्रिक्स सोसाइटी. 2024 अक्टूबर; 2024;1–12. DOI:10.1111/jgs.19252

64. अज़हर एस.एम., जोसेफ जे., साहू डी.पी., अनूप एस., जोस एस., कृष्णप्रिया के. झुंड प्रतिरक्षा और सतत विकास लक्ष्य: प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को मज़बूत बनाने में नर्सों की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ। 2024 अक्टूबर 29;11(11):4563–8. 1. DOI: https://doi.org/10.18203/2394-6040.ijcmph20243324

65. गर्ग आर , प्रसाद ए.के., अग्रवाल पी. चांदीपुरा वायरस का पुनरुत्थान: भारतीय प्रकोपों से अंतर्दृष्टि और आगे का रास्ता। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी। 2024 नवंबर 1;52:100749; https://doi.org/10.1016/j.ijmmb.2024.100749

66. गर्ग आर , अग्रवाल पी. क्लिनिकल प्रैक्टिस में एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण का आदेश देते समय ध्यान रखने योग्य कारक। जेएएसपीआई। 2024;2(1):41-43; डीओआई: 10.62541/jaspi021

67. जंती एसएस , सलूजा आर, तिवारी एन, **कोलावाली आरआर** । (14 अक्टूबर, 2024) मोतियाबिंद का पता लगाने के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन के नैदानिक प्रभाव का मूल्यांकन। क्यूरियस 2024 अक्टूबर 14; 16(10): e71467.DOI:10.7759/cureus.71467

68. निगम जे.एस., भारती जे.एन., प्रदीप आई., रथ ए. पैराटेस्टिकुलर नियोप्लाज्म में फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी की भूमिका - एक केस रिपोर्ट-आधारित व्यवस्थित समीक्षा। डायग्न साइटोपैथोल। 2024; 52(12): 779 - 788. doi: 10.1002/dc.25404. PMID: 39295546.

69. राजेंद्रन वाई, नंदकुमार एम, **एरिके एम,** अन्य। बेम्पेडोइक एसिड, इंक्लिसिरन और पीसीएसके9 अवरोधकों की निम्न-घनत्व वाले लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल-सी) कम करने वाली गतिविधियों का तुलनात्मक विश्लेषण: एक व्यवस्थित समीक्षा। *क्यूरियस* । 2024;16(9):e69900। 2024 सितंबर 22 को प्रकाशित। doi:10.7759/cureus.69900

70. पवार बी.जी., एरिके **एम.** , पियाती ए.के., वरथराजन एस., माली के., कोंडा वी.जी.आर.। सीरम इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन का मधुमेह की अवधि और दवा के उपयोग से संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन। *क्यूरियस* । 2024;16(9):e70065। 2024 सितंबर 2024 को प्रकाशित। doi:10.7759/cureus.70065

71 . वाघरे ए, अय्या एस सुंदर, गैरे एस, सीएच आरकेपी, सांगिनेनी केएसडीएल, अम्मानाब्रोलु बीआर। चिपकने वाले कैप्सुलिटिस वाले मरीजों में घरेलू व्यायाम के साथ संयुक्त अल्ट्रासाउंड-निर्देशित इंट्रा-आर्टिकुलर स्टेरॉयड इंजेक्शन और हाइड्रोडिलेटेशन की प्रभावकारिता: एक केस श्रृंखला। 2024;5(1). https://academicstrive.com/JCRPA/JCRPA180042.pdf

72 . काशा, एस., पालकुर्थी, वी., **यालामंचिली, आर. के** ., यशवन्त, पी.पी., और जीपीआरके, आर. (2024)। एक पोस्ट COVID-19 रोगी में डिस्टल फीमर का ऑस्टियोआर्टिकुलर म्यूकोर्मिकोसिस। *मेडिकल माइकोलॉजी केस रिपोर्ट* , *46* , 100670। https://doi.org/10.1016/j.mmcr.2024.100670

73 . जोस जेएस, **मधु लता के*** , **भोंगिर एवी, संगीता एस, आनंद पी** । (अक्टूबर 10, 2024) कोरोनरी धमनी रोग जोखिम के पूर्वानुमानकर्ताओं के रूप में डिस्लिपिडेमिया और एथेरोजेनिक सूचकांकों का मूल्यांकन: एक पूर्वव्यापी क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। क्यूरियस 16(10): e71187. doi:10.7759/cureus.71187

74. कुमार ए, असगर ए, रज़ा के, नारायण आरके, झा आरके, सत्यम ए, कुमार जी, द्विवेदी पी, साहनी सी, कुमारी सी, कुलंधसामी एम, मोटवानी **आर** , कौर जी, कृष्णा एच, कुमार एस, शेषम के, पांडे एसएन, पाराशर आर, कांत के. भारतीय जनसंख्या में वाइल्ड-टाइप SARS-CoV-2 से डेल्टा वेरिएंट तक COVID-19 की जनसांख्यिकीय भागीदारी और नैदानिक विशेषताओं में बदलाव: सिलिको विश्लेषण में। इंटरैक्ट जे मेड रेस 2024;13:e44492.doi: 10.2196/44492 . PMID: 39378428

75. नेगी ए, कत्याल एस, वल्लाला पी, एट अल. (30 अगस्त, 2024) परिपक्व स्थायी कृन्तकों में जटिल क्राउन फ्रैक्चर के प्रबंधन के लिए एक नए खनिज ट्राइऑक्साइड एग्रीगेट का उपयोग करके संपूर्ण पल्पोटॉमी: एक केस रिपोर्ट। क्यूरियस 16(8): e68252. DOI 10.7759/cureus.68252

76. पालो, एस. स्तन के आक्रामक डक्टल एडेनोकार्सिनोमा में शीघ्र पुनरावृत्ति के पूर्वानुमानित बायोमार्कर के रूप में α-स्मूथ मसल एक्टिन की भूमिका का गहन अध्ययन। *ईरानी जर्नल ऑफ पैथोलॉजी*, 2024; 19(3): 363-364. doi: 10.30699/ijp.2024.2022442.3255

77. रामावथ के, तंडुप सी, नागराज एस.एस. एक विशाल पेरिटोनियल लूज़ बॉडी - अतिरंजित उपचार के पीछे एक रहस्य - केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। क्लिन केस रिपोर्ट ओपन एक्सेस। 2024; 7(3):308। ©2024 युमेड टेक्स्ट। सितंबर-2024

78. जंती एसएस, अल्लूरी वीएम, कोलावई आरआर, माली के, एरेती एस, कांबले बी. स्पॉट विज़न स्क्रीनर का उपयोग करते हुए भारत में स्कूली बच्चों में एम्ब्लोजेनिक जोखिम कारकों की व्यापकता। क्यूरियस। 2024 अगस्त 16; 16(8):e66977. doi: 10.7759/cureus.66977. PMID: 39280500; PMCID: PMC11402020.

79. कुमार एन , कोले एल, दीप्ति केएन, घोष एस, नारंग आर (2024) वीर्य मापदंडों पर वीर्य-विरोधी पीएसए एंटीबॉडी के प्रभाव की खोज: एक तुलनात्मक अध्ययन। प्रजनन, प्रजनन क्षमता और विकास 36, आरडी24002। https://doi.org/10.1071/RD24002

80. कुमार एन . क्लोथो की उभरती भूमिका का अनावरण: मानव प्रजनन क्षमता में एक एंटी-एजिंग कारक की एक व्यापक कथात्मक समीक्षा। कर्र प्रोटीन पेप्ट साइंस। 2024 सितंबर 2. doi: 10.2174/0113892037329291240827113808. मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 39225223.

81. कुमार एन. प्रोस्टेट-विशिष्ट एंटीजन को लक्षित करने वाले ऑटोएंटीबॉडीज़: प्रोस्टेट कैंसर में निहितार्थ - एक विस्तृत समीक्षा। ऑन्कोलॉजी जर्नल ऑफ इंडिया 8(2):पृष्ठ 21-25, मई-अगस्त 2024। |DOI: 10.4103/oji.oji_14_24

82. छाबड़ा एस, **कुमार एन.** दूरस्थ ग्रामीण, आदिवासी समुदायों में पारिवारिक संरचना, आय सृजन गतिविधियों के संदर्भ में महिलाओं का कल्याण और खुशी", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड इकोनॉमिक एनवायरनमेंट, 2024;9(1):01-15, DOI: http://doi.org/10.53882/IJSSEE.2024.0901001

83. छाबड़ा एस, **कुमार एन . एक दूरस्थ क्षेत्र की ग्रामीण, आदिवासी महिलाओं में सुरक्षित मातृत्व** के लिए गर्भावस्था-पूर्व वकालत के प्रभाव को जानने के लिए: एक समुदाय-आधारित

अवलोकन अध्ययन। गर्भावस्था और प्रसव। 2024;10(3):61–64. DOI: 10.15406/ipcb.2024.10.00311

84. टिक्का एसके, कुसनेनिवार जीएन, अग्रवाल एन , डी'अवोसा जी, कात्शु एमज़ेड. प्राइम स्क्रीन -रिवाइज्ड के तेलुगु संस्करण की भाषाई तुल्यता, आंतरिक संगति और कारक संरचना, मनोविकृति के नैदानिक उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की जाँच करने का एक उपकरण। तेलंगाना जे साइकियाट्री 2024; 10:6-12. DOI: 10.4103/tjp.tjp_70_23.

85. जीडी, जेआर, चंद्रुपटला एम, कुसनेनीवार जीएन, श्रीकृष्ण बीएच , आकृति विज्ञान संबंधी विविधता का अनावरण: ग्रीवा कशेरुकाओं में फोरामेन ट्रांसवर्सेरियम की शारीरिक जाँच। क्योरियस.2024 अगस्त; 16(8): e67143. DOI 10.7759/cureus.67143.

86 . जीजी, भारती एस, झा वीसी, **निगम जेएस,** गणेश आरए, भदानी पी. मेडुलोब्लास्टोमा के हिस्टोलॉजिकल उपप्रकारों में सर्वाइविन और पी53 की इम्यूनोएक्सप्रेशन: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन। क्यूरियस. 2024 जुलाई 29;16(7):ई65627। डीओआई: 10.7759/क्यूरियस.65627। पीएमआईडी: 39205763; पीएमसीआईडी: पीएमसी11350522।

87. माडा पी, सोनकर आर, कुसनेनीवार जीएन, सौजन्या जीएम। सामान्य साक्षर आबादी में गुड समैरिटन कानून के बारे में जागरूकता और ज्ञान का आकलन - -तेलंगाना में एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2024; 13:3735-40। DOI: 10.4103/jfmpc.jfmpc_124_24

88. **कांबले पी, दौलताबाद वी** , सिंघल ए, अहमद जेड, चौबे ए, भार्गव एस, जॉन एन. स्थायी कोविड-19 महामारी में जेएन.1 वैरिएंट: क्या यह रुचि का विषय (वीओआई) है या चिंता का विषय (वीओसी)? हार्मोन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन। 2024. https://doi.org/10.1515/hmbci-2023-0088

89. अभिषेक चौबे, श्रुति चौबे, **प्रफुल्ल कांबले, वंदना दौलताबाद, नितिन जॉन** । स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन: कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज की सबसे बड़ी अनिवार्यता है। क्यूरियस 16(6): e62652। https://doi.org/10.7759/cureus.62652

90. अमन शेख, **प्रफुल्ल कांबले, वंदना दौलताबाद, अनीश सिंघल, मधुसूदन यू, नितिन जॉन** । एलजीबीटीक्यू समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ: एक सामाजिक अनिवार्यता। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर; 2024;13(9),3529-3535 https://doi.org/10.4103/jfmpc.jfmpc_321_24

91. पालो, सीटू; मंगला, मिशू; गबेटा, स्पंदना; मोटवानी, रोहिणी. भ्रूण में भ्रूण का रहस्योद्घाटन: इसके नैदानिक और रोग संबंधी गुणों की एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ़ इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ पीडियाट्रिक सर्जन 29(5): पृष्ठ 406-416, सितंबर-अक्टूबर 2024। | डीओआई: 10.4103/jiaps.jiaps_67_24

92. काशा एस, यालामंचिली आरके, रोहित जीपी। इंटरट्रोकैनटेरिक फ्रैक्चर के इलाज के लिए इंट्रामेडुलरी इम्प्लांट्स के डिज़ाइन नवाचार और तर्क: एक समीक्षा। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा। 2024 सितंबर 1;56

93. सिंगला डी, चेरियन डी, **मंगला एम** , प्रीति। मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम के साथ टाइफाइड बुखार का एक मामला जिसके परिणामस्वरूप गंभीर पैन्सीटोपेनिया हुआ। जे मेड एविड 0;0:0

94. सिंगला डी, डागर एल, **मंगला एम** . सेप्सिस से पीड़ित एक मरीज़ बिजली के तूफ़ान के साथ आपातकालीन स्थिति में आया। इंडियन एनेस्थ फ़ोरम। 2023;24:157-8.

95. सिंगला डी, टीके पी, अधिकारी एबी, जोना डी, **मंगला एम** . (26 अगस्त, 2024) गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों में उदार बनाम रूढ़िवादी ऑक्सीजनेशन का तुलनात्मक प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। क्यूरियस 16(8): e67809. DOI 10.7759/cureus.67809.
96. मंगला एम, नेरख जी, ऐनी आरपी, कलिअप्पन ए, कौर एच, सिंगला डी. जन्मजात विसंगतियों वाले भ्रूण या नवजात शिशु में आनुवंशिक निदान के लिए एक व्यावहारिक, व्यवस्थित दृष्टिकोण। नियोरिव्यूज़। 2024 सितंबर 1;25(9):e537-e550. DOI: 10.1542/neo.25-9-e537. PMID: 39217133.
97. वरथराजन एस, बोहरा जीके, भाटिया पीके, खीचर एस, मीना एम, पलानीसामी एन, गौर ए, गर्ग एमके। एंटीहाइपरटेन्सिव दवाएं लेने वाले मरीजों में कोविड-19 संक्रमण के परिणाम: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। वर्ल्ड जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेड 2024; 13(3): 96882।
98. पालो एस. स्त्री रोग संबंधी दुर्दमताओं में अंतःक्रियात्मक परामर्श की भूमिका। जे लैब फिजिशियन। 2024; 16:426-7.Doi: 10.25259/JLP_20_2024.
99. रेन्जिथ एम, एसके एम, डैश एस, पीजी, आर डी. रोगी सुरक्षा बढ़ाने के लिए व्यापक रणनीतियाँ: स्वास्थ्य सेवा में रोकथाम योग्य नुकसानों का समाधान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च। 2024 अप्रैल;16(4):27744–27751
100. पालो, सीटू सोमलवार, श्रीनिवास भीमराव; रामावथ, कृष्णा1. एक्सिला के पृथक ट्यूबलर एपोक्राइन एडेनोमा: एक असामान्य इकाई में असामान्य सूक्ष्म अभिव्यक्तियाँ। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी 69(4):पी 348-350, जुलाई-अगस्त 2024। डीओआई: 10.4103/ijd.ijd_71_24
101. **सिंह आर, मोहनसुंदरी एसके, मीना एसके, रानी बी, वशिष्ठ एन, संथियानाथन पी, संथियानाथन पी।** विशेष स्तनपान में चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रभावी दृष्टिकोण। आईजेएफएमआर.2024; 6(3). 1-19.
102. मुनिशंकर पी, माडा पी, बांका एल. चिकित्सा लापरवाही पर ऐतिहासिक निर्णयों की समीक्षा। तेलंगाना जे आईएमए 2024; 4:20-2. डीओआई: 10.4103/टीजेआईएमए.टीजेआईएमए_14_24
103. सुसाई एस, मोटवानी आर, चंद्रुपटला एम. आंतरिक कान की नलियों के माध्यम से लसीका जल निकासी मार्गों का पता लगाना: एक व्यवस्थित समीक्षा। क्यूरियस। 2024 अगस्त 12; 16(8): e66670. DOI:10.7759/cureus.66670
104. साथियानाथन पी, साथियानाथन पी, मोहनसुंदरी एस.के., पी. एस.जे., आर.एम.एल., सिंह आर., आदि। प्रसव के दौरान जन्म साथी - भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य। अंतर्राष्ट्रीय शोध प्रकाशन और समीक्षा पत्रिका। 2024 जुलाई; 5(7): 60511। DOI: https://doi.org/10.55248/gengpi. 5.0724.1619
105. आदर्श ए.एम., श्रीनिवास रेड्डी के., कृष्णा आर., सिद्धार्थ राव एट अल. किमुरा रोग: कोमल ऊतक रसौली जैसी दिखने वाली दुर्लभ सूजन संबंधी स्थिति। अंतर्राष्ट्रीय शल्य चिकित्सा पत्रिका। 2024 अगस्त; 11(8):1389 1391. DOI: https://dx.doi.org/10.18203/2349-2902.isj20242141 .
106. मनोहर एस, चंद एन, मिश्रा एम, राठौड़ जी. कैसलमैन रोग के हाइलाइन वैस्कुलर वैरिएंट का एक दुर्लभ केस रिपोर्ट। आईपी आर्क साइटोल हिस्टोपैथोलॉजी रिसर्च, 2024; 9(2): 111-113. DOI: https://doi.org/10.18231/j.achr.2024.02
107. शाह एन, गांधी एच, मंसूरिया आर, मारू ए, राठौड़ जी, परमार पी. नवजात सेप्सिस के प्रारंभिक निदान में हेमटोलॉजिकल मापदंडों की भूमिका। जे फार्म बायोलॉजिकल साइंस, 2024; 16: S434-6. DOI: 10.4103/jpbs.jpbs_657_23 PMID: 38595571.
108. नैय्यर के, परमार पी, यदुकुल एस, प्रशांत एम, रेड्डी डी, सौजन्या। कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन से जुड़ी चोटें। जे पंजाब एकेड फॉरेंसिक मेड टॉक्सिकॉल., 2023; 23(2): 176-178. डीओआई: 10.5958/0974-083X.2023.00066.3
109. नैयर के, परमार पी, यदुकुल एस, प्रशांत एम, रेड्डी डी, सौजन्या। समकालीन विश्व में अण्डाणु क्रायोप्रिजर्वेशन और उससे संबंधित कानून। जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, 2023; 40(2): 122-125। DOI संख्या: 10.5958/0974-4568.2023.00054.6
110. भिंगारदेव ए.वी., चंद्रुपटला एम., जोगी एस., श्रीरामभटला ए., रवि के.एस. यकृत प्रत्यारोपण में यकृत

शिराओं के संगम के अनुप्रयोग का अध्ययन। एनाट सेल बायोल. 2024 अगस्त 6. doi: 10.5115/acb.24.071. PMID: 39104148.

111. डुड्डू वाई, भिंगारदेव एवी, डारना एस, सविथ्रु गंती **,** चंद्रपतला एम। एट अल. (1 अगस्त, 2024) सहायक उचित यकृत धमनी और मध्य यकृत धमनी की उपस्थिति से संबद्ध अद्वितीय यकृत धमनी पैटर्न। क्यूरियस 16(8): e65932. DOI 10.7759/cureus.65932

112. प्रभाला एस, पालो एस, रथ ए, राव एस, कोंडा डी. आक्रामक स्कैमस सेल कार्सिनोमा के साथ पूर्वकाल उदर भित्ति का विशालकाय बोवेन रोग - एक दुर्लभ केस रिपोर्ट। आईपी आर्क साइटोल हिस्टोपैथोलॉजी रिसर्च 2024;9(2):108-110.

113. **इफ़्तेख़र एस** , आहूजा के, यादव जी, मित्तल एस, त्रिवेदी वी, कंडवाल पी. एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल से रीढ़ की हड्डी के तपेदिक रोगियों के सामाजिक-जनसांख्यिकीय पैटर्न: एक 5-वर्षीय क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे वेस्ट अफ़्रीकन कॉलेज सर्ज. 2024 जुलाई-सितंबर; 14(3):339-344. DOI: 10.4103/jwas.jwas_158_23. ई-प्रकाशन 2024 मई 24. PMID: 38988427; PMCID: PMC11232784.

114. गुरनानी बी, कौर के, चौधरी एस, **मोरया ए.के.** , एट अल. बाल चिकित्सा कॉर्नियल प्रत्यारोपण: तकनीकें, चुनौतियाँ और परिणाम। चिकित्सीय नेत्र विज्ञान में प्रगति. 2024; 16. डीओआई:10.1177/25158414241237906.

115. राज ए, सिंह पी, **मोरया ए.के.** टिप्पणी: वृद्धावस्था में मोतियाबिंद से पीड़ित मधुमेह रोगियों में स्यूडोएक्सफोलिएशन का प्रचलन: कश्मीर, भारत में एक अस्पताल-आधारित अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी। 2024 अप्रैल 1; 72(4):598।

116. रेड्डी के.एस., गौर ए., वरथराजन एस., मोर्या ए.के. टाइप 2 डायबिटीज़ के मरीज़ों में चिग्लिटाज़र और थियाज़ोलिडाइनडायन: कौन सा बेहतर है? वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ डायबिटीज़। 2024 मार्च 3; 15(3):565.

117. रमेश पीवी, मोर्या ए.के., आज़ाद ए., पन्नीरसेल्वम पी., देवदास ए.के., गोपालकृष्णन एस.टी., रमेश एस.वी., आराध्या ए.के.। मनोचिकित्सा और नेत्र विज्ञान के अंतर्संबंध को समझना: ग्लूकोमा के रोगियों में अवसाद और चिंता प्रबंधन की एक व्यापक समीक्षा। वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ साइकियाट्री। 2024 मार्च 3; 14(3):362।

118. गुप्ता पी.सी., दुग्गल एम., मोरया ए.के. मधुमेह हर जगह हर किसी को प्रभावित कर रहा है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज़। 2024 फ़रवरी 2; 15(2):305.

119. रमेश पीवी, **मोर्या ए.के.** , आराध्या ए.के., पनीरसेल्वम पी., गोपालकृष्णन एस.टी., रमेश एस.वी., देवदास ए.के., कृष्णा एन. मौन संबंध का अनावरण: सामान्य-तनाव ग्लूकोमा का हृदय रक्त प्रवाह के साथ सेनिग्मेटिक संबंध। वर्ल्ड जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी। 2024 जनवरी 1;16(1):10.

120. सिन्हा एस, निशांत पी, सिन्हा आरके, मोर्या ए.के., प्रसाद आर. गर्भावधि मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में पोषण हस्तक्षेप और नैदानिक परिणाम: जो दिखता है उससे कहीं अधिक। वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज़। 2024 जनवरी 1;15(1):126।

121. सिन्हा एस, निशांत पी, मोर्या ए.के. मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण और रेजिडेंट सर्जनों के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी। 2024 जनवरी 1;72(1):135-6।

122. कोना सी, किरासानी एसपी, कांबले बी, कुंदापुर आर, यादव के, अग्रवाल एन, भाटिया वी. तेलंगाना में मोबाइल मेडिकल यूनिट शिविरों में आने वाले मरीजों की रुग्णता प्रोफ़ाइल - एक रिकॉर्ड-आधारित अध्ययन। रज़ी संस्थान के अभिलेखागार , 2024; 79(3): 549-554. DOI: 10.32592/ARI.2024.79.3.549

123. बशर ए, **कांबले बी** , संपत कुमार, नांदेकर एसवी, माथुर एसके. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों में कोविड-19 टीकाकरण के बाद सुरक्षा और

प्रतिकूल घटनाओं का आकलन और पहले 30 दिनों में उनके पूर्वानुमान। वैक्सीन: एक्स; 19(2024):100522. https://doi.org/10.1016/j.jvacx.2024.100522 .

124. **आनंदगांवकर, रोहन के, मोटवानी आर , रामास्वामी जी, पटनायक एन** । तेलंगाना में गर्भनाल रक्त बैंकिंग के प्रति गर्भवती दंपत्ति की जागरूकता और दृष्टिकोण: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन 49(4): पृष्ठ 654-657, जुलाई-अगस्त 2024। DOI: 10.4103/ijcm.ijcm_779_23

125. रवितेजा पी , चंद्रपतला एम, भिंगारदेव एवी, सुरराज एस ।ग्लूटियस मैक्सिमस का दोहरा तंत्रिकाकरण ग्लूटियल क्षेत्र के अन्य शारीरिक परिवर्तनों से जुड़ा है। मेडेनी मेड जे. 2024 जून 28; 39(2):136-139. DOI: 10.4274/MMJ.galenos.2024.83652.

126. रवितेजा पी, चंद्रुपटला एम, मोटवानी आर. बाईं बाहरी कैरोटिड धमनी का त्रि-शाखाकरण, इसकी शाखाओं में संरचनात्मक परिवर्तन और धमनीविस्फार गठन से जुड़ा है। एनाट सेल बायोल. 2024 जून 30; 57 (2):324-327. DOI: 10.5115/acb.23.306. ई-प्रकाशन 2024 फ़रवरी 28. PMID: 38415313; PMCID: PMC11184425.

127. गीता एसजी, मोटवानी आर, चंद्रपतला एम, रवितेजा पी, एरियानाची के. (जुलाई 08, 2024) काइज़न स्ट्रैटेजीज़ और गेम-आधारित शिक्षा द्वारा ट्रांसमोग्रिफाइंग एनाटॉमी लर्निंग। क्यूरियस. 2025 जुलाई 08; 16(7): डीओआई 10.7759/क्यूरियस.64073।

128. देवल्ला ए, चेरुवु वीपीआर, दुबे पी. रजोनिवृत्ति का जननांग सिंड्रोम - एक नैदानिक पहेली के लिए चिकित्सीय रणनीतियाँ। ऑनलाइन जर्नल ऑफ़ गाइनो-ऑब्सटेट्रिक्स मैटरनिटी केयर 2024, 6(1): 180033।

129. पटनायक ओ, शहाणे पी, चंद्रुपटला एम, रवितेजा पी. एज़ीगोस एंटीरियर सेरेब्रल आर्टरी, दाहिनी एंटीरियर सेरेब्रल आर्टरी के हाइपोप्लास्टिक A1 अंश से जुड़ी हुई है। एनाट सेल बायोल. 2023 दिसंबर 31;56(4):575-578. doi: 10.5115/acb.23.177. ई-प्रकाशन 2023 अक्टूबर 12. PMID: 37821394; PMCID: PMC10714082.

130. वीडी, कुलकर्णी वी, जॉन आरएम, एट अल. (2 जून, 2024) तेलंगाना, भारत की वृद्ध आबादी में संज्ञानात्मक क्षीणता और उससे जुड़े निर्धारक: एक विश्लेषणात्मक व्यापकता अध्ययन। क्यूरियस 16(6): e61535. DOI 10.7759/cureus.61535

131. **कुमार एन** , अपर्णा जे, संतोषी जी, शर्मा ए. रजोनिवृत्त महिला में ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉएड के रूप में छिपा हुआ सेक्स कॉर्ड स्ट्रोमल ट्यूमर: एक केस रिपोर्ट से सीखे गए सबक। करंट कैंसर थेरेपी रिव्यूज़ 2024;20:1-5. डॉई 10.2174/0115733947290124240502074850

132. **कुमार एन,** श्रीरामभटला ए, शेट्टी ए, मंगला एम, रॉय एस. रेक्टल लेयोमायोसार्कोमा को डिम्बग्रंथि के कैंसर से अलग करने में चुनौतियाँ: एक नैदानिक पहेली। करंट कैंसर थेरेपी रिव्यूज़, 2024;20:1-5. doi 10.2174/0115733947302172240502062032

133. छाबड़ा एस, **कुमार एन.** ग्रामीण सुदूर क्षेत्र में प्रजनन आयु की आदिवासी महिलाओं के कल्याण पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव: एक अवलोकनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ विमेन हेल्थ केयर एंड गायनेकोलॉजी, बायोरेस साइंटिया पब्लिशर्स। 2024;3(6):1-8. DOI: 10.59657/2993-0871.brs.24.049.

134. छाबड़ा एस, **कुमार एन.** गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप संबंधी विकारों के संदर्भ में ग्रामीण आदिवासी महिलाओं की मातृ देखभाल: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, क्लिनिकल ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी रिसर्च, बायोरेस साइंटिया पब्लिशर्स। 2024;3(2):1-9. DOI: 10.59657/2992-9725.brs.24.013

135. भिंगारदेव ए.वी., अमलान ए., चंद्रुपटला एम., प्रभाला एस., सोमलवार एस. साइटिक तंत्रिका के उच्च विभाजन से जुड़ा एक असामान्य स्यूडोगैंग्लियन। एनाट सेल बायोल. 2024 जून 30; 57(2):320-323. DOI: 10.5115/acb.23.252. ई-प्रकाशन 2024 फ़रवरी 28. PMID: 38415311; PMCID: PMC11184415.

136. राजेंद्रन वाई, कोंडमपति एन, **एरिके एम,** माली के, फ्रांसिस सी एल. ब्लैक बॉक्स चेतावनियों का एक अनुदैर्ध्य विश्लेषण: दवा सुरक्षा के लिए रुझान और निहितार्थ। क्यूरियस। 2024 अप्रैल 4;16(4):e57597. DOI: 10.7759/cureus.57597. PMID: 38706997; PMCID: PMC11069364.

137. **प्रियदर्शिनी आर, एरिके एम** , वरथराजन एस, रामास्वामी जी, राज जीएम, चेरियन जेजे, राजेंद्रन पी, गुनासेकरन वी, राव एसवी, कोंडा वीजीआर। गिरने का जोखिम बढ़ाने वाली दवाएँ लेने वाले वृद्ध रोगियों में गिरने के जोखिम को कम करने के लिए ARMOR टूल-आधारित डिप्रेस्क्राइबिंग हस्तक्षेप की प्रभावकारिता का आकलन (DeFRID परीक्षण): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण के लिए प्रोटोकॉल। JMIR रिसर्च प्रोटोकॉल। 2024 जून 11;13:e55638। DOI: 10.2196/55638। PMID: 38861709; PMCID: PMC11200035।

138. नायक वाई, रेड्डी एम, घंटासला एम, मुंधे आर, संप्रति एम। एक पहेली सुलझी: किशोर ऑटोइम्यून हाइपोथायरायडिज्म में पैन्टीटोपेनिया और हेपेटोसप्लेनोमेगाली। इंट जे कॉन्टेम्प पेडियाट्र 2024; 11:831-4.

139. स्पूरथी, एम.एस., बाकम, ए., गर्ग, एस., बिपेटा, आर., टिक्का, एस.के. , गंभीर मानसिक बीमारियों में आरटीएमएस की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान - सिज़ोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर। *करेंट बिहेव न्यूरोसाइंस रिपोर्ट* (2024)। https://doi.org/10.1007/s40473-024-00282-x

140. गोट्टीपति एस, **सतपथी डी, यलमनचिली आरके, माले डीके, इफ्तेखार एस, लक्कीरेड्डी एम** . वोलर प्लेट आर्थ्रोप्लास्टी द्वारा उपेक्षित पृष्ठीय समीपस्थ अंतराफलांगीय जोड़ अव्यवस्था का उपचार: एक केस सीरीज़। क्युरियस। 2024 मई 11;16(5):e60077. doi: 10.7759/cureus.60077. PMID: 38860079; PMCID: PMC11163305.

141. साहू डीपी **, साहू एसएस, निराला एसके, रथ आरएस,** अग्रवाल एन **,** पांडा एम **, आदि। समुदाय में रहने वाले वृद्धों के बीच जीवन-स्थान मूल्यांकन पैमाने के भारतीय (हिंदी) संस्करण का सत्यापन: एक बहुकेंद्रीय क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। बीएमसी जेरिएट्रिक्स। 2024 जून 6;24(1)।** डीओआई:10.1186/एस12877-024-05072-4

142. वेद प्रकाश राव चेरुवु, मनाल एम. खान, गौरव चतुर्वेदी, दीपक कृष्णा, राहुल दुबेपुरिया, अभिनव सिंह, अनुषा देवल्ला। प्री-स्टर्नल केलोइड्स वाले मरीजों का एक संभावित अध्ययन। क्यूरियस 2024 जून 04; 16(6): ई61695। डीओआई: 10.7759/क्योरस.61695।

143. बालन वाई, सुंदरमूर्ति आर, गौर ए, वरथराजन एस, राज जीएम। स्वास्थ्य और रोगों पर उच्च नमक वाले आहार का प्रभाव और आंत माइक्रोबायोम को संशोधित करके कैंसर इम्यूनोथेरेपी की खोज में इसकी भूमिका। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर 13(5): पृष्ठ 1628-1635, मई 2024। | DOI: 10.4103/jfmpc.jfmpc_1574_23

144. **मंगला एम, कलियाप्पन ए, श्रीरामभटला ए,** चंद्रुपटला **एम , मोटवानी आर, कुमार एन, सुभ्रज्योति रॉय** । फ्रेजर सिंड्रोम विद लिम्ब रिडक्शन डिफेक्ट: एक दुर्लभ और अनोखी शारीरिक रचना। सर्जिकल एंड रेडी ई ओलॉजिक एनाटॉमी। 2024 अप्रैल;46(4):501-506.. https://doi.org/10.1007/s00276-024-03299-9

145. **तनु गुप्ता , मोटवानी आर** , एरियानाची कलियाप्पन, चंद्रपतला **एम.** बाइलेटरल सोआस माइनर: नैदानिक, भ्रूणविज्ञान और विकासवादी अंतर्दृष्टि के साथ एक केस रिपोर्ट, मार्च 2024;

जर्नल ऑफ एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया 73(1):82-85; DOI: 10.4103/jasi.jasi_72_23

146. कांबले बी.डी., सिंह एस.के., चेल्लैयान वी., जेठानी एस., माहौर जी., ब्रिटो जे.जे. दिल्ली के संक्रामक रोग अस्पताल में आने वाले डिप्थीरिया के रोगियों की महामारी विज्ञान और नैदानिक विशेषताएँ। *रज़ी संस्थान के अभिलेखागार* , 2024; 79(2): 355-360. doi: 10.32592/ARI.2024.79.2.355.

147. मंगला एम, कुमार एन, जरथी ए, एट अल. (24 अप्रैल, 2024) एक्लैम्पसिया के प्रबंधन के संबंध में स्नातक मेडिकल छात्रों के सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित शैक्षिक परीक्षण। क्यूरियस 16(4): e58898. doi:10.7759/cureus.58898.

148. **शहाणे पी, टिक्का एस.के., श्रीरामभटला ए, मालतेश बी.सी., स्पूरथी एम.एस. पैरी** रोमबर्ग सिंड्रोम जिसमें असामान्य कैवम सेप्टम पेलुसिडम होता है जो ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर के रूप में प्रकट होता है। *प्राइम केयर कम्पैनियन सीएनएस डिसऑर्डर* । 2024 मई 7;26(3):23cr03695. डोई: 10.4088/PCC.23cr03695. **.**

149. दास एस, सिंह एलके, **टिक्का एसके** , **स्फूर्ति एमएस** , मंडल एस, सोनी पीके, नंदन एनके। कैनाबिस डिपेंडेंस सिंड्रोम वाले व्यक्तियों के 'गैर-उपयोगकर्ता' प्रथम-डिग्री रिश्तेदारों में संज्ञानात्मक हानि: एक पायलट, एंडोफेनोटाइप अध्ययन। अर्ली इंटरव साइकियाट्री। 2024 मई; 18(5):346-354। doi: 10.1111/eip.13470 ।

150. छाबड़ा एस, **कुमार एन** . दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में कार्यस्थलों पर महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले मौन संघर्ष और चुनौतियाँ। एमओजे महिला स्वास्थ्य। 2024;13(1):1–5. DOI: 10.15406/mojwh.2024.13.00325.

151. छाबड़ा एस, **कुमार एन** . ग्रामीण सुदूर, वानिकी और पहाड़ी क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं में एनीमिया पर बायोमास ईंधन के उपयोग के प्रभावों की खोज: एक समुदाय-आधारित अवलोकन अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य पत्रिका, स्त्री रोग। 2024;6(1):16. DOI: https://doi.org/10.36266/IJWHG/161

152. **कुमार एन,** पालो एस, सिन्हा ए, मंगला एम. असामान्य मेटाक्रोनिसिटी: बिना पारिवारिक कैंसर इतिहास वाली एक युवा महिला में स्तन और एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा - एक केस रिपोर्ट, वर्तमान कैंसर थेरेपी समीक्षा 2024; 20:1-6. https://dx.doi.org/10.2174/0115733947283731240215102133

153. **कुमार एन** , प्रदीप आई, मंगला एम, श्रीरामभटला ए. एक जटिल मामला: रजोनिवृत्त महिलाओं में ठोस एकतरफा डिम्बग्रंथि म्यूसिनस कार्सिनोमा जो लेयोमायोसार्कोमा के रूप में प्रकट होता है। वर्तमान महिला स्वास्थ्य समीक्षा, 2024; 20:1-6। DOI: 10.2174/0115734048299563240318061151

154. **कुमार एन** , **भाटिया वी** . प्रसवपूर्व, प्रसव पीड़ा से गुज़र रही, प्रसवोत्तर महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं में कोविड-19 संक्रमण का प्रबंधन: एक विस्तृत समीक्षा। द न्यू इंडियन जर्नल ऑफ़ ओबीजीवाईएन। 2024; 10(2): 249-56। DOI - 10.21276/obgyn.2024.10.2.3

155. **प्रफुल्ल के** , राव ए, दोइजाद वी, **पाटिल पी** , **दौलताबाद वी.एस.** , **जॉन एन.ए.** मेडिकल स्नातकों के बीच मानसिक स्वास्थ्य पर स्मार्टफोन का प्रभाव: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे एडु हेल्थ प्रमोशन 2024;13:137 https://doi.org/10.4103/jehp.jehp_806_23

156. वेंकटेश यू, अपर्णवी पी, मोगन केए, दुर्गा आर, पियर्सन जे, किशोर एस, जोशी एचएस, नायर एनएस, निशा बी, अगराल आर, विदुषा के, चेंकुआल सीवी, नाथ बी, एपरी वीआर, कुमारी

आर, गोयल पी, अहमद एफ, बरुआ एम, अनिल आर, स्वामी एए, **कांबले बीडी,** शर्मा जीए, शर्मा ए, बेरा ओपी, ग्रोवर ए, वर्मा एसके और एफएएसएआई अध्ययन समूह (2024) भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जाने वाले युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन के निर्धारक कैम्ब्रिज प्रिज्म्स: वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य 2024;11:e23,doi:10.1017/gmh.2024.13

157. **कोना, सी** ., किरासानी, एस.पी., **कांबले, बी., कुंदापुर, आर., यादव, के., अग्रवाल, एन., भाटिया, वी.** तेलंगाना में मोबाइल मेडिकल यूनिट शिविरों में भाग लेने वाले रोगियों की रुग्णता प्रोफ़ाइल - एक रिकॉर्ड-आधारित अध्ययन। रज़ी संस्थान के अभिलेखागार, 2024 जून 30; 79(3):549-554। डीओआई: 10.32592/एआरआई.2024.79.3.549। ई संग्रह 2024 जून

158. राममूर्ति, डी, मंजूनाथ, एस, सरवर, राणा, नायर, अपर्णा एस., **कुंदापुर, आर** , रश्मि ए मोदी, बंद कादरी, ए एम. "रोकथाम यहीं से शुरू होती है: बेंगलुरु में किशोर छात्रों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम मॉड्यूल की प्रभावशीलता - एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडोलसेंट मेडिसिन एंड हेल्थ, खंड 36, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 79-84. https://doi.org/10.1515/ijamh-2023-0191

159. **एसके मोहनसुंदरी, के. प्रभात किरण, नीलम वशिष्ठ, रश्मी सिंह, बी. रानी, एन. वंदना, नागमणि** । उभरते वायरस, अन्य वायरस और 21वीं सदी की महान महामारी का अवलोकन ए और वी पब इंट। नर्सिंग और मेडिकल रेस के जे. 2024; 3(1):37-44. डीओआई: 10.52711/आईजेएनएमआर.2024.08

160. **सुप्रिया गरपति** , एरियानाची कलियाप्पन, सुभाषिनी रानी वुबा, रवि तेजा, किशोर यादव पुन्नपा और अन्य। (2024) दक्षिण भारतीय जनसंख्या में फोरामेन ओवले का रूपात्मक विविधताएं और रूपमिति विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन एनाटॉमी - 3(1):25-32। https:// doi.org/10.14302/issn.2577-2279.ijh-23 4886।

161. **इफ़्तेकर, एस.** , आहूजा, के., मित्तल, एस. *और अन्य।* न्यूनतम इनवेसिव और ओपन तकनीकों द्वारा उपचारित डोर्सोलुम्बर और लम्बर स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस के परिणाम: एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन। *JOIO* (2024)। https://doi.org/10.1007/s43465-024-01123-5

162. मन्हास वी, रावत एम, कौरव वाईएस, गोयल एस, धीर एस, **संगिनेनी के** . भारत में एक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के लिए विभिन्न चिकित्सा ऑक्सीजन स्रोतों का लागत विश्लेषण। इंडियन जे एनेस्थ 2024;68: 3749.DOI -: 10.4103/ija.ija_335_23

163. वीएस रवींद्रनाथ, **रंजीत कुमार यालामंचिली** , सुकर्ण रेड्डी पल्ला, वेणु माधव वुथपाला, आनंद रेड्डी बद्दुला, प्रवीण सिंह, पर्क्यूटेनियस एलिवेशन संशोधित नए उपकरण का उपयोग करके समीपस्थ टिबिया अवसादग्रस्त फ्रैक्चर, जेसीओटी, 2024; 50 (1), 102383. https://doi.org/10.1016/j.jcot.2024.102383 ।

164. **लक्किरेड्डी एम, माले डीके** , खियानी आरए, सतपति डी, **एप्पकायला एस, सथु एस** , ताडिकोंडा ए.के.। घुटने के ऑस्टियोआर्थ्रोसिस के लिए भार वहन करने वाले ए.पी. और रोसेनबर्ग पी.ए. फ्लेक्सन दृश्य के बीच घुटने के रेडी ई ओग्राफ़ का तुलनात्मक विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑर्थोप सर्जन 2024; 10(1):34-38.

165. उनादकट, एसवी, पाधी, बीके, **भोंगीर, एवी** । *और अन्य.* होमोसिस्टीन और कोरोनरी के बीच संबंध धमनी रोग—प्रवृत्ति ऊपर समय और आर-पार क्षेत्र: ए व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-

विश्लेषण। *इजिप्ट हार्ट जे* 76, 29 (2024)। **https://doi.org/10.1186/s43044-024-00460-y** .

166. सिंह एमएस, **प्यति ए** , रूबी आरडी, सुब्रमण्यम आर, मुले वीवाई, अंसारी एमए, **येल्लाबोइना एस** । एकीकृत ओमिक्स विश्लेषण का उपयोग करके COVID-19 की गंभीरताओं में मेज़बान-रोगज़नक़ अंतःक्रियाओं का सिस्टम-व्यापी दृश्य। आईसाइंस। **2024 फ़रवरी 2;27(3):109087.** [https://doi.org/10.1016/j.isci.2024.109087]

167. **रेड्डी एम, अंबादास वी, संप्रति एम, माले डीके, अरोड़ा एजे** । निचले अंगों में कई फ्रैक्चर ए बच्चा साथ रीढ़ की हड्डी में मांसल शोष प्रकार 2: ए रोके जटिलता. क्यूरियस. 2024 27 जनवरी; 16(1).

168. **कुमार एन** , प्रदीप मैं, श्रीरामभटला ए, पूजिता के, मंगला एम। सीमा ब्रेनर का ट्यूमर रजोनिवृत्त महिला में अंडाशय: सहवर्ती एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया और एंडोसर्विकल पॉलीप के साथ एक दुर्लभ मामला, वर्तमान कैंसर थेरेपी समीक्षा 2024; 20. https://dx.doi.org/10.2174/0115733947256172231128064128

169. **कुमार एन** , प्रदीप मैं, मंगला एम, रॉय एस। हाइड्रैडेनोमा पैपिलिफ़ेरम का योनी वल्वा कार्सिनोमा का अनुकरण: एक केस रिपोर्ट, वर्तमान कैंसर थेरेपी समीक्षा 2024; 20. https://dx.doi.org/10.2174/0115733947268827231122034503

170. **रवितेजा पी, गरपति एस, चंद्रुपटला एम** . बाएं गुर्दे की धमनी विविधताओं से जुड़े गुर्दे के हिलर नटक्रैकर घटना का एक दुर्लभ मामला। आईएसएआर जर्नल ऑफ मेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज.आईएसएआर जे मेड फार्म साइंस; खंड-2, अंक-1 (जनवरी- 2024): 7-11

171. **सुप्रिया गरपति, एरियानाची,** सुभाषिनी वुबा, **पुन्नपा रवितेजा** , किशोर यादव, भीमावरम पुलन्ना (2024). प्रभावशीलता एकीकृत का शिक्षण क्रियाविधि में प्रथम एमबीबीएस छात्रों के बीच पारंपरिक शिक्षण की तुलना। जर्नल ऑफ करेंट साइंटिफिक रिसर्च - 2(2): 08 -14 https://doi.org/10.14302/issn.2766-8681.jcsr-24-4897 .

172. वालिकर, बीरालिंग निंगप्पा; सिंगला, दीपक; त्रिपाठी, देबेंद्र कुमार; अग्रवाल, संजय; तलावर, प्रवीण; **मंगला, मिशू** . आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट की घटना, जोखिम कारक और परिणाम - एक संभावित अवलोकन संबंधी खोजपूर्ण अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया 68(2):पी 170-176, फरवरी 2024 | डीओआई: 10.4103/ija.ija_675_23

173. सिंगला डी, **मंगला एम** , अग्रवाल ए. एट अल. (15 जनवरी, 2024) रेडियल आर्टरी कैनुलेशन की तीन अलग-अलग तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन। क्यूरियस 16(1): e52326. doi:10.7759/cureus.52326

174. सिद्दीकी एमए, राठी एल, पत्तोजोशी ए, गर्ग एस, **टिक्का एस.के.** तनाव प्रबंध में पारिवारिक वातावरण. इंडियन जे साइकियाट्री. 66(सप्ल 2):S245-S254. DOI: 10. 4103/indianjpsychiatry. indianjpsychiatry_600_23

175. अग्रवाल ए, गर्ग एस, **टिक्का एसके,** गोयल डी. पोस्टिक्टल व्यवहार के रूप में जुनूनी-बाध्यकारी कार्यक्रम परिवर्तन: एक दुर्लभ केस रिपोर्ट। प्राइम केयर कम्पैनियन सीएनएस डिसऑर्डर 2024; 26(1): 23cr03567

176. **कुमार एन,** कल्याणी पीके, शर्मा ए, शिवकोटि एस, मंगला एम. एक सामान्य बीमारी के

लिए असामान्य स्थान, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का अनुकरण: एक दुर्लभ केस रिपोर्ट, संक्रामक विकार- ड्रग टारगेट 2024; 24(1):e220823220210. https://dx.doi.org/10.2174/1871526523666230822155148

विभिन्न समितियाँ

केंद्रीय पुस्तकालय

1. मुख्य बिन्दु

संस्थान का केंद्रीय पुस्तकालय संकाय सदस्य, निवासियों, कर्मचारियों और छात्रों की सेवा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पुस्तकों, वर्तमान पत्रिकाओं और पत्रिकाओं, थीसिस और विभिन्न ई-संसाधनों के अभिलेखागार के अपने समृद्ध संग्रह के साथ उपयोगकर्ताओं की सेवा करता है। केंद्रीय पुस्तकालय अब 2813 यूजी, पोस्ट ग्रेजुएट, बीएससी नर्सिंग और पैरामेडिकल पुस्तकों से सुसज्जित है। स्पेशलिटी और सुपर स्पेशियलिटी पुस्तकों की खरीद प्रक्रियाधीन है। एक ई-लाइब्रेरी प्रिंट और डिजिटल दोनों स्वरूपों में ज्ञान का प्रबंधन करती है और विद्वानों के संसाधनों की सहज खोज और पहुंच सुनिश्चित करती है। यह एक डिजिटल सॉफ्टवेयर से लैस है जिसमें माय-लॉफ्ट एप्लिकेशन के माध्यम से ओएनओएस के जरिए एल्सेवियर क्लिनिकल की फ्लेक्स ई-बुक्स और ई-जर्नल्स तक पहुंच है। केंद्रीय पुस्तकालय में अब होम लेंडिंग, 24 घंटे पढ़ने के कमरे और डिजिटल लाइब्रेरी बुक्स की सेवाएं हैं। पत्रिकाओं, समाचार पत्रों की सदस्यता उपलब्ध है जो छात्रों के समग्र व्यक्तित्व और भविष्य के विकास में मदद करती है।

2. पुस्तकालय समिति के सदस्य

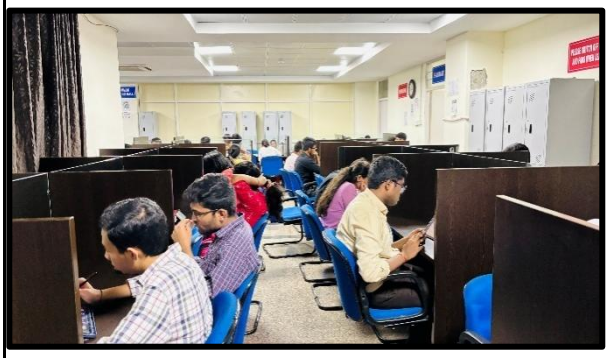
नाम	विभाग	पद का नाम
डॉ. माधुरी तरनीकांति	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान	अध्यक्ष
डॉ. मीली पांडा	एसोसिएट प्रोफेसर, सीएफएम	सदस्य सचिव
डॉ. नैना कुमार	अतिरिक्त प्रोफेसर, ओबीजी	सदस्य
डॉ. प्रशांत माडा	एसोसिएट प्रोफेसर, एफएमटी	सदस्य
डॉ. इमैनुएल प्रदीप	एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी	सदस्य
डॉ. अमर कुमार रेपका	सहायक प्रोफेसर, यूरोलॉजी	सदस्य
डॉ. जी. विद्या	एसोसिएट प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान	सदस्य
डॉ. ए. सेरमा सुबाथरा	एसोसिएट प्रोफेसर, नर्सिंग कॉलेज	सदस्य

कर्मचारी		
श्री पेंड्याला श्रीकांत	केंद्रीय पुस्तकालय	पुस्तकालय सूचना सहायक
अन्य कर्मचारी	03	

क्रम सं.	संसाधनों की सूची
1	ई-ग्रंथालय: पुस्तक लेनदेन, जारी/वापसी के लिए पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर
2	ONOS- एक राष्ट्र एक सदस्यता (ई-जर्नल्स) 30 प्रकाशक, 13,000+ जर्नल्स
3	एल्सेवियर क्लिनिकल की फ्लेक्स
4	अद्यतन - नैदानिक निर्णय उपकरण
5	आई-थेनटिकेट साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर
6	ड्रिलबिट साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर
7	डी-स्पेस संस्थागत रिपॉजिटरी
8	माईलॉफ्ट- डिजिटल ई-संसाधनों तक पहुँचने के लिए मोबाइल/वेब ऐप
9	एंडनोट संदर्भ प्रबंधन

क्रम सं.	केंद्रीय पुस्तकालय सुविधाएं
1	डिजिटल एक्सेस के लिए 10 डेस्कटॉप कंप्यूटर: ई-लाइब्रेरी
2	संकाय/निवासी/पीजी/यूजी के लिए वाचनालय
3	समाचार पत्र सेवाएँ, 4- अंग्रेजी, 4- तेलुगु, हिंदी-ई-पेपर
4	सामान्य पत्रिकाएँ
5	हार्टफुलनेस पत्रिकाएँ (अंग्रेजी और हिंदी)

3. केंद्रीय पुस्तकालय वाचनालय और ई-लाइब्रेरी:

<table>
<tr>
<td> 
</td>
<td> 
 </td>
</tr>
<tr>
<td>वचनालय</td>
<td>ई-लाइब्रेरी</td>
</tr>
</table>

अस्पताल सीएसएसडी

मुख्य अंश:

CSSD ने रणनीतिक निवेश और गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से उल्लेखनीय वृद्धि और प्रगति देखी है। इस वित्तीय वर्ष में, टीम ने कुल 32,154 सेटों को स्टरलाइज़ किया, जो पिछले वर्ष के 17,461 सेटों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। यह उपलब्धि स्टरलाइज़ेशन आउटपुट का लगभग दोगुना प्रतिनिधित्व करती है, जो हमारे अस्पताल की सर्जिकल और क्लिनिकल इकाइयों की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाती है। हमारी सेवाएं अस्पताल के भीतर कई विभागों तक फैली हुई हैं, जिसमें ऑपरेटिंग थिएटर, गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू), और आउटपेशेंट विभाग (ओपीडी) शामिल हैं, जो सभी रोगी देखभाल क्षेत्रों में स्टरलाइज़ेशन और संक्रमण नियंत्रण के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करते हैं। हमारे वर्तमान उपकरण सूची में शामिल हैं: तीन क्षैतिज आयताकार आटोक्लेव मशीन; एक फ्लैश स्टरलाइज़र, एक वॉशर कीटाणुनाशक मशीन, अल्ट्रासोनिक क्लीनर और एक ड्रायर सीलिंग मशीन।



सीएसएसडी यूनिट @ एम्स बीबीनगर



एम्बुलेंस सेवा @ एम्स बीबीनगर

एम्बुलेंस सेवाएं

अवलोकन: वित्तीय वर्ष में, हमारी अस्पताल एम्बुलेंस सेवा ने हमारे चिकित्सा केंद्रों और समग्र समुदाय को आवश्यक परिवहन सहायता प्रदान करना जारी रखा है। दो एम्बुलेंस के बेड़े के साथ, हमने मोबाइल चिकित्सा इकाई सेवाओं, रोगी रेफरल, नैदानिक परिवहन और छात्र सहायता की सुविधा के लिए अपनी पहुँच का विस्तार किया है।

मुख्य अंश:

सेवा क्षेत्र: हम चिकित्सा सुविधाओं के बीच रोगियों के रेफरल, नैदानिक प्रयोजनों के लिए परिवहन, तथा चिकित्सा आपातस्थितियों या नियमित नियुक्तियों के दौरान छात्रों को सहायता प्रदान करते हैं।

परिचालन दक्षता:

निवारक रखरखाव: हम नियमित निवारक रखरखाव सेवाएँ प्रदान करके अपनी एम्बुलेंस की विश्वसनीयता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण सर्वोत्तम प्रदर्शन सुनिश्चित करने और अप्रत्याशित खराबी के जोखिम को कम करने में मदद करता है, जिससे हम अपने रोगियों और समुदाय को निर्बाध सेवा प्रदान कर पाते हैं।

प्रदूषण नियंत्रण जांच: पर्यावरण नियमों और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुपालन में, हम नियमित रूप से प्रदूषण नियंत्रण जांच करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी एम्बुलेंस उत्सर्जन मानकों को पूरा करती हैं या उससे अधिक हैं, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव न्यूनतम हो।

बीमा नवीनीकरण: हम अपने एम्बुलेंसों के लिए अद्यतन बीमा कवरेज बनाए रखते हैं, जिससे हमारे वाहनों, यात्रियों और जनता के लिए व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

छोटी-मोटी मरम्मत: छोटी-मोटी मरम्मत पर तुरंत ध्यान देने से हमें अपनी एम्बुलेंस की विश्वसनीयता और दिखावट बनाए रखने में मदद मिलती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे आपातकालीन कॉल का जवाब देने और मरीजों को सुरक्षित और आराम से ले जाने के लिए हमेशा तैयार हैं।

कुशल सेवा वितरण:

हम अपने मरीज़ों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कुशल और समय पर एम्बुलेंस सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एम्बुलेंस चालकों और चिकित्सा कर्मियों की हमारी समर्पित टीम सभी ज़रूरतमंद व्यक्तियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया समय, करुणामय देखभाल और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करती है।

अस्पताल कपड़े धोने की सेवाएं

अवलोकन :

अस्पताल की लॉन्ड्री सेवाओं में दक्षता और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ उल्लेखनीय वृद्धि और सुधार हुआ है। हमने अपनी क्षमता का विस्तार किया है, अपने उपकरणों को उन्नत किया है, और अपनी टीम में नए सदस्य का स्वागत किया है।

मुख्य अंश :

क्षमता : कपड़े धोने का विभाग कुल छह वाशिंग मशीनों से सुसज्जित है, जिसमें 21 किलोग्राम प्रत्येक की क्षमता वाली दो फ्रंट-लोड मशीनें और 11 किलोग्राम प्रत्येक की क्षमता वाली चार टॉप-लोड मशीनें शामिल हैं, जो संस्थान की दैनिक लिनन प्रसंस्करण आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करती हैं।

परिचालन दक्षता : एकीकरण और उपकरणों के साथ, हमने एक निर्बाध और कुशल कपड़े धोने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अपने संचालन को अनुकूलित किया है।

प्रदर्शन मीट्रिक : वित्तीय वर्ष [01-4-2024 से 31-03-2025] में, हमने कुल 1,76,439 कपड़े धोए हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में लगभग चार गुना वृद्धि दर्शाता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे अस्पताल समुदाय की बढ़ती माँगों को पूरा करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भविष्य के लिए दृष्टि :

भविष्य में, हम अपने मरीज़ों और कर्मचारियों को उच्चतम गुणवत्ता वाली देखभाल और सहायता प्रदान करने के लिए अपनी लॉन्ड्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निरंतर सहयोग के माध्यम से, हम अस्पताल के लॉन्ड्री संचालन में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

स्वास्थ्य शिविर समिति

1. मुख्य आकर्षण: विश्व उच्च रक्तचाप दिवस अभियान/शिविर

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस - 2024 के अवसर पर, स्वास्थ्य शिविर समिति ने सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग के सहयोग से "उच्च रक्तचाप को मापें, पता लगाएं, जागरूक रहें और रोकें " शिविर / अभियान का आयोजन किया है।

शिविर के लिए पंजीकरण और तैयारी 29/05/2024 को सुबह 9:00 बजे से शाम 5 बजे तक शुरू हुई। शिविर की गतिविधियाँ एम्स बीबीनगर के सभी कर्मचारियों और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए एनसीडी क्लिनिक (ओपीडी संख्या: 22 और 21) में आयोजित की गईं। शिविर का उद्घाटन माननीय कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया ने किया। इसके साथ ही पुट्टगुडम गाँव (मोबाइल मेडिकल यूनिट) और चेकाटिमामिडी उपकेंद्र (आरएचटीसी बोम्मालारामरम से आउटरीच) में समुदाय में एचटी शिविर की शुरुआत हुई। शिविर में उच्च रक्तचाप की जाँच, जागरूकता, प्रबंधन और जीवनशैली में बदलाव की सलाह दी गई। एम्स बीबीनगर में आयोजित शिविर में 360 कर्मचारियों ने भाग लिया, जबकि पुट्टगुडम और अन्य गाँवों और चेकाटिमामिडी की चिकित्सा टीम ने क्रमशः 100 और 130 प्रतिभागियों को कवर किया।

2. **सदस्य**

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ गोविंदराव एन कुसनेनीवार	नोडल अधिकारी	अतिरिक्त प्रोफेसर, सीएम और एफएम विभाग
डॉ. नीरज अग्रवाल	अतिरिक्त नोडल अधिकारी	प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, सीएम और एफएम विभाग
डॉ. विशाखा जैन	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, चिकित्सा विभाग
डॉ. साईकृष्ण टिक्का	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग
डॉ. किशोर यादव	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, सीएम और एफएम विभाग
डॉ. देबाशीष बिसोई	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग

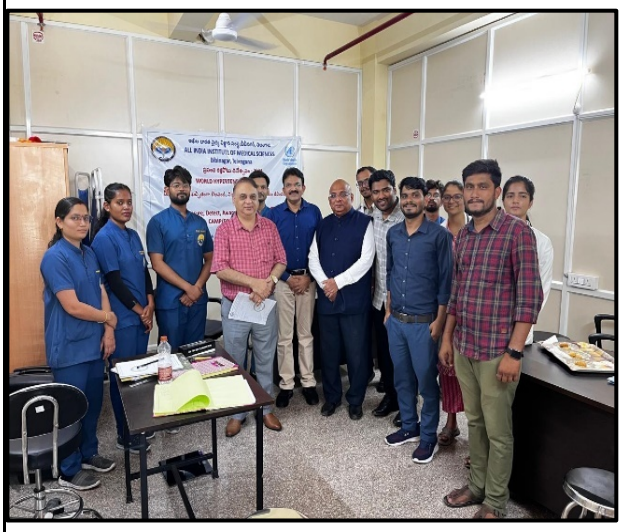
3. **उपलब्धियाँ**



एम्स बीबीनगर अस्पताल में एचटी शिविर का उद्घाटन



स्वास्थ्य शिविर समिति की टीम और सीएमएफएम विभाग के डॉक्टर आरएचटीसी बोम्मालारामरम में शिविर का आयोजन करते हुए

	
मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) और एचसीसी के नेतृत्व वाली टीम ने मुरीपिराला गांव में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस- 2024 पर विशेष शिविर/अभियान चलाया।	**एचटी हेल्थ कैंप की टीम कार्यकारी निदेशक प्रो. डॉ. विकास भाटिया के साथ**

क्रम सं	समिति के सदस्य का नाम	पद का नाम

छात्रावास समिति

छात्रावास समिति में 07 संकाय सदस्य शामिल हैं, जिनमें मुख्य छात्रावास अधीक्षक, अतिरिक्त छात्रावास अधीक्षक, छात्रावास अधीक्षक, उप छात्रावास अधीक्षक, नर्सिंग ट्यूटर, 01 नर्सिंग अधिकारी और 02 वार्डन शामिल हैं। छात्रावास के कर्मचारी वर्तमान में छात्रावासों में छात्रों के बीच शांति और सद्भाव बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। छात्रावास समिति छात्रावासों का औचक निरीक्षण करती है और छात्रावासों की सफाई, रखरखाव, भोजन की गुणवत्ता और अन्य मुद्दों की जाँच के लिए नियमित रूप से बैठकें करती है। उपर्युक्त कर्तव्यों के अलावा, छात्रावास समिति अन्य गतिविधियों के लिए भी उत्तरदायी है।

- सामान्य हित के संबंध में छात्रावासों से संबंधित नीतियों का निर्माण, समन्वय और समीक्षा करना।
- सभी छात्रावासों में खातों के रखरखाव, बिलों की लेखापरीक्षा, छात्रावास के निवासियों द्वारा छात्रावास शुल्क का नियमित भुगतान आदि से संबंधित प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- महत्वपूर्ण वस्तुओं, भंडार, फर्नीचर आदि की खरीद के मामलों में छात्रावासों की सहायता करना।
- छात्रावास की सुरक्षा और सामान्य रखरखाव के बारे में विचार करना।
- समिति की भूमिका और जिम्मेदारियों में प्रशासन और छात्रों के बीच संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करना शामिल है।
- छात्रावास समिति छात्रावास के संबंध में नीतिगत रूपरेखा/निर्णय तय करेगी।
- संक्षेप में कहें तो छात्रावास समिति एक छात्र के छात्रावास जीवन को जीवन भर के लिए यादगार बना देती है।

01	डॉ. प्रग्नेश परमार अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष एफएमटी	मुख्य छात्रावास अधीक्षक
02	डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताडी प्रोफेसर, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	अतिरिक्त छात्रावास अधीक्षक (बालिकाएं)
03	डॉ. प्रफुल्ल के, अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान	अतिरिक्त छात्रावास अधीक्षक (लड़के)
04	डॉ. अलका वी. भिंगारदेव एसोसिएट प्रोफेसर, एनाटॉमी	छात्रावास अधीक्षक (बालिकाएं)
05	डॉ. दुर्गेश प्रसाद साहू एसोसिएट प्रोफेसर, सीएम एंड एफ	छात्रावास अधीक्षक (लड़के)
06	डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी सहायक प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी	उप छात्रावास अधीक्षक (बालिकाएं)
07	डॉ तुषार मोहनलाल परमेश्वर एसोसिएटप्रोफेसर, जनरल सर्जरी	उप छात्रावास अधीक्षक (लड़के)
08	श्री गुरु प्रकाश, नर्सिंग ट्यूटर	सदस्य (लड़के)
09	सुश्री अनुषा पूजा, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी	सदस्य (लड़कियां)
10	श्री मोहम्मद अकबर, हॉस्टल वार्डन	सदस्य
11	श्री पी. किशोर बाबू, छात्रावास वार्डन	सदस्य

छात्रावास आवंटन और क्षमता का विवरण।

क्र. सं.	छात्रावास का नाम	स्थान/ मंजिल	बैच/वर्ष	छात्रों की संख्या	टिप्पणी।
1	यूजी बॉयज़	पहली मंजिल	2023	32	एमबीबीएस
2	यूजी बॉयज़	द्वतीय मंज़िल	2023	30	एमबीबीएस
3	यूजी बॉयज़	तीसरी मंजिल	2023; 2024; 2024	2; 18; 2	पैरामेडिका; पैरामेडिकल; एम.एससी नर्सिंग
4	यूजी बॉयज़	चौथी मंजिल	2024	30	एमबीबीएस
5	यूजी बॉयज़	5वीं मंजिल	2024	29	एमबीबीएस
6	यूजी बॉयज़	6 ठा मजला			
7	यूजी बॉयज़	7वीं मंजिल	पीजी	1	जे आर
8	यूजी बॉयज़	8वीं मंजिल	2024; 2022	1; 13	एम.एससी नर्सिंग; एमबीबीएस
9	यूजी बॉयज़	9वीं मंजिल	2022	15	एमबीबीएस
10	यूजी बॉयज़	10वीं मंजिल	2022	15	एमबीबीएस

11	यूजी बॉयज़	11वीं मंजिल	2021 2022	1 14	एमबीबीएस
12	यूजी बॉयज़	12वीं मंजिल	2021 2022	7 8	एमबीबीएस
13	यूजी बॉयज़	13वीं मंजिल			
14	यूजी बॉयज़	14वीं मंजिल	2021	15	एमबीबीएस
15	यूजी बॉयज़	15वीं मंजिल	2021	15	एमबीबीएस
16	यूजी बॉयज़	16वीं मंजिल	2020 2021	3 12	एमबीबीएस
17	यूजी बॉयज़	17वीं मंजिल	2020	15	एमबीबीएस
18	यूजी बॉयज़	18वीं मंजिल	2020	15	एमबीबीएस

क्र. सं.	**छात्रावास का नाम**	**स्थान/ मंजिल**	**बैच/वर्ष**	**छात्रों की संख्या**	**टिप्पणी।**
1	यूजी गर्ल्स	पहली मंजिल			
2	यूजी गर्ल्स	द्वतीय मंज़िल			
3	यूजी गर्ल्स	तीसरी मंजिल			
4	यूजी गर्ल्स	चौथी मंजिल	2024; 2024	25; 2	बी.एससी नर्सिंग; एम.एससी नर्सिंग
5	यूजी गर्ल्स	5वीं मंजिल	2024	31	बी.एससी नर्सिंग
6	यूजी गर्ल्स	6 ठा मजला	2023	29	बी.एससी नर्सिंग
7	यूजी गर्ल्स	7वीं मंजिल	2024;2024;2024	8;10;2	पैरामेडिकल;एमबीबीएस;एमएससी नर्सिंग
8	यूजी गर्ल्स	8वीं मंजिल	2024	32	एमबीबीएस
9	यूजी गर्ल्स	9वीं मंजिल	2023; 2023	6; 4	पैरामेडिकल; एमबीबीएस
10	यूजी गर्ल्स	10वीं मंजिल	2023; 2022	12; 9	एमबीबीएस
11	यूजी गर्ल्स	11वीं मंजिल	2022	15	एमबीबीएस
12	यूजी गर्ल्स	12वीं मंजिल	2022; 2021	10; 05	एमबीबीएस
13	यूजी गर्ल्स	13वीं मंजिल	2021	15	एमबीबीएस
14	यूजी गर्ल्स	14वीं मंजिल	2021	15	एमबीबीएस
15	यूजी गर्ल्स	15वीं मंजिल	2021	15	एमबीबीएस
16	यूजी गर्ल्स	16वीं मंजिल	2020	14	एमबीबीएस
17	यूजी गर्ल्स	17वीं मंजिल	2020	15	एमबीबीएस
18	यूजी गर्ल्स	18वीं मंजिल	पीजी	8	जूनियर/एसआर

अन्य सुविधाएं और सुख-सुविधाएं:

जिम्नेजियम: खेल और जिम की सुविधा - छात्र ट्रेड मिल, एयरो फिट 8806, पुश-अप बार आदि से सुसज्जित जिम का आनंद लेते हैं। छात्रावासों में टेनिस कोर्ट, फुटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और क्रिकेट के मैदानों सहित इनडोर और आउटडोर दोनों तरह के खेलों की सुविधा उपलब्ध है। छात्रों के कॉमन रूम में टेबल-टेनिस, शतरंज और कैरम बोर्ड जैसे इनडोर खेल भी उपलब्ध हैं। रंगीन फव्वारे के आसपास रेनबो पार्क में वॉकिंग ट्रैक है जहाँ छात्र वाद्य संगीत की धुनों के साथ शाम की सैर का आनंद लेते हैं।

वाचनालय: सभी छात्रावासों में कुर्सियों, मेजों और वाई-फ़ाई राउटर सहित वाचनालय की व्यवस्था है। छात्रावास समिति द्वारा निर्धारित समय पर छात्र वाचनालय का उपयोग कर सकते हैं।

कपड़े धोने की सेवा: - कपड़े धोने के लिए, हॉस्टल के विंग में स्वचालित वाशिंग मशीनें हैं और कपड़े सुखाने के लिए ड्राई एरिया भी हैं। कपड़े धोने के लिए निश्चित न्यूनतम दरों पर मैन्युअल लॉन्ड्री सेवाएँ भी उपलब्ध हैं।

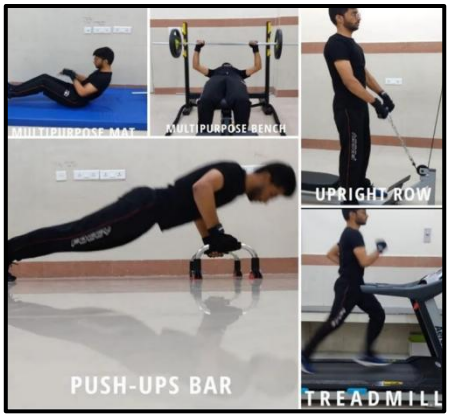
बहुउद्देशीय जल डिस्पेंसर: लड़कों और लड़कियों के छात्रावासों में प्रत्येक मंजिल पर रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) जल शोधन मशीनें लगी हैं और हमने अपने सभी छात्रावासों में बहुउद्देशीय गर्म और ठंडे पानी के डिस्पेंसर लगाए हैं।

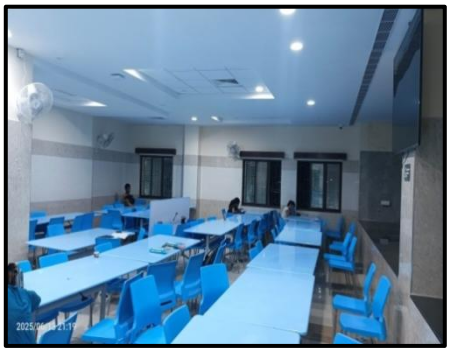
मनोरंजन सुविधा: - मनोरंजन की सुविधा के लिए, हमारे छात्रावास के अंदर टेलीविजन सुविधा वाले कॉमन रूम हैं। छात्रावास परिसर में दो पार्क हैं - एम्स वाटिका और रेनबो पार्क। छात्र इन जगहों का उपयोग जन्मदिन और विभिन्न त्योहारों जैसे समारोहों के लिए करते हैं। शाम के समय, छात्रावास परिसर के विभिन्न कोनों में लगे स्पीकरों के माध्यम से मनमोहक संगीत बजाया जाता है जो इस हरे-भरे परिसर को और भी सुंदर बना देता है।

संगीत क्लब: - ड्रम, गिटार आदि वाद्ययंत्रों के साथ संगीत क्लब की सुविधा उपलब्ध है। यह क्लब छात्रों द्वारा संचालित है। एम्स बीबीनगर, हैदराबाद अपार प्रतिभाओं से भरपूर है और हमेशा पूरी क्षमता के साथ इसका पोषण करता है।

सुरक्षाकर्मी : सभी गर्ल्स और बॉयज़ हॉस्टलों में हर मंजिल पर सुरक्षा गार्ड तैनात हैं। ये गार्ड शिफ्ट-आधारित कार्यसूची का पालन करते हुए चौबीसों घंटे अपनी ड्यूटी निभाते हैं। गर्ल्स फ्लोर पर महिला सुरक्षा गार्ड और बॉयज़ फ्लोर/हॉस्टलों पर पुरुषों के लिए सुरक्षा गार्ड उपलब्ध हैं।





<table>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td> 
</td><td> 
 </td></tr>
<tr><td colspan="2">छात्रावास संबंधी गतिविधियाँ</td></tr>
</table>













छात्रावास परिसर

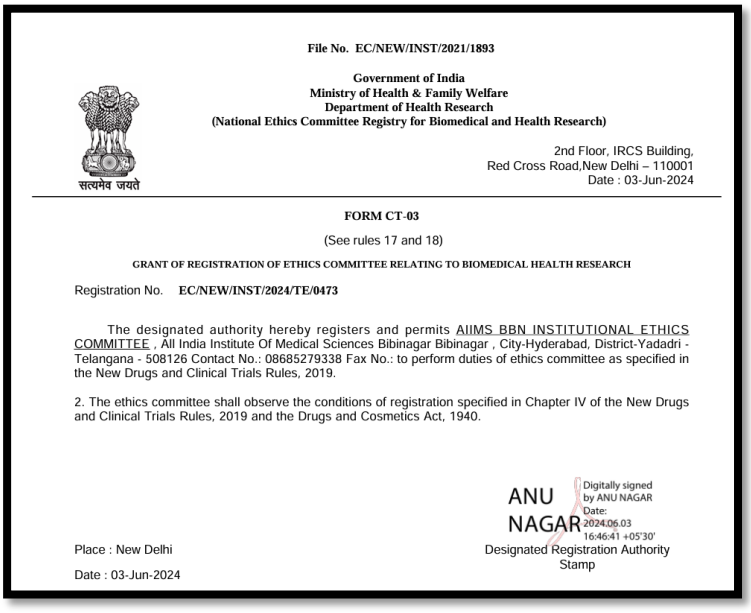
संस्थागत नैतिकता समिति (आईईसी)

मुख्य बिन्दु

स्वास्थ्य सेवा और शैक्षणिक संस्थानों में जैव चिकित्सा अनुसंधान और नैदानिक परीक्षणों की नैतिक निगरानी में एक संस्थागत आचार समिति (आईईसी) महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका प्राथमिक कार्य अनुसंधान प्रतिभागियों के अधिकारों, सम्मान, सुरक्षा और कल्याण की रक्षा करना है। अनुसंधान प्रस्तावों की स्वतंत्र समीक्षा करके, आईईसी यह सुनिश्चित करती है कि अध्ययन पारदर्शिता, प्रतिभागियों की स्वायत्तता के सम्मान और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय नैतिक दिशानिर्देशों के पालन के साथ किए जाएँ। एम्स बीबीनगर में, प्रो. जी. सूर्यनारायण राजू की अध्यक्षता में नवंबर 2020 में स्थापित संस्थागत आचार समिति इसी मिशन को आगे बढ़ा रही है। यह समिति केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और राष्ट्रीय जैव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अनुसंधान आचार समिति रजिस्ट्री (एनईसीआरबीएचआर)-स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) दोनों के साथ पंजीकृत है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय नैतिक दिशानिर्देश 2017, नई औषधि एवं नैदानिक परीक्षण नियम (एनडीसीटीआर) 2019, भारतीय उत्तम नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश (इंडियन-जीसीपी) और आईसीएच-जीसीपी सिद्धांतों के अनुरूप, आईईसी कठोर नैतिक मानकों के साथ अध्ययनों की समीक्षा करता है। अपनी स्थापना के बाद से, एम्स बीबीनगर आईईसी ने 19 बैठकें और अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 4 बैठकें आयोजित की हैं। अब तक कुल 700 शोध प्रस्तावों की समीक्षा की जा चुकी है।

पंजीकरण विवरण

- सीडीएससीओ - पंजीकरण संख्या ईसीआर/1596/इंस्ट/टीजी/2021
- डीएचआर पंजीकरण संख्या - ईसी/न्यू/आईएनएसटी/2024/टीई/0473
  जून 2024 में नेशनल एथिक्स कमेटी रजिस्ट्री फॉर बायोमेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च (एनईसीआरबीएचआर) - स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) से अंतिम प्रमाणन प्राप्त हुआ है ।



File No. EC/NEW/INST/2021/1893

Government of India
Ministry of Health & Family Welfare
Department of Health Research
(National Ethics Committee Registry for Biomedical and Health Research)

सत्यमेव जयते

2nd Floor, IRCS Building,
Red Cross Road,New Delhi – 110001
Date : 03-Jun-2024

FORM CT-03

(See rules 17 and 18)

GRANT OF REGISTRATION OF ETHICS COMMITTEE RELATING TO BIOMEDICAL HEALTH RESEARCH

Registration No. EC/NEW/INST/2024/TE/0473

The designated authority hereby registers and permits AIIMS BBN INSTITUTIONAL ETHICS COMMITTEE , All India Institute Of Medical Sciences Bibinagar Bibinagar , City-Hyderabad, District-Yadadri - Telangana - 508126 Contact No.: 08685279338 Fax No.: to perform duties of ethics committee as specified in the New Drugs and Clinical Trials Rules, 2019.

2. The ethics committee shall observe the conditions of registration specified in Chapter IV of the New Drugs and Clinical Trials Rules, 2019 and the Drugs and Cosmetics Act, 1940.

ANU NAGAR
Digitally signed by ANU NAGAR
Date: 2024.06.03 16:46:41 +05'30'

Place : New Delhi
Date : 03-Jun-2024

Designated Registration Authority
Stamp

2. सदस्य

फरवरी 2024 में आईईसी समिति का विस्तार किया गया और संशोधित समिति संरचना निम्नानुसार है

क्रम सं.	सदस्य का नाम और पदनाम	संबद्धता और पता	आईईसी में भूमिका
1.	प्रो. (डॉ.) जी. सूर्यनारायण राजू	सदस्य, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, पूर्व प्रोफेसर एवं प्रमुख, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, पूर्व डीन (अनुसंधान एवं परियोजनाएँ), एनआईएमएस, पुंजागुट्टा, हैदराबाद। निदेशक, अस्विन्स स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, हैदराबाद।	अध्यक्ष/चिकित्सक
2.	डॉ. माधवी एरिके	अतिरिक्त प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, बीबीनगर	सदस्य सचिव/मूल वैज्ञानिक
3.	डॉ. सीएच राम कृष्ण प्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर, एनेस्थीसिया विभाग, एम्स, बीबीनगर	चिकित्सक
4.	डॉ. नीरज कुमार	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, बीबीनगर	सदस्य- चिकित्सक
5.	डॉ. गोमती आर	एसोसिएट प्रोफेसर, सीएमएफएम विभाग, एम्स, बीबीनगर	वैकल्पिक सदस्य सचिव/सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ
6.	डॉ. माधुरी टी	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, बीबीनगर	सदस्य मूल वैज्ञानिक
7	श्री पद्म राव लक्काराजू	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय अभियोजक संघ सत्या अपार्टमेंट, गोलकुंडा होटल के पास, हैदराबाद	कानून विशेषज्ञ
8.	सुश्री मीता जोशी	सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद	सामाजिक वैज्ञानिक
9.	श्री दुर्गा दास साहा	पूर्व खान सुरक्षा निदेशक, मोगल मैजेस्टिक अपार्टमेंट, एसी गार्ड्स, रेडहिल्स, हैदराबाद-500004, तेलंगाना राज्य	समुदाय का आम व्यक्ति
10	श्रीमती एमवीएल नारायणम्मा	सेवानिवृत्त उप निदेशक, प्रौढ़ शिक्षा, सिंगापुर टाउनशिप, पोचारम, तेलंगाना	सदस्य समुदाय से आम व्यक्ति

3. उपलब्धियाँ

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल 4 बैठकें आयोजित की गईं और IEC को 199 प्रस्ताव प्राप्त हुए। 190 प्रस्तावों में से,

- बाह्य अनुदान प्राप्त परियोजनाएँ -20
- अंतःसंस्थानिक अनुदान – 13
- बाह्य अनुदान के लिए आवेदन किया -27
- आईसीएमआर एसटीएस-17 के लिए आवेदन किया
- प्रायोजित नैदानिक परीक्षण-(आईसीएमआर)-1
- गैर-वित्तपोषित परियोजनाएँ-55
- पीजी शोध प्रबंध -57

प्रत्येक बैठक में आयोजित बैठकों और समीक्षा किए गए प्रस्तावों का विवरण निम्नानुसार है

क्रम सं.	**बैठक संख्या**	**बैठक की तिथि**	**समीक्षा किए गए प्रस्तावों की संख्या**
1.	15 वीं आईईसी बैठक	15 मई 2024	52
2.	16 वीं आईईसी बैठक	10 अगस्त 2024	56
3.	17 वीं आईईसी बैठक	9 नवंबर 2024	27
4.	18 वीं आईईसी बैठक	7 और 8 फरवरी 2025	55
5.	समीक्षा से छूट		9
कुल			**199**



वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025 के लिए 18 वीं आईईसी बैठक

चिकित्सा शिक्षा समिति

फीडबैक मूल्यांकन के लिए टीम

1. **मुख्य बिन्दु**

छात्रों से **"फीडबैक का आकलन" करने** का कार्य दिया गया है । एमईयू फीडबैक फॉर्म एमबीबीएस छात्रों को उनके पेशेवर वर्ष के अंत में, यानी एक पेशेवर वर्ष पूरा करने के बाद दिए जाने हैं। तदनुसार, एमबीबीएस 2023 और 2021 बैचों के लिए फीडबैक गतिविधि आयोजित की गई, जिन्होंने क्रमशः अपना पहला और दूसरा पेशेवर वर्ष पास किया। गतिविधि के लिए तिथि, समय और स्थान तय किया गया था और 2023 और 2021 बैच के सभी छात्रों को पहले से सूचित किया गया था और यह क्रमशः 1 नवंबर 2024 और 25 जुलाई 2024 को आयोजित किया गया था। सही प्रतिक्रिया देने के महत्व के बारे में टीम के सदस्य द्वारा छात्रों को प्रारंभिक ब्रीफिंग दी गई थी। प्रशासन का तरीका Google फ़ॉर्म के माध्यम से था। टीम द्वारा गूगल पाई आरेखों की वर्ड फॉर्मेट शीट तैयार की गईं और टीम की रिपोर्ट के साथ रजिस्ट्रार और डीन कार्यालय को अवलोकनार्थ प्रस्तुत की गईं। - हमारी टीम द्वारा **छात्रों के फीडबैक** फॉर्म का विश्लेषण किया गया और 2023 बैच के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया गया **:**

1. एनाटॉमी के लिए 97, बायोकेमिस्ट्री के लिए 99 और शरीर क्रिया विज्ञान विभागों के लिए 97 प्रतिक्रियाएं थीं।

2. लगभग सभी छात्र इस बात से सहमत हैं कि सभी विभागों द्वारा शिक्षण कार्यक्रम का पालन किया गया और परीक्षाएँ समय पर आयोजित की गईं। वे इस बात से भी सहमत हैं कि शिक्षण कार्यक्रम और परीक्षा के भाग पहले से ही संबंधित सूचना पट्टों पर प्रदर्शित कर दिए गए थे और छात्रों को इसके बारे में अवगत करा दिया गया था।

3. सभी विभागों ने रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं आयोजित कीं और सैद्धांतिक और व्यावहारिक परीक्षाएं संतोषजनक ढंग से आयोजित की गईं।

4. संकाय सभी छात्रों के लिए उनकी शंकाओं और प्रश्नों को स्पष्ट करने के लिए उपलब्ध और सुलभ है।

5.विभाग छात्रों को सूचित कर सकते हैं कि वे अंक सूची प्रदर्शित होने के बाद नोटिस बोर्ड अवश्य देखें।

6.प्रथम वर्ष के तीनों विभागों का फीडबैक बहुत अच्छा था।

छात्रों के फीडबैक फॉर्म का विश्लेषण किया गया और **2021 बैच के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया गया:**

1. माइक्रोबायोलॉजी विभाग के लिए 88 विद्यार्थियों ने फीडबैक फॉर्म भरा, पैथोलॉजी के लिए 87 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा, फार्माकोलॉजी विभाग के लिए 86 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा, तथा फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के लिए 89 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा।
2. लगभग सभी छात्र इस बात से सहमत हैं कि सभी विभागों द्वारा शिक्षण कार्यक्रम का पालन किया गया और परीक्षाएँ समय पर आयोजित की गईं। वे इस बात से भी सहमत हैं कि शिक्षण

कार्यक्रम और परीक्षा के भाग पहले से ही संबंधित सूचना पट्टों पर प्रदर्शित कर दिए गए थे और छात्रों को इसके बारे में अवगत करा दिया गया था।

3. सभी विभागों ने रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं आयोजित कीं तथा सैद्धांतिक और व्यावहारिक परीक्षाएं संतोषजनक ढंग से आयोजित की गईं।

4. संकाय सभी विद्यार्थियों के लिए उनकी शंकाओं और प्रश्नों के समाधान हेतु उपलब्ध और सुलभ है।

5. विभाग छात्रों को सूचित कर सकते हैं कि वे अंक सूची प्रदर्शित होने के बाद नोटिस बोर्ड अवश्य देखें।

6. सामान्यतः द्वितीय व्यावसायिक वर्ष के विभागों के लिए छात्रों की प्रतिक्रिया बहुत अच्छी है।

2. सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. शैलजा प्रभाला	टीम लीडर / सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन
डॉ. प्रशांत माडा	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
डॉ. सीतू पालो	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन
डॉ. पराग पाटिल	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन

3. उपलब्धियां और प्रमुख कार्यक्रम

शिक्षण और अधिगम गतिविधियों के लिए तीनों बैचों के विद्यार्थियों से " **प्रतिक्रिया का आकलन"** की निर्धारित गतिविधि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम

1. मुख्य बिन्दु

एम्स बीबीनगर में एमबीबीएस छात्रों के लिए मेंटरिंग गतिविधियों की योजना बनाने के लिए छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम समिति का गठन किया गया था। छात्र मेंटरिंग कार्यक्रम जनवरी 2021 में एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच, यानी 2019 बैच के साथ शुरू हुआ। वर्तमान में चार एमबीबीएस बैच हैं, यानी 2021, 2022, 2023 और 2024 बैच। यह कार्यक्रम छात्रों के साथ-साथ संकाय के लिए भी स्वैच्छिक है। सभी बैचों के सभी छात्र इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए सहमत हुए हैं। संकाय के लिए, एक स्व-मूल्यांकन फॉर्म दिया गया था और वर्तमान में 48 संकाय स्वैच्छिक संरक्षक हैं। चूंकि 2020 एमबीबीएस बैच इंटर्नशिप में है, इसलिए इंटर्न को अपने मेंटर से मिलना है। शेष चार बैचों को ध्यान में रखते हुए लगभग 400 छात्र हैं मेंटर्स और मेंटीज़ को नियमित रूप से मिलने और यदि व्यक्तिगत रूप से मिलना संभव न हो, तो एक-दूसरे के संपर्क में रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। सेमेस्टर के अनुसार, हर गुरुवार या तीसरे शुक्रवार को मासिक एक घंटा मेंटर-मेंटी के बीच बातचीत के लिए समर्पित होता है। बेहतर समन्वय के लिए समिति में एमबीबीएस के तीनों व्यावसायिक वर्षों के संकाय सदस्य शामिल हैं।

2. सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग

डॉ. शैलजा प्रभाला	अध्यक्ष	अतिरिक्त प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग
डॉ. श्यामला आर	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग
डॉ. राजा सुंदरमूर्ति	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग
डॉ. साईकृष्ण टिक्का	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर और प्रभारी प्रमुख, मनोचिकित्सा विभाग
डॉ. रोहिणी मोटवानी	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर रचना विभाग

3. उपलब्धियां और प्रमुख कार्यक्रम

- वर्ष 2024-2025 में, एमबीबीएस 2024 बैच के लिए मेंटर-मेंटी पेयरिंग सूची तैयार कर प्रसारित की गई।
- समिति के सदस्य ने प्रत्येक बैच के फाउंडेशन कोर्स के दौरान प्रस्तुतियाँ दीं और छात्रों को छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम की अवधारणा से परिचित कराया। 2024 एमबीबीएस बैच के लिए प्रस्तुत विषय थे: "एम्स बीबीनगर में छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम", "दुनिया भर में मेडिकल ग्रेजुएट मेंटरशिप: एक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य"।



2024 एमबीबीएस बैच के लिए फाउंडेशन कोर्स में शामिल विषय का शीर्षक

एमईयू-1

चिकित्सा शिक्षा इकाई के सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताडी	टीम लीडर	अतिरिक्त प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी।
डॉ. रोहिणी मोटवानी	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, एनाटॉमी.
डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी।
डॉ. आशुतोष	सदस्य	सहायक प्रोफेसर, पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन।

एम्स बीबीनगर में चिकित्सा शिक्षा इकाई (एमईयू) की टीम एमईयू-1 ने 24 मार्च से 28 मार्च, 2025 तक स्वास्थ्य पेशेवरों के शिक्षकों के लिए शैक्षिक विज्ञान पर 5 दिवसीय राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
कार्यक्रम में एम्स बीबीनगर के विभिन्न विभागों के 30 संकाय सदस्य ने सक्रिय भागीदारी की, जिन्होंने पाँच दिनों तक पूरे मनोयोग से भाग लिया, जिससे शिक्षण पद्धतियों को बेहतर बनाने के

प्रति उनकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। सत्रों में शिक्षण और अधिगम दोनों के अनुभवों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शैक्षिक गतिविधियाँ शामिल थीं। इन गतिविधियों में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई), विशिष्ट शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति, छोटे समूह शिक्षण, बड़े समूह चर्चाएँ, अपरंपरागत शिक्षण अनुभव, एईटीसीओएम, शिक्षण के लिए डिजिटल उपकरण, प्रारंभिक नैदानिक अनुभव, सूक्ष्म शिक्षण, आदि शामिल थे। प्रत्येक सत्र के बाद प्रभावी प्रतिक्रिया चर्चाएँ हुईं।

[28] मार्च, 2025 को दोपहर के भोजन के बाद आयोजित समापन कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक ने समापन भाषण दिया, जिसमें उन्होंने पाठ्यक्रम के सकारात्मक प्रभाव पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण भाग लेने वाले संकाय सदस्य के शिक्षण दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण रूप से उन्नत करेगा, जिससे अंततः छात्रों की शिक्षा को लाभ होगा ।



समुह -II

फाउंडेशन कोर्स और अभिविन्यास कार्यक्रम

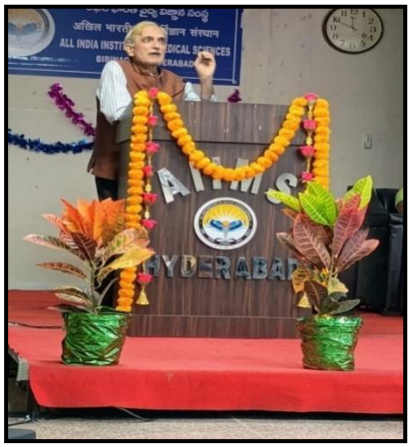
फाउंडेशन कोर्स और अभिविन्यास कार्यक्रम समिति के सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. गुणवंती राठौड़	नोडल अधिकारी	अतिरिक्त प्रोफेसर पैथोलॉजी विभाग
डॉ. कल्पना	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
डॉ. मधुसूदन यू	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
डॉ. मधुसूदन	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, बाल चिकित्सा विभाग
डॉ. नीमूहागे	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, ईएनटी विभाग
डॉ. नैना	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, सर्जरी विभाग
डॉ. रोहित सलूजा	सदस्य	एसोसिएट प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग
डॉ. सुप्रिया	सदस्य	अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

एमबीबीएस 2024 बैच के लिए फाउंडेशन कोर्स और अभिविन्यास कार्यक्रम

30.09.2024 को उद्घाटन किया गया और 7.10.2024 तक जारी रहा। विशेष अवसर का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. महापात्रा सर, कुलपति, SUM संस्थान, SOA, विश्वविद्यालय ओडिशा ने किया। सत्र में एम्स, बीबीनगर, हैदराबाद के अध्यक्ष, सम्मानित प्रोफेसर डॉ. जॉर्ज ए. डिसूजा, संस्थान के दूरदर्शी निदेशक, प्रो. डॉ. विकास भाटिया, चिकित्सा अधीक्षक, प्रो. डॉ. अभिषेक अरोड़ा, डीन अकादमिक, प्रो. डॉ. राहुल नारंग और अभिविन्यास और फाउंडेशन कोर्स समिति की पूरी टीम ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एम्स, बीबीनगर की विभिन्न समितियों और संकाय सदस्य द्वारा विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए जिनमें संगीत, मूवी और डांस क्लब की गतिविधियाँ, AETCOM सत्र, नेतृत्व कौशल, टीम वर्क, एम्स में खेल, हमारा परिसर हरा-भरा परिसर, संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा प्री-क्लिनिकल, पैरा क्लिनिकल और क्लिनिकल विभागों का परिचय छात्रों ने "कान्हा शांतिवनम" का भी दौरा किया जो हैदराबाद का लोकप्रिय योग और तनाव प्रबंधन केंद्र है।

इस यात्रा के बाद सभी छात्र बहुत खुश थे। फाउंडेशन कोर्स के विभिन्न सत्रों ने भारतीय संस्कृति और विरासत की समृद्धि और विविधता का एक विहंगम दृश्य प्रस्तुत किया और छात्रों को अपने बैचमेट्स की रुचियों और प्रतिभाओं से परिचित होने में भी मदद की। छात्रों ने एक समूह गतिविधि में भी भाग लिया जिसमें उन्होंने 'एक चिकित्सक के रूप में मेरा सपना' पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने अपने जीवन की एक नई यात्रा शुरू करने के प्रति उत्साह और उमंग व्यक्त की। सभी छात्रों ने उत्कृष्ट प्रतिक्रिया दी कि फाउंडेशन कोर्स उनके लिए अपने साथियों के साथ अच्छे संबंध बनाने, विभिन्न संकाय सदस्य के साथ बातचीत करने और मेडिकल कॉलेज के वातावरण के सभी पहलुओं से परिचित होने में बहुत मददगार रहा।





एमबीबीएस 2023 बैच का अभिविन्यास कार्यक्रम

एम्स, बीबीनगर की चिकित्सा शिक्षा इकाई की फाउंडेशन कोर्स एवं अभिविन्यास कार्यक्रम समिति द्वारा 9 से 13 सितंबर 2024 तक एमबीबीएस 2023 बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य विषयों में अस्पताल के शिष्टाचार और विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा क्लिनिकल पोस्टिंग की विस्तृत जानकारी, व्यावहारिक और सैद्धांतिक परीक्षा पैटर्न के साथ एमबीबीएस के दूसरे विषयों का परिचय, मरीजों के साथ संवाद के महत्व पर एटीकॉम सत्र और मरीजों व उनके परिजनों के साथ उचित व्यवहार सीखने पर चर्चा शामिल थी। इसके अलावा, शैक्षिक फिल्म, तनाव प्रबंधन, अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग और छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता पर भी सत्र आयोजित किए गए। कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया ने पुरस्कार वितरण के दौरान भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं का उत्साहवर्धन किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। अभिविन्यास कार्यक्रम पर उत्कृष्ट प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं।









01.01.2025 को एम्स, बीबीनगर में इंटर्न के दूसरे बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

एम्स बीबीनगर ने प्रशिक्षुओं के दूसरे बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अभिविन्यास का उद्घाटन एम्स बीबीनगर के कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया ने किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं के नए बैच का स्वागत किया और चिकित्सा पेशे में समर्पण, करुणा और नैतिकता के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संस्थान द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने और स्वास्थ्य सेवाओं की उन्नति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन भाषण के बाद, अकादमिक डीन डॉ. राहुल नारंग ने प्रशिक्षुओं के आगे के शैक्षणिक सफर का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अभिषेक अरोड़ा ने रोगी देखभाल के महत्व, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की ज़िम्मेदारी और अस्पताल के दैनिक संचालन में आने वाली चुनौतियों पर बात की। उन्होंने अनुशासन, बारीकियों पर ध्यान और टीम वर्क की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जो अस्पताल के सुचारू संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं। रजिस्ट्रार डॉ. अपर्णा वर्मा ने प्रशिक्षुओं को अपनी शुभकामनाएँ दीं और इंटर्नशिप के प्रशासनिक और प्रक्रियात्मक पहलुओं पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने आचार संहिता, मूल्यांकन प्रक्रिया और एक अनुकूल शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध संसाधनों पर विस्तार से चर्चा की। अभिमुखीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य नए प्रशिक्षुओं को संस्थागत नीतियों, शैक्षणिक ढाँचे और उनके द्वारा निभाई जाने वाली नैदानिक ज़िम्मेदारियों से परिचित कराना था।





समूह III: एकीकृत शिक्षण का सारांश:

दवा

फोरेंसिक चिकित्सा और विष विज्ञान

क्रम सं.	तारीख	विषय	शामिल विभाग	प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ	छात्र भागीदारी और प्रतिक्रिया	चुनौतियाँ और सुझाव
1	10.02.2024	लौह की कमी से होने वाला एनीमिया.	1.सामान्य चिकित्सा 2. पैथोलॉजी 3.शरीर क्रिया विज्ञान	छोटे समूह चर्चाएँ, पावर पॉइंट चित्र, स्लाइड	बैच – 2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए	प्री-क्लिनिकल, पैरा-क्लिनिकल और क्लिनिकल विषयों के बीच पाठ्यक्रम को समन्वित करने में कठिनाई। प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण उपकरण (जैसे सिमुलेशन-आधारित शिक्षण और केस-आधारित चर्चा) प्रस्तुत करना छात्रों से नियमित फीडबैक को प्रोत्साहित करना।
2	09.03.2024	झटका	2. औषध सामान्य दवा	छोटे समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	बैच – 2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए	
3	13.04.2024	फेफड़े का क्षयरोग	1. सामान्य चिकित्सा 2. सूक्ष्म जीव विज्ञान 3. फार्माकोलॉजी 4. सीएमएफएम	पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड, छोटे समूह चर्चा।	बैच – 2022, प्रश्न पूछे गए और उन्होंने अच्छी प्रतिक्रिया दी।	
4	27.04.2024	हृद्पेशीय रोधगलन	1. सामान्य चिकित्सा 2. जैव रसायन	छोटे समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	बैच - 2023, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए।	
5	08.06.2024	हृद्पेशीय रोधगलन	1. सामान्य चिकित्सा 2. जैव रसायन 3. पैथोलॉजी	छोटे समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	बैच - 2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए।	
6	10.08.2024	मलेरिया	1. सामान्य चिकित्सा 2. सूक्ष्म जीव विज्ञान 3. फार्माकोलॉजी 4. सामुदायिक चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा	छोटे समूह चर्चा, पावर प्वाइंट चित्र और स्लाइड।	बैच - 2022, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए।	

क्रम सं.	तारीख	विषय	शामिल विभाग	प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ	छात्र भागीदारी और प्रतिक्रिया	चुनौतियाँ और सुझाव
1		**पदार्थ उपयोग विकार** 1.पहचान और प्रबंधन 2. पदार्थ उपयोग विकारों के उपचार में प्रयुक्त दवाओं का औषध विज्ञान 3. पदार्थ उपयोग विकारों के फोरेंसिक पहलू	1.मनोचिकित्सा विभाग 2. फार्माकोलॉजी विभाग 3. फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान विभाग	**व्याख्यान-आधारित शिक्षण:** संबंधित विभागों के संकाय सदस्य द्वारा प्रस्तुत, पदार्थ उपयोग विकारों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं को कवर किया गया।	शून्य सत्र में केवल 11 छात्र उपस्थित थे	एकीकृत शिक्षण सत्र वर्तमान में शनिवार को आयोजित किए जाते हैं, क्योंकि सप्ताहांत होने के कारण अक्सर छात्रों की उपस्थिति कम होती है। अधिकतम भागीदारी और सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, इन सत्रों को कार्यदिवस पर पुनर्निर्धारित करने पर विचार करें। इसके अतिरिक्त, सत्रों को इस तरह से निर्धारित किया जाना चाहिए कि उन्हें अवकाश/छुट्टियों के तुरंत पहले या बाद में आयोजित न किया जाए, क्योंकि इससे उपस्थिति और प्रभावशीलता पर और अधिक प्रभाव पड़ सकता है।

भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास

क्रम सं.	तारीख	विषय	शामिल विभाग	प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ	छात्र भागीदारी और प्रतिक्रिया	
	26/10/2024	स्ट्रोक रोगी का प्रबंधन (स्ट्रोक जागरूकता दिवस के अवसर पर)	न्यूरोलॉजी, पीएम आर, बाल चिकित्सा, रेडी ई ओलॉजी	छात्रों को पाँच समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह ने पुनर्वास सहित स्ट्रोक के विभिन्न विषयों पर अपने मामले प्रस्तुत किए। बाद में, उस विषय पर सभी के बीच चर्चा हुई।	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	

सामुदायिक चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा

3.	20/07/2024	e. तंबाकू के उपयोग का बोझ f. ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस और तंबाकू	सीएमए फएम, ईएनटी और मनोचिकित्सा विभाग	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	-	चूँकि उसी दिन अतिथि व्याख्यान भी था, कुछ छात्र एकीकृत शिक्षण गतिविधि में शामिल नहीं हो सके और आयोजकों की ओर से भी छात्रों को अतिथि व्याख्यान के लिए भेजने के	

		g. निकोटीन की लत और तंबाकू की लत से मुक्ति h. एमपावर और कोटपा		का उपयोग करके व्याख्यान		लिए लगातार फ़ोन आ रहे थे। इसलिए हमें जल्दी से काम पूरा करना पड़ा।
4.	19/10/2024 6 वें और 7 वें सेमेस्टर एमबीबीएस	e. एचआईवी/एड्स की महामारी विज्ञान और नैदानिक विशेषताएं f. एड्स का निदान और परीक्षण g. एचआईवी प्रबंधन, नई दवाएं और इससे संबंधित चुनौतियाँ h. राष्ट्रीय कार्यक्रम और आगे का रास्ता।	सीएमए फएम, माइक्रोबायोलॉजी और फार्माकोलॉजी विभाग	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान		शून्य.

ईएनटी						
	23/11/1024	थायरॉइड विकार और थायरॉइड नोड्यूल का प्रबंधन	ईएनटी, एनाटॉमी और शरीर क्रिया विज्ञान विभाग		-	-

प्रसूति एवं स्त्री रोग						
क्रम सं.	**तारीख**	**कवर किए गए विषय**	**शामिल विभाग**	**प्रयुक्त शिक्षण विधियाँ**	**छात्र प्रतिक्रिया और भागीदारी**	
4.	12-03-2024	गर्भाशय और डिम्बग्रंथि ट्यूमर मामलों में एमआरआई निष्कर्ष और क्लिनिक रोग संबंधी मूल्यांकन (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ रेडी ई ओलॉजी	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
5.	15-03-2025	पैप-स्मीयर आँकड़े जनवरी-जून 2023 (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी	पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
6.	09-04-2024 (सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक)	प्रसूति एवं स्त्री रोग में चिकित्सा संबंधी कानूनी पहलू	प्रसूति एवं स्त्री रोग और फोरेंसि	पैनल चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करते हुए व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	

			क चिकित्सा			
11.	14-06-2024	नवजात रोग विशेषज्ञ द्वारा नवजात पुनर्जीवन (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ नवजात विज्ञान	पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
12.	19-07-2024	अंतर-विभागीय बैठक (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी /रेडी ई ओलॉजी	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
13.	30-08-2024	क्लिनिको पैथोलॉजिकल मीट (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी	पावरपॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
14.	20-09-2024	कार्सिनोमा वल्वा9 (अंतरविभागीय बैठक)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी रेडी ई ओ-ऑन्कोलॉजी/ रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
15.	18-10-2024	सीपीसी (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी रेडी ई ओ-ऑन्कोलॉजी/ रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
16.	22-11-2024	एंडोमेट्रियोइड कार्सिनोमा (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी/ रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
17.	20-12-2024	एंडोमेट्रियल इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया पर केस	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	

		सीरीज़ (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)				
18.	17-01-2025	सीपीसी (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी/ रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
19.	21-02-2025	चरण IVB डिम्बग्रंथि दुर्दमता का मामला (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी रेडी ई ओ-ऑन्कोलॉजी/ रेडी ई ओलॉजी	केस चर्चा, पावरपॉइंट का उपयोग करके व्याख्यान, वीडी ई ओ और समूह चर्चा	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	
20.	21-03-2025	कैंसर बोर्ड की बैठक (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए)	ओबी जीवाई/ पैथोलॉजी/ रेडी ई ओलॉजी/	पावर-पॉइंट, वीडी ई ओ और समूह चर्चा का उपयोग करके व्याख्यान	छात्रों की बहुत अच्छी भागीदारी	

पैथोलॉजी एनएडी प्रयोगशाला चिकित्सा						
4.	10-02-2024, बैच: एमबीबीएस 2022	आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया	पैथोलॉजी/शरीर क्रिया विज्ञान और सामान्य चिकित्सा	-	-	-
5.	08-06-2024 एमबीबीएस 2022	हृद्पेशीय रोधगलन	जैव रसायन, पैथोलॉजी और प्रयोगशाला चिकित्सा और सामान्य चिकित्सा।	-	-	-
6.	09-11-2024 एमबीबीएस 2022	गैस्ट्रिक कैंसर	पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन और जनरल सर्जरी।	-	-	-

एमईयू टीम 5 (आईसीटी (कृत्रिम बुद्धिमता सहित)

क्र.सं.	**नाम**	**पद का नाम**
1	डॉ. राधिका एस	टीम लीडर
2	डॉ. अपर्णा वर्मा	सदस्य
3	डॉ. सीटो पालो	सदस्य
4	डॉ. मधुलता कर्रा	सदस्य

टीम ने 11/12/2024 को आयोजित बैठक में वर्ष 2025 के लिए कार्य योजना तैयार की थी।

गैर-नैदानिक और नैदानिक विभागों के लिए यूजी गतिविधियों की पहचान की गई, जिनमें शामिल हैं

1) प्रयोगशाला रिपोर्ट अपलोड करने और सत्यापन का प्रदर्शन
2) एचएमआईएस में रिपोर्ट अपलोड करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण
3) एचएमआईएस में ई-प्रिस्क्रिप्शन का ईएमआर बनाने का प्रदर्शन
4) ईएमआर बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण
5) एचएमआईएस पोर्टल पर जनगणना तैयार करने का प्रदर्शन
6) कंप्यूटर सहायता प्राप्त शिक्षा
7) डेटाबेस में ADRs अपलोड करने का प्रदर्शन
8) एआई अवधारणाओं और अनुप्रयोगों का परिचय
9) ई-संजीवनी पर टेली-परामर्श का प्रदर्शन
10) एचएमआईएस आईडी निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण
11) संदर्भ तंत्र

विभागाध्यक्षों से एक संकाय को समन्वयक के रूप में नामित करने का अनुरोध किया गया। सुझाई गई कार्ययोजना पर काम करने के लिए प्रथम एमबीबीएस, द्वितीय एमबीबीएस और अंतिम एमबीबीएस यूजी प्रशिक्षण में शामिल अधिकांश विभागों के समन्वयकों का चयन कर ली गई है।

राजभाषा समिति

1. मुख्य अंश :

- संस्थान के आधिकारिक दस्तावेजों को द्विभाषी बनाना।
- मंत्रालय के साथ पत्राचार का हिंदी में अनुवाद करना।
- संस्थान के विभिन्न विभागों को हिंदी संबंधी सहायता प्रदान करना।
- वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी में अनुवाद करना।

2. समिति के सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
प्रो. (डॉ.) विकास भाटिया	संरक्षक	कार्यकारी निदेशक
डॉ. प्रग्नेश परमार	अध्यक्ष	फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
डॉ. अभिमन्यु शर्मा	नोडल अधिकारी	विकृति विज्ञान
डॉ. रोहित सलूजा	अतिरिक्त नोडल अधिकारी	जीव रसायन
डॉ. अभिषेक अरोड़ा	सदस्य	रेडी ई ओडायगनोसिस
डॉ. आशुतोष रथ	सदस्य	विकृति विज्ञान
सुश्री निकिता सिंह	सदस्य	नर्सिंग अधिकारी
श्री सुकेश कुमार	जूनियर हिंदी अनुवादक	राजभाषा समिति
श्री दीप यादव	हिंदी आशुलिपिक	राजभाषा समिति

समिति के प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां: -

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बीबीनगर की राजभाषा समिति ने इस वर्ष से 30 14सितम्बर तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया।









17सितंबर :2024हिंदी दिवस - हिंदी दिवस का उद्घाटन

हिंदी दिवस समारोह और हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन 17सितंबर को 2024एम्स बीबीनगर, हैदराबाद में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि **, श्रीमती अनीता पांडे, सदस्यसचिव, (नराकस -2), (राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान) ने** राजभाषा के रूप में हिंदी पर व्याख्यान दिया।









24सितंबर - 2024 शब्दावली और अंताक्षरी प्रतियोगिता

अंताक्षरी एवं रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को हिंदी विभाग के अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्य को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।









30सितंबर 2024 – सुर संगम प्रतियोगिता (गायन प्रतिभा)

विभिन्न विभाग

एनेस्थिसियोलॉजी विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग ने पूरे शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 तक व्यापक रोगी देखभाल, शैक्षणिक प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना जारी रखा है। हमारी नैदानिक सेवाओं में आंतरिक और बाह्य रोगी देखभाल, दोनों शामिल हैं, जिसमें पेरिऑपरेटिव देखभाल भी शामिल है। एनेस्थीसिया प्रबंधन, तीव्र और पुरानी दर्द सेवाएं, महत्वपूर्ण देखभाल प्रबंधन, टेलीमेडिसिन परामर्श (ईसंजीवनी) और आपातकालीन एनेस्थेटिक कवरेज। आउट-पेशेंट के मोर्चे पर, हम प्री- एनेस्थेटिक मूल्यांकन, पुराने दर्द प्रबंधन, उपशामक देखभाल, कोविड के बाद रिकवरी क्लीनिक और महत्वपूर्ण देखभाल अनुवर्ती सेवाएं प्रदान करते हैं। ऑक्सीजन सेल और केंद्रीय बाँझ सेवा विभाग (सीएसएसडी) की देखरेख के लिए जिम्मेदार। चार पूरी तरह कार्यात्मक ऑपरेशन थिएटर (ओटी) ने 3,565 सर्जिकल प्रक्रियाओं के लिए पेरीऑपरेटिव देखभाल प्रदान की जिसमें 1135 मरीज (क्षेत्रीय एनेस्थीसिया), 876 (सामान्य एनेस्थीसिया) और 1554 मॉनिटर किए गए एनेस्थीसिया देखभाल (एमएसी) शामिल हैं। स्थानीय एनेस्थीसिया के तहत की जाने वाली सर्जिकल प्रक्रियाओं

के लिए आपातकालीन एनेस्थीसिया बैकअप , सर्जिकल टीमों को निर्बाध समर्थन सुनिश्चित करता उन्नत प्रक्रियाएँ जैसे कि कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों के लिए फाइबर -ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी (एफओबी)-निर्देशित इंटुबैशन, आक्रामक हेमोडायनामिक निगरानी, अल्ट्रासाउंड-निर्देशित क्षेत्रीय ब्लॉक, पेरिऑपरेटिव इकोकार्डियोग्राफी, और उच्च वक्षीय एपिड्यूरल एनेस्थीसिया । बहु-विषयक रणनीति, दर्द निवारक क्लिनिक, ई- संजीवनी -टेलीमेडिसिन, सी-आर्म या अल्ट्रासाउंड-निर्देशित इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं के माध्यम से शल्य-क्रिया के बाद के दर्द का प्रबंधन किया जाता है। शैक्षणिक रूप से, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, प्रशिक्षुओं, एनेस्थीसिया तकनीशियनों और नर्सों के प्रशिक्षण में संलग्न। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के विभिन्न संवर्गों के लिए दो कार्यशालाओं - सीएसएसडी: नसबंदी प्रक्रिया और संक्रमण नियंत्रण पर एक नज़र" और "बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) " का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

2. संकाय

 **डॉ. एस. कल्याणी एसडीएल** अतिरिक्त प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष	 **डॉ. अय्या श्याम सुंदर** अतिरिक्त प्राध्यापक	 **डॉ. चौ. रामकृष्ण प्रसाद** सह - प्राध्यापक	 **डॉ. गैरे संदीप** सह - प्राध्यापक	 **डॉ. ए. चैतन्य प्रत्युषा** सहायक प्रोफेसर

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	लैब तकनीशियन	स्टाफ नर्स	अन्य
05	14	4 कर्मचारी 8 छात्र	71	एनेस्थीसिया तकनीशियन – 3; सीएसएसडी तकनीशियन -1; डीईओ – 1, अटेंडेंट -3; ओटी हाउसकीपिंग -8; आईसीयू अटेंडेंट - 1, आईसीयू हाउसकीपिंग -6

4.शैक्षणिक

4.1. शिक्षण-अधिगम विधियाँ

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य गतिविधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	11 घंटे	180 घंटे	बेडसाइड शिक्षण, बीएलएस प्रशिक्षण
प्रशिक्षण	4 घंटे/सप्ताह	40 घंटे/सप्ताह	बिस्तर के पास पढ़ाना, रात्रिकालीन ड्यूटी
पीजी	4 घंटे/ सप्ताह	40 घंटे/सप्ताह	समस्या आधारित शिक्षण चर्चाएँ, बिस्तर के पास शिक्षण, रात्रिकालीन ड्यूटी, आपातकालीन ड्यूटी, कार्यशालाएँ
बी.एससी. ओटी तकनीशियन	3-4 घंटे/सप्ताह	40 घंटे/ सप्ताह	ओटी टेबल साइड शिक्षण
नर्सिंग	24 घंटे	300 घंटे	

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 27

ii. संगठित: 02

क्र.सं.	विषय	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
1	सीएसएसडी - नसबंदी प्रक्रिया और संक्रमण नियंत्रण पर एक नज़र	27 अप्रैल 2024	122
2	बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) कार्यशाला	1 मार्च 2025	32

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता:

डॉ. एस. कल्याणी सूर्या धाना लक्ष्मी (6); डॉ. ए. श्यामा सुंदर (9);
डॉ. चौ. रामकृष्ण प्रसाद (7); डॉ. गैरे संदीप (6); डॉ. ए. चैतन्य प्रत्यूषा (2)

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 1

4.4. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. ए. श्यामा सुंदर	a) 28 अप्रैल 2024 को सर्वसम्मति से एसोसिएशन ऑफ कार्डियक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (एसीए), तेलंगाना और आंध्र प्रदेश चैप्टर के महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया। b) 7 जून 2024 को आयोजित आम सभा की बैठक के दौरान सर्वसम्मति से सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन (एसएसपी), तेलंगाना चैप्टर के कार्यकारी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
डॉ. चौ. रामकृष्ण प्रसाद	a) GARC 2025 में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में **प्रथम पुरस्कार जीतने** वाले एक MD छात्र को बाल चिकित्सा कर्ण पुनर्निर्माण के लिए दर्द प्रबंधन रणनीतियों पर मार्गदर्शन दिया : एक केस श्रृंखला

4. उपलब्ध सुविधाएं

➢ विशेष क्लीनिक/प्रयोगशालाएँ: ऑपरेशन थियेटर सेवाएँ, प्री-एनेस्थेटिक चेक-अप क्लिनिक

➢ पोस्ट ऑपरेटिव रिकवरी यूनिट, दर्द निवारक और उपशामक देखभाल क्लिनिक

➢ गहन चिकित्सा इकाई, पोस्ट कोविड क्लिनिक, पेरी -ऑपरेटिव इकोकार्डियोग्राफी

5. अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन:** 5 (**पब मेड अनुक्रमित पत्रिकाएँ**: 2; मूल लेख: 2)
- **अनुसंधान परियोजनाएँ :** 25 (पीआई और सह-पीआई के रूप में)

6. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	रोगियों की संख्या

सामान्य संज्ञाहरण	876
क्षेत्रीय या तंत्रिकाक्षीय संज्ञाहरण	1135
निगरानीयुक्त एनेस्थीसिया देखभाल/स्थानीय एनेस्थीसिया	1554
प्री एनेस्थेटिक क्लिनिक	4725
गहन देखभाल इकाई/ संज्ञाहरण के बाद देखभाल	535/2630
दर्द क्लिनिक	193
दर्द प्रक्रियाएं	32

7. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

<table>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>कार्यशाला “सीएसएसडी- नसबंदी प्रक्रिया और संक्रमण नियंत्रण पर एक नज़र” 27 अप्रैल 2024 को आयोजित की गई जिसमें विभाग के संकाय, एसआर, जेआर और नर्सिंग अधिकारियों ने भाग लिया</td><td>17 दिसंबर 2024 को एम्स बीबीनगर में डॉ. (प्रो.) विकास भाटिया द्वारा चौथे ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन</td></tr>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>01-03-2025 को बेसिक लाइफ सपोर्ट पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें संकाय, एसआर, जेआर, नर्सिंग अधिकारी और तकनीशियनों ने भाग लिया</td><td>ऑपरेशन थियेटर में दो उच्च स्तरीय एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन प्राप्त हुए</td></tr>
</table>

शरीर रचना विज्ञान विभाग

1. मुख्य बिन्दु:

एनाटॉमी विभाग में आधुनिक शैक्षणिक रणनीतियों **के लिए अभिनव शिक्षण प्रथाओं के साथ एक बहु-विषयक दृष्टिकोण है** जो अकादमिक को बढ़ाने के लिए है। बड़े प्रदर्शन, संरचित विच्छेदन अनुसूची और 3 डी शारीरिक मॉडल के लिए अनुसंधान माइक्रोस्कोप का उपयोग करके डिजिटल हिस्टोलॉजी का उपयोग बहु-संवेदी शिक्षण सुनिश्चित करता है। एनाटॉमी-थीम वाले पोस्टर प्रस्तुतियों, मॉडल प्रदर्शनियों और अंतर्विभागीय शैक्षणिक सहयोग जैसी सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ छात्र जीवन का एक अभिन्न अंग बन गई हैं। नैदानिक और पूर्व नैदानिक विभागों के साथ ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज एकीकरण किया गया। चिकित्सा यात्रा की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए शव शपथ और व्हाइट कोट समारोह का आयोजन किया गया। सर्जिकल एनाटॉमी, मॉर्फोमेट्री , न्यूरोएनाटॉमी और आनुवंशिक विकारों में **21** चल रही शोध परियोजनाएँ।

संकाय

 **डॉ. मृदुला चंद्रुपटला** प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष	 **डॉ. सुप्रिया गरपति** अतिरिक्त प्रोफेसर	 **डॉ. रोहिणी मोटवानी** अतिरिक्त प्रोफेसर	 **डॉ. गीता एसजी** सह - प्राध्यापक
 **डॉ. अरियानाची कलिअप्पन** सह - प्राध्यापक	 **डॉ. सुरराज एस** सह - प्राध्यापक	 **डॉ. अलका वी. भिंगारदेव** सह - प्राध्यापक	 **डॉ. दीपा गडवाल** सहायक प्रोफेसर

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	डी ई ओ	विच्छेदन हॉल तकनीशियन	अन्य कोई
08	5	1	2	1

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण अधिगम विधियाँ

पाठ्य क्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य गतिविधियाँ (घंटे)
एमबी	250 घंटे	450 घंटे, विच्छेदन के लिए 10	एकीकृत शिक्षण ,

बीएस		घंटे/सप्ताह; क्षेत्र के आधार पर अस्थि विज्ञान प्रदर्शन के लिए 3-4 घंटे/सप्ताह; ऊतक विज्ञान प्रदर्शन के लिए 6 घंटे/सप्ताह	प्रारंभिक नैदानिक एक्सपोजर, सेमिनार, प्रश्नोत्तरी , भाग पूर्णता, मूल्यांकन, चार्ट बनाना,
पीजी			सेमिनार, जर्नल क्लब

4.2. परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित : 32

ii. संगठित : 08

- **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन** (**कॉग्निटियो**) **एनाटोमिका**) 14 **अक्टूबर** 2024 **को विश्व शरीर रचना दिवस** - 2024 **के अवसर पर ।**
- 14 **नवंबर** 2024 **को बाल दिवस के अवसर पर जेडपीएचएस स्कूल के एनाटॉमी विभाग संग्रहालय का दौरा।**
- **नवंबर** 2024 **में गांधी मेडिकल कॉलेज में सॉफ्ट एम्बलमिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।**
- 2024 **एमबीबीएस बैच के लिए शव-शपथ समारोह का आयोजन किया गया।**
- 12 **दिसंबर** 2024 **को** 2024 **एमबीबीएस बैच के लिए व्हाइट कोट समारोह का आयोजन किया गया ।**
- **एनाटॉमी स्थापना दिवस** 2025 (UDGAM – **लाइफ अनफोल्डेड**) **के अवसर पर भ्रूण विज्ञान मॉडल निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन**
- **विश्व शरीर रचना दिवस** - 2024 **के अवसर पर प्रोफेसर** (**डॉ**) **बिस्वबीना रे** (**एम्स कल्याणी**) **द्वारा अतिथि व्याख्यान** , **जिसका शीर्षक** "**प्यार**, **नफरत और परे**" 15 **अक्टूबर** 2024 **को अंतिम है ।**
- 27-28 **जनवरी** (2025) **को प्रथम स्नातकोत्तर परीक्षा** आयोजित की गई **।**

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता:

- **डॉ. मृदुला चंद्रुपटला , "त्वचा की संरचना" पर "एम्स बीबीनगर" द्वारा 18** अप्रैल, 2024 **को आयोजित** "**नर्सों के लिए उन्नत घाव देखभाल कार्यशाला**" **में**

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 15

4.4. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	**पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण**
डॉ. सुरराज एस	**सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार) - प्रथम वार्षिक अनुसंधान स्थापना दिवस पर - 9 अप्रैल 2024 को - मेरे ई-पोस्टर के लिए जिसका शीर्षक है - "प्रोस्टेट ग्रंथि की विशिष्ट विशेषताओं के रूप में प्रोस्टेट कंक्रीशन की भूमिका को समझना"**
डॉ. अलका भिंगारदेव	**सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर पुरस्कार (तृतीय पुरस्कार) - दूसरे संस्थान स्थापना दिवस पर** - मेरे ई-पोस्टर के लिए जिसका शीर्षक था, **शिरा प्रकाशक द्वारा एंटेक्यूबिटल शिराओं का शारीरिक**

	मूल्यांकन "
डॉ. अरियानाची के	**न्यूरोएनाटॉमी में सर्वश्रेष्ठ पेपर (डॉ. सुशीला नारायण पुरस्कार) – 21 वीं क्षेत्रीय सोसायटी ऑफ एनाटोमिस्ट्स मीट (आरएसए) – 2024 में – मौखिक पेपर प्रस्तुति के लिए, जिसका शीर्षक था, " कैवर्नस साइनस के इंट्राक्रैनील एनाटॉमिकल त्रिकोण – मूल्यांकन और नैदानिक महत्व"।**
डॉ. पुन्नपा रवितेजा	**सर्वश्रेष्ठ पोस्टर (डॉ. राजेंद्र बाबू पुरस्कार) – 21 वीं क्षेत्रीय सोसायटी ऑफ एनाटोमिस्ट्स मीट (आरएसए) – 2024 में – "जन्मजात डायाफ्रामिक हर्निया – भ्रूण शव परीक्षण रिपोर्ट" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए।**
	सर्वश्रेष्ठ नवाचार पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार) - एम्स बीबीनगर के दूसरे संस्थान स्थापना दिवस पर - मेरे ई-पोस्टर के लिए जिसका शीर्षक था, " पुन्नापटला वर्गीकरण - बाह्य कैरोटिड धमनी शाखा पैटर्न विविधताओं के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण"।

Copy Rights

S No	Registration Number	Topic	Source
1	L-150643/2024	PUNNAPATLA CLASSIFICATION OF THE EXTERNAL CAROTID ARTERY (ECA) BRANCHING PATTERN VARIATIONS	Intellectual Property of India
2	L-160335/2025	RAM CLASSIFICATION OF PECTORALIS MINOR INSERTION	Intellectual Property of India

5. उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण प्रयोगशालाएँ: 2 – विच्छेदन प्रयोगशाला और ऊतक विज्ञान प्रयोगशाला
- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: सिंथेटिक शव प्रयोगशाला, भ्रूण शव परीक्षण प्रयोगशाला
- आउटरीच सेवाएँ: शरीर दान प्रयोगशाला, भ्रूण शव परीक्षण

6. अनुसंधान

6.1. कुल प्रकाशन: 29 (पब मेड अनुक्रमित पत्रिकाएँ: ; मूल लेख:)

6.2. **अनुसंधान परियोजनाएं: 23 (** बाह्य- 05, अंतःविषय- 05, गैर-वित्तपोषित परियोजनाएं - 13)

6.3. पुस्तकें / अध्याय

- **डॉ. मृदुला चंद्रुपटला** .
  - **बी.डी.चौरसिया द्वारा लिखित एनाटॉमी की पाठ्यपुस्तक , सीबीएस प्रकाशक, दिल्ली**
  - **नर्सिंग के लिए अनुप्रयुक्त शरीररचना विज्ञान और शरीरक्रिया विज्ञान, फ्रंटलाइन प्रकाशक, हैदराबाद**
  - **अनुप्रयुक्त शरीररचना विज्ञान और शरीरक्रिया विज्ञान के लिए अभ्यास पुस्तिका, फ्रंटलाइन प्रकाशक, हैदराबाद**

रो ओहिनी मोटवानी

- **एण्ड्रोजन रिसेप्टर** (एआर) **जीन। शेकेलफोर्ड**, **टीके** (**संपादक**) **यौन मनोविज्ञान और व्यवहार का विश्वकोश । स्प्रिंगर**, **चैम।** 2024. https://doi.org/10.1007/978-3-031-08956-5_300-1
- **सुप्राचियास्मैटिक न्यूक्लियस। शेकेलफोर्ड**, **टीके** (**संपादक**) **इनसाइक्लोपीडिया ऑफ सेक्सुअल साइकोलॉजी एंड बिहेवियर । स्प्रिंगर**, **चैम।** 2024. https://doi.org/10.1007/978-3-031-08956-5_141-1
- **ओव्यूलेशन। शेकेलफोर्ड**, **टीके** (**संपादक**) **इनसाइक्लोपीडिया ऑफ सेक्सुअल साइकोलॉजी एंड बिहेवियर । स्प्रिंगर**, **चैम।** 2024. https://doi.org/10.1007/978-3-031-08956-5_302-1

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

- भ्रूण शव परीक्षण और रिपोर्टिंग: 6 रोगी

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रम

<table>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>12 दिसंबर 2024 को2024 बैच के लिए व्हाइट कोट समारोह</td><td>2024 बैच के लिए शव शपथ समारोह</td></tr>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>14 अक्टूबर 2024 को क्विज़ प्रतियोगिता (कॉग्निशन एनाटोमिका)</td><td>27 जनवरी 2025 को विभाग स्थापना दिवस</td></tr>
</table>

जैव रसायन विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग चिकित्सा शिक्षा, नैदानिक प्रयोगशाला सेवाओं और स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान में संलग्न है। सात संकाय सदस्य के साथ, विभाग फुफ्फुसीय रोगों, हृदय रोगों, गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग, चयापचय की जन्मजात त्रुटियों, कैंसर और जैव सूचना विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान

प्रदान करता है । विभाग का लक्ष्य मेडिकल बायोकेमिस्ट्री और मेटाबोलिक मेडिसिन में उत्कृष्टता का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। एमबीबीएस 2023 बैच में 93.5% उत्तीर्ण प्रतिशत था, जिसमें 61 प्रथम श्रेणी और 17 विशिष्टताएं थीं। दो जूनियर रेजिडेंट ने अपनी रेजिडेंसी पूरी कर ली है, और छह वर्तमान में बायोकेमिस्ट्री में एमडी कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 विभाग की नैदानिक क्षमताओं में एक बड़ी छलांग का प्रतीक है , इसने 12 परियोजनाएं पूरी कर ली हैं तथा 10 बाह्य एवं 13 अंतःपरियोजनाएं अभी भी चल रही हैं।

2. संकाय



डॉ. संगीता संपत
प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष



डॉ. अपर्णा वर्मा भोंगीर
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. आनंद प्यति
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. मधुलता कर्रा
सह - प्राध्यापक



डॉ. रोहित सलूजा
सह - प्राध्यापक



डॉ. सैलूयेलाबोइना
सहायक प्रोफेसर



डॉ. कुरन कुमार टी
सहायक प्रोफेसर

3. अन्य कर्मचारी

संकाय	एसआर और जेआर	लैब तकनीशियन	अन्य कोई
07	12	15	1

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण-अधिगम विधियाँ

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य गतिविधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	240	320	30 (सेमिनार / एसडीएल / एकीकृत शिक्षण)
पीजी	240	60	40 (सेमिनार, सीबीडी, जर्नल क्लब)
बीएमएलएस	25	10	

4.2. परीक्षा एवं मूल्यांकन: आयोजित अनुसूची के अनुसार

4.3. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i . उपस्थित: 34
ii. संगठित: 1

- " मोटापे और अवसाद में माइक्रोबायोम और मेटाबोलोम ", गजेंद्रएलेटी , टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी, 7 जनवरी 2025।

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता:

डॉ. अपर्णा वर्मा बी: (03), **डॉ. रोहित सलूजा** : (06), **डॉ. सैलूयेलाबोइना** : (03)

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 8

4.4. पुरस्कार और उपलब्धियां

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. अपर्णा वर्मा बी	8 अप्रैल 2024 को एम्स बीबीनगर के प्रथम संस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर संकाय वर्ग में पोस्टर प्रस्तुति के लिए तृतीय पुरस्कार
डॉ. अपर्णा वर्मा बी	तेलंगाना अकादमिक विज्ञान के सदस्य
डॉ. अपर्णा वर्मा बी	वैश्विक व्यावसायिक और शैक्षिक पुरस्कार
डॉ. मधु लता कर्रा	जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) में जेनेटिक डायग्नोस्टिक्स में डीबीटी फेलोशिप प्रदान की गई।
डॉ. रोहित सलूजा	बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, इंडिया (बीआरएसआई) के सदस्य

5. उपलब्ध सुविधाएं

- ➢ शिक्षण प्रयोगशालाएँ: दो स्नातक और एक स्नातकोत्तर
- ➢ विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: एक नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला

6. अनुसंधान

6.1. कुल प्रकाशन : 19 (PubMed अनुक्रमित : 19; मूल लेख : 19)

6.2. अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य- 03, अंतः- 03 , गैर-वित्तपोषित परियोजनाएँ- 01

6.3. पुस्तकें / अध्याय

- **अपर्णा वर्म भोंगिर** , एसएम विजैता , श्रावंतीकुरुगुंटला , पद्मयालामति और सपना व्याकरणम ; अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त किशोरों में विटामिन डी और पैराथाइरॉइड हार्मोन के स्तर के संबंध का निर्धारण। चिकित्सा और चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान विकास खंड 6, अध्याय 12, 137-154। आईएसबीएन: 978-81-19102-64-8, ई-बुक आईएसबीएन: 978-81-19102-68-6।
- **डॉ. किरण कुमार तेजवथ** , निमेश एस, गुप्ता एन, कार्नेइरो जी. कैंसर थेरेपी: नैनोटेक्नोलॉजी के संभावित अनुप्रयोग. एल्सेवियर; 2024.

6.4. अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य- 15, अंतः- 21 , गैर-वित्तपोषित परियोजनाएँ- 04

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	मरीजों की संख्या
जांच की संख्या: 6,78,807	73114

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	
एकीकृत रसायन विज्ञान और इम्यूनोएसे प्रसंस्करण के लिए विट्रोस 5600 प्रणाली का उद्घाटन ।	**विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता संपत सहित विभागीय संकाय , सीनियर रेजिडेंट और जूनियर रेजिडेंट।**
	
विभागीय संकाय, वरिष्ठ रेजिडेंट और जूनियर रेजिडेंट डॉ. राहुल के साथ नारंग 26 मार्च, 2025 को विभागीय स्थापना दिवस समारोह के दौरान	**2024 एमबीबीएस बैच के छात्रों ने विभागीय संकाय, वरिष्ठ और कनिष्ठ रेजीडेंट के साथ विभिन्न जैव रसायन विषयों पर हाथ से बनाए गए पोस्टर प्रदर्शित किए।**

जलन एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग ने निम्नलिखित क्षेत्रों में सक्रिय रूप से योगदान दिया: अकादमिक उत्कृष्टता, नैदानिक उन्नति, सामुदायिक आउटरीच, "उन्नत घाव देखभाल" पर सीएमई आयोजित, ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य, बर्न्स पर एनएबीआई जोनल सीपीडी की मेजबानी की, ट्रांसजेंडर और लिंग गैर-अनुरूप व्यक्तियों के लिए लिंग पुष्टि चिकित्सा देखभाल पर सीएमई आयोजित किया। विभाग विशेष सेवाओं जैसे कि पीआरपी थेरेपी, रेडी ई ओफ्रीक्वेंसी एब्लेशन और हेयर ट्रांसप्लांट सेवाएं प्रदान करने वाले कॉस्मेटिक प्रक्रिया कक्ष का समर्थन करना जारी रखा है। हमने कुल कान पुनर्निर्माण, पहला मुफ्त माइक्रोवैस्कुलर पुनर्निर्माण (सिर और गर्दन के कैंसर के लिए मुफ्त रेडियल

फोरआर्म फ्लैप), और एवी फिस्टुला निर्माण सेवाएं जैसी जटिल सर्जरी कीं। कुल मिलाकर, विभाग ने समावेशी देखभाल, सर्जरी में नवाचार और अकादमिक प्रसार पर मजबूत जोर के साथ नैदानिक शिक्षा, कौशल विकास और बहु-विषयक सहयोग में गतिशील उपस्थिति बनाए रखी है।

1. **संकाय**



डॉ. मुला रोहित बाबू
सहायक प्रोफेसर

1. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स
01	एसआर-02, जेआर-01	4

2. शैक्षणिक

2.1. शिक्षण: i . अपनाई गई शिक्षण-अधिगम विधियाँ

पाठ्यक्रम	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
पीजी	2 घंटे/सप्ताह ऑनलाइन
अन्य कोई	6 घंटे

2.2. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 10

ii. संगठित : 4

1. 19 अप्रैल, 2024 को नर्सिंग कॉलेज, जनरल सर्जरी विभाग, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के साथ **उन्नत घाव देखभाल सीएमई (प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण) का** आयोजन किया गया ।
2. 27 जून 2024 को अस्पताल प्रशासन, ओबीजी और स्त्री रोग और मनोचिकित्सा विभाग के साथ **ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम** पर सीएमई का आयोजन किया गया।
3. 24 अक्टूबर , 2024 को **नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स इंडिया** के सहयोग से बर्न्स पर **एनएबीआई जोनल सीपीडी का** आयोजन किया गया ।
4. संगठितसीएमई 6 जनवरी 2025 को शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के साथ **ट्रांसजेंडर और अन्य लिंग गैर-अनुरूप व्यक्तियों के लिए लिंग पुष्टि चिकित्सा देखभाल** पर एक बैठक आयोजित की जाएगी।

iii. आमंत्रित व्याख्यान / वार्ता

- डॉ. मुला रोहित बाबू (07), अमिरथावैली (02), वासुदेव रजनी (01)

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 1

1. **डॉ. मुला रोहित बाबू ने** 14-17 **फरवरी** 2024 **को " एपीएसआई " द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय सम्मेलन एपीएसआईसीओएन**-24" **में "पेपर - डबल्ड ओवर लिम्बर्ग फ्लैप और कान लोब्यूल पुनर्निर्माण के लिए इन्फ्रालोबुलर फोल्डेड फ्लैप तकनीकों के बीच तुलनात्मक अध्ययन " प्रस्तुत किया ।**

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
मुला रोहित बाबू	एपीआरएएस (एपी और तेलंगाना) के कार्यकारी सदस्य

3. उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: पीआरपी थेरेपी के लिए कॉस्मेटिक प्रक्रिया कक्ष,
- आकाशवाणी आवृति एबलेशन और हेयर ट्रांसप्लांट सेवाएं

4. अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन: 01**
- **PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 01**

4.1. पुस्तकें / अध्याय

- KaroonAgarwal , Mula **रोहित बाबू** . अध्याय 24 - घर्षण से जलन - दूसरा संस्करण जलन देखभाल के सिद्धांत और अभ्यास - जेपी प्रकाशन
- आरपी नारायण , **मुला रोहित बाबू .** अध्याय 19- केराटिनोसाइट कल्चर और सेल थेरेपी- दूसरा संस्करण बर्न केयर के सिद्धांत और अभ्यास - जेपी प्रकाशन
- **ममता सिकरोरिया** , **मुला रोहित बाबू** . अध्याय 22 - औद्योगिक और रासायनिक जलन - दूसरा संस्करण जलन देखभाल के सिद्धांत और अभ्यास - जेपी प्रकाशन
- **दीपक नंदा** , **मुला रोहित बाबू** । अध्याय 28 - पेरिनियम और बाहरी जननांग की जलन - दूसरा संस्करण जलन देखभाल के सिद्धांत और अभ्यास - जेपी प्रकाशन।

4.2. अनुसंधान परियोजनाएँ: 01

5. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
ओपीडी सेवाएं	2444
इन-पेशेंट सेवा	148
बर्न्स ओपीडी और ड्रेसिंग	238
सर्जरी - बड़ी + छोटी	213

6. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



भारतीय राष्ट्रीय बर्न्स अकादमी (एनएबीआई) एम्स बीबीनगर में जोनल सीएमई



उन्नत घाव देखभाल सीएमई (प्रशिक्षक के लिए प्रशिक्षण)



ट्रांसजेंडर और अन्य लिंग-अनुरूप व्यक्तियों के लिए लिंग-पुष्टि चिकित्सा देखभाल पर सीएमई



जलन और प्लास्टिक सर्जरी विभाग में की गई सर्जरी की गई

हृदय और वक्ष शल्य चिकित्सा विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग की स्थापना **6 फरवरी 2025 को** हृदय और वक्ष संबंधी बीमारियों से पीड़ित रोगियों

को विशिष्ट, उच्च-गुणवत्ता वाली शल्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से की गई । स्थापना के बाद से, इस इकाई ने अपनी क्षमताओं का निरंतर विस्तार किया है, और वैकल्पिक शल्य चिकित्सा से लेकर व्यापक आंतरिक रोगी देखभाल, आपातकालीन हस्तक्षेप और शल्य चिकित्सा के बाद की सहायता तक, अपनी क्षमताओं का विकास किया है। नियमित आधार पर डायलिसिस एक्सेस सर्जरी के साथ बुनियादी संवहनी सर्जरी के लिए ओटी सुविधा शुरू की गई है । एक बहु-विषयक संस्थान के साथ अपने दृष्टिकोण और निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, हमारा लक्ष्य हृदय और वक्ष शल्य चिकित्सा में उत्कृष्टता का केंद्र बनाना है, जो संस्थान के स्वास्थ्य देखभाल ढांचे में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में कार्य करेगा।

2. संकाय



डॉ. मोहम्मद हुसैन छोटू शेख
सह - प्राध्यापक,

3. विभागीय टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स
01	1-एसआर, 1-जेआर (गैर-शैक्षणिक)	2

4. शैक्षणिक

4.1 अपनाई गई शिक्षण-अधिगम विधियाँ

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
अन्य कोई	नर्सिंग अधिकारियों, गैर-शैक्षणिक जूनियर और सीनियर के लिए शिक्षण - प्रति सप्ताह 6 घंटे	शिक्षाप्रद सेमिनार और बेडसाइड नैदानिक शिक्षण विधियाँ

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

- **कार्यक्रम में शामिल हुए : 06**

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- **ओपीडी परामर्श, अंतर्विभागीय परामर्श, प्रीऑपरेटिव रोगियों और आपातकालीन संवहनी या वक्षीय आघात पीटी के लिए इनपेशेंट प्रवेश, बंद थोरैकोस्टॉमी , पोस्ट ऑपरेटिव जटिल एवी फिस्टुला सर्जरी के साथ डायलिसिस एक्सेस सर्जरी, संवहनी सर्जरी, वैरिकाज़ नस सर्जरी, संबद्ध सर्जिकल विशेषताओं के लिए इंट्राऑपरेटिव सहायक।**

6. अनुसंधान : अनुसंधान परियोजनाएँ: 01

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
बाह्य रोगी सेवाएं	71
रोगी सेवाएँ (प्रवेश)+(क्रॉस परामर्श)	06
शल्य चिकित्सा	02
प्रक्रियाओं	02

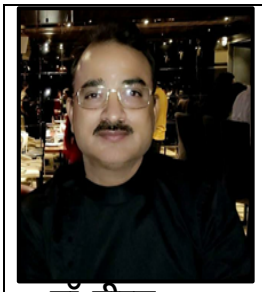
सामुदायिक चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा विभाग

1. मुख्य बिन्दु

आरएचटीसी: मार्च 2021 में शुरू किया गया जिसमें सात उप- केंद्र शामिल हैं जो 38,000 की आबादी को सामान्य बाह्य रोगी, विशेषज्ञ, नैदानिक, जांच और रेफरल सेवाओं के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करते हैं। इसने 11,967 ग्रामीण और आदिवासी रोगियों को बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान कीं। आरएचटीसी के निर्माण के पहले चरण में, एसएफसी के तहत ₹10 करोड़ मंजूर किए गए हैं। भूमि पंजीकरण और निर्माण अनुमोदन प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। **यूएचटीसी:** नियमित बाह्य रोगी (ओपीडी) परामर्श, प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, नियमित टीकाकरण, स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों के लिए प्रशिक्षण सहित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मल्लापुर में फरवरी 2025 में शुरू किया गया। **मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू)** : कमजोर आबादी वाले 6 गोद लिए गए गांवों में निवारक और उपचारात्मक सेवाएं प्रदान करने के लिए 7 अप्रैल 2022 से संचालित। ये गांव- मुरीपिराला , पुट्टागुडेम , इंद्रियाला , धर्मरेड्डीपल्ली , कोय्यालागुडेम और बीबीनगर-एम्स बीबीनगर से लगभग 50-60 किलोमीटर दूर स्थित हैं। अप्रैल 2024 और मार्च 2025 के बीच, एमएमयू ने 146 शिविर आयोजित किए और 5,810 रोगियों की जांच की, साथ ही अंग दान, जागरूकता, प्रतिज्ञा पंजीकरण, सिर और गर्दन के कैंसर की जांच, टीबी जांच और तंबाकू विरोधी जागरूकता अभियान आदि जैसी विशेष गतिविधियों के साथ। **आईसीटीसी:** आईसीटीसी 25 मई 2022 से शुरू किया गया था और यह लगभग 12000 ग्राहकों के वार्षिक भार को पूरा करता है; नए और अनुवर्ती दोनों । इनमें से 1104 एएनसी थे जिनका नमूना परीक्षण किया गया था। **टीकाकरण क्लिनिक: राष्ट्रीय** टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार मार्च 2021 में स्थापित । इस वर्ष कुल 3,597 लाभार्थियों को टीका लगाया गया, जिनमें से 9,229 खुराकें प्राप्त हुईं। 21 अप्रैल 2025 को एक पीत ज्वर टीकाकरण क्लिनिक शुरू होने वाला है। **नामित माइक्रोस्कोपी केंद्र (डीएमसी):** 3 अगस्त, 2022 से, डीएमसी और डॉट्स क्लिनिक टीबी और एचआईवी रोगियों के लिए निदान और उपचार सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 1,658 रोगियों ने थूक

माइक्रोस्कोपी करवाई। **गैर-संचारी रोग (एनसीडी) क्लिनिक:** मार्च 2021 से कार्यरत, जिसका उद्देश्य दीर्घकालिक गैर-संचारी रोगों वाले रोगियों के लिए परामर्श, अनुदैर्ध्य निगरानी और जीवनशैली में हस्तक्षेप के माध्यम से निवारक सेवाएं प्रदान करना है। **स्वास्थ्य और खुशी क्लिनिक:** जून 2021 से कार्यरत, ओपीडी और योग सेवाओं के प्रावधान के साथ। **शैक्षणिक:** 2024 में, वैश्विक स्वास्थ्य और नैदानिक महामारी विज्ञान (जीएचसीई) में डॉक्टरेट इन मेडिसिन (डीएम) पाठ्यक्रम को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित किया गया। दो उम्मीदवार डीएम (जीएचसीई) कार्यक्रम में शामिल हुए - जो भारत में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है।

2. संकाय

 **डॉ. नीरज अग्रवाल** प्रोफेसर व प्रमुख	 **डॉ. रश्मि कुंदापुर** अतिरिक्त प्रोफेसर	 **डॉ. गोविंदराव एनके** अतिरिक्त प्रोफेसर	 **डॉ. दुर्गेश पी साहू** सह - प्राध्यापक	 **डॉ. मीली पांडा** सह - प्राध्यापक
 ***डॉ. वामन कुलकर्णी*** *सह - प्राध्यापक*	 **डॉ. गोमती आर** सह - प्राध्यापक	 ***डॉ. किशोर यादव जे*** *सह - प्राध्यापक*	 **डॉ. भूषण कांबले** सह - प्राध्यापक	 **डॉ. अरुण मित्रा पेड्डीरेड्डी** सहायक प्रोफेसर

3. अन्य कर्मचारी

संकाय	एसआर और जेआर	लैब तकनीशियन	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
10	सीनियर- 09, जूनियर- 10	02	11	एमएसडब्ल्यू- 02, डीईओ- 01, अटेंडेंट- 01

4. शैक्षणिक

4.1 अपनाई गई शिक्षण-अधिगम विधियाँ

पाठ्यक्रम	लिखित। (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)
एमबीबीएस	127	799
एमडी	79	76

ii. परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.2. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i . उपस्थित: 54

ii.संगठित: 23

ii. संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

डॉ. नीरज अग्रवाल (02), **डॉ. रश्मि कुंदापुर** (10), **डॉ. गोविंदराव एनके** (06), **डॉ. दुर्गेश प्रसाद साहू** (04), **डॉ. मीली पांडा** (09), **डॉ. वामन कुलकर्णी** (02, **डॉ. गोमती आर** (08), **डॉ. किशोर यादव जोथुला** (05), **डॉ. भूषण कांबले** (04), **डॉ. अरुण मित्रा पेड्डीरेड्डी**– 11

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 05

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
. रश्मि कुंदापुर	• 14-15 नवंबर 2024 से KACHCON राज्य सम्मेलन में BM पाटिल भाषण का सम्मान प्राप्त हुआ
डॉ. मीली पांडा	• मई 2024 में आईएपीएसएम ई कनेक्ट एकेडेमिया बैनर के तहत "व्याख्यान श्रृंखला" के राष्ट्रीय सूत्रधार के रूप में प्रशंसा प्रमाण पत्र। • आईसीएमआर मुख्यालय द्वारा प्रशंसा (मेल) (बहुकेंद्रीय आरएटीए परियोजना के भाग के रूप में), जिसे सितंबर 2024 में सहायक प्रौद्योगिकी के लिए संयुक्त राष्ट्र इंटरएजेंसी टास्क फोर्स पुरस्कार प्राप्त हुआ। • विश्व एड्स दिवस, 1 दिसंबर 2024 पर तेलंगाना राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी टीएसएसीएस, जिला एड्स कार्यक्रम नियंत्रण इकाई डीएपीसीयू यदाद्रिभुवनगिरी जिले द्वारा एचआईवी के नियंत्रण में योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र
डॉ. गोमती आर	• दूसरे संस्थान स्थापना दिवस समारोह में नवीन विचारों - सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता।
डॉ. किशोर यादव जोथुला	• विश्व टीबी दिवस, 24 मार्च 2025 पर तेलंगाना के यदाद्रिभुवनगिरी जिले के जिला कलेक्टर द्वारा विशेष प्रशंसा प्रमाण पत्र
डॉ. भूषण कांबले	• 14 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित डीएचआरआईसीएमआर स्वास्थ्य अनुसंधान उत्कृष्टता शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान डीजी आईसीएमआर द्वारा मेरे आईसीएमआर ड्रोन टीबी प्रोजेक्ट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम अनुसंधान के भाग के रूप में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त किया। • माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एम्स बीबीनगर में आईसीएमआर टीबी ड्रोन परियोजना का उद्घाटन मोदी जी 29 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली से 9 अक्टूबर 2024 के अवसर पर वर्चुअल माध्यम से आयुर्वेद दिवस.

5. उपलब्ध सुविधाएं

शिक्षण प्रयोगशालाएँ	2
विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ	6
आउटरीच सेवाएँ	आरएचटीसी, एमएमयू, एचएएस, यूएचटीसी

6. अनुसंधान

6.1कुल प्रकाशन: 42, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 38, मूल लेख: 28

6.2 पुस्तकें / अध्याय

डॉ. गोविंदराव एनके

1. "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पुस्तिका: 2023 और 2024 संस्करण" पुस्तक के अंतर्गत "योग और स्वास्थ्य: कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण" पर अध्याय का विमोचन _ एम्स बीबीनगर 2025 में द्वितीय संस्थान स्थापना दिवस।

डॉ. मीली पांडा

1. पुस्तक "भारतीय जनजातीय कमजोर जनसंख्या: सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां और सर्वोत्तम प्रथाएँ" मॉड्यूल 1 रिलीज के तहत "जनजातीय जनसंख्या की स्थिति विश्लेषण और वितरण" पर अध्याय _ ARcTH एम्स बीबीनगर 2025।
2. भारत में व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के अंतर्गत "मनोवैज्ञानिक और सामाजिक खतरे" पर अध्याय: चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए व्यापक मैनुअल, आईएपीएसएम अंडर प्रिंट।

6.3 अनुसंधान परियोजनाएँ

बाह्य**: 29,** आंतरिक**: 10,** गैर-वित्तपोषित परियोजनाएं**: 21**

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**व्यक्तियों की संख्या**
आरएचटीसी	11967
आई.सी.टी.सी.	11822
डीएमसी	1658
टीकाकरण क्लिनिक	3,597 (9,229 खुराकें)
एनसीडी	3204
स्वास्थ्य और खुशी	1428
एमएमयू के माध्यम से आउटरीच	5810

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



सितंबर 2024 में स्टेटा का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला



एमएमयू शिविर



आरएचटीसी बोम्मलारामाराम में टीबी पर जागरूकता गतिविधि



100 दिवसीय टीबी अभियान के तहत घर-घर अभियान



आरएचटीसी बोम्मालारामरम में विश्व स्तनपान सप्ताह समारोह



तम्बाकू के प्रभावों के बारे में किशोरों को जागरूक करने की गतिविधि

दंत चिकित्सा विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग ने तीन उन्नत डेंटल चेयर की स्थापना के साथ, अप्रैल 2024 से सभी बुनियादी दंत चिकित्सा प्रक्रियाएँ शुरू कर दी हैं। 31 मार्च 2025 तक ओपीडी की कुल संख्या 19,413 है। 31 मार्च 2025 तक कुल 7397 दंत चिकित्सा प्रक्रियाएँ की गईं, जिनमें 5677 आईओपीए और 1272 ओपीजी रेडी ई ओग्राफ शामिल हैं। जुलाई 2024 से ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल हड्डी रोग के क्षेत्र में एक स्नातकोत्तर (एमडीएस) कार्यक्रम (प्रति वर्ष 02 सीटें) शुरू किया गया है। विभाग एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों के शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में भी शामिल है।

2. संकाय



डॉ. अनुराग नेगी
प्रोफेसर और प्रमुख



डॉ. प्रणिता वल्लाला
सहायक प्रोफेसर



डॉ. विजय
सहायक प्रोफेसर

3. विभागीय टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स
03	11	8

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण:

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)
एमबीबीएस		32 घंटे
पीजी (एमडीएस)	18 घंटे/ सप्ताह	18 घंटे/ सप्ताह
कोई अन्य (नर्सिंग छात्रों की कक्षाएं)	2 घंटे	

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 14**

ii. **संगठित: 01**

- 2123 **अक्टूबर** 2024 **को एम्स बीबीनगर में "स्वच्छता ही सेवा अभियान और कर्मयोगी सप्ताह राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह" का आयोजन किया गया।**
- **संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ:** डॉ. अनुराग नेगी (03), डॉ. विजय (01)

iii. **शोध पत्र प्रस्तुतियाँ** : 02

4.3 पुरस्कार और उपलब्धियां

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. प्रणिता वी.	विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस समारोह 2024 - आईएसपीपीडी द्वारा प्रतियोगिता ने दूसरा सांत्वना पुरस्कार जीता - 27 मई 2024
डॉ. विजय	वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2025 में फैकल्टी क्रिकेट टीम ने टूर्नामेंट जीता (प्रथम पुरस्कार)

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण प्रयोगशालाएँ: 01, विशेष क्लीनिक/प्रयोगशालाएँ: 01,

6. अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन: 06, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 04, मूल लेख: 03**
- **अनुसंधान परियोजनाएँ: 09**

6.1 पुस्तकें/अध्याय:

1. **नेगी , ए:**

- **सिहाग** , **पी**., **मोहिद्दीन**.**ए**. , **के**. (2024)**।** 3**डी क्रेनियोफेशियल इमेजिंग में सुरक्षा और संरक्षण। राणा** , **एसएस**, **चौधरी** , **पीके**, **गुप्ता**, **ए**. (**संपादक**) **क्रेनियोफेशियल क्षेत्र के लिए त्रि-आयामी इमेजिंग के अनुप्रयोग । स्प्रिंगर**, **सिंगापुर।** https://doi.org/10.1007/9789819746088_16

7. रोगी देखभाल/अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	मरीजों की संख्या
सीमित ओपीडी सेवाएं	19413
ईसंजीवनी सेवाएं	1827
उपचार प्रक्रियाएं	7397
आईओपीए एक्सरे	5677
ओपीजी एक्सरे	1278

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



स्नातकोत्तर क्लिनिक (एमडीएस ऑर्थोडोंटिक्स)



बायोस्टार थर्मो-प्रेसिंग मशीन



ऑर्थोडोंटिक प्रयोगशाला शस्त्रागार



ऑर्थोडोंटिक स्केलेटल एंकोरेज सिस्टम

त्वचाविज्ञान विभाग

- **मुख्य बिन्दु**

  विभाग रोगियों को निरंतर त्वचाविज्ञान सेवाएँ प्रदान कर रहा है, जिसमें सोरायसिस, त्वचा संबंधी आपात स्थितियों, व्यापक ऑटोइम्यून बुलस विकार और विटिलिगो सर्जरी व फ्लैप सर्जरी के भाग के रूप में पंच ग्राफ्टिंग के लिए उन्नत उपचार शामिल हैं। बायोप्सी, मस्से हटाना, त्वचा के टैग, कॉर्न पैरिंग, डर्माराेलर , इंट्रालेसनल इंजेक्शन, सुई लगाना और ऐसी अन्य प्रक्रियाएँ नियमित रूप से की जा रही हैं। कई आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं और साथ ही हर महीने के पहले मंगलवार को डर्मेटोपैथोलॉजी मीटिंग आयोजित की जाती है और दिलचस्प व जटिल मामलों पर चर्चा की जाती है। रोगियों को त्वचाविज्ञान सेवाएँ प्रदान करने के कारण ओपीडी संख्या मार्च 2021 में 140 से बढ़कर मार्च 2022 में 792, मार्च 2024 में 19,992 और मार्च 2025 तक 25,212 हो गई है और कुल 1230 प्रक्रियाएँ हो गई हैं।

- **संकाय**



डॉ. दीप्ति कोंडा
सह - प्राध्यापक



डॉ. प्रीतम सरनप्पा
सह - प्राध्यापक

- **अन्य कर्मचारी**

संकाय	एसआर और जे आर	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
02	एसआर 2 गैर-शैक्षणिक जेआर1	4	डीईओ 1, परिचारक – 1

- **शैक्षणिक**

4.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	22 घंटे	18 घंटे/सप्ताह	2 घंटे (केस प्रस्तुति)

4.2. परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए और व्याख्यान दिए गए

ii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ: डॉ . दीप्ति कोंडा 03

4.4. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. दीप्ति कोंडा	मेरी परियोजना को WINCARS एसोसिएशन द्वारा बाह्य अनुदान के लिए चुना गया
डॉ. दीप्ति कोंडा	देश भर से चयनित 6 त्वचा विशेषज्ञों में से एक थीं, जिन्हें सीडीएससीओ (केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन) की विशेषज्ञ समिति, सीडीएससीओ, नई दिल्ली के सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

5 उपलब्ध सुविधाएं

इलेक्ट्रो कॉटरी , रेडी ई ओ फ्रीक्वेंसी मशीन, हाथ और पैर फोटो थेरेपी, बायोप्सी, पंच ग्राफ्टिंग, डर्मा रोलर

6 अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन**: 5(PubMed **अनुक्रमित पत्रिकाएँ**: 4, **मूल लेख**: 1)
- **अनुसंधान परियोजनाएँ : 06**

7 रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	मरीजों की संख्या
अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक ओपीडी मरीज	25,212
अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक की प्रक्रियाएँ	1230

फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान विभाग

1. मुख्य बिन्दु

अक्टूबर 2020 में अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने खुद को अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करने में लगातार प्रगति की है, जिसमें भूमिका-खेल, छोटे समूह चर्चाएँ, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुकरण आधारित शिक्षण और "**फोरेंसिक में सर्वोत्तम अभ्यास**" **पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। क्षेत्र की मेडिकोलीगल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए आधुनिक**, **उच्च-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक उन्नत शव परीक्षण केंद्र** की स्थापना का प्रस्ताव रखा है । इसके अतिरिक्त, विभाग का लक्ष्य नैदानिक सेटिंग्स में वास्तविक समय फोरेंसिक मूल्यांकन का समर्थन करने के लिए एक **नैदानिक फोरेंसिक इकाई** स्थापित करना है । हिंसा से बचे लोगों के लिए **वनस्टॉप क्राइसिस सेंटर/सखी सेंटर** , तथा **विष विज्ञान सेवाएं**, जो विषों की पहचान और शिक्षण में सहायता प्रदान करती हैं।

2. संकाय



डॉ. प्रग्नेश परमार
अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष



डॉ. यदुकुल. एस
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. प्रशांत माडा
सह - प्राध्यापक

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	अन्य कोई
03	6	परिचारक 1

4.शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	97	142	1 (एकीकृत शिक्षण)
पीजी	21	80 (उस्मानिया एमसी)	4 (उत्खनन + मूट कोर्ट)
एमएससी नर्सिंग	16	-	-
बीएससी पैरामेडिकल	6	-	-

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 20**
ii. **संगठित: 2**

1. राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर के सहयोग से फोरेंसिक में सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक दिवसीय सेमिनार 26 जुलाई, 2024 को एम्स बीबीनगर में आयोजित किया गया ।
2. 12 जुलाई, 2024 को बैलिस्टिक डिवीजन, भोंगीर द्वारा एम्स बीबीनगर के दूसरे एमबीबीएस छात्रों को हथियारों का प्रदर्शन ।

iii. संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

- **डॉ. प्रग्नेश परमार**: 08, **डॉ. यदुकुल एस**: 01, **डॉ. प्रशांत माडा**: 05

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 04

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

- **20 जुलाई , 2024** को **तंजावुर मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय एफएमटी क्विज़** में दूसरे एमबीबीएस छात्र ने **तीसरा पुरस्कार** जीता ।
- **20 जुलाई , 2024** को **तंजावुर मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय एफएमटी लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता** में दूसरे एमबीबीएस छात्रों ने तीसरा **पुरस्कार जीता।**

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. प्रग्नेश परमार	दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक सीएमसीएलएफआरआई के माध्यम से एफएआईएमईआर (इंटेल्थ का एक प्रभाग) और सीएमसीएल, लुधियाना द्वारा प्रदान की गई क्षेत्रीय एफएआईएमईआर योग्यता आधारित शिक्षा (**आरएफएसीई) पूरी की ।** **संयुक्त सचिव (दक्षिण क्षेत्र),** भारतीय विष विज्ञान सोसायटी (20252026) **उपाध्यक्ष - दक्षिण क्षेत्र,** भारतीय फोरेंसिक मेडिसिन अकादमी (20222025)
डॉ. यदुकुल एस	22 अक्टूबर 2024 को आदेश मेडिकल कॉलेज, बठिंडा, पंजाब में सोसाइटी ऑफ प्रिवेंशन ऑफ इंजरीज़ एंड कॉरपोरल पनिशमेंट (एसपीआईसी) के वार्षिक सम्मेलन में "यंग फोरेंसिक एक्सपर्ट (वैज्ञानिक)" पुरस्कार प्राप्त किया।
डॉ. प्रशांत माडा	तीसरे वार्षिक फोरेंसिक मेडिसिन दिवस, 2024 के अवसर पर आयोजित "सत्य को उजागर करें और मानवता की सेवा करें" शीर्षक प्रस्तुति के लिए भारतीय फोरेंसिक मेडिसिन अकादमी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ईपोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार औपचारिक रूप से भारतीय फोरेंसिक मेडिसिन अकादमी (फोरेंसिक मेडिकॉन 2025) के 46वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया, जो 31 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 तक ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और पीजीआईएमएसआर, चेन्नई में आयोजित किया गया था। स्थायी चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर मूल्यांकन पदोन्नति योजना (एपीएस) के तहत एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया।

4. उपलब्ध सुविधाएं: शिक्षण प्रयोगशालाएँ: 1

6 अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 14, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 1, मूल लेख: 3

6.2 पुस्तकें / अध्याय

1. **प्रग्नेश परमार:**
   - फोरेंसिक नर्सिंग और भारतीय कानूनों का परिचय। प्रथम संस्करण, फ्रंटलाइन प्रकाशन, 2024। **आईएसबीएन:** 819632605X।
   - मेटाजीनोमिक्स में डेटा गोपनीयता और स्वामित्व के लिए कानूनी ढाँचे (अध्याय) जीनोमिक इंटेलिजेंस - मेटाजीनोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रथम संस्करण , सीआरसी प्रेस, 2024. **आईएसबीएन** 9781032943411

- सनातन की कथाएँ, सैडल पब्लिशर्स, 2025. **आईएसबीएन:** 9788119312481
- हॉस्पिटल स्टार्टअप हैंडबुक, रीडर्स वर्ल्ड, 2025. **आईएसबीएन:** 9788196208486

7 महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

<table>
<tr>
<td> 

राराष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर के सहयोग से फोरेंसिक में सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक दिवसीय सेमिनार 26 जुलाई, 2024 को आयोजित किया गया ।</td>
<td> 

एम्स बीबीनगर में पहली एमडी (एफएमटी) परीक्षा 27-28 जनवरी, 2025 को आयोजित की गई ।</td>
</tr>
<tr>
<td> 

इंडियन एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन (फोरेंसिक मेडिकॉन 2025) का 46वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 31 जनवरी से 2 फरवरी , 2025 तक ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और पीजीआईएमएसआर, चेन्नई में आयोजित किया गया।</td>
<td> 

फोरेंसिक मेडिसिन में ऐप आधारित शिक्षा की प्रभावशीलता पर मौखिक पेपर प्रस्तुति - एथेंस, ग्रीस में 21 से 23 मई, 2024 तक आयोजित इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ लीगल मेडिसिन आईएएलएम 2024 की 26वीं त्रैवार्षिक बैठक में छात्रों की धारणाएं।</td>
</tr>
</table>

सामान्य चिकित्सा विभाग

1. मुख्य बिन्दु

बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाएं 2 जून 2020 को शुरू की गईं और वर्तमान में हम प्रतिदिन औसतन 350 मरीजों का इलाज कर रहे हैं। औसतन 1600 ईसीजी/माह, 1345 इकोकार्डियोग्राफी, 34 होल्टर सेवाएं, 2804 टेली-परामर्श प्रदान किए गए हैं। गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में 5 बिस्तरों का उपयोग करके गंभीर रूप से बीमार मरीजों का इलाज किया जा रहा है। एम्स बीबीनगर के मेडिसिन विभाग में कार्डियक टेक्नोलॉजी कोर्स 30 सितंबर 2024 को शुरू हुआ, जिसमें रोगी देखभाल की मूल बातें, महत्वपूर्ण संकेतों की रिकॉर्डिंग और मानवशास्त्रीय माप; इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी) जैसे विषय शामिल हैं। वर्तमान में मेडिसिन विभाग स्नातक के 3 बैचों (2021, 2022 और 2023) को सक्रिय रूप से पढ़ा रहा है। वर्तमान में विभाग में 9 शैक्षणिक जूनियर रेजीडेंट हैं, जिनमें 2025 तक प्रति वर्ष 4 रेजीडेंट शामिल होंगे। विभाग संस्थान के संकाय और नर्सिंग स्टाफ की निरंतर व्यावसायिक शिक्षा में भी शामिल है।

2. संकाय

 **डॉ. विशाखा जैन** *अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष*	 **डॉ. शक्तिवादिवेल वी** *अतिरिक्त प्रोफेसर*	 **डॉ. नीरदी चरण** *सहायक प्रोफेसर*	 **डॉ. गोल्ला वाहिनी** *सहायक प्रोफेसर*

3. अन्य कर्मचारी

संकाय	एसआर और जेआर	स्वास्थ्य कार्यकर्ता	ईको तकनीशियन	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
04	वरिष्ठ निवासी – 16 गैर-शैक्षणिक जूनियर – 1 अकादमिक जेआर 09	आहार विशेषज्ञ 1	कार्डियक तकनीशियन 1	नर्सिंग अधिकारी 12	डीईओ 01, वार्ड अटेंडर 02, हाउसकीपिंग – 02 सुरक्षा 01

4.शैक्षणिक

4.1शिक्षण

पाठ्य क्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबी बीएस	2020 बैच 190 घंटे 2021 बैच 90 घंटे 2022 बैच 12 घंटे 2023 बैच 12 घंटे	2020 बैच 105 घंटे 2021 बैच 60 घंटे 2022 बैच 60 घंटे 2023 बैच 60 घंटे	
पीजी	2022 बैच 12 घंटे 2023 बैच 12 घंटे 2024 बैच 12 घंटे 2025 बैच – 12 घंटे	2022 बैच 5 घंटे / सप्ताह 2023 बैच 5 घंटे/सप्ताह 2024 बैच 5 घंटे/सप्ताह 2025 बैच 5 घंटे / सप्ताह	
इंटर्न्स	2020 बैच 16 घंटे		
अन्य कोई	• इंटरैक्टिव व्याख्यान • केस आधारित शिक्षण • ओपीडी आधारित नैदानिक शिक्षण • बेडसाइड नैदानिक शिक्षण • नेस्टिंग और सहयोगात्मक शिक्षण और सीखना। • विभिन्न विभागों के साथ एकीकृत शिक्षण	60 घंटे 60 घंटे 60 घंटे 10 घंटे 10 घंटे 5 घंटे	• टीम आधारित शिक्षण (24 घंटे) • प्रश्नोत्तरी आधारित शिक्षण (6 घंटे) • आलोचनात्मक सोच को बढ़ाने के लिए कक्षा में वाद-विवाद का उपयोग (4 घंटे) • इंटर्न सेमिनार

4.2परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

- **उपस्थित: 86**
- **संगठित: 03**

विवरण:

सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए

i. **सीएमई विश्व हृदय दिवस 14 सितंबर 2024 को आयोजित किया गया "**

विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में 14 सितंबर 2024 को एक सीएमई का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक 'हृदय स्वास्थ्य का भविष्य: एकीकृत दृष्टिकोण और उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ।' इस आयोजन के एक भाग के रूप में, 'कोरोनरी धमनी रोग निदान में उन्नत इमेजिंग तकनीकों की भूमिका: वर्तमान और भविष्य' पर एक सत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें हृदय इमेजिंग में वर्तमान प्रथाओं और भविष्य के नवाचारों पर प्रकाश डाला गया।

ii. **कार्यशाला - नैदानिक हृदय कौशल में निपुणता**

तेलंगाना के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कार्डियक सिम्युलेटर का उपयोग करके हृदय संबंधी नैदानिक परीक्षण पर एक व्यावहारिक कार्यशाला

आयोजित की गई , जिससे सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक शिक्षा और जुड़ाव का अवसर मिला। इससे सिम्युलेटर की मदद से उनका ज्ञान समृद्ध हुआ है, जिससे उन्हें विशेष रूप से एपेक्स बीट मर्मर और जेवीपी का आकलन करते समय वास्तविक समय पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने में मदद मिली है।

iii. **रोगी जागरूकता कार्यक्रम हार्ट स्मार्ट: समुदायों को सशक्त बनाना**

विश्व हृदय दिवस 2024 समारोह के एक भाग के रूप में, 28 सितंबर 2024 को ओपीडी फ़ोयर में एक सामुदायिक जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। "हार्ट स्मार्ट: समुदायों का सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य रोगियों, तीमारदारों और आगंतुकों को हृदय स्वास्थ्य के महत्व, निवारक उपायों और हृदय संबंधी जोखिमों की शीघ्र पहचान के बारे में शिक्षित करना था। जीवनशैली में बदलाव लाने और हृदय-स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए जानकारीपूर्ण वार्ताएँ, संवादात्मक सत्र और प्रदर्शन आयोजित किए गए। इस पहल में उत्साहपूर्ण भागीदारी रही और समुदाय द्वारा इसका स्वागत किया गया, जिससे यह संदेश और पुष्ट हुआ: "कार्य के लिए हृदय का उपयोग करें।"

4.4 संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

- **डॉ. विशाखा जैन** (27), **डॉ. चरण एन** (03), **डॉ. वाहिनी जी** (03)

परीक्षक

1. **डॉ. विशाखा जैन बाह्य परीक्षक एम्स बिलासपुर फरवरी** 1315 2025 **और एम्स भोपाल** 6 **जनवरी** 2025
2. **डॉ. शक्तिवाडिवेल वी** बाहरी परीक्षक; और तमिलनाडु डॉ.एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी
3. **डॉ. चरणएन को** ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, सनथनगर में एमबीबीएस फाइनल प्रोफेशनल पार्ट II परीक्षाओं के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया है (28 फरवरी - 4 मार्च, 2025)

आलोचक

4. पीएलओएस वन, बीएमसी संक्रामक रोग, जेएमजीआईएमएस, जेआईएजी, वर्ल्ड जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर आदि के लिए **समीक्षक हैं ।**
5. **डॉ. शक्तिवादिवेल वी** बीएमजे ओपन, बीएमसी, वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज एंड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, क्लिनिकल केस रिपोर्ट, जेसीडीआर।

4.5. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ:

1. **डॉ. शक्तिवादिवेल वी ने** मार्च 2025 में नई दिल्ली में महिला हृदय देखभाल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच प्रस्तुति दी।

4.6पुरस्कार और उपलब्धियां

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. विशाखा जैन	अगस्त 2024 से एसएएसपीआई की नेतृत्व समिति के संयुक्त निदेशक।
डॉ. विशाखा जैन	SASPI के आजीवन सदस्य
डॉ. शक्तिवादिवेल वी	मार्च 2025 में WINCAR सोसाइटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रज्वला अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
डॉ. वाहिनी गोल्ला	28 अप्रैल 2024 को एक्ट नाउ सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन, हैदराबाद द्वारा *एपीजे अब्दुल कलाम स्वास्थ्य और चिकित्सा उत्कृष्टता पुरस्कार*
डॉ. वाहिनी गोल्ला	एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया) HYD चैप्टर की आजीवन सदस्यता (LM327 दिनांक 5/7/2024)

डॉ. वाहिनी गोल्ला	मेडिकल एजुकेशनिस्ट एसोसिएशन के आजीवन सदस्य AME412.

5 विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- **शिक्षण प्रयोगशालाएँ:** मेडिसिन विभाग के पास स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए अपना स्वयं का सेमिनार कक्ष नहीं है; इसलिए यह पैथोलॉजी सेमिनार कक्ष में किया जाता है। स्नातकोत्तर व्याख्यान और ट्यूटोरियल विभिन्न विभागों जैसे माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, फोरेंसिक मेडिसिन और नर्सिंग कॉलेज (तीसरी मंजिल) के डेमो रूम में आयोजित किए जाते हैं ।
- **विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ:** 2D इकोकार्डियोग्राफी और होल्टर
- **आउटरीच सेवाएं:** हम एमएस कार्यालय, माइक्रोबायोलॉजी विभाग और अन्य विभागों द्वारा आयोजित आउटरीच गतिविधियों में भाग लेते हैं।

6 अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन: 18** (PubMed **अनुक्रमित पत्रिकाएँ**: 14, **मूल लेख**: 4)
- **अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य**-14, **अंतः**-11, **गैर**-**वित्तपोषित**-05

6.1 पुस्तकें / अध्याय

1 डॉ. विशाखा जैन:

- संपादक , *हैंडबुक ऑफ़ बैरिएट्रिक न्यूट्रिशन* (स्प्रिंगर), ने डॉ. अपर्णा गोविल भास्कर, लिलियन क्रैग्सडिनो और मैरी ओ'केन के साथ मिलकर बैरिएट्रिक पोषण पर इस व्यापक संदर्भ पुस्तक का सह-संपादन किया है। यह पुस्तिका बैरिएट्रिक रोगियों में पोषण के अनुकूलन के लिए प्रमाण-आधारित दिशानिर्देश और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करती है।
- लेखक, अध्याय: "मोटापे का चिकित्सा प्रबंधन और मेटाबोलिक और बैरिएट्रिक सर्जरी के लिए दिशानिर्देश" **,** में: *बैरिएट्रिक पोषण की पुस्तिका* (स्प्रिंगर) लेखक, अध्याय: "एटीटी प्रेरित हेपेटाइटिस" में: एपीआई मेडिसिन एक्लीनिकल कम्पेंडियम 2025 (जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड), संपादक: ज्योतिर्मय पाल, नंदिनी चटर्जी
- संपादक, आईसीयू मैनुअल (पारस प्रकाशक) डॉ. रजनीश जोशी और डॉ. आशीष गोयल के साथ मिलकर गंभीर कार में आपात स्थिति पर इस व्यापक आसान पहुंच पुस्तक का सह-संपादन कर रहे हैं।
- इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की 231वीं केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक के दौरान जारी आईएमए एएमएस के इतिहास में "हाइपोथायरायडिज्म: एक व्यापक समीक्षा और हालिया अपडेट" शीर्षक से एक अध्याय का योगदान दिया, विषय : एंडोक्रिनोलॉजी, 13 और 14 अप्रैल 2024, चेन्नई, तमिलनाडु।□
- बीएलएस जीवन दयानी और एम्स बीबीनगर में आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन तैयारी पर दो पुस्तकों का संपादन किया गया । इन पुस्तकों का विमोचन संस्थान के स्थापना दिवस, 8 अप्रैल 2024 के अवसर पर किया गया।

2 डॉ. चरण एन

- एपीआई मेडिसिन: ए क्लिनिकल कम्पेंडियम में एक पुस्तक अध्याय का योगदान दिया

3 डॉ. वाहिनी जी

- **लेखक** "सीओपीडी के रोगियों में गंभीरता और प्रणालीगत भागीदारी पर बीओडीई सूचकांक का एक अध्ययन", **5 अप्रैल 2024 को** आईजेएमईडीपीएच जर्नल में स्वीकार किया गया।
- **संवाददाता लेखक** "तीव्र मायोकार्डियल रोधगलन में एचएससीआरपी और औसत प्लेटलेट मात्रा का एक अध्ययन" आईजेएमईडीपीएच जर्नल में।
- **सह लेखक** "एंटी-ट्यूबरकुलर उपचार के साथ पीलिया के एक मामले के लिए एक दृष्टिकोण" एपीआई कम्पेंडियम पाठ्यपुस्तक में प्रकाशित।

7 रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
आपातकालीन सेवाएं	**3832**
बाह्य रोगी विभाग सेवाएं	**90593**
आंतरिक रोगी सेवाएं	**1118**
चिकित्सा उच्च निर्भरता इकाई (HDU)	**495**
गहन देखभाल इकाई	**296**
नैदानिक सेवाएं ईसीजी	**17906**
डायग्नोस्टिक सेवाएं 2D इको	**1345**

8 महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

<table>
<tr>
<td>  </td>
<td>  </td>
</tr>
<tr>
<td>विश्व हृदय दिवस सीएमई कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सुश्री सैयद शहजादी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें एम्स नागपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ. प्रशांत जोशी, एम्स भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक डॉ. आशुतोष विश्वास और एम्स बीबीनगर के कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया भी शामिल थे।</td>
<td>डॉ. विशाखा जैन, डॉ. शक्तिवादिवेल वी, डॉ. चरण एन, और डॉ. वाहिनी जी द्वारा छात्रों के लिए कार्डियक सिमुलेटर का उपयोग करके हृदय संबंधी नैदानिक परीक्षण पर हैंडसन कार्यशाला का संचालन किया गया।</td>
</tr>
<tr>
<td>  </td>
<td>  </td>
</tr>
<tr>
<td>विश्व हृदय दिवस 2024 समारोह के उपलक्ष्य में, एम्स बीबीनगर के मेडिसिन विभाग ने 28 सितंबर 2024 को ओपीडी फ़ोयर में एक सामुदायिक जागरूकता सभा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का विषय था "हार्ट स्मार्ट: समुदायों का सशक्तिकरण"।</td>
<td>विश्व हृदय दिवस 2024 समारोह के एक भाग के रूप में, एम्स बीबीनगर के सामान्य चिकित्सा विभाग ने 28 सितंबर 2024 को ओपीडी फ़ोयर के पास एक सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।</td>
</tr>
</table>

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग

1 मुख्य बिन्दु

विभाग नैदानिक निदान सेवाएँ प्रदान करता है जो सामान्य शल्य चिकित्सा स्पेक्ट्रम के सभी पहलुओं को कवर करती हैं, जिनमें थायरॉइड, स्तन (गांठें, सौम्य और घातक दोनों), पेट दर्द/गांठ, वंक्षण/पेरिनियल रोग, बवासीर, दरारें, फिस्टुला, वैरिकाज़ नसें, विभिन्न सतही गांठें और अल्सर शामिल हैं। ओपीडी में अल्सर की सफाई, सतही फोड़ा/पैरोनिचिया की निकासी, सतही सिस्ट का निष्कासन आदि जैसी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ की जाती हैं। ऑपरेशन थियेटर नवंबर 2021 से कार्यरत है। नैदानिक कार्य के अलावा, विभाग की जिम्मेदारी हमारे युवा स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को शल्य चिकित्सा की कला और विज्ञान में प्रशिक्षित करने की भी है ताकि वे शल्य चिकित्सा कला में एक अच्छी और मजबूत नींव के साथ सक्षम और कुशल चिकित्सक बन सकें।

2 संकाय



डॉ. प्रियदर्शन जटेगांवकर
प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष



डॉ. एस सिद्धार्थ राव
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. कृष्ण रामावत
सह - प्राध्यापक



डॉ. न्यानसिंधु अकुला
सह - प्राध्यापक



डॉ. तुषार परमेश्वर
सह - प्राध्यापक

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	डी ई ओ	लैब तकनीशियन	स्टाफ नर्स
07	एसआर11, शैक्षणिक जेआर7	1	कोई नहीं	14

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	240	2448	156
पीजी	156	24X7	

4.3 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

- **उपस्थित: 35**
- **संगठित: 1**

4.4 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए

1. 24/10/24 को प्लास्टिक सर्जरी विभाग के सहयोग से बर्न्स पर NABI जोनल सीपीडी।

4.5 संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान / वार्ता

- डॉ. सिद्धार्थ राव (11), डॉ. ए. नयना सिंधु (02), डॉ. तुषार परमेश्वर (05), डॉ. कृष्णा रामावत (05)

4.6 मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ: डॉ. कृष्णा रामावत: 03

4.7. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	**पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण**
डॉ.कृष्णा रामावत	आईएससीपी द्वारा फेलोशिप (**एफआईएससीपी) प्रदान की गई।**
	14 मार्च 2024 को आयोजित बीएलएस कार्यशाला संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ।

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

1. परामर्श के लिए उपकरणों और उपकरणों के साथ ओपीडी
2. सरल प्रक्रियाओं और ड्रेसिंग के लिए दो प्रक्रिया कक्ष
3. वार्ड में क्लीनिकों के लिए प्रदर्शन कक्ष
4. पर्याप्त उपकरणों और उपकरणों के साथ ऑपरेशन थियेटर

6.1 अनुसंधान [1 **अप्रैल** 2023 – 31 **मार्च** 2024]

- **कुल प्रकाशन** : 10, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 8
- **अनुसंधान परियोजनाएँ** : बाह्य: 03, गैर-वित्तपोषित: 2

6. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की गई सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
रोगी देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण	
ओपीडी	39021
ओपीडी प्रक्रियाएं	13233
आईपीडी	982
ओटी प्रक्रियाएं	420

अस्पताल प्रशासन विभाग

1. मुख्य बिन्दु

अस्पताल प्रशासन विभाग 21 अप्रैल 2023 से कार्यरत है और इसके संकाय संस्थान प्रशासन की विभिन्न गतिविधियों में संलग्न हैं। अस्पताल से संबंधित वैधानिक अनुमोदन और लाइसेंस प्राप्त करना, जैसे कि नैदानिक स्थापना अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण, स्पिरिट लाइसेंस आदि, साथ ही आयुष्मान भारत और आरोग्यश्री जैसी स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन में हमारी भागीदारी है। वर्ष 2025-26 के लिए विभाग का ध्यान अस्पताल प्रशासन में एमडी पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ-साथ स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (संबद्ध स्वास्थ्य सेवा) में बीएससी पाठ्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने पर होगा।

2. संकाय



डॉ. कुलदीप जी.बी.
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. सिद्धार्थ राव पीएस
सहायक प्रोफेसर

3. शैक्षणिक

3.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)
अन्य कोई	बीएससी स्वास्थ्य सूचना विज्ञान

3.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

iii. उपस्थित: 04

iv. संगठित: 01

27 जून 2024 को "ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम"

3.3 संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

- **डॉ. पीएस सिद्धार्थ राव,** "**आपदा प्रबंधन में अस्पतालों की भूमिका और अस्पताल घटना प्रतिक्रिया प्रणाली** (**एचआईआरएस**), **एचआईआरएस के लिए क्षमता निर्माण और टीम निर्माण**", **आपदा प्रबंधन कार्यशाला**, 12 **मार्च** 2025, **एम्स बीबीनगर**

4. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण कक्षा: 01

5. अनुसंधान

5.1 कुल प्रकाशन : 01

- **मिश्रा पी** , यादव एसके, शर्मा एस, सोमसुंदरम वी. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया और मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम के रोगियों में p15 जीन के प्रमोटर क्षेत्र में डीएनए

मिथाइलेशन स्थिति पर एक अध्ययन। मेडिकल जर्नल आर्म्ड फोर्सेज इंडिया। 2021 जुलाई 1 ;77 (3):33742।

5.2 पुस्तकें / अध्याय

- **यादव के.** , शर्मा एस., सैयद ई. हसनैन। पुस्तक अध्याय का शीर्षक, पुस्तक का शीर्षक। प्रकाशक, दिनांक। आईएसएसएन 9789811692314

6. महत्वपूर्ण लोगों की तस्वीरें

<table>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम</td><td>राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के एक भाग के रूप में सड़क सुरक्षा अभियान</td></tr>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>एम्स बीबीनगर ने स्वच्छता ही सेवा विशेष अभियान4.0 और कर्म योगी सप्ताह राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का आयोजन किया।</td><td>नव प्रवेशित बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग और एमएससी (नर्सिंग) के प्रथम बैच के छात्रों के लिए 30 सितंबर से 3 अक्टूबर 2024 तक फाउंडेशन कोर्स</td></tr>
</table>

मेडिकल ऑन्कोलॉजी/हेमेटोलॉजी विभाग

1. मुख्य बिन्दु

हमारा उद्देश्य वयस्क और बाल रोगियों को सौम्य और घातक रक्तविज्ञान की व्यापक सेवाएँ प्रदान करना है। अप्लास्टिक एनीमिया, एक्यूट ल्यूकेमिया, मल्टीपल मायलोमा, हॉजकिन्स और नॉन-हॉजकिन्स लिंफोमा के उन रोगियों के लिए डे केयर कीमोथेरेपी, सहायक देखभाल, अस्थि मज्जा प्रक्रिया और रक्त आधान सहायता प्रदान करने हेतु 5 बिस्तरों वाला विशेष डे केयर यूनिट स्थापित किया गया है, जो पहले से ही प्रतिरक्षा विहीन और न्यूट्रोपेनिक हैं।

2. संकाय



डॉ. विनोदिनी एम
सह - प्राध्यापक

3. अन्य कर्मचारी

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स
1	1 जेआर	2

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण: वार्ड राउंड, रेफरल राय और ओपीडी के दौरान स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

- **उपस्थित: 12**
- **संगठित: 2**

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान

i. डॉ. विनोदिनी एम: 02

4.4 संकायों द्वारा दिए गए आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ:

ii. डॉ. विनोदिनी एम: 01

5. अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन** : 4, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 3, मूल लेख: 3
- **अनुसंधान परियोजनाएँ:** गैर-वित्तपोषित- 04

5.1 पुस्तकें/अध्याय:

iii. इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन, जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज के समीक्षक।

6. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
सौम्य रक्त संबंधी रोगों जैसे कि पैन्सीटोपेनिया, अप्लास्टिक एनीमिया, दीर्घकालिक रोग एनीमिया, पोषण	80-100

संबंधी, ऑटोइम्यून हेमोलिटिक और अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित रोगियों को ओपीडी और आईपीडी सेवाएं प्रदान की गईं।	
घातक रक्त संबंधी स्थितियों जैसे तीव्र ल्यूकेमिया, क्रोनिक ल्यूकेमिया, मल्टीपल मायलोमा और लिम्फोमा का उपचार दिशानिर्देशों और सिफारिशों के अनुसार किया गया	3-5

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

1. मुख्य बिन्दु

अप्रैल 2024 **से मार्च** 2025 **तक** विभाग का चौथा शैक्षणिक वर्ष रहा, जिसमें रोगी देखभाल के लिए उच्च गुणवत्ता वाली नैदानिक सेवाएँ प्रदान की गईं। संस्थान की स्थापना के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए कुछ उत्कृष्ट प्रयास इस प्रकार हैं: पीएमएबीएचआईएम के चरण 2 के अंतर्गत **बीएसएल**3 **सुविधा को** और अधिक गति मिली; **एमडी छात्रों के पहले बैच का स्नातक होना** ; बाल क्षय रोग के लिए एक अभिनव "के8 स्पाइडर नमूना संग्रह और सांद्रण उपकरण" की प्रस्तुति के साथ राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति ; **स्वास्थ्य दिवसों का आयोजन**; रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) पर ज़ोर; विशिष्ट छात्र-आधारित शैक्षणिक गतिविधियाँ; शोध उपलब्धियाँ और अन्य प्रशासनिक ज़िम्मेदारियाँ।

2. संकाय

<table>
<tr>
<td> 
डॉ. राहुल नारंग
प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष</td>
<td> 
डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताडी
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. रुद्रेश एस.एम.
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. शालम निकहत शीरीन
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
</tr>
<tr>
<td> 
डॉ. श्यामला आर
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. सुनील कुमार डी चव्हाण
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. राजा एस
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. राहुल गर्ग
सहायक प्रोफेसर</td>
</tr>
</table>

3. अन्य कर्मचारी

संकाय	एसआर और जेआर	लैब तकनीशियन	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
08	एसआर 4 जेआरएस 10	लैब तकनीशियन11 डीईओ 1	आईसीएन – 2 आणविक प्रयोगशाला 2	वीआरडीएल स्टाफ – 6, आरसीओएच स्टाफ – 4 SHOA परियोजना – 2, मलेरिया परियोजना 1 एसटीआई परियोजना – 6, एआईएनपी परियोजना 1 लैंप परियोजना – 1, श्वसन वायरस निगरानी परियोजना 1

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ
एमबीबीएस	86(2022 बैच) 159 (2023 बैच)	40(2022 बैच) 146(2023 बैच)	10 घंटे
पीजी	54	52	152 (लैब पोस्टिंग शिक्षण)
बीएससी एमएलटी	45 (2023 बैच)	33 (2023 बैच)	2023(6 महीने की लैब पोस्टिंग) 2024 (3 महीने की लैब पोस्टिंग)
बी.एससी नर्सिंग	37 (2023 बैच)	4 (2023 बैच)	

अपनाई गई शिक्षण-अधिगम विधियाँ:

पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, गूगल फॉर्म, स्मार्ट बोर्ड, इंटरैक्टिव शिक्षण	जिगसॉ लर्निंग टूल एकीकृत शिक्षण सेमिनार	विचार-मंथन, प्रश्नोत्तरी टीम आधारित शिक्षा

.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 53

ii. संगठित: 4

1. **विश्व टीबी दिवस** के अवसर पर 15 अप्रैल 2024 को " **पल्मोनरी टीबी** महामारी विज्ञान, निदान और उपचार" विषय के साथ सामान्य चिकित्सा, फार्माकोलॉजी और सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा को शामिल करते हुए एक **एकीकृत शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।**
2. 06 जुलाई 2024 को " **विश्व जूनोसिस दिवस** " कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जिसमें युवा नवोदित मस्तिष्कों में जागरूकता पैदा करने के लिए जूनोटिक रोगों के संबंध में ई-पोस्टर, रंगोली, प्रश्नोत्तरी आदि जैसी विभिन्न गतिविधियाँ शामिल थीं।
3. मेडिकल और पैरामेडिकल छात्रों के लिए **ईपोस्टर प्रस्तुति** आयोजित करके **विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह 2024 (18 नवंबर 2024)** मनाया गया
4. **तेलंगाना राज्य के विभिन्न अन्य मेडिकल कॉलेजों के सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए आईएएमएमटीएपीसी के सहयोग से** 06 दिसंबर 2024 को "एक स्वास्थ्य दिवस और स्थापना दिवस" के लिए "दोहरे परिप्रेक्ष्य: एक स्वास्थ्य ढांचे में स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस को समझना" विषय के **साथ सीएमई** का आयोजन किया गया।

iii. संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान / वार्ता

प्रोफेसर (डॉ.) राहुल नारंग (03), डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताड़ी (01), डॉ. रुद्रेश एसएम (07) डॉ. सुनील कुमार डी चव्हाण (03), डॉ. राहुल गर्ग (05), डॉ. **राजा एस** (01), डॉ. अविनाश (01)

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 05

4.4. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
प्रोफेसर (डॉ) राहुल नारंग	18 से 19 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आयोजित भारत नवाचार सम्मेलन में **'बाल्यावस्था टीबी के लिए K8 स्पाइडर नमूना संग्रहण और संकेन्द्रण उपकरण'** नवाचार प्रस्तुत करने के लिए **मान्यता प्रमाण पत्र** प्राप्त किया । **बचपन में टीबी के लिए के8 स्पाइडर नमूना संग्रह और एकाग्रता उपकरण'' को "नवाचार के एटलस "** में जोड़ा गया, जो गेट्स फाउंडेशन और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के समर्थन से द यूनियन द्वारा समन्वित टीबी के खिलाफ लड़ाई में सभी नवाचारों के लिए एकल बिंदु संदर्भ है।

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

प्रभाग	प्रभाग प्रमुख
एक स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन	डॉ. राहुल नारंग
विषाणु विज्ञान और आणविक जीव विज्ञान	डॉ. लक्ष्मी ज्योति ताडी
नए वीटीडी और आईपीआर , जीवाणु विज्ञान (श्वसन), माइकोबैक्टीरियोलॉजी	डॉ रुद्रेश एस.एम.
यूकेरियोटिक परजीवी विज्ञान	डॉ. शालम निकहत शीरीन
सीरोलॉजी और इम्यूनोलॉजी	डॉ. श्यामला आर
अस्पताल संक्रमण नियंत्रण (एचआईसी) सहित नैदानिक	डॉ. सुनील कुमार डी. चव्हाण
प्रोकैरियोटिक जीवाणु विज्ञान (मूत्र, मल, स्राव)	डॉ. राजा एस
जीवाणु विज्ञान (रक्त और बाँझ शरीर द्रव), कवक विज्ञान, एआई/एमएल और मॉडलिंग	डॉ. राहुल गर्ग

- **शिक्षण, अनुसंधान और सेवा प्रयोगशालाएं: जीवाणु विज्ञान**, **सीरोलॉजी**, **माइकोलॉजी**, **पैरासिटोलॉजी**, **माइकोबैक्टीरियोलॉजी**, **वायरोलॉजी**, **आणविक जीव विज्ञान**, **एचआईसी**, **मीडिया तैयारी कक्ष**, **डेमो कक्ष**, **सेमिनार कक्ष और संग्रहालय।**

6. अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन:** 20, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 20, मूल लेख: 12
- **शोध परियोजनाएं:** बाह्य: 21, अंतःविषय: 06, गैर-वित्तपोषित: 01, यूजी/पीजी छात्र परियोजनाएं: 07

6.1. पुस्तकें / अध्याय

1. **श्यामला आर**
   - **नर्सों के लिए सुरक्षा सहित अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान और संक्रमण नियंत्रण की पाठ्यपुस्तक।**

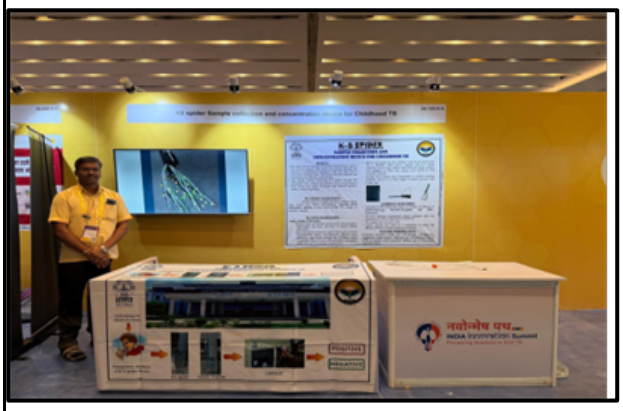
6.2. कॉपीराइट

क्र. सं.	कॉपीराइट का शीर्षक	आरओसी नंबर/ डायरी नंबर	दाखिल करने की तिथि	स्थिति
1.	बरगद के पेड़ का मॉडल	10284/2024सीओ/ए	4.04.2024	कॉपीराइट पंजीकृत
2	अष्टांग योग पर आधारित रोगी देखभाल सिद्धांत	10462/2024सीओ/ए	5.04.2024	कॉपीराइट पंजीकृत
3	अष्टांग योग के सिद्धांतों पर आधारित एक चिकित्सा संस्थान में शिक्षा	10670/2024सीओ/ए	6.04.2024	कॉपीराइट पंजीकृत

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
सीरम विज्ञान	9227
जीवाणुतत्व	23,339
वाइरालजी	34,489
परजीवी विज्ञान	278
कवक विज्ञान	460
आणविक जीव विज्ञान	721
कुल	**68,514**

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	
06 जुलाई 2024 को " **विश्व जूनोसिस दिवस** " कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जिसमें युवा नवोदित मस्तिष्कों में जागरूकता पैदा करने के लिए जूनोटिक रोगों के संबंध में ई-पोस्टर, रंगोली, प्रश्नोत्तरी आदि जैसी विभिन्न गतिविधियाँ शामिल थीं।	मेडिकल और पैरामेडिकल छात्रों के लिए **ईपोस्टर प्रस्तुति** आयोजित करके **विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह 2024 (18 नवंबर 2024)** मनाया गया
	
तेलंगाना राज्य के विभिन्न अन्य मेडिकल कॉलेजों के सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए आईएएमएमटीएपीसी के सहयोग से 06 दिसंबर 2024 को "एक स्वास्थ्य दिवस और स्थापना दिवस" के लिए "दोहरे परिप्रेक्ष्य: एक स्वास्थ्य ढांचे में स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस को समझना" विषय के **साथ सीएमई** का आयोजन किया गया ।	18 से 19 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आयोजित भारत नवाचार सम्मेलन में अपने नवाचार 'बचपन में टीबी के लिए K8 स्पाइडर नमूना संग्रह और सांद्रता उपकरण' को प्रस्तुत करना।

नवजात शिशु विज्ञान विभाग

1. **मुख्य बिन्दु**

नियोनेटोलॉजी विभाग ने 15 **मई** 2023 **को काम करना शुरू कर दिया** , शुरुआत में बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (PICU) के साथ बेड साझा करके किया गया । एक समर्पित **सात बिस्तरों वाला नवजात गहन चिकित्सा इकाई** (NICU) **फरवरी** 2024 में स्थापित किया गया था , और बाद में **अक्टूबर** 2024 में **दस बिस्तरों वाले** NICU **में विस्तारित किया गया । फरवरी** 2024 **में** एक **हाईरिस्क फॉलोअप क्लिनिक** भी शुरू किया गया था । **जुलाई** 2025 **से शुरू होने वाले शैक्षणिक वर्ष के लिए डीएम नियोनेटोलॉजी कार्यक्रम** के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया । विभाग प्रसवोत्तर वार्ड देखभाल, प्रसव कक्ष सहायता के साथ **स्तर** 1, 2 **और** 3 NICU **देखभाल प्रदान करता है**, **और एक उच्च जोखिम अनुवर्ती क्लिनिक** और एक **स्तनपान अनुवर्ती क्लिनिक दोनों चलाता है** । सेवाओं में वेंटिलेटर देखभाल, उच्च आवृत्ति वेंटिलेशन, CPAP थेरेपी, सर्फेक्टेंट थेरेपी, विकासात्मक सहायक देखभाल, कंगारू माँ की देखभाल, फोटोथेरेपी, परिवार केंद्रित देखभाल और आनुवंशिक परामर्श शामिल हैं। **अप्रैल** 2024 से मार्च 2025 तक , हमारी इनपेशेंट जनगणना में 628 **एनआईसीयू प्रवेश** और 123 **आईपीडी एनआईसीयू प्रवेश शामिल थे** , जबकि **ओपीडी में** 2,032 **दौरे** दर्ज किए गए । इस वर्ष **नवजात शिशु मृत्यु दर** 1,000 **प्रवेशों पर** 8 **थी** , जो तेलंगाना के किसी भी अन्य सरकारी केंद्र की तुलना में काफी कम है।

2. नैदानिक मुख्य बिन्दु

हमारी टीम ने कुछ सबसे गंभीर नवजात मामलों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है, जिनमें शामिल हैं:

- **अत्यंत समय पूर्व जन्मे शिशु** (<28 सप्ताह का गर्भकाल)
- **अत्यंत कम वजन वाले नवजात शिशु** (<1000 ग्राम)
- गंभीर **मेकोनियम एस्पिरेशन सिंड्रोम (एमएएस)** के साथ **लगातार फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप (पीपीएचएन)**
- **बहुऔषधि प्रतिरोधी** सेप्सिस, मेनिन्जाइटिस और सेप्टिक गठिया

हम नवजात शिशुओं की शल्य चिकित्सा संबंधी मामलों, जैसे गुदा-मलाशय संबंधी विकृतियां, हिर्शस्प्रंग रोग, आंत्र छिद्र आदि के प्रबंधन के लिए **बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के साथ सहयोग करते हैं।**

नैदानिक और विशिष्ट सेवाएं

हमारा विभाग **नवजात शिशुओं के बिस्तर के पास अल्ट्रासाउंड और इकोकार्डियोग्राफी करता है** , तथा जटिल जन्मजात हृदय दोषों का निदान करता है, जैसे:

- गंभीर फुफ्फुसीय स्टेनोसिस
- महान धमनियों का स्थानांतरण (TGA)
- पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस (पीडीए)

हमने निम्नलिखित का भी निदान और सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है:

- दुर्लभ आनुवंशिक सिंड्रोम
- चयापचय की जन्मजात त्रुटियाँ
- जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म
- जन्मजात विकृतियां जैसे **सीटीईवी** , **कटे होंठ** और **कटे तालु**

स्तनपान सहायता

हमारे समर्पित **स्तनपान परामर्शदाता** , जो आंतरिक रूप से प्रशिक्षित हैं, माताओं को नियमित रूप से स्तनपान परामर्श प्रदान करते हैं और गलत स्तनपान और स्तनपान की कमी के मामलों का प्रबंधन करते हैं। एक उल्लेखनीय उपलब्धि **एक दत्तक माता में सफल स्तनपान कराना था** , जो बिना किसी जन्म के भी अपने दत्तक शिशु को स्तनपान कराने में सक्षम थी।

पिछले वर्ष 6 महीने की आयु तक हमारी **अनन्य स्तनपान दर** 91.5% **थी** , जो भारत के **एनएफएचएस**5 **औसत** 65% **से काफी अधिक थी** ।

3. संकाय



डॉ. एस. थानिगैनाथन
सह - प्राध्यापक

4. विभाग टीम

संकाय	**एसआर और जेआर**	**स्वास्थ्य कार्यकर्ता**	**स्टाफ नर्स**
01	एसआर – 2 जेआर – 4	हाउस कीपिंग – 4	39

5. शैक्षणिक

5.1 शिक्षण

i. अपनाई गई शिक्षण-अधिगम विधियाँ

पाठ्यक्रम	**सिद्धांत (घंटे)**	**व्यावहारिक (घंटे)**
एमबीबीएस	21 घंटे	-
पीजी	35 घंटे	50 घंटे

5.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 5

ii. संगठित: 2

- 17 अगस्त 2024 से विश्व स्तन सप्ताह 2024"
- 3 और 5 जुलाई 2024 को नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम कार्यशाला''

iii. संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान / वार्ता

- डॉ. एस. थानिगैनाथन : 04

iv. मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ:

- **डॉ. एसके मोहनसुंदरी ने 29 सितंबर 2024 को** "चौथे दक्षिण एशिया लैम्बकॉन 2024" द्वारा आयोजित " स्तनपान **अपर्याप्तता के कई जोखिम कारकों के साथ** 25 **सप्ताह के गर्भ में जन्म लेने वाली माँ में स्तनपान का सफल प्रबंधन**: **एक केस रिपोर्ट**" **शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।**
- **सुरभि मोहन ने 29 सितंबर 2024** को "4 वें दक्षिण एशिया लैम्बकॉन 2024" द्वारा आयोजित "स्तनपान अनुवर्ती क्लिनिक - तृतीयक देखभाल नवजात इकाई में 6 महीने की उम्र तक केवल स्तनपान दर में सुधार करने में भूमिका: संभावित रूप से एकत्रित आंकड़ों का पूर्वव्यापी विश्लेषण" शीर्षक **से** एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

5.3 पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
किरणमई, नर्सिंग अधिकारी	प्रथम पुरस्कार - लैम्बकॉन 2024
सुरभि मोहन, नर्सिंग ऑफिसर	दूसरा पुरस्कार - लैम्बकॉन 2024

6.उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: उच्च जोखिम अनुवर्ती क्लिनिक, स्तनपान अनुवर्ती क्लिनिक

7. अनुसंधान

- **विभाग के कुल प्रकाशन:** 4, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 4, मूल लेख: 3
- **अनुसंधान परियोजनाएँ:** एक्स्ट्रामुरल:01, एसटीएस: 01

8. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
एनआईसीयू	628
आईपीडी एनआईसीयू	123
उच्च जोखिम अनुवर्ती क्लिनिक	2032

9. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



विश्व स्तनपान सप्ताह 2024



स्तनपान पर सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम

	
स्तनपान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	**नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम कार्यशाला**

नेफ्रोलॉजी विभाग

1. **मुख्य बिन्दु**

विभाग की स्थापना जनवरी 2023 में एक संकाय सदस्य के साथ हुई थी और तब से इसने अपनी सेवाओं का काफी विस्तार किया है। एक प्रमुख मील का पत्थर 18 अप्रैल 2024 को हीमोडायलिसिस इकाई का उद्घाटन था, जिसमें 22 अप्रैल 2024 को पहले रोगी का इलाज किया गया था। पोर्टेबल आरओ यूनिट और समर्पित हीमोडायलिसिस मशीन के उपयोग से आईसीयू में बेडसाइड हीमोडायलिसिस सेवाएं भी चालू की गईं। एक प्रक्रिया कक्ष को विभिन्न संवहनी पहुंच और हस्तक्षेप प्रक्रियाओं के लिए सुसज्जित और कार्यात्मक बनाया गया है, जो एक समर्पित पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन द्वारा समर्थित है। 31 मार्च 2025 तक, संस्थान में 1,300 से अधिक डायलिसिस सत्र पूरे हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी (डीटीटी) में बीएससी पैरामेडिकल कोर्स की शुरुआत के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया गया, जिसमें अक्टूबर 2024 में छात्र नामांकन शुरू होगा। ग्लोमेरुलर रोगों से पीड़ित रोगियों के लिए केन्द्रित देखभाल और अनुवर्ती उपचार प्रदान करने के लिए एक विशेष ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस (जीएन) क्लिनिक भी स्थापित किया गया है, जिसमें व्यक्तिगत रोगी डेटा का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाता है।

2. **संकाय**



डॉ. अनीता स्वामी
सहायक प्रोफेसर

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्वास्थ्य कार्यकर्ता	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
01	एसआर 1 जेआर 3 (गैर-शैक्षणिक)	हाउसकीपिंग स्टाफ 1, परिचारक1	10	डायलिसिस तकनीशियन 3

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस पीजी अन्य कोई	➢ नेफ्रोलॉजी विभाग में तैनात नॉन-एकेडमिक जूनियर्स, नॉन-एकेडमिक सीनियर्स के लिए ओपीडी और बेडसाइड शिक्षण और चर्चा (प्रति सप्ताह 6 घंटे)। ➢ यूएसजी निर्देशित गुर्दे की बायोप्सी, संवहनी पहुंच प्रक्रियाओं (प्रति सप्ताह 3 घंटे) जैसी हस्तक्षेप प्रक्रियाओं का लाइव प्रदर्शन। ➢ बी.एससी नर्सिंग छात्र छोटे समूह शिक्षण (3 कक्षाएं ली गईं)

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 05

ii. संगठित: 01

1.30 जुलाई 2024 को 'अंगदान जनजागरुकता अभियान' और अंगदान जागरूकता माह के एक भाग के रूप में अतिथि वक्ता के रूप में प्रोफेसर (डॉ.) स्वर्णलता गुडिती, प्रोफेसर और प्रमुख, नेफ्रोलॉजी विभाग, निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पंजागुट्टा, हैदराबाद और तेलंगाना राज्य मृतक दाता प्रत्यारोपण (जीवनदान) कार्यक्रम के प्रभारी के साथ "अंगदान: जीवनदान कार्यक्रम का अवलोकन और एक प्रत्यारोपण केंद्र के लिए भविष्य की योजना" शीर्षक से एक विशेषज्ञ अतिथि वार्ता का आयोजन किया गया ।

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

1. डॉ. अनीता स्वामी: 02

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ

1. डॉ. अनीता स्वामी, "कोयला खदान में कैनरी: तेजी से बढ़ने वाले ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस का एक दिलचस्प मामला" आईएसएन वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ नेफ्रोलॉजी में , नई दिल्ली, 25 फरवरी 2025।

5. उपलब्ध सुविधाएं

➢ **हेमोडायलिसिस और इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं:** पांच बिस्तरों वाला हेमोडायलिसिस यूनिट सह डे केयर सुविधा, जिसमें यूएसजी निर्देशित किडनी बायोप्सी, सुरंगयुक्त और गैर सुरंगयुक्त हेमोडायलिसिस कैथेटर सम्मिलन आदि जैसी इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं के लिए एक प्रक्रिया कक्ष है। आईसीयू में बेडसाइड हेमोडायलिसिस सेवाएं भी उपलब्ध हैं, जो एक समर्पित हेमोडायलिसिस मशीन और एक पोर्टेबल आरओ यूनिट द्वारा समर्थित हैं।

- **विशेष क्लिनिक:** ग्लोमेरुलर रोग क्लिनिक - प्रत्येक मंगलवार को आयोजित किया जाता है।
- **आउटरीच सेवाएं:** ई-संजीवनी टेली-परामर्श प्रत्येक मंगलवार को आयोजित किया जाता है।

6. अनुसंधान

6.1 विभाग के कुल प्रकाशन: 02 (PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 02)

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ : बाह्य: 01, गैर-वित्तपोषित: 03

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	मरीजों की संख्या
ओपीडी परामर्श	6033
आईपीडी प्रवेश	101
आईपीडी परामर्श	434
हेमोडायलिसिसप्लाज्मा एक्सचेंज प्लाज्मा एक्सचेंज (PLEX)	1339 3
डे केयर प्रवेश	1201
गुर्दे की बायोप्सी और विभिन्न प्रक्रियाएं	102

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

<table>
<tr>
<td> 
</td>
<td>  </td>
</tr>
<tr>
<td>नेफ्रोलॉजी विभाग के अंतर्गत हीमोडायलिसिस यूनिट की स्थापना की गई, जिसमें यूनिट और एआईसीयू दोनों में सेवाएं 18 अप्रैल 2024 से प्रभावी हो गया ।</td>
<td>पहले मरीज के लिए हेमोडायलिसिस 22 अप्रैल 2024 को शुरू किया गया।</td>
</tr>
</table>

	
तेलंगाना राज्य मृतक दाता प्रत्यारोपण (जीवनदान) कार्यक्रम की प्रभारी प्रोफेसर (डॉ.) स्वर्णलता गुडिती के साथ **"अंगदान: जीवनदान कार्यक्रम का अवलोकन और प्रत्यारोपण केंद्र के लिए भविष्य की योजना" शीर्षक से एक विशेषज्ञ अतिथि वार्ता 30 जुलाई 2024 को 'अंगदान जन जागृति अभियान' के हिस्से के रूप में आयोजित की गई ।**	**25 जनवरी 2025 को संस्थान में कुल 1,000 हेमोडायलिसिस सत्र पूरे किए गए।**

न्यूरोलॉजी विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग प्रत्येक जनरल न्यूरोलॉजी आउट पेशेंट क्लीनिक में सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को 3060 रोगियों की सेवा करता है। स्ट्रोक और मूवमेंट डिसऑर्डर में विशेष क्लीनिकों के अलावा, हमने हर मंगलवार को न्यूरोजेनेटिक्स और स्लीप डिसऑर्डर क्लिनिक शुरू किया। हमारी सेवाएं अन्य न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले रोगियों को देखभाल प्रदान करती हैं, जिनमें सिरदर्द, डिमाइलिनेशन विकार, चक्कर, परिधीय न्यूरोपैथी, मिर्गी और ग्रीवा और लंबोसैक्रल रेडिकुलोपैथी शामिल हैं। हम हेमीफेशियल ऐंठन, ब्लेफरोस्पाज्म और डिस्टोनिया जैसे मूवमेंट विकारों वाले रोगियों के लिए बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन देना जारी रखते हैं। डीएम न्यूरोलॉजी प्रशिक्षुओं को पढ़ाने के अलावा, हम एमडी (जनरल मेडिसिन और पीडियाट्रिक्स) छात्रों को पढ़ाने में भाग लेते हैं

2. संकाय



प्रो. (डॉ.) नीरज कुमार
प्रोफेसर और प्रमुख



डॉ. टी. अशोक वर्धन रेड्डी
सहायक प्रोफेसर

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
02	अकादमिक एसआर (डीएम): 2 गैर-शैक्षणिक एसआर: 1 गैर-शैक्षणिक जूनियर: 1	4 स्थायी रोटेशन पर 2	न्यूरो टेक्नोलॉजिस्ट: 2 कार्यकारी सहायक: 1

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
पीजी (एमडी इंटरनल मेडिसिन)	23 घंटे/सप्ताह	35 घंटे/सप्ताह	लघु विषय चर्चाएँ, केस आधारित चर्चाएँ 12 घंटे/सप्ताह
डीएम न्यूरोलॉजी	68 घंटे/सप्ताह	1820 बजे/सप्ताह	लघु विषय चर्चा, केस आधारित चर्चा, सेमिनार, जर्नल क्लब: 810 घंटे/सप्ताह

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

- डॉ. के. सौजन्या, एसआर, डीएम न्यूरोलॉजी: " डिमेंशिया और अजीबोगरीब चाल वाले नासु हाकोला सिंड्रोम से पीड़ित 38 वर्षीय व्यक्ति" का एक लंबा मामला प्रस्तुत किया ।
- डॉ. मानस सक्सेना, एसआर, डीएम न्यूरोलॉजी: "शिशु अवस्था में विकृतियों से ग्रस्त एक युवा लड़की: जीएनएओ 1 जीन उत्परिवर्तन का मामला" का एक लंबा मामला प्रस्तुत किया।

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 30

ii. संगठित:3

iii. पुरस्कार और उपलब्धियाँ:

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. नीरज कुमार	1. एसोसिएट एडिटर, एनाल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर्स - अप्रैल 2024 - आज तक। 2. **मई** 2025 **में एम्स जोधपुर में डीएम न्यूरोलॉजी प्रैक्टिकल एग्जिट परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।** 3. **मई** 2025 **में एम्स ऋषिकेश में डीएम न्यूरोलॉजी प्रैक्टिकल एग्जिट परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।** 4. **अप्रैल** 2025 **में एम्स ऋषिकेश में पीडीएफ स्लीप मेडिसिन प्रैक्टिकल एग्जिट परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।** 5. 7 **मार्च**, 2025 **को आयोजित एम्स**, **देवघर की स्थायी चयन समिति द्वारा न्यूरोलॉजी संकाय चयन के लिए "विषय विशेषज्ञ" के रूप में आमंत्रित किया गया।** 6. 7 **मार्च**, 2025 **को आयोजित एम्स**, **गुवाहाटी की स्थायी चयन समिति द्वारा न्यूरोलॉजी संकाय चयन के लिए "विषय विशेषज्ञ" के रूप में आमंत्रित किया गया।** 7. 5 **मार्च**, 2025 **को यशोदा अस्पताल**, **हाईटेक सिटी**, **हैदराबाद में "मूवमेंट डिसऑर्डर एग्जिट परीक्षा में पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप" के लिए "विषय विशेषज्ञ" के रूप में आमंत्रित किया गया।** 8. **नवंबर** 2024 **में एम्स भुवनेश्वर में डीएम न्यूरोलॉजी प्रैक्टिकल एग्जिट परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।** 9. 27 और 28 सितंबर, 2024 को इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स एंड हॉस्पिटल्स फॉर जेनेटिक डिजीज, हैदराबाद द्वारा आयोजित "मस्कुलर डिस्ट्रॉफी में निदान, देखभाल, प्रबंधन और अनुसंधान में नवाचार" में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। 10. 18 **अप्रैल**, 2024 **को आयोजित एम्स**, **देवघर की स्थायी चयन समिति द्वारा न्यूरोलॉजी संकाय चयन के लिए "विषय विशेषज्ञ" के रूप में आमंत्रित किया गया।**

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण प्रयोगशालाएं: न्यूरोफिज़ियोलॉजी लैब का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- विशेष क्लीनिक/लैब: मूवमेंट डिसऑर्डर, स्ट्रोक, स्लीप डिसऑर्डर, न्यूरोजेनेटिक्स क्लिनिक प्रत्येक मंगलवार को चलता है।
- आउटरीच सेवाएं: ऑनलाइन परामर्श हर सप्ताह बुधवार को किया जाता है (ईसंजीवनी पोर्टल)।

6. अनुसंधान [1 **अप्रैल** 2024 – **मार्च** 2025]

6.1 कुल प्रकाशन: 23, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 22, मूल लेख: 10

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 04, अंतः: 02

6.3 पुस्तकें / अध्याय

- पुस्तक का अध्याय प्रेस में: संपादक: डॉ. एमवी पद्मा श्रीवास्तव। पुरुषों में सीवीटी: एक बहुआयामी रोग का विकसित होता दायरा। **टी. अशोक वर्धन रेड्डी, मानस सक्सेना, नीरज कुमार**
- पुस्तक अध्याय प्रेस में: लेवी बॉडीज के साथ मनोभ्रंश। इंडिया पॉइंट ऑफ केयर 2024। **टी अशोक वर्धन रेड्डी, नीरज कुमार**

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
बाह्य रोगी सेवाएं	6177
बाह्य रोगी टेलीमेडिसिन (ई संजीवनी सेवाएं)	596
इनपेशेंट सेवाएं	113
इनपेशेंट बेडसाइड रेफरल	263
छोटी प्रक्रियाएं (बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन)	35

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	
न्यूरोलॉजी विभाग ने 20 जुलाई, 2024 को विश्व मस्तिष्क दिवस के अवसर पर एक सीएमई का आयोजन किया । इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली। एमबीबीएस और डीएम के छात्रों ने इस सत्र में भाग लिया।	12 सितंबर, 2024 को न्यूरोलॉजी विभाग ने ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जागरूकता दिवस का आयोजन किया। इस सत्र में एमबीबीएस और डीएम के छात्रों ने भाग लिया।
	
न्यूरोलॉजी विभाग ने विश्व स्ट्रोक जागरूकता दिवस के अवसर पर 29 अक्टूबर, 2024 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सत्र में एमबीबीएस और डीएम छात्रों ने भाग लिया ।	28 फरवरी - 2 मार्च) में वीडी ई ओ अखाड़ा सत्र में मामले प्रस्तुत किए।

विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग

1. मुख्य बिन्दु

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग ने 06 **अप्रैल** 2024 को काम करना शुरू कर दिया । नए, चल रहे उपचार और उपचार के बाद के कैंसर रोगियों के लिए **बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।** ठोस ट्यूमर वाले मरीजों के लिए आरोग्यश्री योजना के तहत **कीमोथेरेपी दी जाती है।** कैंसर प्रबंधन पहलुओं पर नियमित रूप से **इनपेशेंट रेफरल की राय ली जा रही है। मरीजों को** ऑन्कोलॉजिकल आपात स्थिति, कीमोथेरेपी और सहायक देखभाल के लिए **इनपेशेंट केयर में भर्ती किया जाता है** । अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के आधार पर प्रबंधन तक पहुंचने के लिए कैंसर रोगियों से निपटने वाले सभी विभागों के साथ **बहु-विषयक ट्यूमर बोर्ड चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं** । कैंसर रोगियों से निपटने वाले सभी विभागों के सहयोग से **कैंसर स्क्रीनिंग सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।** अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री **कार्यक्रम के लिए एनसीडीआईआर बेंगलुरु के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है**

2. संकाय



डॉ. चंद्रमौली. आर
सहायक प्रोफेसर



श्री थिरुमल. एम
मेडिकल फिजिसिस्ट सह आरएसओ स्तर III

3. अन्य कर्मचारी

संकाय	एसआर और जेआर	स्वास्थ्य कार्यकर्ता	स्टाफ नर्स
02	3 एसआर, 1 गैर-शैक्षणिक जूनियर	हाउसकीपिंग 1	4

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)
एमबीबीएस	छह घंटे	शून्य
पीजी	40 घंटे की अंतर-विभागीय शैक्षणिक कक्षाएं	90 ट्यूमर बोर्ड चर्चाएँ
अन्य कोई	नर्सिंग अधिकारियों के लिए 20 घंटे की अभिविन्यास कक्षाएं	शून्य

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 07**

ii. आयोजित: 06 वार्ता

- "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" और "विश्व कैंसर दिवस" जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर 3 शिविरों और मरीजों के लिए 3 जागरूकता वार्ताओं का आयोजन किया गया।

iii. संकायों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

1. डॉ. चंद्रमौली.आर, "27 जुलाई, 2024" को "ओटोराइनोलेरिंगोलॉजी विभाग" द्वारा आयोजित "विश्व सिर और गर्दन कैंसर दिवस" पर "सिर और गर्दन के कैंसर में रेडी ई ओथेरेपी के प्रति अभिविन्यास"

iv. पोस्टर प्रस्तुतियाँ

ई-पोस्टर प्रस्तुति डॉ. मोहनसुंदरी टी, "विभिन्न घातक बीमारियों का शीघ्र पता लगाने में कैंसर स्क्रीनिंग के लाभ" "संस्थान स्थापना दिवस एम्स बीबीनगर " **डॉ. चंद्रमौली. आर. सीओपीआई होने के नाते** , "**एम्स बीबीनगर**" **द्वारा** "9 **अप्रैल**, 2025" को आयोजित

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	**पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण**
डॉ. मोहनसुंदरी. टी (सीओपीआई डॉ. चंद्रमौली हैं। आर)	द्वितीय संस्थान स्थापना दिवस पर आयोजित ई-पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक/प्रयोगशालाएं: रोगी देखभाल, शैक्षणिक और अनुसंधान पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए बहुविषयक ट्यूमर क्लिनिक चर्चाएं नियमित रूप से की जा रही हैं।
- आउटरीच सेवाएं: कैंसर और इसके उपचार के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने और ऐसे शिविरों में कैंसर स्क्रीनिंग के माध्यम से कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए अब तक तीन शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।
- एसेप्टिक कीमो तैयारी के लिए वर्टिकल लेमिनर फ्लोहुड डिवाइस और बायोसेफ्टी कैबिनेट, रेफ्रिजरेटर में कीमो दवाओं के उचित भंडारण के साथ डिफाइब्रिलेटर द्वारा निगरानी की जाती है

6. अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 02, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 01, मूल लेख: 01

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 02, अंतःविषय: 02, गैर-वित्तपोषित: 01

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

क्र . सं.	सेवा का नाम	मरीजों की संख्या
1.	ओपीडी परामर्श	7681
2.	इनपेशेंट रेफरल	1083
3.	आंतरिक रोगी प्रवेश	959
4.	कीमोथेरपी	852
5.	ट्यूमर बोर्ड सत्र	126
6.	कैंसर स्क्रीनिंग	1362
7.	कैम्प	3

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

<table>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>कीमोथेरेपी तैयारी कक्ष का उद्घाटन</td><td>कीमोथेरेपी का पहला मामला</td></tr>
<tr><td>  </td><td>  </td></tr>
<tr><td>बहुविषयक ट्यूमर बोर्ड चर्चाएँ”</td><td>कैंसर जागरूकता और जांच शिविर</td></tr>
</table>

ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और सिर और गर्दन की सर्जरी विभाग

1. मुख्य बिन्दु :

विभाग ने उन्नत राइनोलॉजिकल, स्कल बेस और फोनोसर्जिकल प्रक्रियाओं सहित अत्याधुनिक सर्जरी शुरू की, साथ ही माइक्रो-डिब्राइडर और एंडोस्कोपी सिस्टम जैसे उन्नत उपकरणों की सहायता से ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) की सर्जरी भी की। हम नियमित रूप से पेडीकल्ड और फ्री फ्लैप रिकंस्ट्रक्शन के साथ जटिल सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी करते हैं। जुवेनाइल नेजल एंजियोफिब्रोमा के लिए एंडोस्कोपिक सीएसएफ लीक रिपेयर और एक्सीजन भी सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। कोक्लियर इम्प्लांटेशन शुरू करने की तैयारी चल रही है। ओपीडी फुटफॉल पिछले साल के 11,000 से बढ़कर इस साल **22,715 हो गया। इसके अतिरिक्त, 256** बड़ी सर्जरी, **7,189** छोटी प्रक्रियाएं, **304** इनपेशेंट एडमिशन और **1,559** ई-संजीवनी परामर्श किए गए। विभाग ने जनवरी 2025 में अपने स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसमें पहले बैच के रूप में दो छात्रों को प्रवेश दिया गया। इसके अलावा, हमने 2021 के एमबीबीएस बैच के लिए 45 स्नातक ट्यूटोरियल और सेमिनार आयोजित किए गए ।

2. संकाय:



डॉ. श्रीकृष्ण बीएच
अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष



डॉ. नमित कांत सिंह
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. नीमूहागे
सह - प्राध्यापक

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
03	सीनियर रेजिडेंट – 4, जूनियर रेजिडेंट (शैक्षणिक) 4	9	वार्ड बॉय – 1

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)
एमबीबीएस	100	144
पीजी	96	900

4.2. परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3. आयोजित सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान: 04

- **आउटरीच स्वास्थ्य शिविर: मौखिक कैंसर जांच और ईएनटी स्वास्थ्य**

तीसरे सप्ताह में , विभाग ने भारत में एक प्रमुख जन स्वास्थ्य चिंता को संबोधित करते हुए, मुख कैंसर के बारे में जागरूकता और प्रारंभिक जाँच पर केंद्रित एक व्यापक आउटरीच स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में कान, नाक और गले की सामान्य बीमारियों के लिए सामान्य ईएनटी परामर्श भी प्रदान किया गया। संकाय, रेजिडेंट और नर्सिंग स्टाफ की एक समर्पित टीम ने स्थानीय आबादी के लिए अधिकतम पहुँच सुनिश्चित की।

- **“सिर और गर्दन के कैंसर” पर सीएमई का आयोजन**

27 जून, 2024 को विभाग ने “सिर और गर्दन के कैंसर” पर एक सीएमई का आयोजन किया।

- **एम्स बीबीनगर ईएनटी विभाग प्रस्तुत करता है: "कोक्लियर इम्प्लांटेशन में प्रगति: बेहतर सुनने की दिशा में एक कदम"**

3 मार्च, 2025 को विभाग ने "कोक्लियर इम्प्लांटेशन" पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया।

- **रोगी शिक्षा कार्यक्रम रिपोर्ट: श्रवण और उसका महत्व**

3 मार्च, 2025 को, एम्स बीबीनगर के ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी (ईएनटी) विभाग ने आउटरीच को अधिकतम करने के लिए ईएनटी प्रतीक्षा क्षेत्र में "श्रवण और इसका महत्व" शीर्षक से एक रोगी शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया।

5. उपलब्ध सुविधाएं

- ➢ विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: ओटोलॉजी, राइनोलॉजी, वर्टिगो, और
- ➢ आउटरीच सेवाएं: आउटरीच ओपीडी, ई संजीवनी के लिए सीएफएम विभाग के साथ आयोजित शिविरों में नियमित रूप से भाग लेना।
- ➢ उपकरण: माइक्रोडेब्राइडर, हाईस्पीड बर सिस्टम, ओटोमाइक्रोस्कोप, नाक एंडोस्कोपी सेटअप, ऑडी ई ओमेट्री सेटअप।

6. अनुसंधान

6.1 प्रकाशन: 13

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ : 09

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
ओपीडी सेवाएं	22715
प्रमुख ओ.टी.	256
छोटी प्रक्रियाएं	7189
ई-संजीवनी परामर्श	1559
आईपीडी प्रवेश	304

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



जुलाई 2024 के तीसरे सप्ताह में 5 गांवों में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया ।



मुख कैंसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया 27 जुलाई 2024



विश्व श्रवण दिवस 2025" 3 मार्च 2025 को मनाया गया ।



3 मार्च, 2025 को कोक्लीयर इम्प्लांटेशन पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

नेत्र विज्ञान विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग ने मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी, रेटिनल वेन ऑक्लूजन, अपवर्तक त्रुटियाँ, आयु-संबंधित मैकुलर डिजनरेशन और समयपूर्व रेटिनोपैथी सहित विभिन्न नेत्र रोगों के प्रबंधन और उपचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हम इन स्थितियों के लिए इंट्राविट्रियल इंजेक्शन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हैं और समय पूर्व **रेटिनोपैथी के लिए व्यापक जाँच और प्रबंधन प्रदान करते हैं। शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के लिए, हमने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिनमें प्रतिवर्ष दो पीजी छात्रों को प्रवेश दिया जाता है, जो विभिन्न प्रकार की शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। वरिष्ठ रेजिडेंट और स्नातकोत्तर सक्रिय रूप से विभिन्न बाह्य और अंतःनेत्र शल्य चिकित्सा सीखते और करते हैं, उन्नत उपकरणों के साथ बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करते हैं, इस प्रकार कुशल नेत्र रोग विशेषज्ञों का निरंतर विकास सुनिश्चित करते हैं।**

2. संकाय

		
डॉ. सिद्धराम एस जंती *अतिरिक्त प्रोफेसर*	**डॉ. राघवेंद्र राव कोलावाली** *सह - प्राध्यापक*	**डॉ. अरविंद कुमार मोर्य** *अतिरिक्त प्रोफेसर*

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्वास्थ्य कार्यकर्ता	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
03	**एसआर** 04 **जेआर**-03	02- **ऑप्टोमेट्रिस्ट**	10	01 -**डीईओ** 01 -**वार्ड अटेंडेंट**

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	2024: 110 2025: 42	2024: 140 2025: 48	AETCOM, SDL, MCQs, ट्यूटोरियल केस प्रस्तुतिकरण
पीजी	2024: 42 2025:12	2024 2:10 2025 54	केस चर्चा, सेमिनार, जर्नल क्लब और संगोष्ठी

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 08**

ii. **संगठित: 01**

. " **ग्लूकोमा पर सीएमई (विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 2025 उत्सव)"** अतिथि व्याख्यान **"ग्लूकोमा , कब कार्य करें, क्या करें** " और ग्लूकोमा सर्जरी में हालिया लाभ **, डॉ सिद्धार्थ दीक्षित, ग्लूकोमा विशेषज्ञ, एलवीपीईआई हैदराबाद** 15 मार्च 2025 को ।

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

- **डॉ. सिद्धराम एस जंती :** 6 सितंबर 2024 को " **एम्स मदुरै "** में अंगदान पखवाड़े के दौरान **नेत्रदान जागरूकता** पर अतिथि व्याख्यान

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 09

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण प्रयोगशालाएँ: रेटिना इमेजिंग फंडस कैमरा, लेजर याग कैप्सूलोटॉमी, एसएसओसीटी, पेरीमेट्री
- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: रेटिना क्लिनिक, ग्लूकोमा क्लिनिक, ऑर्बिट और ऑकुलोप्लास्टी, कॉर्निया क्लिनिक
- आउटरीच सेवाएँ: शिविर

6. **अनुसंधान**

6.1 कुल प्रकाशन: 03, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 03, मूल लेख: 03

6.2 अनुसंधान परियोजना: बाह्य: 02, अंतःविषय: 01, गैर-वित्तपोषित: 01

6.3 पुस्तकें / अध्याय

- जंती, एस.एस., राजा, ए.एम., और माली, के . (2024). रासायनिक नेत्र चोटों के प्रबंधन में हालिया प्रगति। रोग और स्वास्थ्य अनुसंधान में हालिया अपडेट खंड 8 , 64–78.

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
रेटिना सेवाएँ, इंट्राविट्रियल इंजेक्शन, एंटीवेगफ, स्टेरॉयड, आरओपी स्क्रीनिंग,	152
मोतियाबिंद सर्जरी	1250
कॉर्निया सेवाएँ कॉर्नियल अल्सर प्रबंधन,	27

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	
ग्लूकोमा पर सीएमई (विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 2025 समारोह)	**ग्लूकोमा पर जागरूकता रैली (विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 2025 समारोह)**
	
ग्लूकोमा पर जागरूकता वार्ता (विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 2025 समारोह)	**मधुमेह रेटिनोपैथी, अपवर्तक त्रुटियों और मोतियाबिंद की रोकथाम के लिए व्यापक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया**

हड्डी रोग विभाग

1. मुख्य बिन्दु

एम्स बीबीनगर के हड्डी रोग विभाग ने 2024-2025 में शिक्षा, अनुसंधान, रोगी देखभाल और आउटरीच में उल्लेखनीय प्रगति की, जिससे नैदानिक उत्कृष्टता, शिक्षा और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। हम बाल चिकित्सा हड्डी रोग, ऑर्थो ऑन्कोलॉजी सेवाएं, खेल की चोटों, रीढ़ की सर्जरी परामर्श के साथ-साथ वृद्धावस्था और जटिल आघात परामर्श की विशेष सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। हर महीने ऑर्थोरिडी ई ओलॉजी पैथोलॉजी अंतर-विभागीय बैठकों जैसी अंतर-विभागीय बैठकों में नियमित भागीदारी होती है। **इसके अतिरिक्त**, **नियमित शिविरों और टेलीमेडिसिन परामर्श सहित आउटरीच सेवाएं**, **विभाग की विशेषज्ञता को वंचित समुदायों तक पहुंचाती हैं**, **जिससे स्वास्थ्य सेवा वितरण में पहुंच और समावेशिता को बढ़ावा मिलता है।** विभाग एनआईटी वारंगल, डीआरडीएलडीआरडीओ, आईआईटी हैदराबाद और एफडीडीआई हैदराबाद जैसे संस्थानों के साथ विभिन्न विषयों में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है एनआईटी वारंगल के साथ साझेदारी में एक कम लागत वाले स्किन स्टेपलर के प्रोटोटाइप के विकास और बिट्स पिलानी के साथ एक एडिटिव निर्मित मैग्नीशियम इम्प्लांट परियोजना के साथ नवाचार ने प्रमुखता हासिल की। एडीआईडीओसी (एम्स बीबीनगर डीआरडीओ इनिशिएटिव फॉर डिज़ाइन ऑप्टिमाइज़्ड कार्बन फुट) का अभिनव विकास - उच्च प्रोफ़ाइल कार्बन फुट का पहला मेक इन इंडिया डिज़ाइन, जिसे विकलांग रोगियों पर नैदानिक परीक्षणों के माध्यम से प्रमाणित किया जाना है। **संक्षेप में**, **विभाग ने आर्थोपेडिक देखभाल**, **शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया है** ।

2. संकाय :

<table>
<tr>
<td> 
डॉ. महेश्वर लक्कीरेड्डी
प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष</td>
<td> 
डॉ. वाई रंजीत कुमार
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. दीपक कुमार माले
सहायक प्रोफेसर</td>
</tr>
<tr>
<td> 
डॉ. दीपांकर सतपथी
सहायक प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. सैयद इफ़्तेख़ार
सहायक प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. श्रीकांत एप्पाकयाला
सहायक प्रोफेसर</td>
</tr>
</table>

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	लैब तकनीशियन	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
06	वरिष्ठ निवासी – 4 जूनियर रेजिडेंट (अकादमिक) 12	1 (प्लास्टर तकनीशियन)	6	अटेंडेंट / वार्ड बॉय – 2

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	61	110	यूजी सेमिनार : 16
पीजी	96	72	ऑर्थो रेडी ई ओलॉजी पैथोलॉजी मीट और ट्यूमर बोर्ड – 18 घंटे
अन्य कोई	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन : निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए और व्याख्यान दिए गए

i. **उपस्थित: 28**

ii. **संगठित: 5**

iii. **आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ:**

- डॉ महेश्वर लक्कीरेड्डी (7), **डॉ वाई रंजीत कुमार** (7), **डॉ माले दीपक कुमार** (6), **डॉ दीपांकर सतपति** (3), **डॉ सैयद इफ्थेकर** (6), डॉ श्रीकांत एप्पाकायाला (2)

iv. **शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 11**

4.4 पुरस्कार और उपलब्धियाँ

क्र. सं.	संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
1	**डॉ. महेश्वर लक्कीरेड्डी**	नवाचार श्रेणी के अंतर्गत निचले अंगों के विकलांगों के लिए एडीआईडीओसी (एम्स बीबीनगर डीआरडीओ इनिशिएटिव फॉर डिजाइन ऑप्टिमाइज्ड कार्बन फुट) प्रोस्थेसिस के लिए डॉ. रंजीत कुमार के साथ **ऑर्थो स्टार अवार्ड , टोसाकॉन 2025 हैदराबाद** प्राप्त किया ।
2	**डॉ. वाई रंजीत कुमार**	1. [15] फरवरी 2025 को TOSA (तेलंगाना ऑर्थोपेडिक सर्जन एसोसिएशन) द्वारा सलाहकार श्रेणी में **TOSA स्वर्ण पदक प्राप्त किया।** 2.TOSACON 2025 में **ऑर्थोस्टार** पुरस्कार प्राप्त किया क) ***नवाचार श्रेणी*** - एडीआईडीओसी फुट का विकास - एम्स बीबीनगर - अनुकूलित कार्बन फुट प्रोस्थेसिस के

		डिजाइन के लिए डीआरडीओ पहल: उन्नत हाई प्रोफाइल कार्बन फुट प्रोस्थेसिस का पहला मेक इन इंडिया डिजाइन। बी) ***नवाचार श्रेणी*** - इंट्रामेडुलरी एंटीबायोटिक स्पेसर रॉड के डिजाइन के लिए। C) TOSACON 2025 मूवी थियेटर के लिए योगदान के लिए।
3.	**डॉ. दीपक कुमार माले**	TOSACON 2025 में TOSACON 2025 मूवी थियेटर में योगदान के लिए **ऑर्थो स्टार पुरस्कार** प्राप्त किया ।
4.	**डॉ. दीपांकर सतपथी**	द्वितीय संस्थान स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत नवाचार श्रेणी प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। TOSACON 2025 में TOSACON 2025 मूवी थियेटर में योगदान के लिए **ऑर्थो स्टार पुरस्कार** प्राप्त किया ।
5.	**डॉ. सैयद इफ़्तेख़ार**	TOSACON 2025 में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए **ऑर्थो स्टार पुरस्कार** प्राप्त किया ।
6.	**डॉ. अखिला एएल, जेआर2**	TOSA मिड टर्म CME, कामारेड्डी, तेलंगाना में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ ।
7.	**डॉ. आकाश कन्नौजिया, जेआर2**	TOSACON 2025, हैदराबाद में बाल चिकित्सा ऑर्थोपेडिक्स श्रेणी के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।
8	**डॉ. मृपवन बर्मन, डॉ. अखिला ए.एल**	TOSACON 2025, हैदराबाद में TOSA PG क्विज़ में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित।

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: खेल चोट क्लिनिक, ऑर्थो ऑन्कोलॉजी क्लिनिक, स्पाइन क्लिनिक, फ्रैक्चर क्लिनिक, बाल चिकित्सा ऑर्थोपेडिक क्लिनिक
- आउटरीच सेवाएं: आउटरीच ओपीडी, ई संजीवनी (प्रतिदिन) के लिए सीएफएम विभाग के साथ हर महीने आयोजित शिविरों में नियमित रूप से भाग लेना।
- उपकरण: एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी, हैंड हेल्ड माइक्रो ड्रिल और हाई स्पीड बर सिस्टम, सीएआरएम, मिसो रोबोटिक आर्थ्रोप्लास्टी के अलावा ऑर्थोपेडिक प्रक्रियाओं के लिए उपकरण।

6. अनुसंधान

6.1 प्रकाशन : 19

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ : बाह्य : 04, अंतः : 05, गैर-वित्तपोषित : 14

<u>प्रकाशन हेतु प्रस्तुत लेख समीक्षाधीन</u>

1. दीपांकर एस., एट अल. जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा। मेडिकल स्नातकों के लिए सर्जिकल विषयों में शिक्षण पद्धति में सुधार हेतु रिकॉर्डिंग तकनीकों की भूमिका की एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा।

2. लक्कीरेड्डी एम. एट अल. डिस्टल अल्ना का विशाल कोशिका ट्यूमर: डेनोसुमैब उपचार के बाद हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों पर ज़ोर देते हुए एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ़ लैब फ़िज़िशियन।
3. दीपांकर एस, एट अल. टेंडोअकिलीज़ एलोग्राफ़्ट का उपयोग करके एसीएल पुनर्निर्माण पर व्यापक नज़र, एक व्यवस्थित समीक्षा चीनी जर्नल ऑफ़ ट्रॉमेटोलॉजी
4. लक्कीरेड्डी एम, श्रीधर सथु एट अल। टखने के क्षेत्र में एक्रल फाइब्रोमाइक्सोमा: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ़ ऑर्थोपेडिक केस रिपोर्ट
5. लक्कीरेड्डी एम, दीपक केएम और अन्य। बड़े टेंडो अकिलीज़ ज़ैंथोमा का इलाज एनब्लॉक एक्सिशन और एफएचएल ट्रांसफ़र के साथ पुनर्निर्माण से किया गया। एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ़ ऑर्थोपेडिक केस रिपोर्ट्स

6.3 पुस्तकें/अध्याय

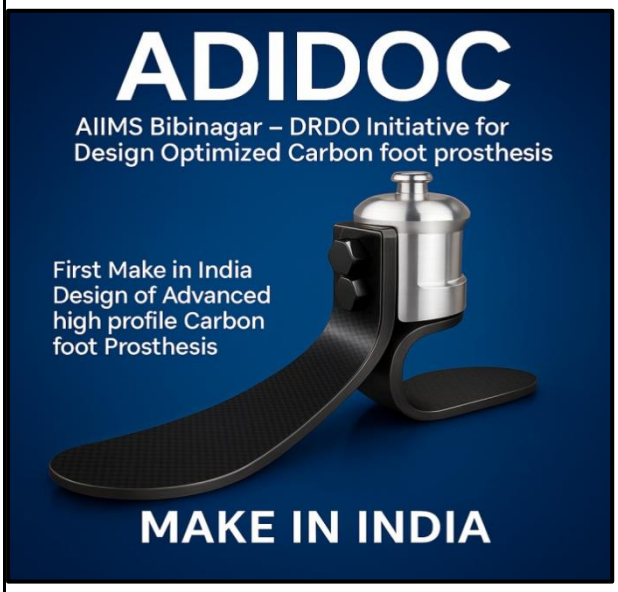
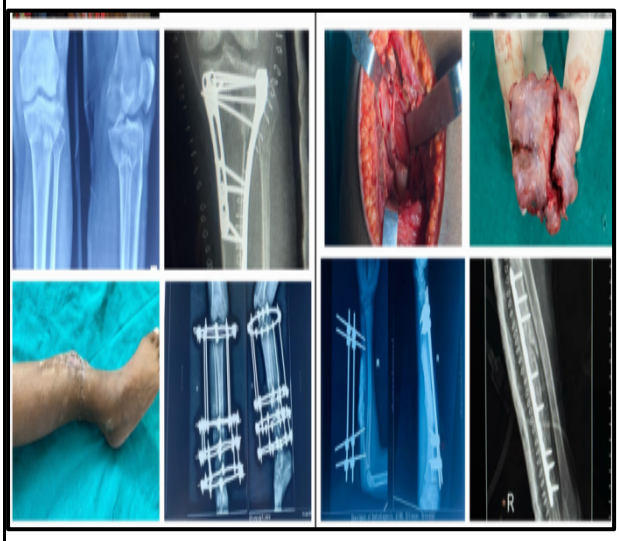
1. **यालामंचिली आरके:** श्रीनिवास काशा
   - स्प्रिंगर की पुस्तक "फेमोरल हेड फ्रैक्चर डिस्लोकेशन के प्रबंधन के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका" में फीमोरल हेड फ्रैक्चर के परिणामों पर एक अध्याय । संपादक: रमेश कुमार सेन, प्रकाशनाधीन। स्प्रिंगर इंटरनेशनल। [सहकर्मी समीक्षा पूरी हो चुकी है]

मूल्यांकन वर्ष 2024-2025 के दौरान प्रस्तावित परियोजनाएँ:			
1	**डॉ. महेश्वर लक्कीरेड्डी**	शांति एक नवीन अदृश्य स्प्रे फिल्म मीटर्ड डोज़ डाइक्लोफेनाक फ़ॉर्मूलेशन है जो लंबे समय तक प्रभावी (24 घंटे) मस्कुलोस्केलेटल दर्द प्रबंधन के लिए है।	कोपीआई आईआईटी हैदराबाद के सहयोग से बहुकेन्द्रीय अध्ययन आईसीएमआर अनुमोदन के लिए प्रस्तावित ।
2	**डॉ. महेश्वर लक्कीरेड्डी**	टिकाऊ ऑटोक्लेवेबल कम लागत वाले त्वचा स्टेपलर का विकास	एनआईटी वारंगल के सहयोग से चल रही परियोजना इनोवेटर डिजाइन पेटेंट चरण में।
3	**डॉ. वाई रंजीत कुमार डॉ. महेश्वर लक्कीरेड्डी डॉ. दीपांकर सतपथी डॉ. दीपक कुमार माले डॉ. सैयद इफ़्तेख़ार**	एडीआईडीओसी उन्नत कार्बन फाइबर फुट प्रोस्थेसिस: मेक इन इंडिया पहल - नए डिजाइन का एक पायलट अध्ययन।	एसआईपीडीए योजना के अंतर्गत विकलांगता संबंधी प्रौद्योगिकी, उत्पादों और मुद्दों पर अनुसंधान ***अनुदान देने वाली एजेंसी:*** विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय बजट : 24,27,300 रुपये तकनीकी चरण में स्वीकृत तथा अंतिम अनुमोदन लंबित।
4	**डॉ. वाई रंजीत कुमार**	रुमेटी गठिया में सबक्लिनिकल सिनोवाइटिस का पता लगाने के लिए थर्मोग्राफी को एक गैर-इनवेसिव डायग्नोस्टिक टूल के रूप में मूल्यांकन करना ।	छोटे अनुदान के लिए आईसीएमआर का प्रस्ताव: अन्वेषक द्वारा आरंभ किए गए अनुसंधान प्रस्ताव लघु अनुदान 2025. बजट – 53,69,800 रुपये लागू *प्रस्ताव आईडी: IIRPSG20250101042*
5	**डॉ. दीपक कुमार माले**	पेल्वी-एसीटेबुलर चोटों के प्रबंधन में 3डी प्रिंटिंग का अनुप्रयोग	लघु अनुदानों के लिए आईसीएमआर प्रस्ताव: अन्वेषक द्वारा आरंभ किए गए अनुसंधान प्रस्ताव का बजट - 18,40,999 रुपये लागू *प्रस्ताव आईडी: IIRPSG20250105917*

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
ओपीडी सेवाएं	45677
प्रमुख ओ.टी.	236
छोटी प्रक्रियाएं	1429
ई-संजीवनी परामर्श	16146
आईपीडी प्रवेश	408

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

<table>
<tr>
<td> 
</td>
<td> 
</td>
</tr>
<tr>
<td>राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 21.02.2025 को एम्स बीबीनगर में हड्डी रोग विभाग द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान 2025 का आयोजन किया गया।</td>
<td>DRDL, DRDO हैदराबाद के सहयोग से उन्नत उच्च प्रोफ़ाइल कार्बन फुट प्रोस्थेसिस का प्रोटोटाइप उत्पादन और डिजाइन पूरा किया गया ।</td>
</tr>
<tr>
<td>  </td>
<td>  </td>
</tr>
<tr>
<td>निवासियों के लिए प्लास्टर लगाने की कार्यशाला - अस्थि रोग विभाग द्वारा आयोजित।</td>
<td>एम्स बीबीनगर में की गई कुछ आर्थोपेडिक्स सर्जरी की झलकियां।</td>
</tr>
</table>

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग अपनी सेवा के पांच साल पूरे कर लेगा और ओपीडी में मरीजों की संख्या प्रतिदिन 150-180 से अधिक हो जाती है । हमने ऐच्छिक और एक्टोपिक गर्भधारण जैसे आपातकालीन मामलों के लिए लेप्रोस्कोपी और हिस्टेरोस्कोपिक सर्जरी शुरू कर दी है। एमटीपी अधिनियम 2021 के नए संशोधनों के अनुसार जिला अस्पताल से अनुमोदन के साथ एमटीपी सेवाएं भी शुरू की गई हैं। हमने अब तक 1000 से अधिक प्रसव सफलतापूर्वक कराए हैं। हमारे यूजी और दस स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सिद्धांत और क्लीनिक दोनों के लिए आवधिक मूल्यांकन के साथ ट्यूटोरियल, एकीकृत और नैदानिक कक्षाएं बहुत ही व्यवस्थित तरीके से ली जा रही हैं। विभाग की नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा हम स्त्री रोग पैथोलॉजी क्लिनिकल मीटिंग, मासिक ट्यूमर बोर्ड मीटिंग और लाइव स्त्री रोग हिस्टेरो-लैप्रोस्कोपी कार्यशाला आयोजित करते हैं।

2. संकाय

<table>
<tr>
<td> 
डॉ. नवनीता पटनायक
अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष</td>
<td> 
डॉ. नैना कुमार
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. मिशु मंगला
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. जे. अपर्णा
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. अनुषा देवल्ला
सहायक प्रोफेसर</td>
</tr>
</table>

3. विभाग टीम

संकाय	विशेष प्रतिनिधियों	अकादमिक जूनियर	स्टाफ नर्स	डी ई ओ	अन्य कोई
05	06	10	44	01	वार्ड अटेंडेंट-02

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	प्रति सप्ताह 6 घंटे (3 बैच)	प्रतिदिन 3 बैचों के लिए 3 घंटे का क्लिनिकल	ट्यूटोरियल साप्ताहिक 3 घंटे
पीजी	3-4 घंटे/ सप्ताह	वार्ड राउंड	बिस्तर के पास शिक्षण, छोटे समूह शिक्षण
अन्य कोई	सिद्धांत कक्षाएं, सेमिनार, प्रदर्शन, सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण, स्व-निर्देशित शिक्षण, पीजी के लिए शैक्षणिक गतिविधि, जर्नल क्लब, एकीकृत कक्षाएं	नैदानिक कक्षाएं, ट्यूटोरियल कक्षाएं, बेडसाइड शिक्षण, केस आधारित चर्चाएं,	अंतर-विभागीय बैठकें ट्यूमर बोर्ड की बैठकें

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.2. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 30**

ii. **संगठित: 3**

- को एम्स बीबीनगर के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में कुल 10 प्रमुख एंडोस्कोपी सर्जरी को कवर करते हुए 2 दिवसीय लाइव गायनेकहिस्टेरो-लैप्रोस्कोपी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- एम्स बीबीनगर के स्नातक छात्रों के लिए 26 सितंबर, 2024 को गर्भनिरोधक पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता "क्विज़िकॉन" का आयोजन किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस समारोह के अवसर पर 15 मई 2024 को प्रसूति आपात स्थितियों के प्रबंधन में नर्सों की भूमिका पर सिमुलेशन आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता: डॉ. नवनीता पटनायक (12), **डॉ. नैना कुमार** (3)

1. सह-लेखक के रूप में पेपर/पोस्टर प्रस्तुतियों की सूची।

- "हिस्टेरेक्टोमी का क्लिनिकल ऑडिट: दक्षिणी भारत के ग्रामीण तृतीयक देखभाल केंद्र में गुणवत्तापूर्ण देखभाल में सुधार के लिए एक मूल्यवान उपकरण" 8-12 जनवरी 2025 को मुंबई में आयोजित अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग कांग्रेस (एआईसीओजी- 2025) में पेपर प्रस्तुति के लिए स्नातकोत्तर छात्र का मार्गदर्शन किया।
- "जब अप्रत्याशित घटना घटती है: बड़े हेमेटोसैलपिनक्स के साथ पृथक फैलोपियन ट्यूब मरोड़ को डिम्बग्रंथि पुटी मरोड़ समझ लिया जाता है" संस्थान स्थापना दिवस, एम्स, बीबीनगर में पोस्टर प्रस्तुति के लिए स्नातकोत्तर छात्र का मार्गदर्शन किया ।
- "समय पर वैकल्पिक सिजेरियन सेक्शन से गुजरने वाली महिलाओं में एक मिनट में फिजियोलॉजिकल कॉर्ड क्लैम्पिंग बनाम विलंबित कॉर्ड क्लैम्पिंग के भ्रूण-मातृ परिणामों की तुलना: एक पायलट अध्ययन" 8-12 जनवरी 2025 को मुंबई में आयोजित अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग कांग्रेस (एआईसीओजी- 2025) में पेपर प्रस्तुति के लिए स्नातकोत्तर छात्र का सह-मार्गदर्शन किया। पेपर को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- "समय पर वैकल्पिक सिजेरियन सेक्शन से गुज़र रही महिलाओं में एक मिनट में शारीरिक गर्भनाल क्लैम्पिंग बनाम विलंबित गर्भनाल क्लैम्पिंग के भ्रूण-मातृ परिणामों की तुलना: एक प्रायोगिक अध्ययन" एम्स बीबीनगर में संस्थान के स्थापना दिवस पर प्रस्तुत पोस्टर के लिए सह-निर्देशित। पोस्टर को द्वितीय पुरस्कार मिला।
- "हिस्टेरेक्टोमी का क्लिनिकल ऑडिट: दक्षिण भारत के ग्रामीण तृतीयक देखभाल केंद्र में गुणवत्तापूर्ण देखभाल में सुधार के लिए एक मूल्यवान उपकरण" संस्थान स्थापना दिवस, एम्स, बीबीनगर में पोस्टर प्रस्तुति के लिए स्नातकोत्तर छात्र का मार्गदर्शन किया।

डॉ. मिशु मंगला:

- मंगला एम एट अल. ने दक्षिणी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में सगोत्र विवाहों के संबंध में स्थानीय आबादी की व्यापकता, संरचना और धारणा पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया : भ्रूणजनन विज्ञान में एक समुदाय आधारित मिश्रित पद्धतिगत अध्ययन (एसएफएम तेलंगाना चैप्टर और आईएसपीडी की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (13-15 दिसंबर 2024)।
- बुक्के नीरीशा, मंगला एम. एवं अन्य। नियत समय पर वैकल्पिक सिजेरियन सेक्शन से गुज़र रही महिलाओं में एक मिनट में शारीरिक गर्भनाल क्लैम्पिंग बनाम विलंबित गर्भनाल क्लैम्पिंग के भ्रूण-मातृ परिणामों की तुलना: एक प्रायोगिक अध्ययन। 8-12 जनवरी 2025 को मुंबई में आयोजित अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग कांग्रेस (AICOG- 2025) में शोध-पत्र प्रस्तुति के लिए स्नातकोत्तर छात्रा का मार्गदर्शन किया। शोध-पत्र को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- सुष्मिता पॉल, मीली पांडा, रश्मी कुंदापुर, किशोर यादव जोथुला, कल्पना एम, भूषण कांबले, नीरज अग्रवाल, डी चंदना, राजा एस, मिशु मंगला। "जागरूकता से कार्रवाई तक: यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को मजबूत करना
- एम्स बीबीनगर में संस्थान के स्थापना दिवस पर "ग्रामीण तेलंगाना में किशोर प्रवासी" पोस्टर प्रस्तुत किया गया।
- भूषण कांबले, विजयलक्ष्मी जैन, सुमित अग्रवाल, कुलदीप निगम, रश्मी कुंदापुर, मीली पांडा, दीप्ति कोंडा, मिशु मंगला, राजा एस, लक्ष्मी ज्योति ताड़ी, नीरज अग्रवाल। चौराहे पर जोखिम: उच्च जोखिम वाले समूहों में एसटीआई का मूल्यांकन। संस्थान के स्थापना दिवस पर एम्स बीबीनगर में प्रस्तुत किया गया पोस्टर। पोस्टर ने दूसरा पुरस्कार जीता।
- नीरीशा बुक्के, मंगला मिशु, थानिगानाथन, अनुषा डी, नैना के, नबनिता पी, अन्नपूर्णा एस. नियत समय पर इलेक्टिव सिजेरियन सेक्शन से गुज़र रही महिलाओं में एक मिनट में फिजियोलॉजिकल कॉर्ड क्लैम्पिंग बनाम डिलेड कॉर्ड क्लैम्पिंग के भ्रूण-मातृ परिणामों की तुलना: एक प्रायोगिक अध्ययन। एम्स बीबीनगर में संस्थान के स्थापना दिवस पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया। पोस्टर को द्वितीय पुरस्कार मिला।
- मनीषा बोलम, नैना कुमार, मिशु मंगला, अन्नपूर्णा श्रीरामभटला, शैलजा प्रभाला। जब अप्रत्याशित घटित होता है: बड़े हेमेटोसैलपिनक्स के साथ पृथक फैलोपियन ट्यूब का मरोड़, जिसे गलती से डिम्बग्रंथि पुटी का मरोड़ समझ लिया जाता है। एम्स बीबीनगर में संस्थान के स्थापना दिवस पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया।
- राठौड़ पूजा, कुमार नैना, मंगला मिशु, अपर्णा जे, गोमती। "हिस्टेरेक्टोमी का क्लिनिकल ऑडिट: दक्षिण भारत के ग्रामीण तृतीयक देखभाल केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण देखभाल में सुधार के लिए एक मूल्यवान उपकरण ।" एम्स बीबीनगर में संस्थान के स्थापना दिवस पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

डॉ. अपर्णा जे

- 24.08.2024 से 25.08.2024 तक एचआईसीसी, हैदराबाद में प्रसूति और स्त्री रोग में अपडेट पर वैश्विक सम्मेलन में संकाय वक्ता और "प्रसव की प्रेरण" सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. अनुषा देवल्ला:

- जुलाई 2024 में FOGSI VPCon राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल- "द्वितीय चरण दुविधाएं और निर्णय" में आमंत्रित संकाय वक्ता के रूप में भाग लिया

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. मिशु मंगला	**अहमदाबाद, गुजरात में** 9 **वें** FOGSI-ICOG **वार्षिक सम्मेलन** 2024 **के दौरान आयोजित दीक्षांत समारोह में भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग महाविद्यालय** (FICOG) **की फेलोशिप प्रदान की गई।**
डॉ. मिशु मंगला	**जन्मजात विसंगतियों वाले भ्रूण या नवजात शिशु में आनुवंशिक निदान के लिए एक व्यावहारिक, व्यवस्थित दृष्टिकोण के लिए अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा** 2024 **एलिस्टेयर फिलिप आर्टिकल ऑफ मेरिट अवार्ड के प्राप्तकर्ता।**
डॉ. अनुषा देवल्ला	**संपादकीय बोर्ड सदस्य: इंडियन जर्नल ऑफ मैटरनल नियोनेटल एंड फीटल मेडिसिन**
डॉ. अनुषा देवल्ला	**एसोसिएट एडिटोरियल बोर्ड सदस्य: प्रसूति, स्त्री रोग और मातृत्व देखभाल की ऑनलाइन पत्रिका** **पबमेड अनुक्रमित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।**

5. उपलब्ध सुविधाएं

- सप्ताह के सभी कार्य दिवसों में छोटी-मोटी प्रक्रियाओं के साथ-साथ बाह्य रोगी सेवाएँ भी उपलब्ध हैं। प्रसव पूर्व और स्त्री रोग संबंधी रोगियों, दोनों के लिए रूढ़िवादी प्रबंधन, वैकल्पिक और आपातकालीन सर्जरी जैसे कि वैकल्पिक सिजेरियन सेक्शन, बड़ी और छोटी स्त्री रोग सर्जरी के लिए आईपीडी सेवाएँ सप्ताह के दिनों में उपलब्ध हैं।
- **शिक्षण प्रयोगशालाएँ** : प्रसव, प्रसव, प्रसूति संबंधी आपातस्थितियाँ, केस परिदृश्य, स्त्री रोग संबंधी जाँच, पैप स्मीयर लेना, आईयूसीडी निवेशन, कैथीटेराइजेशन, आईवी लाइन निवेशन, तथा विद्यार्थियों और नर्सिंग अधिकारियों का मूल्यांकन, कार्यशालाओं का संचालन, बिस्तर के पास शिक्षण, डमी पेल्विस, उपकरण, नमूने, औषधियाँ, आईयूसीडी, एचएसजी फिल्म्स, सीटीजी ट्रेसेस के प्रदर्शन के लिए कौशल प्रयोगशाला
- **विशेष क्लीनिक: वर्तमान में सामान्य ओपीडी में** सभी प्रकार के रोगियों का इलाज किया जाता है, जिनमें एंटेना संबंधी मामले, स्त्री रोग, कैंसर रोग, बांझपन , किशोर और रजोनिवृत्त महिलाएं शामिल हैं। सुविधाएँ उपलब्ध होने पर, विशेष क्लीनिक शुरू किए जा सकते हैं।
- **आउटरीच सेवाएं** : ई -संजीवनी सरकारी पोर्टल के माध्यम से टेली परामर्श सप्ताह में एक बार किया जाता है।

6. अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 52, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 47, मूल लेख: 16

6.2. अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 14, अंतःविषय: 08, गैर-वित्तपोषित: 41

6.3. पुस्तकें / अध्याय

डॉ. मिशु मगला:

- **चौधरी डी, मंगला एम , कनिकाराम पी. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित "पीजी छात्रों के लिए सॉल्व्ड पेपर्स ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी" में "यूटेरो-वैजाइनल प्रोलैप्स" पर अध्याय। लिमिटेड का संपादन डॉ. रुचिका गर्ग, डॉ. प्रीति नुकूल देशपांडे, डॉ. माधुरी मेहेंडेल द्वारा किया गया।**

- **देवल्ला ए, मंगला एम । जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित "पीजी छात्रों के लिए सॉल्व्ड पेपर्स ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी" में "मासिक धर्म की शरीर क्रिया विज्ञान" पर अध्याय। लिमिटेड का संपादन डॉ. रुचिका गर्ग, डॉ. प्रीति अनुकूल देशपांडे, डॉ. माधुरी मेहेंडेल द्वारा किया गया।**
- **कुमार एन, मंगला एम . इवेंजेल पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित "मेनोपॉज अपडेट" शीर्षक से संबंधित "समयपूर्व रजोनिवृत्ति पर अध्याय: अप्रत्याशित परिवर्तन को समझना और प्रबंधित करना"।**

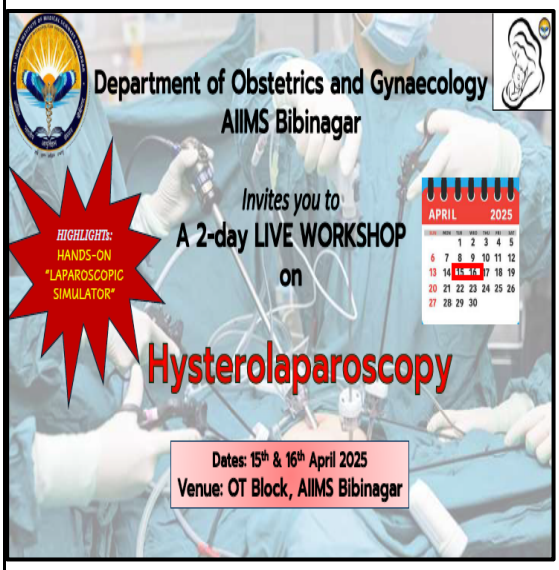
डॉ. अनुषा देवल्ला:

- **अनुषा देवल्ला , पंकुरी दुबे, वेदप्रकाश राव चेरुवु, रुचिका गर्ग। अध्याय: रजोनिवृत्ति का जेनिटोरिनरी सिंड्रोम; पुस्तक: रजोनिवृत्ति का प्रबंधन; प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर**
- **कोमल चव्हाण, अनुषा देवल्ला । अध्याय: प्रसूति एवं स्त्री रोग में सूक्ष्म पोषक तत्व; पुस्तक: प्रसूति एवं स्त्री रोग में औषधियाँ; जेपी प्रकाशक**
- **अनुषा देवल्ला , मिशु मंगला, सौम्या अरोड़ा। अध्याय: मासिक धर्म की शरीर क्रिया विज्ञान; पुस्तक: हल किए गए पीजी प्रश्न पत्र; जेपी पब्लिशर्स**
- **रीना वानी, अनुषा देवल्ला । अध्याय: गर्भावस्था में एनीमिया; पुस्तक: हल किए गए पीजी प्रश्नपत्र; जेपी पब्लिशर्स**
- **अनुषा देवल्ला , अध्याय: प्राथमिक एमेनोरिया के दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणाम; पुस्तक: प्राथमिक एमेनोरिया; आर्य पब्लिशर्स**

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
ओपीडी परामर्श (प्रसूति एवं स्त्री रोग परामर्श)	35043
लेबर रूम और आईपीडी प्रवेश	2835
योनि प्रसव	132
सीज़ेरियन सेक्शन	208
ओपीडी प्रक्रियाएं	830
पैप स्मीयर	4938
प्रसव कक्ष प्रक्रियाएं	151
ओटी में सर्जरी, जिसमें सीजेरियन, छोटी, बड़ी स्त्री रोग संबंधी मामले शामिल हैं	828
ट्यूबेक्टोमी	240
एमटीपी मामले	59

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



अध्यक्ष के रूप में 15 और 16 अप्रैल 2025 को 2 दिवसीय लाइव गायनेकहिस्टेरो-लैप्रोस्कोपी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 10 प्रमुख एंडोस्कोपी सर्जरी शामिल थीं।



एम्स बीबीनगर के स्नातक छात्रों के लिए 26 सितंबर, 2024 को गर्भनिरोधक पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता "क्विज़िकॉन" का आयोजन किया गया।



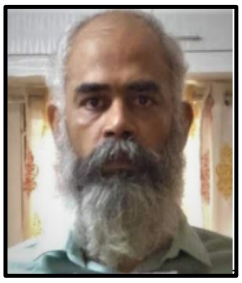
अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर 15 मई 2024 को प्रसूति आपात स्थितियों के प्रबंधन में नर्सों की भूमिका पर सिमुलेशन आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग निरंतर प्रतिबद्धता और प्रगतिशील पहलों के माध्यम से एम्स के तीन प्रमुख स्तंभों - शिक्षण, रोगी देखभाल और अनुसंधान - को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यात्मक हिस्टोपैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और हेमेटोलॉजी अनुभाग, जो नैदानिक आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा करते हैं, पूरे हो चुके हैं। इस वर्ष हासिल की गई एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हिस्टोपैथोलॉजी इकाई के भीतर इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री (आईएचसी) सेवाओं का विस्तार है। विभाग ने प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (एलआईएस) लागू की है, जिससे पैथोलॉजी रिपोर्टों का डिजिटलीकरण संभव हुआ है। विभाग का शिक्षण और अनुसंधान परिणाम लगातार मजबूत रहा है, जिसमें संकाय और रेजिडेंट दोनों द्वारा पबमेड-सूचीबद्ध पत्रिकाओं में कई प्रकाशन शामिल हैं, जो पैथोलॉजी के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए शैक्षणिक दृढ़ता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

2. संकाय :

<table>
<tr>
<td> 
डॉ. शैलजा प्रभाला
अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष</td>
<td> 
डॉ. गुणवंती राठौड़
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. श्रीनिवास भीमराव सोमलवार
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. जितेंद्र सिंह निगम
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. अभिमन्यु शर्मा
सह - प्राध्यापक</td>
</tr>
<tr>
<td> 
डॉ. आशुतोष रथ
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. सीतू पालो
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. पाटिल पराग परशुराम
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. इमैनुएल प्रदीप
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. सुमित्रा शिवकोटी
सहायक प्रोफेसर</td>
</tr>
</table>

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्वास्थ्य कार्यकर्ता	लैब तकनीशियन	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
10	एसआर: 04, जेआर: 10	01	14	8	परियोजना स्टाफ: 02

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	2022 बैच: 104 2023 बैच (चल रहा है): 54	2022 बैच: 106 2023 बैच : 74	छोटे समूह चर्चा, प्रश्नोत्तरी
पीजी	85		
बी.एससी. नर्सिंग	53		
बीएमएलएस	27	27	

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 33

ii. संगठित: 1

- पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग 22-28 जुलाई 2024 तक ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित "हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी कैंप" का हिस्सा था।

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

- डॉ. गुणवंती राठौड़ (6), डॉ. जीतेन्द्र सिंह निगम (1), डॉ. सीटू पालो (1)

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 12

4.4 पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. गुणवंती राठौड़	1. हिंदी पखवाड़ा 2024 के लिए 27 सितंबर 2024 को हिंदी **शब्दावली प्रतियोगिता में** प्रथम पुरस्कार । 2. हिंदी पखवाड़ा 2024 के लिए 27 सितंबर 2024 को प्रथम पुरस्कार, **हिंदी गीत अंताक्षरी प्रतियोगिता ।**

5. उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण प्रयोगशालाएँ: 02; विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: 03
- आउटरीच सेवाएं: यदाद्रि भुवनागिरी जिले की ग्रामीण आबादी के बीच मौखिक स्कैमस सेल कार्सिनोमा स्क्रीनिंग में ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी विभाग के सहयोग से एफएनएसी सुविधाएं संचालित की गईं।

6. अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 39, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 28, मूल लेख: 10

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य:06, अंतः:06, गैर-वित्तपोषित:10

6.3 पुस्तकें / अध्याय

1. **गुणवंती राठौड़** ,

- रोग में मेटाजीनोमिक्स और होस्ट-माइक्रोबायोम अंतःक्रियाएँ (अध्याय) जीनोमिक इंटेलिजेंस में - मेटाजीनोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रथम संस्करण , सीआरसी प्रेस, 2024. आईएसबीएन - 9781032943411
- फोरेंसिक नर्सिंग और भारतीय कानून का परिचय में वीर्य विश्लेषण (अध्याय)। प्रथम संस्करण , 2024, फ्रंटलाइन प्रकाशन। आईएसबीएन: 81-963260-एक्स।
- फोरेंसिक नर्सिंग और भारतीय कानून के परिचय में रक्त का पता लगाना (अध्याय)। पहला संस्करण , 2024, फ्रंटलाइन प्रकाशन। आईएसबीएन: 81-963260-एक्स।
- फोरेंसिक नर्सिंग और भारतीय कानून के परिचय में लार का पता लगाना (अध्याय)। पहला संस्करण , 2024, फ्रंटलाइन प्रकाशन। आईएसबीएन: 81-963260-5-एक्स।

रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या/ कुल जांच**
पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी/हीमोग्राम)	62412
परिधीय स्मीयर	19442
ईएसआर	8586
रक्त समूहन	9813
मलेरिया परजीवी (एमपी)	823
माइक्रोफाइलेरिया स्मीयर	421
पूर्ण इओसिनोफिल गणना (AEC)	833
बीटी	3961
सीटी	3961
रेटिकुलोसाइट्स	1421
पूर्ण मूत्र परीक्षण (CUE)	27487
सिकलिंग परीक्षण	88
मल गुप्त रक्त	284
मल गुप्त नियमित माइक्रोस्कोपी	158
कोशिका गणना के लिए शारीरिक द्रव	290
आसमाटिक नाजुकता परीक्षण	56
पीटी INR	4133
एपीटीटी	2379
डी डिमर	58
अस्थि मज्जा आकांक्षा	16
अस्थि मज्जा बायोप्सी	10
एफएनएसी	1144
स्त्री रोग संबंधी पैप स्मीयर परीक्षण	4319
हिस्तोपैथोलोजी	2605
विशेष दाग	524
सेल ब्लॉक	45
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री (IHC)	413

7 महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



और लैब मेडिसिन विभाग के कर्मचारी सदस्य एनएबीएल प्रशिक्षण में , मार्च 2025



पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग के कर्मचारी अक्टूबर 2024 में सतर्कता शपथ लेते हुए



पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग के संकाय और एसआर और जेआर

बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग

1. मुख्य बिन्दु

बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग ने वर्ष के दौरान अपने नैदानिक, शैक्षणिक और अनुसंधान पदचिह्न का विस्तार जारी रखा है, जो संस्थान के विकास और दृश्यता में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। इस वर्ष का प्रमुख आकर्षण लेप्रोस्कोपिक बाल चिकित्सा सर्जरी सेवाओं की शुरुआत रही है। एपेंडेक्टोमी, हर्निया की मरम्मत, ऑर्कियोपेक्सी और पायलोप्लास्टी सहित लेप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला अब नियमित रूप से की जाती है। 6-वर्षीय एम.सीएच. बाल चिकित्सा सर्जरी सुपर-स्पेशलिटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ प्रति वर्ष दो छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ एक उपलब्धि है। विभाग में देखभाल चाहने वाले रोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। जटिल मामलों को इष्टतम परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों को शामिल करते हुए एक समन्वित बहु-विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से किया जाता है।

2. संकाय



डॉ. शशांक शेखर पांडा
प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष



डॉ. मनसा रेड्डी वाधी
सहायक प्रोफेसर

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
02	एसआर (गैर शैक्षणिक)-2, जेआर (शैक्षणिक)-2	5	परिचारक - 1

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)
पीजी	जर्नल क्लब- 1 घंटा/सप्ताह, सेमिनार- 1 घंटा/सप्ताह, ग्रैंड राउंड- 1 घंटा/सप्ताह बाल चिकित्सा सर्जरी - बाल चिकित्सा चिकित्सा संयुक्त दौर - 1 घंटा/माह बाल चिकित्सा सर्जरी-रेडी ई ओलॉजी राउंड- 1 घंटा/माह
अन्य कोई	नर्सिंग अधिकारी शिक्षण - 1 घंटा/सप्ताह

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 12**

ii. **संगठित: 2**

1. **डॉ. शशांक शेखर पांडा,** 18 **और** 19 **अप्रैल** 2024 **को एम्स बीबीनगर में नर्सों के लिए उन्नत घाव देखभाल कार्यशाला** (**प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण**) **के आयोजन अध्यक्ष।**
2. **डॉ. शशांक शेखर पांडा ने** 28 **अक्टूबर** 2024 **को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के साथ** "**सतर्कता जागरूकता सप्ताह**" 2024 (28 **अक्टूबर से** 3 **नवंबर** 2024) **का**

आयोजन किया, जिसका विषय था "राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति"

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ:

- **शशांक शेखर पांडा** (03), डॉ. मनसा रेड्डी वाधि (1)

iv. मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 10

4.4. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	**पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण**
डॉ. शशांक शेखर पांडा	**यूसी चक्रवर्ती पुरस्कार** (**बाल चिकित्सा सर्जरी में सर्वोच्च शोध पुरस्कार**) नवंबर 2024 में एम्स ऋषिकेश में आयोजित वार्षिक सम्मेलन 50 वें आईएपीएसकॉन 2024 में पेपर प्रस्तुति: मेरे एम.सीएच छात्र डॉ. प्रियंका बमोरिया, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत पेपर (एमएएमसी के बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग में संकाय के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान **थीसिस/शोध प्रबंध के मुख्य मार्गदर्शक के रूप में मैं स्वयं**)
	अनुभाग संपादक ; जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी (जेपीपीयू) के संपादकीय सचिव, आईएसपीयू, एएसपीयू और डब्ल्यूओएफएसपीयू की आधिकारिक पत्रिका
	24 **जून**, 2024 **से** 23 **अगस्त**, 2024 **तक "एम्स और संबंधित संस्थानों के लिए चिकित्सा विज्ञान और प्रबंधन के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण ~ चिकित्सा उपकरण विकास और सामाजिक कार्यान्वयन~" पर ज्ञान सह निर्माण कार्यक्रम को नामांकित और सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिसे जापान सरकार के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम के तहत ओसाका विश्वविद्यालय के सहयोग से जेआईसीए (जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी) द्वारा आयोजित किया गया था।**

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: हाइपोस्पेडिया क्लिनिक
- आउटरीच सेवाएँ: हर 2 से 3 महीने में एक बार

6. अनुसंधान [1 **अप्रैल** 2024 – 31 **मार्च** 2025]

6.1 कुल प्रकाशन: 3, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 3, मूल लेख: 2

ii. अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 01, अंतःविषय: 01, गैर-वित्तपोषित: 06

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	**मरीजों की संख्या**
बाह्य रोगी सेवाएं	3845
सामान्य संज्ञाहरण के तहत सर्जरी	241
छोटी प्रक्रियाएं	272
दाखिले	274

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



रेजिडेंट्स को लेप्रोस्कोपिक सिम्युलेटर (एंडोट्रेनर) में प्रशिक्षण दिया जा रहा है



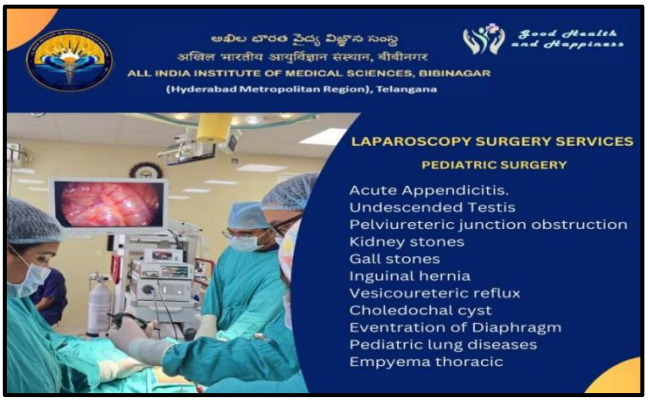
स्थापना दिवस समारोह में डॉ. जाह्नवी (प्रथम वर्ष शैक्षणिक जेआर द्वारा जे आर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध में प्रथम पुरस्कार



विभाग द्वारा आउटरीच गतिविधि



विश्व बाल चिकित्सा सर्जरी दिवस समारोह



विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सेवाएं

बाल रोग विभाग

1. मुख्य बिन्दु

बाल रोग विभाग रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान में निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्ष 2024-25 **में, ओपीडी में देखे गए रोगियों की कुल संख्या** 21,604, **आईपीडी में भर्ती रोगियों**

की संख्या 1067 **और पीआईसीयू में भर्ती रोगियों की संख्या** 766 **थी। अस्थमा और एलर्जी, न्यूरोडेवलपमेंट और पोषण के लिए तीन साप्ताहिक विशेष क्लीनिकों में क्रमशः** 90, 90 **और** 164 **रोगियों का उपचार किया गया। पीआईसीयू में भर्ती** 766 **रोगियों में से** 183 **को ऑक्सीजन**, 46 **को हाई फ्लो नेज़ल कैनुला (एचएफएनसी)**, 15 **को निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव (सीपीएपी) और** 10 **रोगियों को इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन दिया गया। आउटरीच सेवाओं में बोम्मालारामरम में ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी) का साप्ताहिक दौरा शामिल है जहां** 542 **रोगियों को देखा गया, साप्ताहिक ई-संजीवनी ऑनलाइन क्लिनिक जहां** 2349 **रोगियों को देखा गया, और एक महीने में** 2-3 **मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) का दौरा किया गया जहां** 36 **रोगियों को देखा गया। 'क्रिकबाइट्स' नामक एक नया सत्र - जूनियर रेजिडेंट द्वारा तय और प्रस्तुत किए गए विषयों पर लघु केंद्रित व्हाइट बोर्ड माइक्रोटीचिंग सत्र और एसआर/संकाय द्वारा संचालित सत्र शुरू किया गया था। बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर में डीएम पाठ्यक्रम को स्थायी शैक्षणिक समिति द्वारा अनुमोदित किया गया था और यह जुलाई** 2025 **से शुरू होगा। बुनियादी और उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहे।**

2. संकाय:

<table>
<tr>
<td> 
डॉ. मधुसूदन एस
अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष</td>
<td> 
डॉ. सैयद अहमद ज़की
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. मौनिका रेड्डी वी
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. मनीषा वर्मा
सहायक प्रोफेसर,</td>
</tr>
</table>

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
04	एसआर -8, जेआर- 9, गैर-शैक्षणिक जेआर-3	46	डीईओ-1

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	92	702 (बेडसाइड क्लीनिक)	
पीजी	240 (सेमिनार, जर्नल क्लब, बेडसाइड, नैदानिक चर्चा आदि सहित)		'क्रिकबाइट्स' - सूक्ष्म शिक्षण सत्र
अन्य कोई	नर्सिंग अधिकारी	कुल 20	

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 42**

ii. **संगठित: 10**

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ:

- **डॉ. मधुसूदन एस** (14), डॉ. सैयद अहमद जकी (3), **डॉ. मौनिका रेड्डी** (21), **डॉ. मनीषा वर्मा** (3)

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 16

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
सैयद अहमद ज़की	रॉयल कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ के फेलो
सैयद अहमद ज़की	बाल चिकित्सा निद्रा चिकित्सा में डिप्लोमा
मौनिका रेड्डी	भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी (आईएपी) के क्षेत्रीय समन्वयक - बाल चिकित्सा आपात स्थितियों और विष विज्ञान के लिए राष्ट्रीय उपचार दिशानिर्देश (एनटीजी)
मौनिका रेड्डी	भारतीय बाल चिकित्सा पुनर्जीवन और आपातकालीन अनुसंधान नेटवर्क (PRERNI) के संस्थापक कार्यकारी बोर्ड सदस्य, 2024-2026
मौनिका रेड्डी	स्नातक 2024 के लिए 37वें आईएपी बाल चिकित्सा प्रश्नोत्तरी के लिए नलगोंडा डिवीजन के डिवीजनल समन्वयक।
मौनिका रेड्डी	मई 2024 से भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी (आईएपी-बीएलएसएएलएस) तेलंगाना राज्य समन्वयक।

5 उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक/प्रयोगशालाएँ: अस्थमा और एलर्जी क्लिनिक, पोषण क्लिनिक, न्यूरो डेवलपमेंट क्लिनिक
- आउटरीच सेवाएं:
- ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, बोम्मालारामरम - प्रत्येक बुधवार सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक
- मोबाइल मेडिकल यूनिट: 3-4 दौरे/माह
- ई-संजीवनी- प्रत्येक गुरुवार सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक

6 अनुसंधान

- **6.1 कुल प्रकाशन** : 15, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 13, मूल लेख: 3
- **6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य:08, अंतः:06, गैर-वित्तपोषित:04**

6.3 **पुस्तकें एवं** अ**ध्याय**

1. **संप्रति एम** , कार्थी एन. श्वसन विफलता: नैदानिक पहचान और प्रबंधन। पार्था की आईएपी बाल चिकित्सा पाठ्यपुस्तक, 8वें संस्करण में। संपादक: डॉ. पीएसएन मेनन, डॉ. एमकेसी नायर, डॉ. पीयूष गुप्ता, डॉ. रीताब्रत कुंडू और डॉ. पी रामचंद्रन। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स। नई दिल्ली 2025।
2. **संप्रति एम** , **लास्या गुडुरु** । एक्यूट बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस। हैंडबुक ऑफ पीडियाट्रिक इमरजेंसीज़ , प्रथम संस्करण। इवेंजेल पब्लिशिंग। नई दिल्ली। 2025।
3. **हरिणी चौधरी जलादी** , **मधुसूदन एस** . कब्ज़। भारतीय बाल रोग अकादमी - राष्ट्रीय उपचार दिशानिर्देश 2024
4. गुप्ता पी [सं.] **ज़की एस.ए.** स्टैफिलोकोकल संक्रमण। पी.जी. *पाठ्यपुस्तक बाल* चिकित्सा: संक्रमण और प्रणालीगत विकार (खंड 2)।
5. जावेद आई, **ज़की एस.ए.** हाइड्रोकार्बन विषाक्तता। बाल चिकित्सा आपात स्थितियों और विष विज्ञान के लिए राष्ट्रीय उपचार दिशानिर्देश
6. **मौनिका रेड्डी** , सुरेश कुमार अंगुराना। कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन। पार्था की आईएपी पाठ्यपुस्तक, बाल चिकित्सा, 8वें संस्करण में। संपादक: डॉ. पीएसएन मेनन, डॉ. एमकेसी नायर, डॉ. पीयूष गुप्ता, डॉ. रीताब्रत कुंडू और डॉ. पी. रामचंद्रन। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स। नई दिल्ली 2025।
7. **यंकप्पा एन** , **मौनिका रेड्डी** । केंद्रीय तंत्रिका तंत्र संक्रमण। भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी - राष्ट्रीय उपचार दिशानिर्देश 2024
8. **मौनिका रेड्डी** , **हरिनी चौधरी जलाडी** । अभिघातजन्य मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की चोट। सिबाब्रत पटनायक, संपादक। बाल चिकित्सा आपात स्थितियों की पुस्तिका। इवेंजेल प्रकाशन

7 रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	**मरीजों की संख्या**
एलर्जी और अस्थमा क्लिनिक	90
पोषण क्लिनिक	164
न्यूरोडेवलपमेंट क्लिनिक	90

8 महत्वपूर्ण लोगों की तस्वीरें



बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम जुलाई 2024



बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम मार्च 2025



बाल चिकित्सा सेप्सिस अपडेट अक्टूबर 2024



'एक हज़ार मुस्कान' - 1000 से ज़्यादा डिस्चार्ज के उपलक्ष्य में PICU दिवस

औषध विज्ञान विभाग

1. मुख्य बिन्दु

फार्माकोलॉजी विभाग संस्थान के उद्देश्यों के साथ अपने उद्देश्यों को संरेखित करना जारी रखता है, अकादमिक उत्कृष्टता और गुणवत्ता वाले रोगी देखभाल पर एक मजबूत फोकस बनाए रखता है। **डीएम** (**क्लिनिकल फार्माकोलॉजी**) कार्यक्रम, प्रति वर्ष दो सीटों की पेशकश शुरू की गई है और फार्माकोलॉजी में **पीएचडी कार्यक्रम ने** एसएसी अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। एक और मील का पत्थर विभाग की **पहली एमडी** (**फार्माकोलॉजी**) **की डिग्री प्रदान करना था** । विभाग ने वर्ष के दौरान **अपनी रोगी देखभाल सेवाओं का भी विस्तार किया । राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस और मेटेरियोविजिलेंस कार्यक्रमों के तहत मौजूदा प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया** (**एडीआर**) **और मेडिकल डिवाइस प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग के अलावा**, **दो नई सेवाएं**- **रोगाणुरोधी निगरानी और दवा की जानकारी** -जोड़ी गईं। इसके अलावा, **गर्भावस्था** से प्रेरित चिकित्सा स्थितियों वाली महिलाओं के लिए एक गर्भावस्था रजिस्ट्री शुरू **की** गई थी

2. संकाय

				
डॉ. राधिका सोनकर *अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष*	**डॉ. माधवी एरिके** *अतिरिक्त प्रोफेसर*	**डॉ. देबासिस बिसोई** *सह - प्राध्यापक*	**डॉ. जेरार्ड मार्शल राज** *सह - प्राध्यापक*	**डॉ रेखा प्रियदर्शिनी यू** *सह - प्राध्यापक*

3. विभागीय टीम

संकाय	एसआर और जेआर	अन्य कोई
05	एसआर-2, जेआर-3	डीईओ: 1, कार्यालय परिचर: 1

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	159	110	14 छात्र संगोष्ठियाँ
पीजी	41	252	61(सेमिनार और जर्नल क्लब)
बीएससी नर्सिंग	41	-	-

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 16

ii. संगठित: 5

- डॉ. राधिका सोनकर ने 08 **मई** 2024 **को फार्माकोलॉजी विभाग**, **शैक्षणिक ब्लॉक** (**निर्माणाधीन**) **में** पशु प्रयोग प्रयोगशाला के विकास **के लिए** "व्यवहार्यता मूल्यांकन दौरा" **का आयोजन किया ।**
- डॉ. राधिका सोनकर ने 02 नवंबर 2024 को विभाग में "फार्माकोइकोनॉमिक रिसर्च: कार्यप्रणाली और अनुप्रयोग" **विषय पर** " **प्रो** . (डॉ.) एनआर बिस्वास" , कुलपति , श्री बालाजी विद्यापीठ, पुडुचेरी और पूर्व प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली **द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।**
- डॉ. राधिका सोनकर ने 24 **दिसंबर** 2024 **को एम्स**, **बीबीनगर में** "इंटर्न (एमबीबीएस 2019 बैच) के लिए तर्कसंगत प्रिस्क्राइबिंग कौशल में व्यावहारिक प्रशिक्षण" का **आयोजन किया ।**
- डॉ. राधिका सोनकर ने " डीएम मूल्यांकन निरीक्षण" का आयोजन किया और 11 **मार्च** 2025 **को** 2 **सीटों/वर्ष के लिए अनुमोदन प्राप्त किया ।**
- **एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर के समन्वयक** डॉ. देबासिस बिसोई ने **एम्स बीबीनगर में** 16-22 **सितंबर** 2024 **तक** " राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह 2024" का आयोजन किया।

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

- डॉ. राधिका सोनकर (6), 7. **डॉ. माधवी एरिके** (3), डॉ. देबासिस बिसोई (1) , **डॉ. जेरार्ड मार्शल राज** (2) , **डॉ. रेखा प्रियदर्शनी** (2)

iv . शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 09

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. राधिका सोनकर	1. विभागाध्यक्ष के रूप में, INICET SS -2025 में 2 सीटों की अधिसूचना के साथ **DM (क्लिनिकल फार्माकोलॉजी) पाठ्यक्रम शुरू किया।** 2. विभागाध्यक्ष के रूप में, फार्माकोलॉजी में **पीएचडी कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रस्ताव रखा और एसएसी से अनुमोदन प्राप्त किया।** 3. एम्स, बीबीनगर से **पहली एमडी (फार्माकोलॉजी) डिग्री प्रदान की गई** 4. 7 नवंबर 2024 को एनआईएमएस, हैदराबाद में क्लिनिकल फार्माकोलॉजी और थेरेप्यूटिक्स की विशेषता में " **संकाय के लिए मूल्यांकन पदोन्नति साक्षात्कार हेतु चयन समिति के लिए बाहरी विषय विशेषज्ञ " के रूप में नियुक्त किया गया।** 18/11/2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीसी, यूजीसी) द्वारा आयोजित एक सप्ताह के ऑफ़लाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण के स्वास्थ्य सेवा अनुप्रयोगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उद्घाटन सत्र के लिए **"सम्मानित अतिथि"** के रूप में आमंत्रित किया गया। 13 दिसंबर 2024 को चैतन्य भारती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में '6वें शोध दिवस और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह के लिए **"सम्मानित अतिथि"** के रूप में आमंत्रित 7. MBBS 2022 बैच के लिए प्रैक्टिकल में " **प्रिस्क्रिप्शन लेखन अभ्यासों की**

	शिक्षण विधियों को उन्नत किया गया है, जिसमें याद रखने और समझने की अनुभूति के लिए ब्लूम्स टैक्सोनॉमी के निम्न स्तर से संश्लेषण के उच्च स्तर तक प्रशिक्षण दिया गया है।" सरल शब्दों में, प्रशिक्षण को "क्या प्रिस्क्रिप्शन करें?" से "कैसे प्रिस्क्रिप्शन करें?" में स्थानांतरित कर दिया गया है। 8. 29 जून 2024 को एम्स, मंगलगिरी में फार्माकोलॉजी में ॥ एमबीबीएस प्रोफेशनल प्रैक्टिकल परीक्षा (सप्ल.) के लिए " **बाहरी परीक्षक "** 9. 04 नवंबर 2024 को एम्स, भुवनेश्वर में फार्माकोलॉजी में ॥ एमबीबीएस प्रोफेशनल प्रैक्टिकल परीक्षा (सप्ल.) के लिए **"बाहरी परीक्षक"** हैदराबाद स्थित गैर-लाभकारी संगठन, फर्नांडीज फाउंडेशन के संस्थागत समीक्षा बोर्ड के " **सदस्य"**
डॉ. माधवी एरिके	[8] अप्रैल 2024 को संस्थान के प्रथम स्थापना दिवस पर **"इंट्राम्यूरल परियोजना पूर्णता प्रमाण पत्र"** प्राप्त हुआ
डॉ. देबासिस बिसोई	**"सदस्य"** और 19.12.2024 और 29.01.2025 को ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
डॉ. जेरार्ड मार्शल राज	22-23 नवंबर 2024 को ऑलएमएस के फार्माकोलॉजी और थेरेप्यूटिक्स विभाग द्वारा आयोजित "नेशनल एसोसिएशन ऑफ फार्माकोलॉजी एंड थेरेप्यूटिक्स (एनपीटी) के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन - नैप्टिकॉन 2024" में **'यंग फार्माकोलॉजिस्ट स्पीक (वाईपीएस)' सत्र** के लिए चुना गया ।
डॉ. रेखा प्रियदर्शिनी	1. **27-28 सितंबर 2024 को** एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (ACTREC), नवी मुंबई और केईएम, मुंबई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजिस्ट्स (एसीपीकॉन 2024) के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन " में "बचे हुए दवाओं: तेलंगाना के मध्य जिलों में घरों के बीच एक समुदाय-आधारित अध्ययन" के लिए पोस्टर प्रस्तुति (डॉ जेसी शोभा पुरस्कार) में "द्वितीय पुरस्कार" जीता। 2. 5-7 फरवरी 2025 को एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित **"** फार्माकोविजिलेंस सोसायटी के 22वें वार्षिक सम्मेलन (**सोपिकॉन 2025)"** में मौखिक पेपर प्रस्तुति में **सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार के लिए** "सांत्वना पुरस्कार" जीता। 3. 8-9 नवंबर 2024 को एम्स मंगलगिरी के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय फार्माकोलॉजी क्विज प्रतियोगिता-2024 [संज्ञान - 2024] में एम्स बीबीनगर के** दूसरे वर्ष के एमबीबीएस छात्रों (2022 बैच) के लिए **"मेंटर** " ।
डॉ. माली कल्पना रमन्ना (गैर-शैक्षणिक एसआर)	8 अप्रैल 2024 को "एम्स , बीबीनगर " द्वारा आयोजित " प्रथम संस्थान स्थापना दिवस" पर "क्रोनिक स्पॉन्टेनियस अर्टिकेरिया के रोगियों में एंटीहिस्टामाइन के साथ हिस्टाग्लोबुलिन की प्रभावकारिता – एक यादच्छिक नियंत्रित अध्ययन" के पोस्टर प्रस्तुति में " **एसआर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार"** जीता ।
डॉ. निखिला के (अकादमिक जेआर1)	17-21 फरवरी 2025 तक सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बैंगलोर द्वारा आयोजित स्वास्थ्य अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर 16 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय एक सप्ताह के पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ टीम प्रदर्शन के लिए **"डॉ गॉर्डन गायत टीम पुरस्कार"** जीता ।

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- **शिक्षण:** 100 बैठने की क्षमता वाला डेमो रूम
- **प्रैक्टिकल लैब:** कंप्यूटर सहायता प्राप्त शिक्षा, पुतले, इंजेक्शन प्रशिक्षक
- **उपकरण:** काइमोग्राफ (4), पृथक अंग स्नान (4), एलिवेटेड प्लस मेज़ (1), क्रिटिकल फ्लिकर फ्यूजन उपकरण (1), बायोपैक MP160 - पॉलीग्राफ (1), एलिसा रीडर और वॉशर (1), इलेक्ट्रोलाइट विश्लेषक (1), ट्रेडमिल (1), साइकिल एर्गोमीटर (1), डिजिटल प्रतिक्रिया समय उपकरण (1), बहुविकल्पीय उपकरण (1), डिजिटल स्पाइरोमीटर (1), ऊतक होमोजेनाइज़र (1), डिजिटल वजन संतुलन (1), इनक्यूबेटर (1), पोर्टेबल आटोक्लेव (1), एचपीएलसी जल शोधन प्रणाली (1), -20 डिग्री सेल्सियस रेफ्रिजरेटर (1), मल्टीपैरामीटर मॉनिटर (1), मल्टीचैनल माइक्रोपिपेट (4), मैनुअल माइक्रोपिपेट
- **संग्रहालय:** हर्बेरियम चार्ट, वैज्ञानिक चित्र, खुराक सूत्रीकरण
- **विशेष रोगी सेवाएं:** एडीआर निगरानी केंद्र (एएमसी), चिकित्सा उपकरण प्रतिकूल घटना निगरानी केंद्र (एमडीएमसी), रोगाणुरोधी निगरानी सेवाएं, दवा सूचना सेवाएं और गर्भावस्था रजिस्ट्री।

6. अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 14, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 09, मूल लेख: 6

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 07, अंतः: 01, गैर-वित्तपोषित: 10

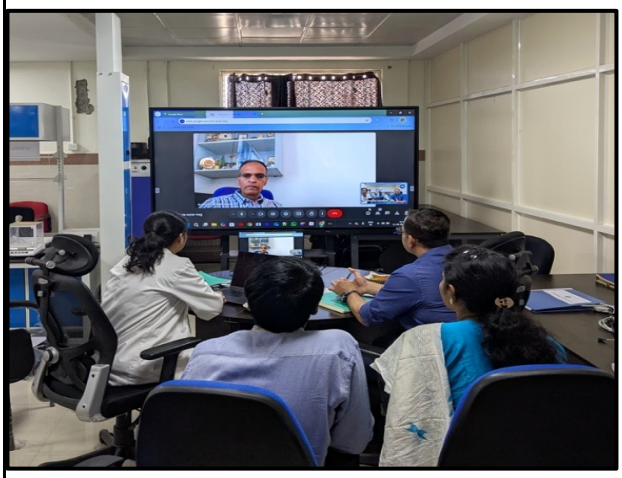
6.3 पुस्तकें / अध्याय

- **देबासिस बिसोई** :
  - **लोपामुद्रा दास। ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण को नियंत्रित करने में चिकित्सीय हस्तक्षेप। ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण और चिकित्सीय लक्ष्यों की गतिशीलता , टेलर और फ्रांसिस।** (**समीक्षाधीन**)

7 रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
एडीआर रिपोर्टिंग सेवाएँ	127
चिकित्सा उपकरण AE रिपोर्टिंग सेवाएँ	58
रोगाणुरोधी निगरानी सेवाएँ	30 (पीआईसीयू)
गर्भावस्था रजिस्ट्री	81
औषधि सूचना सेवाएँ	तर्कसंगत प्रिस्क्रिबिंग कौशल में इंटर्न के पहले बैच (एमबीबीएस 2019 बैच) को प्रशिक्षित किया गया

8 महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



11 मार्च 2025 को फार्माकोलॉजी विभाग में डीएम (क्लिनिकल फार्माकोलॉजी) मूल्यांकन निरीक्षण की एक झलक



24 दिसंबर 2019 को इंटर्न (एमबीबीएस-2019 बैच) के लिए एक दिवसीय तर्कसंगत प्रिस्क्राइबिंग कौशल प्रशिक्षण



कार्यकारी निदेशक के साथ प्रथम एमडी (फार्माकोलॉजी) निकास परीक्षा परीक्षक



डॉ. निखिला के, एकेड जेआर को 17-21 फरवरी 2025 तक सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बैंगलोर द्वारा आयोजित स्वास्थ्य अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर 16 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय एक सप्ताह के पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ टीम प्रदर्शन के लिए "डॉ. गॉर्डन गायत टीम पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग

1 मुख्य बिन्दु

भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएमआर) की स्थापना 29 नवंबर 2022 को हुई थी और तब से यह बाह्य एवं अंतःरोगी, दोनों ही प्रकार के रोगियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन, प्लेटलेट-रिच प्लाज़्मा (पीआरपी) थेरेपी और प्रोलोथेरेपी इंजेक्शन जैसी उन्नत प्रक्रियाएँ भी शुरू की गई हैं। पुनर्वास सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की जाती है, जिसमें स्ट्रोक (सीवीए), रीढ़ की हड्डी की चोट और अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट वाले रोगियों के लिए न्यूरोरिहैबिलिटेशन; सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी), विशिष्ट अधिगम अक्षमता (एसएलडी), और मायलोमेनिंजोसील (एमएमसी) जैसी स्थितियों के लिए बाल चिकित्सा पुनर्वास; अंग-विच्छेदित व्यक्तियों का पुनर्वास; तीव्र और पुराने दर्द का प्रबंधन; आर्थोपेडिक चोटों और खेल-संबंधी चोटों के लिए पुनर्वास; और फुफ्फुसीय पुनर्वास शामिल हैं। अपनी नैदानिक, शैक्षणिक और टेलीमेडिसिन पहलों के माध्यम से, पीएमआर विभाग रोगी देखभाल और चिकित्सा शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

2 संकाय



डॉ. संदीप ढोले
सह - प्राध्यापक

3 विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्वास्थ्य कार्यकर्ता	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
01	एसआर-01, जेआर-01	फिजियोथेरेपिस्ट-02 **प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक तकनीशियन** -02	05	परिचारक - 01

4 शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्य क्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)
एमबीबीएस	24 घंटे (6 वें सेमेस्टर के लिए मासिक एक घंटे का व्याख्यान और 8 वें सेमेस्टर के लिए मासिक एक घंटे का व्याख्यान)	2021 बैच 6 वां सेमेस्टर 3 घंटे प्रति दिन

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 05**

ii. **आमंत्रित व्याख्यान / वार्ताएँ**

- **डॉ. संदीप ढोले** (4)

5 उपलब्ध सुविधाएं

- पीएमआर विभाग एसडब्ल्यूडी, यूएसटी, आईएफटी और टीईएनएस जैसी पद्धतियों की मदद से विभिन्न इलेक्ट्रोथेरेपी उपचार प्रदान कर रहा है।
- दर्द निवारण प्रक्रियाएं जैसे इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन, प्रोलोथेरेपी।
- यूएसजी निर्देशित दर्द हस्तक्षेप प्रक्रियाएं।
- स्पास्टिसिटी प्रबंधन प्रक्रियाएं जैसे बोटुलिनम विष इंजेक्शन.
- हम ई-संजीवनी के माध्यम से दैनिक ऑनलाइन परामर्श भी प्रदान कर रहे हैं।

6 अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 01, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 01

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 01, अंतः: 01, गैर-वित्तपोषित: 02

7 रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
आउटडोर मरीज (ओपीडी)	19402
अन्य विभाग से इनडोर मरीजों का रेफरल	369
हस्तक्षेप	332
ई-संजीवनी परामर्श	पीएमआर (3865)
	फिजियोथेरेपी (24731)

मनोरोग विभाग

1 विभाग की मुख्य विशेषताएं

एम्स बीबीनगर में मनोचिकित्सा विभाग 13 मार्च 2021 को प्रारंभ हुआ। हम ई-संजीवनी और टेलीमेडिसिन सेवाओं सहित सभी दिन बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान करते हैं। हमने अप्रैल 2025 से बाल रोगियों को नैदानिक और परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रत्येक गुरुवार को "**बाल कल्याण क्लिनिक**" **शुरू किया है। हमारे पास तीव्र मानसिक आपात स्थितियों**, **प्रमुख मानसिक बीमारियों के तीव्र और दीर्घकालिक प्रबंधन वाले रोगियों के इलाज के लिए इन-पेशेंट उपचार सुविधाएं भी हैं। रोगी देखभाल को बेहतर बनाने के लिए विभाग में विभिन्न न्यूरोमॉड्यूलेशन पद्धतियां- ईसीटी। मनोविज्ञान सेवाएं- नैदानिक मूल्यांकन**, **परामर्श सत्र उपलब्ध हैं। आत्महत्या रोकथाम हेल्पलाइन सेवाएं पूरी तरह कार्यात्मक हैं** । बोम्मलरामरम आरएचटीसी में ओपीडी सेवाएं और सामुदायिक सेवाओं के हिस्से के रूप में जन स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमारे स्नातकोत्तर छात्रों ने आईएसपीटीएसबी-पीजी सीएमई में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हमारा उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के बारे में हमारी समझ का विस्तार करना और रोगी देखभाल में सुधार करना है।

2 संकाय

		
डॉ. साई कृष्ण टिक्का *अतिरिक्त प्रोफेसर*	**डॉ. बी.सी.मालतेश** *सह - प्राध्यापक*	**डॉ. ममिदिपल्ली साईं स्पूरथी** *सहायक प्रोफेसर*

3 विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
03	8 (4एसआर,4जेआर)	5	1(जेआरएफ), 1(सीपी)

4 शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्य क्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबीबीएस	20 घंटे	प्रत्येक बैच के लिए 15 दिनों के लिए 3 घंटे/दिन	
पीजी	2 घंटे/दिन	4 घंटे/दिन (नैदानिक)	शैक्षणिक गतिविधियाँ-सेमिनार, जर्नल क्लब, केस कॉन्फ्रेंस - महीने में दो बार, मूवी क्लब - 6 महीने में एक बार।
अन्य कोई	एम.एससी नर्सिंग कक्षाएं	15 दिनों के लिए 3 घंटे/दिन।	सेमिनार और केस चर्चा

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 18

ii. संगठित: 4

1. पांडुलिपि लेखन कार्यशाला – अगस्त 2024 (22,23 वां)
2. " आत्महत्या रोकथाम सप्ताह गतिविधियाँ" - सितंबर 2024 में (9 -12)
3. "मेडिकल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य" पर सेमिनार - 28 अक्टूबर 2024
4. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण पर कार्यशाला 19-22 फरवरी 2025 सारांश डीएचआर द्वारा वित्त पोषित

iii. संकायों द्वारा दिए गए आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता:

1. डॉ. साई कृष्णा टिक्का (14), डॉ. मालतेश बीसी (04)

iv. मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2. **डॉ. साई कृष्ण टिक्का, " तिलक वेंकोबा राव ओरेशन-सिज़ोफ्रेनिया में 'न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल-संज्ञानात्मक' बायोमार्कर का अनुवादात्मक महत्व "** 22 जनवरी 2025 को " **भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी, हैदराबाद** " द्वारा आयोजित " **भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी (एएनसीआईपीएस)** 2025 **के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन " में।**
3. **डॉ. मालतेश बीसी ने** 23 जनवरी 2025 को " **भारतीय मनोरोग सोसायटी, हैदराबाद** " द्वारा आयोजित " **भारतीय मनोरोग सोसायटी (एएनसीआईपीएस)** 2025 **के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन" में** "पुरुष और महिला प्रजनन क्षमता पर मनोविकृति का प्रभाव" पर चर्चा की ।

4.3 पुरस्कार और उपलब्धियां:

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. साईं कृष्ण टिक्का	"प्रतिष्ठित संपादकीय बोर्ड सदस्य" - एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री
	एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित "मनोचिकित्सा की पाठ्यपुस्तक" का संपादन किया

5 विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: " **बाल कल्याण क्लिनिक** " - प्रत्येक गुरुवार, ईसीटी, केटामाइन थेरेपी, दवा सहायता प्राप्त साक्षात्कार, मनोचिकित्सा और परामर्श सेवाएं।
- आउटरीच सेवाएँ: बोम्मालारामरामआरएचटीसी (प्रत्येक मंगलवार)

6 अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन : 25, **पबमेड-सूचीबद्ध पत्रिकाएँ**: 22, **मूल लेख**: 2

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 03, **अंतः**: 02, **गैर-वित्तपोषित**: 01

6.3 पुस्तकें / अध्याय

1. **टिक्का एस.के., स्पूरथी एम.एस.** :

- सिज़ोफ्रेनिया और अन्य मनोविकृति विकार। गुप्ता आर, टिक्का एस.के., संपादक। मनोरोग पाठ्यपुस्तक 2e। एल्सेवियर; 2025, पृष्ठ 161-173। आईएसबीएन: 978-81-312-6814-8
- भाटिया एच.एस., भंवर आर.एस., **स्फूर्ति एम.एस**. , **टिक्का एस.के** .। राष्ट्रपति और उनका दृष्टिकोण: राष्ट्रपति के अभिभाषणों की समीक्षा। संपादक: टिक्का एस.के., मेनन वी., रंजन आर., भारतीय मनोरोग समाज @75 एक पैनोरमिक पुनरावलोकन । नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2024, पृष्ठ 68-85। आईएसबीएन: 978-93-5696-468-6
- रेड्डी एस.सी., **स्पूरथी एम.एस**., **टिक्का एस.के**. पोस्ट ग्रेजुएट साइकियाट्री ट्रेनिंग में मूल्यांकन विधियाँ। दयाल नारायण केटीपी, काकुंजे ए., संपादक। भारतीय मनोरोग अद्यतन - चिकित्सा शिक्षा में मनोरोग। भारतीय मनोरोग सोसायटी की दक्षिण क्षेत्रीय शाखा; 2024, पृष्ठ 153-164। आईएसबीएन: 978-93-341-1449-2

2. स्फूर्ति एम.एस.

- कोविड-19 महामारी और दुनिया भर के स्वास्थ्यकर्मियों का मानसिक स्वास्थ्य । इन: सोंग जी, ली आर, संपादक। महामारियों के लिए उन्नत श्वसन सुरक्षा उपकरणों का डिज़ाइन **।** एल्सेवियर; 2025. पृष्ठ 137-143। आईएसबीएन: 978-0-323-95316-0

3. टिक्का एसके

- गर्ग एस, रोहतगी आर, मित्तल एस , आत्मघाती व्यवहार में न्यूरोमॉड्यूलेशन की क्षमता का पता लगाना। कुमार यू, संपादक। आत्महत्या रोकथाम की पुस्तिका। सिंगापुर: स्प्रिंगर; 2025. आईएसबीएन: 978-981-96-1402-8।

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

महीना	नया ओपी	समीक्षा	रेफरल (ओपी और आईपी)	प्रवेश	कुल
अप्रैल	54	196	112	09	362
मई	62	225	160	14	447
जून	51	231	169	10	438
जुलाई	73	291	173	14	537
अगस्त	56	254	139	15	449
सितम्बर	51	235	163	11	447
अक्टूबर	55	245	145	15	444
नवंबर	74	234	161	13	465
दिसंबर	69	242	161	09	467
जनवरी	63	249	140	11	448
फ़रवरी	73	208	121	16	401
मार्च	77	259	138	14	474

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	
***पांडुलिपि लेखन कार्यशाला, एम्स बीबीनगर, अगस्त* 2024**	***एनएमबीए गतिविधि- अवैध नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता- कोंडामादुगु, अगस्त* 2024**
	
***विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह - एम्स बीबीनगर में गेटकीपर प्रशिक्षण* (9-13 *सितंबर* 2024)**	***विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस- मेडिकल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर व्याख्यान - अक्टूबर* 2024**

फुफ्फुसीय चिकित्सा विभाग

1. मुख्य बिन्दु

विभाग की स्थापना **9 दिसंबर 2022 को की गई थी** , जिसका प्राथमिक लक्ष्य समाज के सभी वर्गों में विभिन्न फुफ्फुसीय स्थितियों के लिए व्यापक, साक्ष्य-आधारित श्वसन देखभाल,

अत्याधुनिक निदान और उपचार प्रदान करना है। पुरानी श्वसन रोगों वाले रोगियों के मूल्यांकन और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए **स्पाइरोमेट्री नियमित रूप से की जाती है। विभाग** जटिल फुफ्फुसीय स्थितियों के निदान में सहायता के लिए **ब्रोन्कियल धुलाई और ट्रांसब्रोंकियल फेफड़ों की बायोप्सी** सहित **ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रियाएं सक्रिय रूप से कर रहा है। इसके अलावा, हमने फेफड़ों की बायोप्सी और फुफ्फुस द्रव आकांक्षा (टैपिंग) जैसी** अल्ट्रासाउंड **-निर्देशित प्रक्रियाओं को शामिल किया है** , जो नैदानिक हस्तक्षेप की सुरक्षा और सटीकता को बढ़ाते हैं। श्वसन चिकित्सा में प्रगति के अनुरूप, विभाग ने हाल ही में स्लीप **-डिसऑर्डर्ड ब्रीदिंग** के मूल्यांकन के लिए **पॉलीसोम्नोग्राफी सेवाएं शुरू की हैं** बहु-विषयक दृष्टिकोण और निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, हमारा लक्ष्य श्वसन चिकित्सा में उत्कृष्टता का केंद्र बनना है, जो संस्थान के स्वास्थ्य देखभाल ढांचे में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में कार्य करेगा।

2. संकाय



डॉ. महेश बाबू वेमुरी
सहायक प्रोफेसर

3 विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स
01	3एसआर, 1जेआर (गैर शैक्षणिक)	4

4 शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्य क्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
पीजी	2	15	शिक्षाप्रद सेमिनार और बेडसाइड नैदानिक शिक्षण विधियाँ
अन्य कोई	नर्सिंग छात्रों, नर्सिंग अधिकारियों, गैर-शैक्षणिक जूनियर और सीनियर के लिए शिक्षण - प्रति सप्ताह 6 घंटे		शिक्षाप्रद सेमिनार और बेडसाइड नैदानिक शिक्षण विधियाँ

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 37**

ii. **आमंत्रित व्याख्यान / वार्ता:** डॉ. वेमुरी महेश बाबू (3), **डॉ. अलवा करुणा श्री** (1), **डॉ. अलवा करुणा श्री** (1)

iii. मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 05

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. वेमुरी महेश बाबू	**एमएनएएमएस (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की सदस्यता) एनएएमएस द्वारा संदर्भ संख्या** 32-(1)/2024(III)/**एनएएमएस दिनांक** 21 मार्च 2025**।**
डॉ. वेमुरी महेश बाबू	"**स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी" के आजीवन सदस्य** सदस्यता आईडी संख्या-SAS/LMSASS/291/2024**।**

5 विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- स्पाइरोमेट्री प्रयोगशाला, अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शन में नैदानिक और चिकित्सीय फुफ्फुस टैपिंग
- अल्ट्रासाउंड निर्देशित फेफड़े की बायोप्सी, डायग्नोस्टिक ब्रोंकोस्कोपी सेवाएं (ब्रोंकियल वॉश, ब्रोन्कियोएल्वियोलर लैवेज, एंडोब्रोंकियल बायोप्सी), इंटरकोस्टल ड्रेन ट्यूब थोरैकोस्टॉमी, सीपीईटी लैब, स्लीप लैब

6 अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 08, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 06, मूल लेख: 03

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 01, अंतः: 01, गैर-वित्तपोषित: 02

7 रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
बाह्य रोगी सेवाएं	5955
रोगी सेवाओं में	110 (प्रवेश)+171(पारस्परिक परामर्श)
ब्रोंकोस्कोपी	31
प्रक्रियाओं	125
ई-संजीवनी सेवाएं	10283

8.महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	**100 दिवसीय टीबी अभियान के तहत पल्मोनरी मेडिसिन विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा और रोगी जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं**

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

1. मुख्य बिन्दु

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग में वर्तमान में 10 संकाय सदस्य, 3 वरिष्ठ निवासी और 6 जूनियर निवासी हैं। विभाग शिक्षण, रोगी देखभाल और अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है। एमबीबीएस छात्रों के लिए शिक्षण शिक्षाप्रद व्याख्यान और समस्या आधारित और केस-आधारित चर्चाओं जैसे छोटे समूह शिक्षण विधियों के माध्यम से होता है। हेमटोलॉजी और क्लिनिकल लैब व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए बहुत अच्छी तरह से स्थापित हैं। जूनियर निवासियों को विभाग में प्रशिक्षित किया जाता है और ईएनटी, कार्डियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री विभागों में भी तैनात किया जाता है। जर्नल क्लब, सेमिनार, केस प्रेजेंटेशन और सिद्धांत परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। संकाय और वरिष्ठ निवासियों ने कई वित्त पोषित गैर-वित्त पोषित इंट्राम्यूरल और एक्स्ट्राम्यूरल परियोजनाओं के लिए आवेदन किया है। 5 वित्त पोषित इंट्राम्यूरल परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 2 इंट्राम्यूरल परियोजनाएं चल रही हैं विभाग के शिक्षकों ने PSS 2024 के अंतर्गत WINCAR द्वारा वित्त पोषित बाह्य परियोजना भी पूरी कर ली है। विभाग को क्लिनिकल शरीर क्रिया विज्ञान 2024 में प्रशंसा के लिए 12 से 14 दिसंबर 2024 तक APPI के 70वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. असीम दास पुरस्कार मिला। रोगी देखभाल के संबंध में , चिकित्सा और पल्मोनोलॉजी विभाग द्वारा संदर्भित रोगियों में लगभग 1750 पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट किए गए हैं , 139 ईईजी (शोध उद्देश्य), 248 रोगियों में डिजिटल थर्मोएस्थेसियोमीटर परीक्षण किए गए हैं। 60 रोगियों में हृदय गति परिवर्तनशीलता 622 रोगियों, 206 रोगियों में कार्डियोवैस्कुलर जोखिम प्रोफाइलर , (शोध उद्देश्य), और पॉलीसोम्नोग्राफी अध्ययन (शोध उद्देश्य) किया गया है। **विभाग ने** 5वें स्थापना दिवस पर 29/01/25 को 02 कार्यक्रम **, "एआरटी अटैक" का आयोजन किया है। और** प्रथम एमबीबीएस छात्रों के लिए ई-पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2. संकाय



डॉ. नितिन अशोक जॉन
प्रोफेसर और प्रमुख



डॉ. माधुरी तरनीकांति
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. एम. कल्पना
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. प्रफुल्ल के
अतिरिक्त प्रोफेसर



डॉ. वंदना डी
सह - प्राध्यापक



डॉ. अनीश सिंघल
सह - प्राध्यापक



डॉ. विद्या गंजी
सह - प्राध्यापक



डॉ. अर्चना गौर
सह - प्राध्यापक,



डॉ. मधुसूदन यू
सह - प्राध्यापक

2.1 विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	लैब तकनीशियन	स्टाफ नर्स	अन्य कोई
09	सीनियर - 03,	01	04	डीओ - 02, लैब

	जूनियर - 06			असिस्टेंट -01

3. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

- 29/01/25 को एम्स बीबीनगर के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग द्वारा पाँचवाँ स्थापना दिवस आयोजित किया गया। राष्ट्रीय ई-पोस्टर एवं रोल प्ले प्रतियोगिता - "आर्ट अटैक" एक प्रमुख आकर्षण रही, जिसमें देश भर के मेडिकल छात्रों से 100 से अधिक ई-पोस्टर प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुईं, जिससे फिजियोलॉजिकल अवधारणाओं के अभिनव अन्वेषण के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ।
- प्रथम एमबीबीएस छात्रों के लिए ई-पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- प्रथम एमबीबीएस छात्रों के लिए रक्तचाप विनियमन और कार्डियक आउटपुट विषयों पर दो सेमिनार आयोजित किए गए।
- नवीन शिक्षण विधियों में सहयोगात्मक शिक्षण, समूह चर्चा, भूमिका-निर्वाह, VARK फ्रेमवर्क और GRASP (शरीर क्रिया विज्ञान में गेमिफिकेशन , तर्क, अनुप्रयोग और स्थित शिक्षण दृष्टिकोण) को शिक्षण के लिए शामिल किया गया।

पाठ्यक्रम	**लिखित (घंटे)**	**व्यावहारिक (घंटे)**	**अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)**
एमबीबीएस	279	160	ट्यूटोरियल - 18 घंटे, सेमिनार - 4 घंटे
पीजी	279सेमिनार-56 जर्नल क्लब-20	उपस्थित -160 प्रदर्शन – 6	छोटे समूह चर्चा (समस्या आधारित शिक्षा, केस आधारित शिक्षा, ईएनटी, बायोकेमिस्ट्री, मेडिसिन, रेडी ई ओलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी में 15 दिन की पोस्टिंग)

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. उपस्थित: 65

ii. संगठित:

29/01/25 को एम्स बीबीनगर के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग द्वारा पाँचवाँ स्थापना दिवस आयोजित किया गया। राष्ट्रीय ई-पोस्टर एवं रोल प्ले प्रतियोगिता - "आर्ट अटैक" एक प्रमुख आकर्षण रही, जिसमें देश भर के मेडिकल छात्रों से 100 से अधिक ई-पोस्टर प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुईं, जिससे फिजियोलॉजिकल अवधारणाओं के अभिनव अन्वेषण के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ।

iii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ:

- डॉ. नितिन अशोक जॉन (1), *डॉ. प्रफुल्ल.के. (03),* **डॉ. वंदना.एस . दौलताबाद (03),**
  डॉ. अनीश सिंघल (08), डॉ. विद्या.जी (03), डॉ. अर्चना गौड़ (01)

iv. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 20

4.4 पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. नितिन अशोक जॉन	1. रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी, यूके 2024-2025 का फेलो खिताब प्राप्त किया। 2. **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आवेग दोलनमिति सत्यापन पर परियोजना आरंभ करने के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में 3 करोड़ रुपये का अनुसंधान वित्त पोषण प्राप्त किया।** 3. **[29] और 0 मार्च 2025 को कार्डियक केयर 2025 में महिलाओं के 17 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रज्वलिका अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त किया ।** 4. **दिसंबर 2024 में एसोसिएशन ऑफ शरीर क्रिया विज्ञान ऑफ इंडिया के 70 वें वार्षिक सम्मेलन में शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स बीबीनगर द्वारा प्रदान की गई सर्वश्रेष्ठ नैदानिक सेवाओं के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।**
डॉ. प्रफुल्ल के	1. पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया, गैर-आक्रामक रक्त पैरामीटर डिटेक्टर (सं. 393426-001) 2. आईसीएमआर-एसटीएस परियोजना पूरी हो गई है और आईसीएमआर द्वारा इसे बहुत अच्छा दर्जा दिया गया है (संदर्भ आईडी: 2023-01024) 3. अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (FIMSA) में फैलोशिप 4. नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस), रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी (यूके) और द शरीर क्रिया विज्ञान सोसाइटी (यूके) की सदस्यता के साथ 5. पुस्तक: एमबीबीएस छात्रों के लिए प्रैक्टिकल शरीर क्रिया विज्ञान, दूसरा संस्करण, सीबीएस पब्लिशर्स, नई दिल्ली (प्रकाशन में)
डॉ. वंदना दौलताबाद	1. पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया। i. शीर्षक- गैर-आक्रामक रक्त पैरामीटर डिटेक्टर (सं. 393426-001) 2. जीएसएमसी एफएआईएमईआर फेलोशिप- 2024-2026 बैच, मुंबई। 3. इंटीग्रेटिव मेडिसिन में सर्टिफिकेट कोर्स (CCIM)- NIMHANS, बेंगलुरु, mS -VYASA विश्वविद्यालय और NIMHANS डिजिटल अकादमी (NIMHANS/IMCD/CCIM24-59) 4. रायबरेली , उत्तर प्रदेश में "उच्च रक्तचाप पर सीएमई: एक व्यापक दृष्टिकोण" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुति - " घेरंड संहिता "

	का कार्डियोरेस्पिरेटरी दक्षता पर प्रभाव के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। (संकाय श्रेणी) 5. शारीरिक संरचना और कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस पर हठ -योग विषहरण के स्फूर्तिदायक प्रभाव का मूल्यांकन और निष्क्रिय जीवनशैली वाली कामकाजी महिलाओं के बीच इसका सह-संबंध (एम्स/बीबीएन/आरईएस-एसईसी/ईएम-एफ/2025/754) (बाह्य वित्त पोषित- पीएसएस विनकार- 20,000/-) (पीआई) 6. दीर्घकालिक ध्यानकर्ताओं के बीच न्यूरोफिजियोलॉजिकल और आणविक हस्ताक्षर और यंत्र पैमानों (पीआई) के साथ इसका सहसंबंध (एम्स/बीबीएन/आईईसी/ फरवरी /2025/614-आर) (इंट्राम्यूरल वित्त पोषित- 4,99,277/-) 7. आईसीएमआर-एसटीएस परियोजना चयनित (गाइड) - एसटीएस-2025 01948 8. आईसीएमआर-एसटीएस परियोजना चयनित (गाइड) - एसटीएस-2024 05778 9. राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) की सदस्यता 10. पुस्तक: एमबीबीएस छात्रों के लिए व्यावहारिक शरीर क्रिया विज्ञान, दूसरा संस्करण, सीबीएस प्रकाशक, (प्रकाशन में)
डॉ. अनीश सिंघल	1. गाइडेड पीजी छात्रा को पोस्टर श्रेणी में तीसरा पुरस्कार मिला: डॉ अफना अंसारी । अद्वितीय स्वायत्त क्षति के साथ आतंक विकार का मामला। WICC पोस्टर प्रतियोगिता में
डॉ. विद्या.जी	1. 9 अप्रैल 2025 को एम्स, बीबीनगर के दूसरे स्थापना दिवस पर "रक्तचाप के विभिन्न स्पेक्ट्रम में एक अतिरिक्त स्क्रीनिंग टूल के रूप में नमक धारणा सीमा का मूल्यांकन" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए छात्र गाइड के रूप में ई-पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। 2. यदाद्रिभुवनगिरी जिले के आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों में थूक के नमूनों के परिवहन के लिए एम्स, बीबीनगर द्वारा ड्रोन सेवाओं के नवाचार और संचालन के लिए टीम के सदस्य के रूप में श्री बिल गेट्स से सराहना प्राप्त हुई और 18-03-2025 को भारत मंडपम , नई दिल्ली में भारत नवाचार शिखर सम्मेलन -2 में इसका प्रतिनिधित्व किया । 3. 14 नवंबर 2025 को डीएचआर-आईसीएमआर अनुसंधान उत्कृष्टता शिखर सम्मेलन 2024 में "आईसीएमआर आई- ड्रोन" के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान टीम के हिस्से के रूप में आईसीएमआर से उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त किया। 4. मार्च 2025 में विनकार्स द्वारा पीएसएस 2024 परियोजना को पूरा करने के लिए 20,000 रुपये का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
डॉ. अर्चना गौर	1. नवंबर 2024 में BRPT अनुमोदित RPSGT परीक्षा उत्तीर्ण की।

	2. AHA प्रमाणित BLS प्रदाता पाठ्यक्रम पूरा किया
डॉ. मधुसूदन.यू	1. 12-14 दिसंबर को ऐपिकॉन 2024 में क्लिनिकल शरीर क्रिया विज्ञान में ऐपी प्रशंसा पुरस्कार 2. प्रथम पुरस्कार ARTATTCK 2025 में रोलप्ले के लिए छात्रों का मार्गदर्शन 3. जून 2025 4. **प्रमाणपत्र** प्राप्त करना **कोर्स इन स्लीप मेडिसिन** (सीसीएसएम) हिंद विश्वविद्यालय में अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजिशियन द्वारा मान्यता प्राप्त

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण प्रयोगशालाएँ: हेमेटोलॉजी लैब, क्लिनिकल लैब, अनुसंधान लैब,
- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: स्वायत्त कार्य परीक्षण प्रयोगशाला, पॉलीसोम्नोग्राफी प्रयोगशाला, फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण प्रयोगशाला

6. अनुसंधान

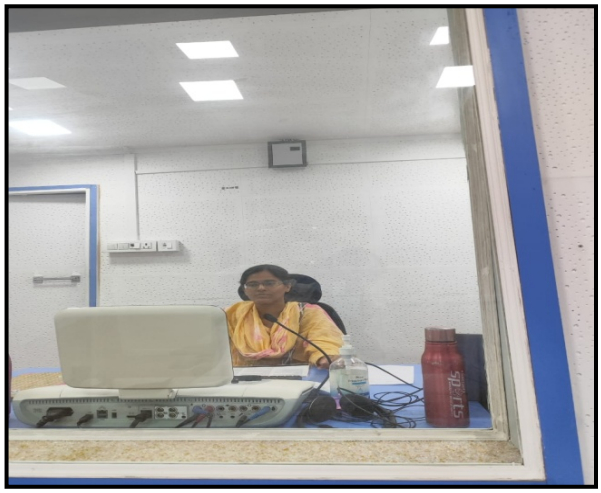
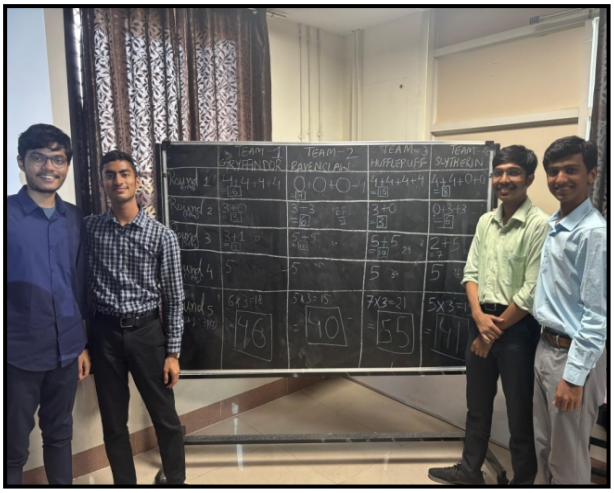
6.1 कुल प्रकाशन: 50, PubMed अनुक्रमित पत्रिकाएँ: 42, मूल लेख: 47

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: 22 (पीआई और सह-पीआई के रूप में)

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण	कुल ---1750
दिल दर परिवर्तनशीलता	कुल----622

8. महत्वपूर्ण लोगों की तस्वीरें

	
अपने चौथे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में "स्वायत्त कार्य परीक्षण और इसके नैदानिक निहितार्थ" पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई/सीपीडी) सह कार्यशाला	स्नातकोत्तर व्यावहारिक सत्र
	
ईएनटी विभाग में स्नातकोत्तरों की नियुक्ति	छात्रों द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी

रेडियो-निदान विभाग

1. मुख्य बिन्दु

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 रेडियो निदान **विभाग के लिए एक ऐतिहासिक अवधि रही है**, **जो प्रौद्योगिकी**, **शिक्षा और सेवा वितरण में उल्लेखनीय प्रगति के लिए चिह्नित है।** उच्च-रिज़ॉल्यूशन यूएसजी, डुअल डिटेक्टर डिजिटल रेडी ई ओ ग्राफी, फ्लोरोस्कोपी और 3 टेस्ला एमआरआई जैसी मौजूदा नैदानिक सेवाओं के अलावा, 08/03/2025 **को** 160-**स्लाइस सीटी स्कैनर और एक डीईएक्सए मशीन की स्थापना के साथ विभाग की नैदानिक क्षमताओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है**, **जिससे तेज़**, **अधिक सटीक इमेजिंग और बेहतर अस्थि स्वास्थ्य मूल्यांकन सेवाएँ संभव हुई हैं।** 2nd के 10 स्नातक छात्र बैच के 14 छात्रों ने बीएमआरआईटी पैरामेडिकल कोर्स में प्रवेश लिया और विभाग अब 14 बीएमआरआईटी स्नातक छात्रों को प्रशिक्षण दे रहा है। **हम** व्यापक कैंसर देखभाल चर्चाओं के लिए अंतर-विभागीय बैठकों और ट्यूमर बोर्ड की बैठकों में भी भाग लेते हैं। रेडी ई ओडायग्नोसिस विभाग एक समृद्ध शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देते हुए उच्च-गुणवत्ता वाली, रोगी-केंद्रित इमेजिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी क्षेत्रों में निरंतर विकास के साथ, हम इस क्षेत्र में **इमेजिंग सेवाओं** और शैक्षणिक केंद्र के लिए एक महत्वपूर्ण नोडल केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं ।

2. संकाय

<table>
<tr>
<td> 
डॉ. अभिषेक जे. अरोड़ा
प्रोफ़ेसर</td>
<td> 
डॉ. अन्नपूर्णा श्रीरामभटला
अतिरिक्त प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. स्वर्णलता सीलम
सह - प्राध्यापक</td>
</tr>
<tr>
<td> 
डॉ. महेश रेड्डी
सह - प्राध्यापक</td>
<td> 
डॉ. सत्यनारायण के
सहायक प्रोफेसर</td>
<td> 
डॉ. किरण कुमार रेड्डी
सहायक प्रोफेसर</td>
</tr>
</table>

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जूनियर	रेडी ई ओग्राफर	स्टाफ नर्स	बीएससी. बीएमआर आईटी	अन्य कोई
06	एसआर-5, जेआर-9	08	17	14	05

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्य क्रम	सिद्धांत (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
एमबी बीएस	प्रति शैक्षणिक वर्ष 15 दिनों के लिए 1 घंटा	प्रति पोस्टिंग प्रतिदिन 04 घंटे (प्रति शैक्षणिक वर्ष 15 दिन)	MCQ आधारित प्रश्नावली
पीजी	प्रतिदिन: 01 घंटा	प्रतिदिन: 07 बजे	अंतर्विभागीय और अंतर्विभागीय मामले पर चर्चा 01 घंटे
बीएससी. बीएमआरआईटी	साप्ताहिक एक बार: 01 घंटा	प्रतिदिन: 05 बजे	विभिन्न तौर-तरीकों में सेमिनार और पोस्टिंग

4.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

4.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान

i. **उपस्थित : 10**
ii. **शोध पत्र प्रस्तुतियाँ : 22**
iii. **आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ: 02**

4.4. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. अन्नपूर्णा श्रीरामभटला	ईपीओएस श्रेणी आईआरआईए 2025 में पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार, एमआरआई पर स्त्री रोग संबंधी दुर्दमताओं का निदान और चरण निर्धारण: नैदानिक मोती और नुकसान।
कुलसुम खान (बीएमआरआईटी छात्रा)	दूसरा पुरस्कार एम्स बीबीनगर स्थापना दिवस 2025, गलत पाइप में बेरियम? जटिलताएं और सीखे गए सबक ।

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- रेडी ई ओ ग्राफी,, अल्ट्रासोनोग्राफी
- चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग, कंप्यूटेड टोमोग्राफी
- दोहरी ऊर्जा एक्स-रे अवशोषणमिति (DEXA), फ्लोरोस्कोपी

6. अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन: 32

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: बाह्य: 04, अंतःविषय: 01, गैर-वित्तपोषित: 05

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
एक्स-रे (मार्च 2025 तक संचयी आधार पर)	92872 मामले (190654 एक्सपोज़र)
अल्ट्रासाउंड (मार्च 2025 तक संचयी आधार पर)	59585 मामले
एमआरआई 3 टेस्ला (मार्च 2025 तक संचयी आधार पर)	4988 मामले
सीटी स्कैन (मार्च 2025 तक संचयी आधार पर)	220 मामले
डेक्सा स्कैन (मार्च 2025 तक संचयी आधार पर)	20 मामले
फ्लोरोस्कोपी (मार्च 2025 तक संचयी आधार पर)	177 मामले

8.महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	
यह वर्ष हमारे विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसमें 08 **मार्च** 2025 **से कंप्यूटेड टोमोग्राफी** (**सीटी**) **इमेजिंग सेवाओं की सफल शुरुआत होगी।**	**विभाग ने इस वर्ष** 29 **नवंबर** 2024 **को DEXA (डुअल-एनर्जी एक्स-रे एब्जॉर्पियोमेट्री) स्कैनिंग शुरू की ।** DEXA **अस्थि खनिज घनत्व** (BMD) **का आकलन करने के लिए स्वर्ण मानक है और** ऑस्टियोपोरोसिस और अन्य चयापचय अस्थि रोगों **का शीघ्र पता लगाने और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**
	
26 जुलाई 2024 को **शोल्डर इमेजिंग और इंटरवेंशन पर केंद्रित एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया गया । व्यावहारिक कार्यशालाओं और लाइव प्रदर्शनों ने प्रतिभागियों की सहभागिता और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ाया।**	18 अक्टूबर 2024 को **स्तन कैंसर पर केंद्रित** एक सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया । इस सत्र में **स्तन इमेजिंग, शीघ्र पहचान, स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल और बहु-विषयक प्रबंधन** में नवीनतम प्रगति पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई ।



हमारे विभाग ने 8 नवंबर, 2024 को स्थापना दिवस **के अवसर पर रेडी ई ओलॉजी में सुरक्षा उपायों पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।**

रक्ताधान चिकित्सा एवं रक्त बैंक विभाग

1. मुख्य बिन्दु

रक्ताधान चिकित्सा एवं रक्त बैंक विभाग बहु-विषयक दृष्टिकोण का उपयोग करके स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में गतिशील रहा है। अपने सामुदायिक प्रसार के माध्यम से, हम स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देते हैं और रक्त के संग्रह, परीक्षण, प्रसंस्करण और आधान के माध्यम से इसे आगे बढ़ाते हैं। विभाग एफेरेसिस-आधारित संग्रह जैसे एकल दाता प्लेटलेट्स (एसडीपी), प्लाज्मा, ग्रैनुलोसाइट सांद्रण, और चिकित्सीय एफेरेसिस प्रक्रियाओं जैसे प्लाज्मा एक्सचेंज, साइटैफेरेसिस और चिकित्सीय फ़्लेबोटोमी में भी सक्रिय रूप से शामिल है। ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन एचएलए टाइपिंग, स्टेम सेल थेरेपी और जटिल रक्त आधान आवश्यकताओं वाले रोगियों के समर्थन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संस्थान में भर्ती मरीजों की रक्ताधान संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए 6 दिसंबर 2022 को एक रक्त भंडारण केंद्र की स्थापना की गई। हम एक औपचारिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत, अपने मातृ रक्त केंद्र, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी रक्त केंद्र, हैदराबाद के सहयोग से काम करते हैं। हमारे इम्यूनोहेमेटोलॉजी परीक्षण पारंपरिक ट्यूब तकनीक और कॉलम एग्लूटिनेशन तकनीक, दोनों का उपयोग करके, जीएमपी मानकों और सभी नियामक गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के अनुपालन में किए जाते हैं। हम जुलाई 2025 सत्र में इम्यूनो-हेमेटोलॉजी और रक्ताधान कार्यक्रम में अपना एमडी शुरू करेंगे। भविष्य में, हमारा लक्ष्य एक अत्याधुनिक रक्त केंद्र विकसित करना है जो उन्नत रक्त घटकों, जैसे ल्यूकोरिड्यूस्ड, विकिरणित और अन्य संशोधित उत्पादों, के साथ-साथ विस्कोइलास्टिक हेमोस्टैटिक परख जैसे पॉइंट-ऑफ-केयर जमावट परीक्षण प्रदान करे।

2. संकाय



डॉ. अरुण राजेंद्रन
अतिरिक्त प्रोफेसर और प्रमुख



डॉ. दावूद यूबी
सहायक प्रोफेसर

3. विभाग टीम

संकाय	एस आर	लैब तकनीशियन
02	5	3

4. शैक्षणिक

4.1 शिक्षण

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)
एमबीबीएस	03	शून्य
पीजी	शून्य	20 (पैथोलॉजी)
अन्य कोई	03 (नर्सिंग)	15 (नर्सिंग)

4.2 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 18**

ii. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ: डॉ. अरुण आर: 15

iii. मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 04

4.3. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. अश्विन के. मोहन	प्रो. डॉ. वीएल रे मेमोरियल पुरस्कार 2024

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- विशेष क्लीनिक / प्रयोगशालाएँ: इम्यूनो-हेमेटोलॉजी लैब
- आउटरीच सेवाएँ: रक्तदान शिविर

6. अनुसंधान

6.1 कुल प्रकाशन :01

- देब जे, नेगी जी, **मोहन ए.के.*** , शरावत आई.के., बनर्जी पी, चौहान डी, कौर डी, जैन ए. गिलियन-बैरे सिंड्रोम के एक्सोनल वैरिएंट वाले बच्चों में अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन की तुलना में चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज का संभावित लाभ: छह बाल चिकित्सा मामलों की एक रिपोर्ट। ट्रांसफ्यूजन क्लिनिक एट बायोलॉजिक। 2025 फ़रवरी 1 ;32 (1):112-7.

6.2 अनुसंधान परियोजनाएँ: अंतःविषय: 01, गैर-वित्तपोषित: 03

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक मरीजों की संख्या
रक्त घटकों का मुद्दा	549
प्रत्यक्ष कूम्ब्स परीक्षण	237
अप्रत्यक्ष कूम्ब्स परीक्षण	260
आरएच एंटीबॉडी टाइटर	3
एंटीबॉडी स्क्रीनिंग	1
एंटीबॉडी की पहचान	3
क्रॉसमैचिंग हो गई	1434
रोगी समूहीकरण	1196

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें

	
राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस रक्तदान शिविर – 1 अक्टूबर 2024	स्वैच्छिक रक्तदान प्रतिज्ञा 2024 – 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस
	
प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता – 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस 2024	रक्तदान शिविर - 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस 2024

मूत्रविज्ञान विभाग

1 **मुख्य बिन्दु:**

यूरोलॉजी विभाग की स्थापना और विकास केंद्रित नेतृत्व के तहत किया गया था, जो प्रति माह केवल 300 रोगियों के प्रारंभिक बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) भार से बढ़कर **900 परामर्श मासिक की औसत तक पहुंच गया** , 31 मार्च 2025 तक कुल **10,152 रोगी आए** । इसके अतिरिक्त, विभाग ने ओपीडी ढांचे के भीतर **बांझपन और ऑन्कोलॉजी मूल्यांकन सेवाओं को शुरू करके अपने नैदानिक दायरे का विस्तार किया** , जिससे पहले से अधूरी रोगी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। आंतरिक रोगी क्षेत्र में, विभाग ने मार्च 2025 तक लगभग **160 मामलों** और **70 औपचारिक प्रवेशों का प्रबंधन किया है। सीमित ओटी घंटों और एकल संकाय के साथ काम करते हुए, विभाग ने लगभग 75 प्रमुख मूत्र संबंधी सर्जरी की हैं** , जिसमें सिस्टोलिथोट्रिप्सी, यूरेटेरोरेनोस्कोपिक लिथोट्रिप्सी (यूआरएसएल), रेट्रोग्रेड इंट्रारेनल सर्जरी (आरआईआरएस), तीव्र पाइलोनफ्राइटिस के लिए आपातकालीन आरजीपी + डीजे स्टेंटिंग, मूत्रवाहिनी के संकुचन के लिए डीजे स्टेंट एक्सचेंज, वृषण कार्सिनोमा के लिए उच्च वंक्षण ऑर्किडेक्टॉमी और पुरुष नसबंदी शामिल हैं। ये उपलब्धियां पूरी तरह से व्यापक सर्जिकल क्षमताओं की ओर विभाग की तीव्र प्रगति का संकेत देती हैं। समानांतर रूप से, प्रक्रिया कक्ष में मामूली ओपीडी-आधारित प्रक्रियाएं 25 से **बढ़कर** 255 हो **गईं** यूरोलॉजी देखभाल पर नर्सिंग छात्रों के साथ मिलकर, हमने नियमित रूप से यूरोपैथोलॉजी, यूरोरेडी ई ओलॉजी और ट्यूमर बोर्ड की बैठकें आयोजित कीं। हम तेज़ी से एक मज़बूत इकाई के रूप में विकसित हुए हैं जो नैदानिक विकास को प्रदर्शित करती है—बाह्य रोगी विस्तार और प्रक्रियात्मक मात्रा से लेकर शल्य चिकित्सा की गहराई तक—टेलीमेडिसिन एकीकरण, रणनीतिक बुनियादी ढाँचे में निवेश, संस्थागत जुड़ाव और शैक्षणिक समृद्धि।

2 संकाय



डॉ.अमर कुमार रेपका

सहायक प्रोफेसर

3. विभाग टीम

संकाय	एसआर और जेआर	स्टाफ नर्स
01	1 **एसआर**	4

4. शैक्षणिक

4.1. शिक्षण

पाठ्यक्रम	सिद्धांत (घंटे)
कोई अन्य (नर्सिंग कॉलेज)	3 घंटे

4.2. सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 15**

ii. **मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ**

- डॉ. जवाहर ने टीएस एंड एपी सोगस 2024 **राज्य सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुत किया**, **जिसका शीर्षक था** - **वृषण के** पैराटेस्टिकुलर क्षेत्र से उत्पन्न एडेनोमैटिओड ट्यूमर - **एक दुर्लभ मामला प्रस्तुति** - **निजामाबाद में** निजामाबाद यूरोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- एंडोयूरोलॉजी, पुरुष बांझपन और पुरुष यौन स्वास्थ्य
- यूरो ऑन्कोलॉजी, ओपीडी यूरोलॉजी सेवाएं

6. अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन :** 2, मूल लेख : 2
- **अनुसंधान परियोजनाएँ:** गैर-वित्तपोषित: 01

7. रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	मरीजों की संख्या
• छोटी प्रक्रियाएं जैसे **सुप्रा प्यूबिक सिस्टोस्टॉमी**, **पुरुष मूत्रमार्ग का फेशियल फैलाव**, **फ्रेनुलोप्लास्टी**, **खतना**, **पैराफिमोसिस न्यूनीकरण**, **सीआईएससी प्रशिक्षण**, **इंट्राकैवर्नोसल इंजेक्शन**, **मूत्रमार्ग कैलिबरेशन और स्तंभन दोष के मामलों के लिए कार्यालय सिल्डेनाफिल**	255

परीक्षण आदि- • मूत्रविज्ञान शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं जैसे कि **पेल्विक एसओएल के लिए मूत्राशय और मूत्रवाहिनी का सिस्टोस्कोपिक मूल्यांकन**, **सिस्टोलिथोट्रिप्सी**, **यूरेट्रोरेनोस्कोपिक लिथोट्रिप्सी** (**यूआरएसएल**), **रेट्रोग्रेड इंट्रा रीनल सर्जरी** (**आरआईआरएस**), **पाइलोनफ्राइटिस के लिए आपातकालीन आरजीपी+डीजे स्टेंटिंग**, **मूत्रवाहिनी की सिकुड़न के लिए डीजे स्टेंट एक्सचेंज**, **कैंसर वृषण कार्सिनोमा के लिए उच्च वंक्षण ऑर्किडेक्टोमी जैसी ऑन्कोलॉजिकल प्रक्रियाएं और पुरुष नसबंदी प्रक्रियाएं जैसे पुरुष नसबंदी और अन्य विभिन्न प्रक्रियाएं** • ओपीडी सेवाएं	75 10152/वर्ष&900/माह

नर्सिंग कॉलेज

1. मुख्य बिन्दु

नर्सिंग कॉलेज का उद्देश्य नर्सिंग शिक्षा, व्यावसायिक विकास और अनुसंधान में उत्कृष्टता का एक प्रतीक बनाना है। नर्सिंग कॉलेज में एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम अगस्त 2024 में शुरू हुआ, जिसमें मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, **बाल चिकित्सा नर्सिंग**, **मनोरोग नर्सिंग और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं में** 8 **सीटों का वार्षिक प्रवेश है।** कॉलेज विभिन्न नर्सिंग विषयों पर कार्यशालाओं, सेमिनारों और प्रदर्शनियों का आयोजन करता है, जिनमें रोगी देखभाल तकनीकें, साक्ष्य-आधारित अभ्यास और स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

2. संकाय

 **डॉ. टी लता** *प्रोफेसर और प्रिंसिपल*	 **डॉ. ए.एस. सुबाथरा** *सह - प्राध्यापक*	 **डॉ. जीसा जॉर्ज टी** *सह - प्राध्यापक*	 **डॉ. एसके मोहनसुंदरी** *सहायक प्रोफेसर*
 **डॉ. जैसन जोसेफ** *सहायक प्रोफेसर*	 **श्री अज़हर एस.** *सहायक प्रोफेसर*	 **श्रीमती एरा दीपिका दयाल** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्रीमती प्रीति एस** *ट्यूटर/सीआई*
 **श्रीमती मैगी रेन्जिथ नी पीटर** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्रीमती एंजेलिना सिंह** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्रीमती लक्षसाराह आरएम** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्रीमती प्रतिभा एस** *ट्यूटर/सीआई*

 **श्रीमती नामा नागमणि** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्रीमती नीलम वशिष्ठ** *ट्यूटर/सीआई*	 **डॉ. वसंत कुमार** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्री केएमके श्रीधर** *ट्यूटर/सीआई*
 **श्रीमती रानी बुरुगु** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्रीमती रश्मि सिंह** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्री गुरु पी** *ट्यूटर/सीआई*	 **श्रीमती दिव्या आर नायर** *ट्यूटर/सीआई*
 **श्रीमती नंदीगामा वंदना** *ट्यूटर/सीआई*			

3. शैक्षणिक

3.1 अपनाई गई शिक्षण-अधिगम विधियाँ

पाठ्यक्रम	लिखित (घंटे)	व्यावहारिक (घंटे)	अन्य शिक्षण-अधिगम विधियाँ (घंटे)
बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	1175	1630	185
एम.एससी. नर्सिंग	600	1100	

3.2 परीक्षा एवं मूल्यांकन: निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित

3.3 सम्मेलन/सीएमई/कार्यशालाएं/अतिथि व्याख्यान:

i. **उपस्थित: 27**

ii. **संगठित: 3**

1. नर्सों के लिए उन्नत घाव देखभाल कार्यशाला: प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" 18 से [19] अप्रैल , 2024 तक "नर्सिंग बिरादरी के लिए प्रशामक देखभाल संवेदीकरण कार्यक्रम पर राष्ट्रीय अभियान पर राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार"

   [10] मई, 2024 को ECHO प्लेटफॉर्म के माध्यम से DNip Care, India के सहयोग से
2. [10] मई, 2024 को ईसीएचओ प्लेटफॉर्म के माध्यम से डीएनआईपी केयर, भारत के सहयोग से "नर्सिंग बिरादरी के लिए प्रशामक देखभाल संवेदीकरण कार्यक्रम पर राष्ट्रीय अभियान पर राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार"।
3. नर्सिंग कॉलेज, एम्स बीबीनगर द्वारा "सहयोगात्मक एवं देखभाल संचार" पर कार्यशाला का आयोजन, 20 मार्च, 2025

iii. विशेष अतिथि व्याख्यान

1. "घाव देखभाल के बारे में एक सर्जन का दृष्टिकोण", डॉ. तुषार एस. मिश्रा, प्रोफेसर, जनरल सर्जरी विभाग, एम्स भुवनेश्वर।
2. "घाव की देखभाल", डॉ. पी. लक्ष्मी, प्रोफेसर, बर्न्स और पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज
3. "सर्जिकल नवजात और बच्चे की देखभाल", डॉ. सुहाशिनी गज़ुला, प्रोफेसर और प्रमुख, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, ईएसआईसी, हैदराबाद।
4. **"** एक घाव देखभाल नर्स का दिन **",** श्रीमती वेनिला, घाव देखभाल नर्स विशेषज्ञ, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली
5. "करुणापूर्ण संचार की नींव", प्रो. के. रेणुका देवी, प्राचार्य (प्रभारी), सरकारी नर्सिंग कॉलेज, सिकंदराबाद
6. स्वास्थ्य देखभाल में डिजिटल संचार", प्रो. (डॉ.) सुरेश मुनुस्वामी, डीन, स्कूल ऑफ डिजिटल हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजीज, मल्ला रेड्डी विश्व विद्यापीठ
7. "नर्सिंग की विस्तारित भूमिका", श्रीमती एलिस सोनी, नर्सिंग अधीक्षक, सीएमसी वेल्लोर,
8. "संचार और संघर्ष प्रबंधन का महत्व", डॉ. दीपिका खाखा, भारत सरकार की नर्सिंग सलाहकार,
9. "छात्रों की सामाजिक जिम्मेदारी", डॉ. एलिस वाज़ आर, आईएएस और नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार के तकनीकी मूल्यांकन के प्रमुख सचिव, रक्षा विभाग, भारत सरकार
10. "सतत व्यावसायिक विकास", डॉ. डोना एलेक्स, नर्सिंग निदेशक और प्रशासक, होम हेल्थ केयर, यूएसए

iv. आमंत्रित व्याख्यान/वार्ताएँ

डॉ. लता टी (03), डॉ. एएस सुबाथरा (04), डॉ. जैसन जोसेफ (03), डॉ. मोहनसुंदरी एसके (03), श्री अज़हर एसएम (01), श्रीमती लक्षा सारा आरएम (01), श्रीमती मैगी रेन्जिथ (01), श्रीमती एरा दीपिका दयाल : 11

v. शोध पत्र प्रस्तुतियाँ: 03

vi. अन्य कार्यक्रम:

1. [10 फरवरी] , 2025 को बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग बैच 2024 के लिए "दीप प्रज्ज्वलन समारोह"

2. एम्स बीबीनगर में 2024 बैच के प्रथम वर्ष के नर्सिंग छात्रों के लिए फाउंडेशन कोर्स 30 सितंबर से 3 अक्टूबर, 2024 तक

3.4. पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार / उपलब्धियों का विवरण
डॉ. ए.एस. सुबाथरा	1. "क्लिनिकल नर्स रिसर्च सोसाइटी इंडिया, नॉर्थ ज़ोन" द्वारा "नर्सिंग संकाय श्रेणी द्वारा अनुसंधान परियोजना" के अंतर्गत आयोजित "नर्सों के लिए अखिल भारतीय उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार" पर "राष्ट्रीय स्तर" प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। 10 जनवरी 2025, पुरस्कार की घोषणा 28 फरवरी 2025 को की जाएगी। 2. संशोधित भारतीय नर्सिंग परिषद 2022 वयस्क स्वास्थ्य नर्सिंग -II 30 मार्च 2025 के अनुसार "बीएससी (एन)" छात्रों के लिए पैलिएटिव केयर मॉड्यूल की पाठ्य पुस्तक लिखी गई।
डॉ. जैसन जोसेफ	भारतीय नर्सिंग परिषद से नर्सिंग में सफलतापूर्वक पीएचडी पूरी की
एरा दीपिका दयाल	1. दिसंबर 2024 में NEOCON में राष्ट्रीय नर्स और पीजी क्विज़ में योगदान के लिए NNF अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया 2. NNF नियोक्विपकोर्स में योगदान के लिए NNF अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार, NEOCON, दिसंबर 2024 में प्रदान किया गया 3. एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक नर्सेस, इंडिया (एपीएनआई, बैंगलोर) में संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्त
श्रीमती मैगी रेन्जथ नी पीटर	संशोधित भारतीय नर्सिंग परिषद 2022 वयस्क स्वास्थ्य नर्सिंग -II 30 मार्च 2025 के अनुसार "बीएससी (एन)" छात्रों के लिए पैलिएटिव केयर मॉड्यूल की पाठ्य पुस्तक लिखी।

5. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- शिक्षण प्रयोगशालाएँ: नर्सिंग फाउंडेशन लैब
- आउटरीच सेवाएं: मलयाला गांव, बोम्मालारामरम और मल्लापुर में बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों और एमएससी नर्सिंग छात्रों ने आउटरीच स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किए।

6. अनुसंधान

- **कुल प्रकाशन: 33, पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल्स: 15, मूल: 10**
- **अनुसंधान परियोजनाएँ : 13**

6.1 पुस्तकें / अध्याय

1. **सुबाथरा ए.एस., रेन्जिथ एम.**
   - **प्रशामक देखभाल मॉड्यूल। फ्रंटलाइन प्रकाशन। प्रथम संस्करण** 2025। ISBN: 9349561875
2. **टी रोहिणी, जॉर्ज टीजे.**
   - **बी.एससी. नर्सिंग छात्रों के लिए नर्सिंग प्रबंधन और नेतृत्व की पाठ्यपुस्तक। मोहाली, पंजाब: विज़न हेल्थ साइंसेज पब्लिशर्स**; 2024, **आईएसबीएन** 9789392242816
3. **मोहनसुंदरी एस.के.**
   - **स्वास्थ्य मूल्यांकन पर एक व्यापक पुस्तिका जेबीडी पब्लिशर्स। प्रथम संस्करण** 2024।
4. **श्यामला रविकोटि, मोहना सुंदरी एसके,**
   - **नर्सों के लिए सुरक्षा सहित अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान और संक्रमण नियंत्रण की पाठ्यपुस्तक। जेबीडी प्रकाशक। प्रथम संस्करण** 2025।

5. एरा दीपिका दयाल

- **एल्सेवियर** 2025 **द्वारा प्रकाशित, मिडवाइफरी और नर्सिंग** 1 **और** 2 **की माइल्स पाठ्यपुस्तक के प्रथम दक्षिण एशियाई संस्करण में योगदानकर्ता।**

6. रानी बुरुगु

- **योगदानकर्ता: श्यामला रविकोटी, मोहना सुंदरी एस.के., नर्सों के लिए सुरक्षा सहित अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान और संक्रमण नियंत्रण की पाठ्यपुस्तक। जेबीडी प्रकाशक। प्रथम संस्करण** 2025**।**

7.रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं:

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं का प्रकार	**मरीजों की संख्या**
हमारे संकाय डॉ. एसके मोहनसुंदरी फरवरी, 2025 से ओटी और लॉन्ड्री में नर्सिंग अधीक्षक के रूप में काम कर रहे हैं और श्रीमती नामा नागमणि, ट्यूटर फरवरी, 2024 से उप नर्सिंग अधीक्षक के रूप में काम कर रही हैं। नर्सिंग कॉलेज के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग छात्र और एम.एससी. नर्सिंग छात्र अपने नैदानिक अनुभव के एक भाग के रूप में अस्पताल में रोगी देखभाल में शामिल होते हैं। वे ओपीडी, आईपीडी, ओटी और अन्य क्षेत्रों में रोगियों को बुनियादी नर्सिंग देखभाल प्रदान करने में शामिल होते हैं, रोगी की स्थिति के आधार पर स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित करते हैं, जिसमें बुनियादी आवश्यकताओं, दैनिक गतिविधियों, व्यायाम, आहार आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। वे नर्सिंग कॉलेज के संकाय के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में समुदाय में स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ प्रदान करने और जागरूकता कार्यक्रमों में भी शामिल होते हैं।	9,840/वर्ष (लगभग)

8. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें



30 सितंबर 3 अक्टूबर 2024 को एम्स बीबीनगर में फाउंडेशन कोर्स कार्यक्रम। भारत सरकार के रक्षा विभाग द्वारा आत्मरक्षा सत्र का आयोजन किया गया।



[10] फरवरी 2025 को एम्स बीबीनगर में बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग के दूसरे बैच का दीप प्रज्वलन समारोह

	
20 मार्च 2025 को एम्स बीबीनगर में 'सहयोगी और देखभाल संचार' पर कार्यशाला	**18 और 19 अप्रैल, 2024 को एम्स बीबीनगर में 'नर्सों के लिए उन्नत घाव देखभाल' (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) पर कार्यशाला**

अस्पताल सेवाएं

चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय

क्र.सं.	पदनाम/भूमिका	विवरण
1.	चिकित्सा अधीक्षक	डॉ. (प्रो.) अभिषेक जे अरोड़ा (16.07.2023 से अब तक)
2.	अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक	डॉ. एस. कल्याणी सूर्य धन लक्ष्मी

3.	उप चिकित्सा अधीक्षक – ओपीडी/आईपीडी/आईसीयू/आहार सेवाएं और एसआर/जेआर	डॉ. विशाखा जैन
4.	उप चिकित्सा अधीक्षक - (सरकारी योजना, संक्रमण नियंत्रण, मान्यता)	डॉ. लक्ष्मी ज्योति
5.	उप चिकित्सा अधीक्षक - प्रयोगशाला, अस्पताल सुरक्षा	डॉ. मधुसूदन एस
6.	उप चिकित्सा अधीक्षक - एमआरडी / रेग / बिलिंग / एबीडीएम-एचएमआईएस)	डॉ. यदुकुल.एस
7.	उप चिकित्सा अधीक्षक – लॉजिस्टिक/आपूर्ति श्रृंखला/एमएस-ऑफिस/एसएसी/मैनपावर	डॉ. पाटिल पराग परशुराम
8.	संकाय प्रभारी अस्पताल स्टोर	डॉ. एम. कल्पना डॉ. नीमू हागा
9.	फैकल्टी इंचार्ज हॉस्पिटल फार्मेसी/एबीडीएम-एचपीआर, अमृत फार्मेसी	डॉ. जेरार्ड मार्शल राज डी
10.	आयुष्मान भारत/आरोग्यश्री स्वास्थ्य योजना, ब्लड बैंक	डॉ. अरुण आर. अतिरिक्त प्रोफेसर रक्त आधान
11.	संकाय प्रभारी नर्सिंग	डॉ. सीतू पालो (नर्सिंग)
12.	ईएचएस अध्यक्ष	डॉ. नमित कांत सिंह
13.	ऑक्सीजन सेल	डॉ. अय्या श्यामा सुंदर
14.	ABHA/ABM-लैब	डॉ. आशुतोष रथ
15.	विभागों के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति	• अध्यक्ष विभागाध्यक्ष या प्रभारी विभागाध्यक्ष • इंडेंटिंग विभाग के संकाय • डॉ. प्रग्नेश परमार, अतिरिक्त प्रोफेसर, एफएमटी विभाग(या) • डॉ. माधुरी तारणीकांति , अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग (या) • डॉ. वाई रंजीत कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, हड्डी रोग विभाग • संबंधित उप चिकित्सा अधीक्षक
16.	अस्पताल स्टोर खरीद के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति	• अध्यक्ष: संकाय प्रभारी, अस्पताल, स्टोर या फार्मेसी • डॉ. प्रग्नेश परमार, अतिरिक्त प्रोफेसर, एफएमटी विभाग(या) • डॉ. माधुरी तारणीकांति , अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग (या) • डॉ. वाई रंजीत कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक्स विभाग आवश्यकता का सत्यापन करने वाले संकाय प्रभारी या नोडल अधिकारी
17.	50 लाख रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुओं के लिए अस्पताल खरीद हेतु	• अध्यक्ष : एएमएस * • मांग करने वाले विभाग के

	विनिर्देशन समिति और तकनीकी मूल्यांकन समिति	विभागाध्यक्ष या प्रभारी विभागाध्यक्ष या अस्पताल स्टोर या फार्मेसी के संकाय प्रभारी
		• स्वतंत्र सदस्य : • डॉ. नवनीता पटनायक , अतिरिक्त प्रोफेसर और ओबीजीवाई विभाग की विभागाध्यक्ष • डॉ. गीता एसजी , सहायक प्रोफेसर, एनाटॉमी विभाग • डॉ. ममिदिपल्ली साई स्पूर्ती , सहायक प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग
18.	**वित्तीय बिड खोलने वाली समिति**	• अध्यक्ष : डॉ. आनंद पयाती, एसोसिएट प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग
		• डॉ. किशोर यादव जोथुला सहायक प्रोफेसर
		• डॉ. सुरराज.एस सहायक प्रोफेसर
		• डॉ तुषार मोहनलाल परमेश्वर
		• डॉ. भूषण डी. कांबले
19.	**स्थानीय क्रय समिति**	• डॉ. साई कृष्ण टिक्का, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग
		• डॉ. मिशु मंगला, एसोसिएट प्रोफेसर, ओबीजीवाई विभाग
		• डॉ. रोहिणी मोटवानी , एसोसिएट प्रोफेसर, एनाटॉमी विभाग
		• डॉ. रोहित बाबू मूला, सहायक प्रोफेसर, बर्न एवं प्लास्टिक विभाग
		• डॉ. वेमुरी महेश बाबू , सहायक प्रोफेसर, पल्मोनरी विभाग
20.	**निरीक्षण समिति**	• अध्यक्ष : डॉ. एस.कल्याणी सूर्य धन लक्ष्मी, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक
		• डॉ. वंदना श्रीधरसा दौलताबाद , एसोसिएट प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
		• संकाय प्रभारी अस्पताल स्टोर
		• संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष/नोडल अधिकारी
		• संकाय प्रभारी फार्मेसी (केवल फार्मेसी से संबंधित उत्पाद के लिए) / नोडल अधिकारी
21.	**मालिकाना लेख प्रमाणपत्र**	• अध्यक्ष : डॉ. मृदुला चंद्रुपटला , प्रोफेसर और प्रमुख, एनाटॉमी विभाग
		• डॉ. ढोले संदीप रमेशराव एसोसिएट प्रोफेसर, पीएमआर विभाग

		• मांगकर्ता विभाग के विभागाध्यक्ष या प्रभारी विभागाध्यक्ष (या) मांगकर्ता विभाग के अगले वरिष्ठतम उपलब्ध संकाय (या) विभागाध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य
22.	**दर/मूल्य तर्कसंगतता समिति**	• अध्यक्ष : डॉ. संगीता संपत एवं प्रमुख, जैव रसायन विभाग
		• **डॉ. टी अशोक वर्धन रेड्डी** , सहायक प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी विभाग
		• मांगकर्ता विभाग के विभागाध्यक्ष या प्रभारी विभागाध्यक्ष (या) मांगकर्ता विभाग के अगले वरिष्ठतम उपलब्ध संकाय (या) विभागाध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य
23.	**मूल्य वार्ता समिति**	• अध्यक्ष : चिकित्सा अधीक्षक
		• विभागाध्यक्ष/ मांगकर्ता सदस्य/ विभागाध्यक्ष प्रभारी या विभागाध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य
		• उप चिकित्सा अधीक्षक
		• स्वतंत्र सदस्य

चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय – कर्मचारी

क्र. सं.	**पद का नाम**	**नाम**	**पोस्टिंग का क्षेत्र**	**टिप्पणी**
1.	**तकनीकी सहायक**	श्री साई वंगारी	एमएस-ऑफिस जीईएम	ओ/एस
2.	**कार्यकारी सहायक**	श्री रंजन कुमार	एमएस-ऑफिस / एमएसओ-पी	ओ/एस
3.	**अपर डिवीजन क्लर्क**	श्री मनीष श्योराण	एमएस-ऑफिस	नियमित
4.	**डीईओ (डेटा एंट्री ऑपरेटर)**	श्री प्याला रवि श्री नरेंद्र श्री बलराम श्री शुकुर श्री प्रवीण रेड्डी	एमएसओ-जनशक्ति एमएसओ-पी (स्टोर) एमएस-ऑफिस जीईएम ईएचएस सेल सैक	ओ/एस ओ/एस ओ/एस ओ/एस ओ/एस
5.	**अवर श्रेणी लिपिक**	सुश्री रोशनी चिरमुरकर श्री शिव नारायण चौधरी	एमएस-ऑफिस एमएसओ-ईएचएस	नियमित नियमित

चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय – नर्सिंग अधिकारी

क्र.सं.	पद का नाम	नाम	पोस्टिंग का क्षेत्र	टिप्पणी
1.	**नर्सिंग अधिकारी**	श्री नितिन श्री देवेश श्री सुरेश कुमावत श्री हनुमान कुमावत सुश्री उदय सुधा	एमएस-ऑफिस जीईएम एमएसओ-खरीद एमएस-ऑफिस जीईएम एमएस-ऑफिस जीईएम एमएस-ऑफिस	नियमित नियमित नियमित नियमित नियमित

टीम एमएस-ऑफिस, कार्यकारी निदेशक डॉ. विकास भाटिया के साथ।



खरीद प्रभाग – एमएस ऑफिस

एम्स बीबीनगर, हैदराबाद अपने अनेक विशेषज्ञता और अति-विशिष्ट विभागों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोगियों की सेवा करता है। प्रदान की जाने वाली सेवाओं को सुव्यवस्थित और उन्नत बनाने के लिए, अस्पताल के क्रय विभाग ने उपभोज्य और गैर-उपभोज्य, दोनों प्रकार की वस्तुओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। ये प्रयास अस्पताल के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के सर्वोत्तम संचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जिनमें शामिल हैं ; ओपीडी, आईपीडी, लैब, आईसीयू, पीआईसीयू, ओटी, क्लीनिकल विभाग और ईआर खरीद मांगों को विभिन्न विभागों से समेकित किया जाता है और मूल्यांकन के लिए अस्पताल के स्टोर में भेजा जाता है। उपलब्ध वस्तुएँ मांगपत्र के विरुद्ध जारी की जाती हैं, और अनुपलब्ध वस्तुएँ सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) 2017 और खरीद नियमावली के अनुसार खरीदी जाती हैं। संस्थान ने लागत दक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए ऑक्सीजन रिफिलिंग के दर अनुबंधों के लिए प्रक्रियाएँ स्थापित की हैं। बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, विशेष रूप से आईपीडी और अन्य नैदानिक सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए, एम्स बीबीनगर हैदराबाद आवश्यक वस्तुओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करता है, जिससे सभी विभागों में उच्च-गुणवत्ता वाली रोगी देखभाल प्रदान करने की अस्पताल की प्रतिबद्धता का समर्थन होता है। खरीद प्रभाग में एक कार्यात्मक GeM (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) प्रभाग है।

उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और उपयोग के लिए संकाय और कर्मचारियों को निरंतर प्रशिक्षित किया जा रहा है। एक कठोर खरीद और निविदा नीति द्वारा इन्वेंट्री प्रबंधन को सुदृढ़ किया गया है। सभी आवश्यकताओं का मूल्यांकन प्रारंभ में उपयोगकर्ता विभाग की खरीद समिति द्वारा किया जाता है। इसके बाद, विशिष्टताओं और बोली अनुपालन दस्तावेजों का बोली मूल्यांकन समिति द्वारा सत्यापन और मूल्यांकन किया जाता है, जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल होते हैं, ताकि पूर्णता और सामान्य प्रकृति सुनिश्चित की जा सके। सभी प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ, निविदा दस्तावेज को अनुमोदन के लिए वित्त अनुभाग और सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाता है।

इसी प्रकार, प्राप्त वस्तुओं का सावधानीपूर्वक निरीक्षण, खाता-बही को अद्यतन करना, तथा उपयोगकर्ता विभाग द्वारा विधिवत प्रस्तुत उपभोग रिपोर्ट के साथ मांगित वस्तुओं का मिलान करने से प्रणाली में इष्टतम निष्पक्षता बनाए रखने, वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, तथा इन्वेंट्री प्रबंधन में लीक और अपव्यय से बचने में मदद मिलती है।

एमएस ऑफिस द्वारा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत की गई खरीद पर व्यय का सारांश इस प्रकार है:-

क्र. सं.	**आइटम श्रेणी**	**कुल व्यय रुपये में**
1	उपभोग्य	3,90,18,346.31
2	ड्रग्स	3,25,18,624.15
3	उपकरणों	4,01,09,441.00
4	फर्नीचर और उपकरण	30,52,442.81
5	पीएसी उपभोज्य	29,70,964.03
6	दर अनुबंध	3,05,70,742.89
7	एमओयू / अमृत फार्मेसी	27,21,107.00
कुल		**15,09,61,668.19**

एसएसी / सेवा पखवाड़ा

संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम कार्यशाला सारांश

संक्रमण *नियंत्रण और रोकथाम कार्यशाला का* आयोजन 12, 13 और 16 दिसंबर 2024 को स्वच्छता अभियान समिति के तहत नर्सिंग अधिकारियों के बीच संक्रमण की रोकथाम के तरीकों को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था। विभिन्न विभागों के 49 नर्सिंग कर्मियों द्वारा भाग लिया गया, तीन दिवसीय कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुरूप हाथ की स्वच्छता, पीपीई प्रोटोकॉल, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन और आईसीयू, ओटी और आइसोलेशन वार्ड जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मानक सावधानियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रत्येक दिन मुख्य विषयों के आसपास संरचित किया गया था - बुनियादी संक्रमण नियंत्रण सिद्धांतों से लेकर स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संक्रमणों (एचएआई) को रोकने की रणनीतियों तक, जिसमें सीएयूटीआई, सीएलएबीएसआई और वीएपी शामिल हैं, इसके बाद महत्वपूर्ण देखभाल इकाइयों में विशेष अभ्यास शामिल हैं।



डायग्नोस्टिक स्टीवर्डशिप कार्यशाला

डायग्नोस्टिक *स्टीवर्डशिप कार्यशाला का* आयोजन 17 और 18 दिसंबर 2024 को किया गया, जिसका उद्देश्य एम्स बीबीनगर के विभिन्न नैदानिक विभागों के नर्सिंग अधिकारियों को लक्षित करना था। 90 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, कार्यशाला का ध्यान संपूर्ण नैदानिक कार्यप्रवाह में नर्सों को प्रशिक्षित करके नैदानिक गुणवत्ता को बढ़ाने पर केंद्रित था—जिसमें पूर्व-विश्लेषणात्मक, विश्लेषणात्मक और उत्तर-विश्लेषणात्मक चरण शामिल थे। प्रतिभागियों ने सटीक परीक्षण चयन, उचित नमूना संग्रह और लेबलिंग, मानकीकृत परिवहन और प्रयोगशालाओं और चिकित्सकों के साथ प्रभावी संचार के महत्व को सीखा। प्रयोगशाला रिपोर्टों की व्याख्या करने और महत्वपूर्ण मूल्यों को समझने पर विशेष जोर दिया गया, जिससे निदान और नैदानिक निर्णयों के बीच की खाई को पाटा जा सके। सत्र अत्यधिक संवादात्मक थे, जिनमें व्यावहारिक प्रदर्शन, केस-आधारित शिक्षण और प्रश्नोत्तर चर्चाएँ शामिल थीं। मेडिसिन और माइक्रोबायोलॉजी के संकाय ने सत्रों का मार्गदर्शन किया, जिससे एक मजबूत अंतःविषय दृष्टिकोण सुनिश्चित हुआ। परिणामस्वरूप, कार्यशाला ने समय पर और सटीक निदान, बार-बार परीक्षण और त्रुटियों में कमी, और रोगी देखभाल परिणामों में समग्र सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया, साथ ही नर्सों को नैदानिक निर्णय लेने में अभिन्न भागीदार के रूप में सशक्त बनाया।



बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) प्रशिक्षण

कार्यशालाएं आयोजित की गईं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) के दिशानिर्देशों के आधार पर, कार्यशालाओं में महत्वपूर्ण जीवन रक्षक कौशल जैसे उच्च गुणवत्ता वाले सीपीआर, एईडी और बैग-वाल्व-मास्क का उपयोग, वायुमार्ग

प्रबंधन, सदमे की लय पहचान और हृदय संबंधी आपात स्थितियों के लिए दवा प्रोटोकॉल पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रशिक्षण पूरी तरह से व्यावहारिक था, जिसमें कौशल स्टेशन और परिदृश्य-आधारित सिमुलेशन शामिल थे, सख्त मूल्यांकन के साथ 80% योग्यता सीमा सुनिश्चित की गई थी। जो प्रतिभागी मानक को पूरा नहीं कर पाए, उन्हें पूर्ण तत्परता सुनिश्चित करने के लिए सुधार सत्र की पेशकश की गई।





रोगाणुरोधी प्रबंधन कार्यक्रम (एएमएसपी)

कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें क्लिनिकल और पैराक्लिनिकल विभागों के 35 जूनियर और सीनियर रेजिडेंट्स ने भाग लिया। चार दिवसीय कार्यशाला में एंटीबायोटिक के तर्कसंगत उपयोग, एचएआई की रोकथाम और रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से निपटने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रत्येक दिन एक मुख्य विषय पर चर्चा की गई—संक्रमण की रोकथाम और नैदानिक प्रबंधन से लेकर लक्षित रोगाणुरोधी चिकित्सा और प्रतिरोध प्रबंधन तक। प्रतिभागियों को कल्चर रिपोर्ट की व्याख्या करने, एंटीबायोग्राम लगाने, प्रतिबंधित एंटीबायोटिक नीतियों को समझने और ऑडिट-फीडबैक तंत्र में शामिल होने का प्रशिक्षण दिया गया। सत्रों में वास्तविक समय में दवाओं के ऑडिट, ब्रेकआउट चर्चाएँ और समूह गतिविधियाँ शामिल थीं, जिससे अंतर-विभागीय शिक्षा को बढ़ावा मिला।

मेडिकल रिकॉर्ड डिवीजन स्टाफ:

क्रम संख्या	पद का नाम	नाम	पोस्टिंग का क्षेत्र
1.	**उप चिकित्सा अधीक्षक (एमआरडी)**	डॉ. यदुकुल. एस	-
2.	**संकाय प्रभारी एचएमआईएस (एमआरडी)**	डॉ. जेरार्ड मार्शल राज	-
3.	**वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (02)**	थाती. जम्पैया निलीना सी सुरेश	मेडिकल रिकॉर्ड डिवीजन (एमआरडी)।
4.	**नर्सिंग अधिकारी (02)**	वनिता, कल्याणी	(आईपीडी)
5.	**वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (02)**	अनुषा अकुला लीस्चिचन सोरो	हेल्प डेस्क और ओपीडी स्क्रीनिंग
6.	**नर्सिंग अधिकारी (04)**	ज़रीना, अंजुमोल केपी अनीश एमवी, जीना जोस	
7.	**वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (01)**	अतुल्य	ABHA पंजीकरण
8.	**नर्सिंग अधिकारी (08)**	प्रथिपति चाइना पिचिबाबू अनुश्री वी, फसिला पीके एल श्रावणी, नव्या पोलेपाका प्रसीथा एमेलम्मा, सौम्या	ABHA पंजीकरण
9.	**मेडिकल रिकॉर्ड तकनीशियन**	गोबू एस	मेडिकल रिकॉर्ड डिवीजन (एमआरडी)।
10.	**कार्यकारी सहायक**	आर. तोगी रवि राज	एमआरडी/ओपीडी पंजीकरण और बिलिंग
11.	**डी ई ओ**	बबीता, बालमणि साईं गणेश रेगु स्वप्ना जी, साईनाथ	एमआरडी/ओपीडी पंजीकरण और बिलिंग
12.	**डी ई ओ**	आर. विनोद, अर्चना रंजीत, प्रवीण रेड्डी	अतिरिक्त डीईओ की तैनाती पूर्वाह्न में की गई
13.	**पंजीकरण कर्मचारी**	शेरुवन्ना के, स्वाति एस	एमआरडी/ओपीडी पंजीकरण और बिलिंग
14.	**वार्ड अटेंडेंट**	पी मल्लेश, एन जगन	एमआरडी/ओपीडी पंजीकरण और बिलिंग

मेडिकल रिकॉर्ड प्रभाग की गतिविधियाँ:

- **एम्स बीबीनगर में डिजिटल स्वास्थ्य पहल**
- **स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस):-**
  - 26 मार्च 2022 को एचएमआईएस सेवाओं की स्थापना के लिए सी-डैक, नोएडा को कार्य आदेश प्रस्तुत किया।
  - श्री राजकुमार शर्मा (सीडैक के वरिष्ठ इंजीनियर) द्वारा एम्स-एचएमआईएस समन्वयकों (संकाय और निवासियों) के बीच शारीरिक संपर्क (प्रशिक्षण) सत्र के संचालन के बाद, एचएमआईएस एप्लिकेशन 6 जुलाई 2022 से एम्स बीबीनगर में लाइव हो गया ।
  - एचएमआईएस मॉडल (ई-सुश्रुत - मॉडल 1) निम्नलिखित मॉड्यूल के साथ कार्यात्मक है, रोगी पंजीकरण, ओपी बिलिंग, लैब सूचना प्रणाली, ओपीडी में कतार प्रबंधन ओपी डॉक्टर का डेस्क
  - एमआरडी कर्मचारियों, डॉक्टरों (संकाय और निवासी), नर्सिंग अधिकारियों और लैब तकनीशियनों को एचएमआईएस ई-सुश्रुत एप्लिकेशन के सुचारू संचालन के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्रदान किया गया है।
    - वर्तमान में, एचएमआईएस मॉडल (ई-सुश्रुत - मॉडल 2) 06.10.2024 से 05.10.2027 तक एम्स बीबीनगर में 3 वर्षों की अवधि के लिए कार्यात्मक है।
- **आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन @ एम्स बीबीनगर:-**
  - अपनी स्थापना के बाद से, बाह्य रोगी विभाग में आने वाले सभी रोगियों का ABHA पंजीकरण किया गया है।
  - हमने 24 नवंबर 2022 से अपने संस्थान में क्यूआर कोड-आधारित पंजीकरण (विशेष रूप से एम्स बीबीनगर के लिए एबीएचए) शुरू कर दिया है ।
  - आज तक **(30/05/2025),** 1,23,966 आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (एबीएचए) पंजीकरण/आईडी बनाए गए हैं।
  - दिसंबर 2022 से , हमने ओपीडी परामर्श और लैब जांच (विशेष रूप से एम्स बीबीनगर के लिए) के लिए क्यूआर-कोड आधारित ऑनलाइन भुगतान शुरू किया है।
  - हमने समर्पित सहायक कर्मचारियों के साथ रोगियों के लिए नए पंजीकरण और पुनरीक्षण ओपीडी परामर्श के लिए **18.05.2023 को स्व-पंजीकरण डिजिटल कियोस्क मशीन भी शुरू की है ।**
  - आज तक **(30/05/2025**) लगभग 2,79,240 "स्कैन और शेयर" निष्पादित किए गए हैं।





18 दिसंबर को एम्स बीबीनगर में भारत के माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए एबीडीएम के तहत विभिन्न डिजिटल सुविधाओं को ट्रांस-हिमालयन सम्मेलन के दौरान भारत और विदेश से आए प्रतिनिधियों के साथ साझा किया।



18 मई 2023 को एम्स बीबीनगर में हमारे अस्पताल एचएमआईएस सिस्टम (ई सुश्रुत) के विभिन्न मॉड्यूल का उपयोग करते हुए श्री अमरजीत सिंह चीमा, एसोसिएट डायरेक्टर और एचओडी हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स ग्रुप, सी-डैक नोएडा द्वारा चर्चा सत्र आयोजित किया गया।



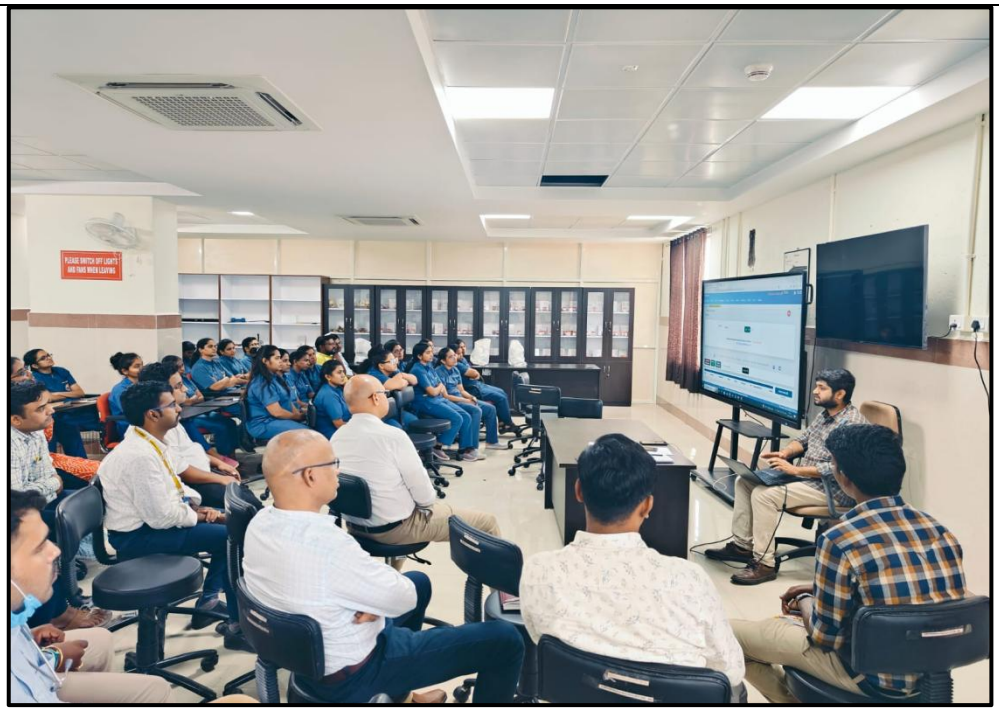
केंद्रीय मंत्री श्री. मनसुख मंडाविया जी ने 18 दिसंबर 2022 को एम्स बीबीनगर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्घाटन किया





डॉ. विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक के साथ टीम एमआरडी और एचएमआईएस

सी-डैक नोएडा की टीम 3 जुलाई 2024 से 6 जुलाई 2024 तक हमारे संस्थान का दौरा करेगी। हम एचएमआईएस सॉफ्टवेयर के उपयोग पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित कर रहे हैं।





वित्तीय वर्ष 2024 से 2025 तक मेडिकल रिकॉर्ड प्रभाग की खरीद:

क्रम संख्या	आइटम नाम	मात्रा
1	बारकोड स्कैनर – बीएस एल100	20
2	सिंप्लेक्स फाइबर ऑप्टिक पैच कॉर्ड SC-SC	8
3	डी-लिंक ग्रे CAT6 U/UTP केबल, उपयोग हेतु 305 मीटर	1500 मीटर
4	डी-लिंक 24 पोर्ट मेटल मैनेज्ड नॉन PoE लेयर 2 एक्सेस Awitch	2
5	RJ45 CAT6 सूचना आउटलेट	300 (संख्या)
6	फाइबर मीडिया कनवर्टर	4
7	NETGEAR 8 पोर्ट अनमैनेज्ड PoE + लेयर 2 एक्सेस स्विच	3
8	नेटवर्किंग के लिए Ewit सिंगल मोड OS2 HDPE फाइबर केबल - नेटवर्किंग के लिए फाइबर केबल	500 मीटर
9	NETGEAR नियंत्रक आधारित इंडोर उपलब्ध वायरलेस एक्सेस पॉइंट वायरलेस एक्सेस पॉइंट	3
10	निश्चित सीट ऊंचाई वाली व्हीलचेयर	50
11	टीवीएस एलपी46 नियो बारकोड लेबल प्रिंटर	4
12	बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के लिए L1 फिंगरप्रिंट पंजीकृत डिवाइस स्कैनर	12
13	टोनर कार्ट्रिज / इंक कार्ट्रिज	15
14	HP 285 MT डेस्कटॉप R5 – 5600G/8gbRAM/512 GB SSD/Win 11pro/23.8 माइनर / AMD Radeon ग्राफिक्स / WiFi BT/ 1 सीरियल पोर्ट / WARR 3 वर्ष।	6
15	डेवलपिंग असेंबली, बीके	2
16	ड्रम एनपीजी87	1
17	EPSON 005 काली स्याही की बोतल	40
18	माउस के साथ कीबोर्ड - DELL	10
19	संगत कार्ट्रिज TN 3448 Brother Class OEM	2
20	चिपकने वाले लेबल स्टिकर बारकोड	130 (संख्या)
21	क्यू मैनेजर एस एक्सेसरीज़ के साथ, एस नीली बेल्ट के साथ	100 (संख्या)

विभागवार कुल बाह्य रोगी जनगणना वित्तीय वर्ष 2024 से 2025

विभाग	विभागवार कुल जनगणना वित्त वर्ष 2024 से 2025
सामान्य दवा	88696
जनरल सर्जरी	38569
बाल चिकित्सा सर्जरी	3924

प्रसूति एवं स्त्री रोग	35043
हड्डी रोग	45523
नेत्र विज्ञान	26914
बाल रोग	21422
न्यूनैटॉलॉजी	2035
त्वचा विज्ञान	27678
मनोचिकित्सा	5381
ईएनटी	22505
तंत्रिका-विज्ञान	6198
फुफ्फुसीय चिकित्सा	5956
भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास	19264
नेफ्रोलॉजी	6045
कार्डियलजी	916
दंत चिकित्सा	17165
उरोलोजि	10103
जलन और प्लास्टिक सर्जरी	2405
विकिरण ऑन्कोलॉजी	2203
हेमेटो मेडिकल ऑन्कोलॉजी	108
कैडी ई ओ थोरैसिक वैस्कुलर सर्जरी (CTVS)	71
दर्द क्लिनिक/ पोस्ट कोविड	4833
एनसीडी क्लिनिक (सीएफएम)	3205
डीएमसी लैब (रोगी)	1503
आई.सी.टी.सी.	11792
एच एंड एच	1173
आरएचटीसी ओपीडी	11907
एमएमयू	5749
नियमित टीकाकरण	3597
ई-संजीवनी	55448
कुल	**487331**

वित्तीय वर्ष 2024 से 2025 तक की रोगी जनगणना

क्रम संख्या	**अनुभाग**	**वित्तीय वर्ष 2024 से 2025 तक मरीजों की कुल संख्या**
1	एम्स	487331
1 क	ओपीडी	466088
1बी	आउट रीच	17656
1सी	ई-संजीवनी	3587
2	आईपीडी	8852
3	आपातकालीन कक्ष	8078
4	श्रम कक्ष	1620
5	एलएससीएस	476
6	सामान्य प्रसव	132

7	ओटी	39168
7ए	प्रमुख	3565
7 बी	नाबालिग	35603
8	आईसीयू	2260
8ए	एआईसीयू	895
8बी	पीआईसीयू	766
8सी	एनआईसीयू	599

मरीजों की शिकायत:

1. एम्स बीबीनगर में पंजीकरण के लिए उपलब्ध डिजिटल सुविधा से मरीज खुश हैं।
2. अधिकांश रोगियों ने प्रयोगशाला रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए लिंक (एसएमएस) की आवश्यकता के बारे में फीडबैक दिया।

अस्पताल स्टोर
मानव संसाधन

क्र. सं.	पद का नाम	नाम	भूमिका और जिम्मेदारी	शर्तें
1.	संकाय प्रभारी	डॉ. कल्पना एम.	सूची प्रबंधन	मार्च 2021 से अब तक
2.	संकाय प्रभारी	डॉ. नीमूहागे	खरीद प्रबंधन	अगस्त, 2024 से आज तक
3.	नर्सिंग अधिकारी	श्री चंद्रकांत	रसीद स्टॉक की मात्रा और विशिष्टताओं का सत्यापन। संस्थान के प्रशिक्षुओं की उपस्थिति का संकलन। अस्पताल सेवाओं के लिए उपभोग्य वस्तुओं की विशिष्टताओं की तैयारी और समेकन।	मार्च 2024 से आज तक।
4.	स्टोर कीपर	श्री एन पवन संजय	भंडार प्रबंधन, भंडार स्टॉक प्राप्ति और सत्यापन/स्थापना की व्यवस्था, भंडार स्टॉक और खातों का रखरखाव, गैर-उपभोज्य वस्तुओं से संबंधित खरीद कार्य, विभागीय मांग और अस्पताल भंडार में कमी/शून्य वस्तुएं, आधिकारिक संचार (ईमेल, पत्र, आदि), आरटीआई उत्तर, गैर-उपभोज्य वस्तुओं का नमूना सत्यापन, फ़ाइल प्रबंधन, लेखापरीक्षा टिप्पणियों के उत्तर की तैयारी, अस्पताल भंडार के सभी कार्यों का प्रबंधन, आदि।	मार्च 2024 से आज तक।
5.	स्टोर कीपर	श्री विकास मीणा	खरीद/अधिग्रहण प्रबंधन, अस्पताल सेवाओं के लिए उपभोज्य और गैर-उपभोज्य वस्तुओं का समेकन।	07/08/2024 से आज तक

क्र. सं.	पद का नाम	नाम	भूमिका और जिम्मेदारी	शर्तें
6.	सहायक स्टोरकीपर	श्री तोगी रविराज	खाता बही का रखरखाव, सभी वस्तुओं की प्राप्ति, वस्तुओं की मात्रा का सत्यापन। अस्पताल के भंडार में खरीद के लिए कमी वाली वस्तुओं की सूची तैयार करना। स्प्रेडशीट में उपकरणों के अभिलेखों का रखरखाव। उपभोग्य वस्तुओं का समेकन।	नवंबर 2021 – 30/07/2024.
7.	डेटा एंट्री ऑपरेटर	श्री ए विद्यारत्नम	सीआईवी, सीआरवी, आरवी, सारांश, अनुपलब्धता सूची (एनए सूची) के लिए स्प्रेडशीट का रखरखाव। स्टॉक के अनुसार मांगपत्रों का सत्यापन और संकाय प्रभारी के हस्ताक्षर लेना, सारांश रिपोर्ट और सीआईवी लेजर प्रविष्टियाँ, स्टॉक का भौतिक सत्यापन और कमी वाली वस्तुओं की सूची तैयार करना।	अप्रैल 2021 से आज तक।
8.	वार्ड बॉय	श्री महेंद्र बिंगी	स्टॉक का स्थानांतरण और जांच, स्टोर का भंडारण, स्टोर का लेबल लगाना और स्टोरकीपर के साथ स्टॉक जारी करना।	मार्च 2021 – दिसंबर 2023.
	डेटा एंट्री ऑपरेटर		स्टॉक का स्थानांतरण और जाँच, स्टोर की लेबलिंग और स्टोरकीपर के साथ स्टॉक जारी करना। सीआईवी, सीआरवी, आरवी, सारांश के लिए स्प्रेडशीट का रखरखाव। सीआईवी खाता बही प्रविष्टियाँ। स्टॉक का भौतिक सत्यापन और कमी वाली वस्तुओं की सूची तैयार करना। नमूना सत्यापन में समन्वय।	जनवरी 2024 से आज तक।

(A) प्रलेखन

I. हार्ड कॉपी में दस्तावेज़:

1) प्रमाणित प्राप्त वाउचर फ़ाइल (CRV फ़ाइल)
2) प्राप्त वाउचर(RV-01फ़ाइल)–01(व्यय योग्य वस्तुएँ)
3) प्राप्त वाउचर(RV-02फ़ाइल)–02(फ़र्नीचर आइटम)
4) प्राप्त वाउचर(RV-03फ़ाइल)–03(गैर-व्यय योग्य वस्तुएँ)
5) प्राप्त वाउचर(RV-04फ़ाइल)–04(मेडिकलकंज़्यूमेबल)
6) स्वच्छ भारत प्रमाणित प्राप्त वाउचर फ़ाइल (SwachhBharatCRV)
7) प्रमाणित जारी वाउचर के साथ सभी इंडेंट की सारांश फ़ाइल
8) मांग नियंत्रण रजिस्टर
9) अस्पताल संगत फ़ाइल अस्पताल स्टोर.

10) HITES फ़ाइल.
11) मरम्मत/वापसी/प्रतिस्थापन के लिए भेजी गई वस्तुएं।
12) ऋण/वापसी योग्य आधार पर जारी की गई वस्तुएं।
13) मांगपत्र प्रस्तुत करने से पहले जारी की गई वस्तुएं।
14) विभिन्न विभागों से अस्पताल स्टोर में वापस लाई गई वस्तुएं।
15) वस्तुओं/सेवाओं से संबंधित शिकायतें।
16) आरटीआई उत्तर.
17) विकृत स्पिरिट और संशोधित स्पिरिट लाइसेंस(एस)।
18) सेवा रिपोर्ट
19) आबंटन/वितरण सूची का अनुमोदन।
20) अंतिम उपयोगकर्ता द्वारा प्राप्ति वस्तुओं का प्रारंभिक निरीक्षण/सत्यापन रिपोर्ट।
21) विक्रेताओं के अनुरोध का अनुमोदन।
22) निरीक्षण/सीआरसी में विफल आइटम
23) अंकेक्षण
24) प्रोजेक्ट भीष्म
25) आपूर्ति नमूनों की निरीक्षण/सत्यापन रिपोर्ट

II. खाता बही:

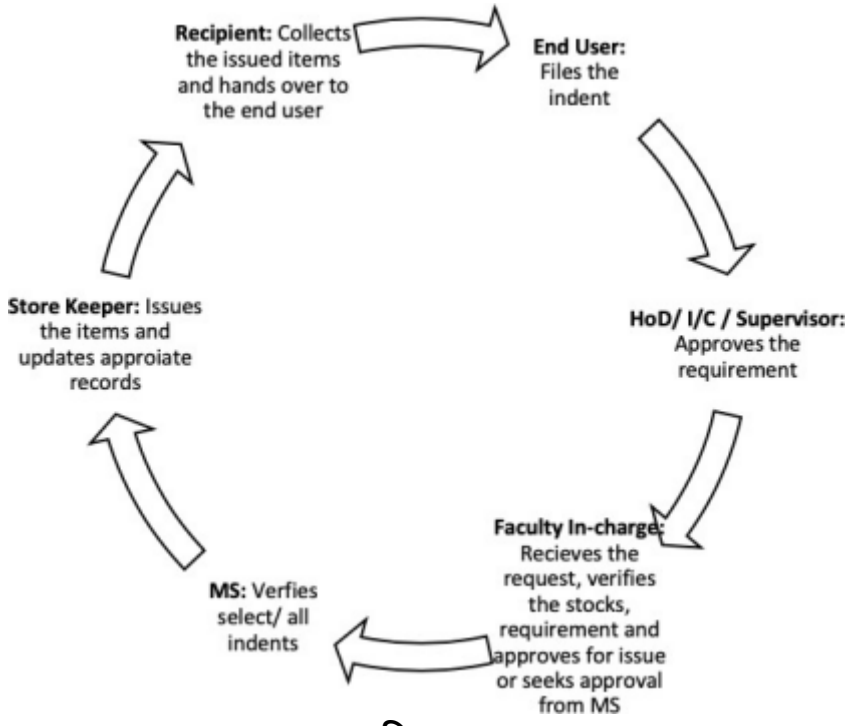
1) लेजर1	व्यय खाता बही.
2) लेजर (खंड-I)	उपभोजित
3) लेजर2	फर्नीचर लेजर
4) लेजर3	गैर-व्यय योग्य खाता बही
5) लेजर4(I)	चिकित्साउपभोज्य
6) लेजर4(II)	चिकित्साउपभोज्य
7) लेजर5	स्वच्छभारत
8) लेजर 8	सर्जिकल टांके लेजर
9) खाता बही 9	उपकरण बहीखाता
10) लेजर 10	मुद्रित प्रपत्र खाता बही
11) खाता बही 11	प्रयोगशाला खाता बही
12) खाता बही 12	प्लास्टिक लेजर
13) खाता बही 13	विविध खाता बही
14) खाता बही 14	प्लास्टिक लेजर
15) खाता बही 15	विविध खाता बही - II
16) खाता बही 16	रबर लेजर
17) लेजर 17	स्थिर खाता बही
18) लेजर 18	लिनन लेजर
19) खाता बही 19	गैर-उपभोज्य खाता बही
20) लेजर 20	किराया समझौता बहीखाता

21) लेजर 21	खाता बही
22) खाता बही 22	मरम्मत और रखरखाव
23) लेजर 23	किराये के समझौते के लिए सीआरवी प्रवेश रजिस्टर
24) लेजर 24	शराब और स्पिरिट

III. डिजिटल रिकॉर्ड:

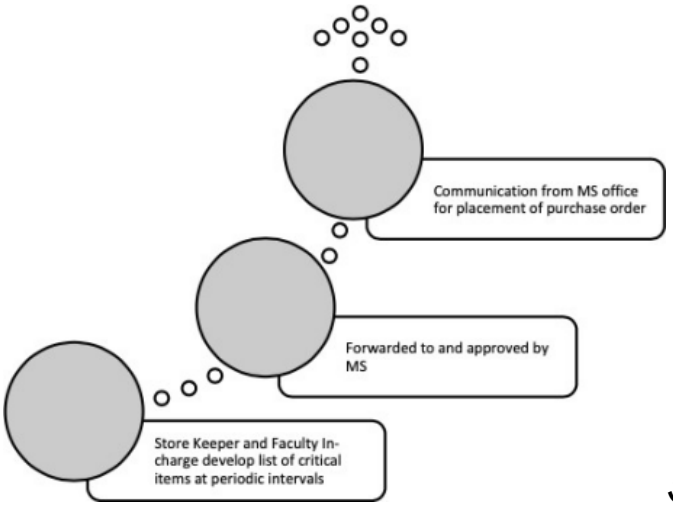
1. सारांश फ़ाइल.
2. अस्पताल स्टोर स्टॉक (लाइव इन्वेंट्री के समतुल्य).
3. अनुपलब्धता फ़ाइल.
4. लेजर की सॉफ्ट कॉपी.
5. आर.वी./सी.आर.वी./सी.आई.वी.फाइल.
6. उपकरण फ़ाइल.

(A) संचालन का चैनल



चित्र .1

(B) पुनःपूर्ति प्रक्रिया



अंक 2

(B) मील के पत्थर:

1. सभी विभागों से इंडेंट चक्र को सुव्यवस्थित करना।
2. चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों (आरंभ में) से लेकर चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों, चिकित्सा उपकरण, फर्नीचर तक इन्वेंटरी के दायरे का विस्तार।
3. 2 प्रणालियों के साथ डिजिटल रिकॉर्ड का रखरखाव।
4. महत्वपूर्ण वस्तुओं और पुनः आदेश मात्रा की स्थापना।
5. चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय के साथ मासिक कमी डेटा तैयार करना और आदेश/पुनः आदेश प्रक्रिया शुरू करना।

(C) निकट भविष्य में कार्य:

1. डिजिटल इन्वेंटरी प्रबंधन (ईस्टोर्स)।
2. उपभोग्य सामग्रियों और उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने और समायोजित करने के लिए इन्वेंट्री स्थान का विस्तार।
3. सभी विभागों और चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय के साथ मिलकर इन्वेंट्री चक्र को और अधिक सुव्यवस्थित करना।

अस्पताल फार्मेसी , एम्स बीबीनगर, हैदराबाद

अस्पताल फार्मेसी के कार्य

- **अस्पताल फार्मेसी का** संबंध सभी आंतरिक रोगी विभागों में औषधियों के भंडारण और वितरण से है, तथा कुछ मामलों में, बाह्य रोगी आधार पर (प्रक्रियाओं के लिए) रोगियों के उपयोग के लिए औषधियों का वितरण भी शामिल है।
- एक बार जब नई दवाएं खरीद ली जाती हैं (एमएस ऑफिस के माध्यम से), तो दवाओं की प्राप्ति की औपचारिक पुष्टि के लिए एक **प्रमाणित रसीद वाउचर (सीआरवी) तैयार किया जाता है।**
- जब दवाएं विभिन्न आंतरिक स्रोतों (प्रत्यक्ष खरीद के अलावा) से प्राप्त होती हैं, तो उन दवाओं को **प्राप्त वाउचर (आर.वी.) के साथ हिरासत में ले लिया जाता है** ।
- प्रत्येक माह के अंत में, उस माह के दौरान विभिन्न विभागों को जारी की गई दवाओं के आंकड़ों को रिकॉर्ड करने के लिए एक **प्रमाणित जारी वाउचर (CIV) तैयार किया जाता है।**
- अस्पताल फार्मेसी में स्टॉक की गई दवाओं की अद्यतन सूची प्रत्येक माह के आरंभ में सभी विभागों को भेज दी जाती है।
- **दवाओं को** खुले स्टील रैक, लकड़ी के तीन तरफ से बंद रैक, तथा मॉड्यूलर भंडारण रैक में वर्णानुक्रम में संग्रहित किया जाता है।
    - **इंजेक्शन** और कुछ **खुली गोलियों को** मॉड्यूलर भंडारण रैक और लकड़ी के तीन तरफ से बंद रैक में रखा जाता है।
    - **मलहम, जैल और बूंदों को** खुले स्टील रैक में संग्रहित किया जाता है।
    - **अंतःशिरा द्रव (आईवीएफ) को** नीले पैलेट पर रखे गए अलग-अलग कार्टन बॉक्स में अलग से संग्रहित किया जाता है।
- जिन दवाओं को **शीत भंडारण की आवश्यकता होती है** , उन्हें शीत श्रृंखला बनाए रखने के लिए रेफ्रिजरेटर में रखा जाता है।
- **आवश्यक मादक औषधियों (ई.एन.डी.) को** एक डबल-लॉकर कैबिनेट में सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाता है, तथा प्रत्येक ई.एन.डी. पर अलग से लेबल लगा होता है।
- **एक्सपायर हो चुकी दवाओं को** उचित निपटान के लिए **जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन समिति** को सौंप दिया जाता है ।
- सभी विभागों से **नशीली दवाओं की खपत (सीआईवी के माध्यम से) का डेटा हर महीने एकत्र किया जाता है।**
- **खरीद सूचियाँ** सामान्यतः निम्नलिखित के आधार पर संकलित की जाती हैं:
    - वर्तमान अस्पताल फार्मेसी स्टॉक,
    - पिछले महीनों के उपयोग/खपत डेटा,
    - और उपयोगकर्ता विभागों से प्राप्त कोई भी नई मांगें।

अस्पताल फार्मेसी के सदस्य: कर्तव्यों का चार्टर

नाम	पद का नाम	कर्तव्य

डॉ. जेरार्ड मार्शल राज **डीओजे: 06/11/2020**	एसोसिएट प्रोफेसर फार्माकोलॉजी, फैकल्टी इंचार्ज फार्मेसी	➢ अस्पताल फार्मेसी के कार्यों का पर्यवेक्षण करना। ➢ सीआईवी, सीआरवी, आरवी, परिपत्रों, पत्रों पर हस्ताक्षर करना। ➢ खरीद सूची का विश्लेषण करना और उसे आगे की प्रक्रिया के लिए एमएस ऑफिस को अग्रेषित करना। ➢ खाता-बही और रजिस्टरों की निगरानी करना। ➢ जारी किए गए डेटा को दर्ज करके मादक दवाओं की कड़ी निगरानी करना। ➢ अस्पताल फार्मेसी के बेहतर कामकाज के लिए विभिन्न विचारधाराओं का सुझाव देना और उनका कार्यान्वयन करना।
सुश्री के.अनुषा डीओजे: 15/11/2021 **सुश्री डी शालिनी** डीओजे: 23/04/2022 **सुश्री एन शालिनी** डीओजे: 01/01/2023	फार्मेसिस्ट	➢ CIV (प्रमाणित निर्गम वाउचर) तैयार करना, मासिक सारांश उपयोग ➢ सीआरवी, आरवी और सीआईवी का अलग-अलग फाइल में दस्तावेजीकरण और लेजर तथा सिस्टम में समान डेटा दर्ज करना ➢ उपयोगकर्ता विभागों से अनुरोधित मांग के अनुसार दवाओं को जारी करना ➢ मादक पदार्थों का प्रबंधन ➢ हर महीने फार्मेसी के वर्तमान स्टॉक का डेटा प्रसारित करना ➢ स्टॉक शीट का रखरखाव (एक्सेल शीट) ➢ स्टॉक को वर्णानुक्रम में व्यवस्थित करें और उन्हें लेबल करें।
श्री दीपक कुमार डीओजे: 26/04/2024	स्टोर कीपर	➢ एमएस ऑफिस से नया स्टॉक गिनना और प्राप्त करना ➢ नए स्टॉक में 18 महीने की समाप्ति/80% शेल्फ लाइफ अवधि की जांच करें ➢ सभी बहीखातों का सत्यापन ➢ प्राप्त स्टॉक के लिए एक्सेल शीट का रखरखाव ➢ फर्नीचर रजिस्टर और अन्य गैर उपभोग्य सामग्रियों का रखरखाव करें
श्री सुमेश के.एस. डीओजे: 18/03/2024	नर्सिंग अधिकारी	➢ आवश्यक/महत्वपूर्ण दवाओं के दैनिक स्टॉक के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों (एआईसीयू, पीआईसीयू, एनआईसीयू, ईआर, ओटी, एलआर) का सर्वेक्षण करना ➢ उच्च लागत मूल्य वाली दवाओं के उपयोग की रिपोर्ट का संग्रह।
श्री राजेश कुमार डीओजे: 20/12/2023	नर्सिंग अधिकारी	➢ एक्सपायर हो चुकी और एक्सपायरी के करीब पहुंच चुकी दवाओं का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बनाए रखना और यदि कोई एक्सपायरी के करीब पहुंच चुकी दवाएं हों तो उनका डेटा उपयोगकर्ता विभागों को प्रसारित करना। ➢ समाप्त हो चुकी या समाप्ति के करीब पहुंच चुकी दवाओं के प्रतिस्थापन के लिए विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं के साथ संपर्क स्थापित करना ➢ एक्सपायर हो चुकी दवाओं को उचित माध्यम से बायोमेडिकल अपशिष्ट समिति को सौंपना ➢ सभी विभागों से उपभोग डेटा एकत्र करें और दर्ज करें
श्री बेनी प्रसाद डीओजे: 01/01/2024	नर्सिंग अधिकारी	➢ फार्मेसी गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला की स्थापना
श्रीमती दीपा एन (मातृत्व अवकाश पर)	नर्सिंग अधिकारी	➢ सभी विभागों से अनुरोधित दवा सूची का संग्रह ➢ खरीदी जाने वाली दवाओं की सूची तैयार करना, फाइल प्रस्तुत करना

डीओजे: 16/10/2023		तथा खरीद की पूरी प्रक्रिया का अनुवर्तन करना। ➢ मादक दवाओं को संभालना ➢ श्री सुमेश और श्री राजेश श्रीमती दीपा एन के पुनः कार्यभार ग्रहण करने तक जिम्मेदार रहेंगे।

स्पताल फार्मेसी डेटा रखरखाव और उपलब्धियां

- जेनेरिक रूप में दवाओं का पूरा डेटा बैच संख्या और समाप्ति तिथियों के साथ वर्णमाला क्रम में कंप्यूटर सिस्टम में संग्रहीत किया जाता है।
- टैबलेट, इंजेक्शन, मादक दवाओं और अन्य विविध दवाओं के लिए अलग-अलग पांच बहीखाते बनाए जाते हैं।
- सीआरवी, आरवी और सीआईवी डेटा को कंप्यूटर सिस्टम में संग्रहीत किया जाता है, और हार्ड कॉपी भी अलग-अलग फाइलों में रखी जाती है।
- इसके अलावा, ई-फार्मेसी - इन्वेंटरी स्टोर मॉड्यूल (**ई-सुश्रुत**) वर्तमान में कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है।





उपलब्धियां और प्रमुख कार्यक्रम

- हॉस्पिटल फार्मेसी ने 3 मार्च से 7 मार्च 2025 तक **"जेनेरिक दवाओं को 'हां' कहें"** थीम के तहत **"जन औषधि सप्ताह 2025"** मनाया ।
- मरीजों, नर्सिंग अधिकारियों, रेजीडेंटों और छात्रों के लिए जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता अभियान, ई-पोस्टर और रंगोली बनाने की प्रतियोगिताएं, संवेदीकरण सत्र और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

	
"रंगोली बनाने की प्रतियोगिता" आयोजित की गई। रंगोली एम्स बीबीनगर के ओपीडी फ़ोयर क्षेत्र में बनाई गई।	ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी), बोम्मालारामरम के स्वास्थ्य सेवा सहायक कर्मचारियों के बीच 'जेनेरिक दवाओं' के बारे में "जागरूकता अभियान" चलाया गया।
	
'जेनेरिक दवाओं' के बारे में "जागरूकता अभियान" भी चलाया गया।	एम्स बीबीनगर के रेजिडेंट डॉक्टरों (एसआर और जेआर) और एमबीबीएस इंटर्न के बीच 'जेनेरिक दवाओं' पर "क्विज़ कार्यक्रम" आयोजित किया गया।

	
एम्स बीबीनगर में "जन औषधि केंद्र" में समारोह	**'जन औषधि सप्ताह 2025 समारोह' का "समापन सत्र"**

इनपेशेंट विभाग (आईपीडी)

1. मुख्य बिन्दु

इनपेशेंट डिपार्टमेंट (आईपीडी) ने 1 जुलाई 2021 को 50 बिस्तरों की प्रारंभिक क्षमता के साथ परिचालन शुरू किया। समय के साथ, सेवाओं का विस्तार हुआ है और अब यह विभाग कुल 156 बिस्तरों की क्षमता के साथ कार्य करता है, जो चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और संबद्ध विशेषज्ञताओं में व्यापक इनपेशेंट देखभाल प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान, आईपीडी ने सेवा क्षमता और गुणवत्ता दोनों में निरंतर वृद्धि देखी। नैदानिक समन्वय को सुव्यवस्थित करने और रोगी प्रवाह को अनुकूलित करने, और अधिक कुशल एवं रोगी-केंद्रित देखभाल सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आईपीडी 20 नैदानिक विभागों के लिए एक साझा आंतरिक रोगी सुविधा के रूप में कार्य करता है, जिनमें सामान्य चिकित्सा, मनोचिकित्सा, त्वचाविज्ञान, सामान्य शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग, नेत्र रोग, ईएनटी, बाल रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग (ओबीजी), फुफ्फुसीय चिकित्सा, विकिरण ऑन्कोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा, तंत्रिका विज्ञान, जलन एवं प्लास्टिक सर्जरी, मूत्रविज्ञान, नवजात शिशु विज्ञान, दंत चिकित्सा, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर), और रक्त-ऑन्कोलॉजी शामिल हैं। यह एक बहु-विषयक देखभाल इकाई के रूप में कार्य करता है, जहाँ नैदानिक आवश्यकताओं और वास्तविक समय में बिस्तरों की उपलब्धता के आधार पर भर्ती का समन्वय किया जाता है।

देखभाल निम्नलिखित माध्यम से प्रदान की जाती है:

1. स्थिर प्रवेश के लिए सामान्य वार्ड
2. 11 बिस्तरों वाला **उच्च निर्भरता इकाई** और जटिल या गंभीर जरूरतों वाले रोगियों के लिए विशेष देखभाल क्षेत्र जैसे 17 बिस्तरों वाला **पोस्टऑपरेटिव वार्ड** ।

2. संकाय

 **डॉ. अभिषेक जगदीशचंद्र अरोड़ा** चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर और प्रमुख, रेडियो निदान	 **डॉ. विशाखा जैन** उप चिकित्सा अधीक्षक एवं संकाय प्रभारी, आईपीडी आईपीडी सेवाओं के प्रमुख अतिरिक्त प्रोफेसर और सामान्य चिकित्सा प्रमुख

3.अन्य कर्मचारी

वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी	नर्सिंग अधिकारी	वार्ड अटेंडेंट	गृहव्यवस्था कर्मचारी	डी ई ओ
16	85	6	6	1

रोगी देखभाल / अस्पताल सेवाएं :

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, विभिन्न विभागों में आईपीडी (वार्ड) में कुल **8852 मरीज** भर्ती हुए। सबसे ज्यादा दाखिले **जनरल मेडिसिन** (1658) में दर्ज किए गए, उसके बाद **नेत्र विज्ञान** (1237) और **ओबीजी** (1215) का स्थान रहा। वर्ष के दौरान **बाल रोग में भी 1075 दाखिलों** के साथ उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई । सबसे कम दाखिले **पीएमआर (1)** , **डेंटल (3)** और **हेमाटो ऑन्कोलॉजी (6) में हुए** , जो इन विशेषज्ञताओं में कम भर्ती मरीजों का संकेत है। **तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर)** में सबसे ज्यादा **2461 दाखिले हुए** , जबकि **पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में** सबसे कम **1879 दाखिले हुए** । विवरण नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है।

कुल प्रवेश - **2024-2025**														
S/N	विभाग	**Apr-24**	**May-24**	**Jun-24**	**Jul-24**	**Aug-24**	**Sep-24**	**Oct-24**	**Nov-24**	**Dec-24**	**Jan-25**	**Feb-25**	**Mar-25**	कुल प्रवेश
1	सामान्य चिकित्सा	145	**179**	141	173	149	152	130	133	123	113	113	107	1658
2	मनोचिकित्सा	12	**14**	15	18	13	10	16	14	9	11	16	17	165
3	त्वचा रोग विज्ञान	2	**3**	4	5	1	3	3	5	6	3	4	3	42
4	सामान्य शल्य चिकित्सा	76	**85**	93	96	76	86	57	81	76	93	78	77	974
5	हड्डी रोग विज्ञान	24	**41**	31	30	23	33	33	24	34	58	40	37	408
6	नेत्र रोग विज्ञान	121	**102**	87	91	116	119	92	116	82	73	122	116	1237
7	ईएनटी	31	**24**	30	25	30	31	38	35	29	35	35	41	384
8	बाल रोग विज्ञान	44	**35**	54	62	106	199	129	96	95	69	105	81	1075
9	ओबीजी	101	**60**	63	106	82	102	120	176	157	84	74	90	1215
10	फुफ्फुसीय चिकित्सा	**3**	**3**	5	8	15	10	9	6	7	18	14	11	109
11	विकिरण कैंसर		**3**	4	8	9	10	27	31	40	37	34	43	246
12	नेफ्रोलॉजी	**5**	**7**	4	9	13	8	8	12	9	13	6	9	103
13	बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा	**23**	**27**	22	34	36	25	24	27	24	36	33	34	345
14	तंत्रिका विज्ञान	**4**	**9**	10	22	7	7	7	8	20	6	8	15	123
15	जलन और प्लास्टिक	**16**	**17**	14	17	9	14	11	13	14	17	19	15	176
16	मूत्र रोग विज्ञान	**3**	**2**	3	6	9	10	3	6	4	6	8	9	69
17	नवजात शिशु रोग विज्ञान	**36**	**25**	16	37	39	58	71	94	76	27	8	26	513
18	दंत चिकित्सा			1	0	0	0	0	0	0	0		2	3
19	पीएमआर								1				0	1
20	रक्त कैंसर											1	5	6
	कुल प्रवेश	**646**	**636**	**597**	**747**	**733**	**877**	**778**	**878**	**805**	**699**	**718**	**738**	**8852**
		Q1	1879		Q2		2357	Q3		2461	Q4		2155	8852

वयस्क गहन चिकित्सा इकाई (AICU)

अवलोकन

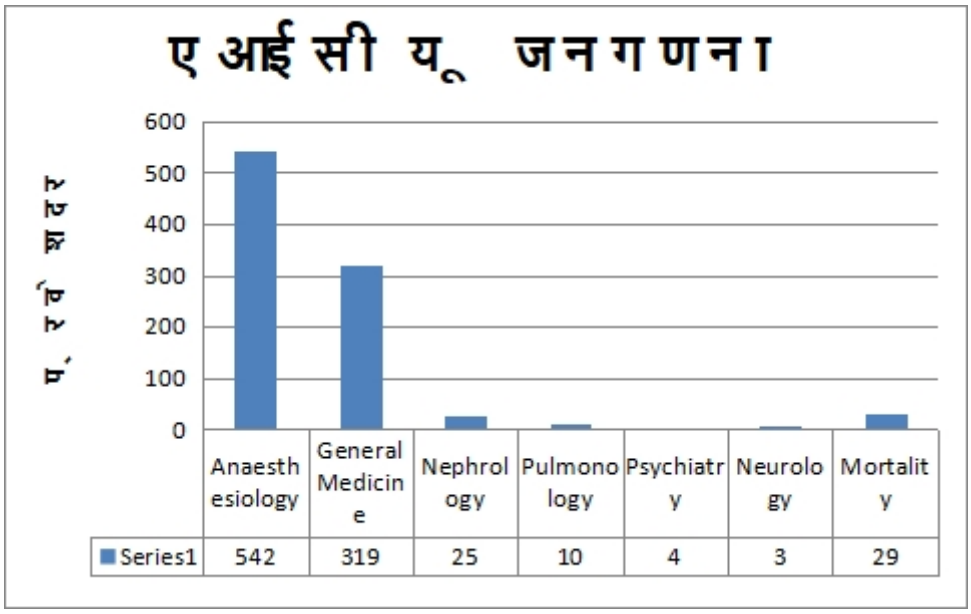
एडल्ट इंटेंसिव केयर यूनिट (AICU) 10 बिस्तरों वाला एक अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर केंद्र है जो 16 अक्टूबर, 2021 से कार्यरत है। अपनी सेवा के चौथे वर्ष में प्रवेश करते हुए, AICU गंभीर रूप से बीमार रोगियों को उच्च-गुणवत्ता वाली, चौबीसों घंटे गहन देखभाल प्रदान करता रहता है। हमारी इकाई रोगी सुरक्षा, नैदानिक उत्कृष्टता और बहु-विषयक टीमवर्क के माध्यम से निरंतर कौशल संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित है।



विभागवार रोगी जनगणना:

कुल प्रवेश (वित्त वर्ष 2024–2025)

इस वर्ष एनेस्थिसियोलॉजी, न्यूरोलॉजी और मनोचिकित्सा विभाग में सीधे प्रवेश की शुरुआत हुई। विभिन्न नैदानिक विभागों से स्थानांतरित मामलों की संख्या में भी वृद्धि जारी रही, जो अस्पताल प्रणाली के भीतर बढ़ते विश्वास और एकीकरण को दर्शाता है।



एआईसीयू में बाल चिकित्सा सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, सीटीवीएस (कार्डियो थोरेसिक वैस्कुलर सर्जरी) जैसी सुपर स्पेशियलिटी शुरू की गई और इस वर्ष यूरोलॉजी के उच्च जोखिम वाले मामलों को भी भर्ती किया गया।

संक्रमण दर:
अस्पताल-अधिग्रहित संक्रमण दर: 1.8%

<u>सुरक्षा संकेतक-</u>

सूचक	कीमत
गिरने की घटना	0
तीव्रगाहिकता विषयक प्रतिक्रिया	5
दवा संबंधी त्रुटियाँ	0
फरार मरीज	0
मरीजों के लिए हानिकारक घटनाएँ	0
कर्मचारियों के लिए हानिकारक घटनाएँ	0
हाथ स्वच्छता अनुपालन दर	50%
सुई चुभने से होने वाली चोटें	3

<u>रुझान और विश्लेषण</u>
एनेस्थिसियोलॉजी को एक भर्ती विभाग के रूप में एकीकृत करने और विभिन्न विशेषज्ञताओं से आने वाले रेफरल्स में वृद्धि के साथ, एआईसीयू गहन देखभाल प्रदान करने में अग्रणी बना हुआ है। रोगियों की निरंतर उपस्थिति जटिल चिकित्सा और शल्य चिकित्सा मामलों के प्रबंधन में इस इकाई के बढ़ते महत्व को दर्शाती है।
<u>मुख्य विशेषताएं और उपलब्धियां (वित्त वर्ष 2024–2025)</u>
· **नैदानिक उत्कृष्टता:** गंभीर सेप्सिस, बहु-अंग शिथिलता, उच्च शल्य चिकित्सा जोखिम वाले रोगियों और वेंटिलेटर पर निर्भर रोगियों सहित उच्च-तीव्रता वाले मामलों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया गया।
· **प्रौद्योगिकी एकीकरण:** उन्नत वेंटिलेटरी सपोर्ट सिस्टम और उन्नत रोगी निगरानी उपकरण स्थापित किए गए। आवश्यकतानुसार नवजात और बाल चिकित्सा वेंटिलेटर सेवाएँ भी शुरू की गईं।
· **प्रोटोकॉल परिशोधन:** सेप्सिस, बेहोशी, एंटीबायोटिक्स, ईआरएएस (सर्जरी के बाद बेहतर रिकवरी) प्रोटोकॉल और संक्रमण नियंत्रण के लिए अद्यतन एसओपी को संशोधित और कार्यान्वित किया गया।
· **अनुकूलित बिस्तर उपयोग:** बेहतर रोगी प्रवाह के लिए स्टेप-डाउन इकाइयों और विशेष वार्डों के साथ बेहतर समन्वय।
· **मानव संसाधन विकास:** सभी नैदानिक कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से व्यावहारिक प्रशिक्षण, आपातकालीन प्रतिक्रिया अभ्यास और कौशल-आधारित कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
· **रोगी-केंद्रित पहल:** उपशामक देखभाल सेवाओं, परिवार परामर्श और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रणालियों का विस्तार।



प्रशिक्षण और प्रमाणन

- **बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और एडवांस कार्डियोवैस्कुलर लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस)** प्रशिक्षण सत्र 01-03-2025 और अप्रैल-2025 को आयोजित किए गए।
- इकाई ने **ACLS प्रमाणीकरण की उच्च दर बनाए रखी** , जिससे आपातकालीन हस्तक्षेप और पुनर्जीवन के लिए तत्परता सुनिश्चित हुई।

मुख्य परिणाम

- बेहतर परिणामों के साथ उच्च रोगी डिस्चार्ज दर
- कम रिकवरी समय और कम जटिलताएं
- अस्पताल से प्राप्त संक्रमणों की बहुत कम कार्यक्रम
- मजबूत टीम प्रदर्शन और अंतर-विभागीय समन्वय
- आईसीयू कर्मचारियों का निरंतर कौशल उन्नयन और व्यावसायिक विकास

स्वीकृतियाँ

हम एआईसीयू टीम के सभी सदस्य को उनके समर्पण, विशेषज्ञता और करुणामय देखभाल के लिए तहे दिल से धन्यवाद देते हैं। हम अस्पताल प्रशासन, सहयोगी विभागों और सभी संबद्ध सेवाओं के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात, हम अपने मरीज़ों और उनके परिवारों को उनकी देखभाल के दौरान उनके विश्वास और सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं

बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई

1. मुख्य बिन्दु

बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (PICU) में भर्ती की कुल संख्या 756 थी। भर्ती के लिए सबसे आम संकेत श्वसन संबंधी बीमारियाँ, दस्त/निर्जलीकरण, दौरे, उष्णकटिबंधीय बुखार, ऑपरेशन के बाद की निगरानी और आधान शामिल थे। 183 रोगियों को ऑक्सीजन मिली, 46 को उच्च प्रवाह नाक कैनुला (HFNC) मिला, 15 को निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव (CPAP) मिला, और 10 रोगियों को आक्रामक यांत्रिक वेंटिलेशन मिला। मरने वालों की संख्या 8 थी। प्राप्त नए उपकरणों में पल्स ऑक्सीमीटर (6 नग) शामिल थे; खरीद के लिए प्रक्रियाधीन उपकरणों में वीडी ई ओ लेरिंजोस्कोप (2 नग), यूएसजी सह इको मशीन और एचएफएनसी शामिल हैं। बुनियादी और उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहे। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ल्यूरेगन श्लापबाक का एक ऑनलाइन व्याख्यान शामिल था, जिन्होंने हाल ही में सेप्सिस संबंधी दिशानिर्देश तैयार किए थे। इकाई ने 26 मार्च 2025 को PICU में 1000 से अधिक दाखिलों के उपलक्ष्य में 'PICU दिवस' का आयोजन किया, जिसमें GVK आपातकालीन चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (EMRI), हैदराबाद के निदेशक डॉ. जीवी रमण राव का अतिथि व्याख्यान भी शामिल था। इस कार्यक्रम के दौरान PICU सेवाओं का सबसे पहले लाभ उठाने वाले नर्सिंग अधिकारियों और मरीजों को सम्मानित किया गया। PICU नर्सिंग अधिकारी विभागीय शैक्षणिक सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। बाल चिकित्सा गहन देखभाल में DM पाठ्यक्रम को स्थायी शैक्षणिक समिति द्वारा अनुमोदित किया गया था और यह जुलाई 2025 से शुरू होगा। PICU विभाग की आंतरिक और बाह्य परियोजनाओं का हिस्सा है।

	
बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम जुलाई 2024	**बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम मार्च 2025**
	
बाल चिकित्सा सेप्सिस अपडेट अक्टूबर 2024	**एक हज़ार मुस्कानें - 1000 से ज़्यादा डिस्चार्ज के उपलक्ष्य में PICU दिवस**

नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू)

नवजात शिशु विज्ञान विभाग ने **15 मई, 2023 को काम करना शुरू किया** , शुरुआत में बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (PICU) के साथ बिस्तर साझा करके। **फरवरी 2024** में एक समर्पित **सात-बिस्तर वाली नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (NICU) की स्थापना की गई** , और बाद में **अक्टूबर 2024** में **इसे दस-बिस्तरों वाले NICU में विस्तारित किया गया। फरवरी 2024 में** एक **उच्च-जोखिम अनुवर्ती क्लिनिक** भी शुरू किया गया । **जुलाई 2025 से शुरू होने वाले शैक्षणिक वर्ष के लिए DM नवजात शिशु विज्ञान कार्यक्रम को** मंजूरी दी गई ।

विभाग प्रसवोत्तर वार्ड देखभाल, प्रसव कक्ष सहायता के साथ-साथ **स्तर 1, 2 और 3 एनआईसीयू देखभाल प्रदान करता है, और एक उच्च-जोखिम अनुवर्ती क्लिनिक** और एक

स्तनपान अनुवर्ती क्लिनिक दोनों चलाता है । सेवाओं में वेंटिलेटर देखभाल, उच्च-आवृत्ति वेंटिलेशन, सीपीएपी थेरेपी, सर्फेक्टेंट थेरेपी, विकासात्मक सहायक देखभाल, कंगारू मदर केयर, फोटोथेरेपी, परिवार-केंद्रित देखभाल और आनुवंशिक परामर्श शामिल हैं।
अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक , हमारी इनपेशेंट जनगणना में **628 एनआईसीयू प्रवेश** और **123 आईपीडी एनआईसीयू प्रवेश शामिल थे** , जबकि **ओपीडी में 2,032 दौरे** दर्ज किए गए । इस वर्ष **नवजात शिशु मृत्यु दर 1,000 प्रवेशों पर 8 थी** , जो तेलंगाना के किसी भी अन्य सरकारी केंद्र की तुलना में काफी कम है।

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं के प्रकार	मरीजों की संख्या
एनआईसीयू	628
आईपीडी एनआईसीयू	123
उच्च जोखिम अनुवर्ती क्लिनिक	2032



विश्व स्तनपान सप्ताह 2024



स्तनपान पर सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम



स्तनपान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता



नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम कार्यशाला

ऑपरेशन थियेटर

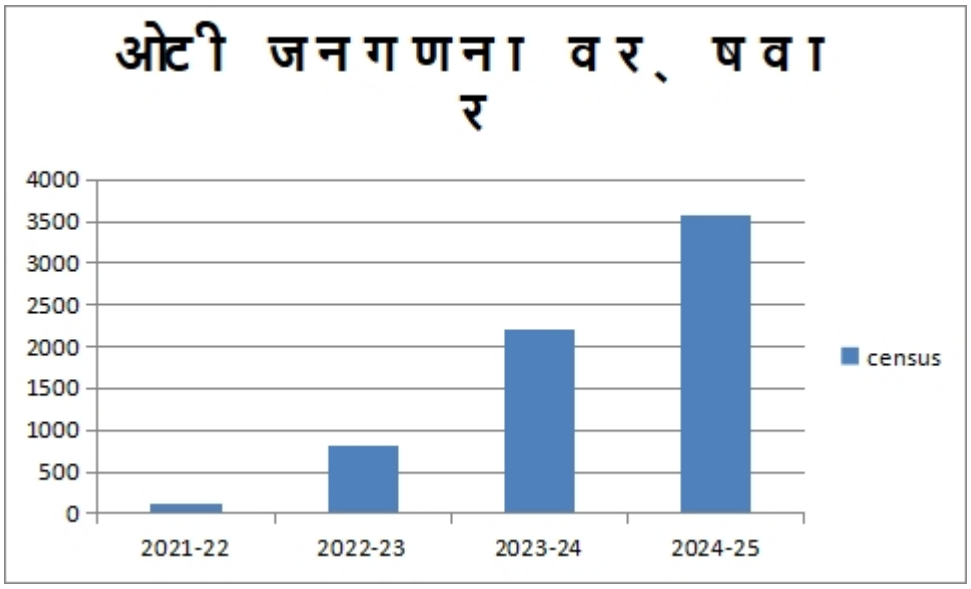
ऑपरेशन थिएटरों में काम लगातार बढ़ रहा है और हर महीने 300 से ज़्यादा सर्जरी की जा रही हैं। चौथे ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन 17-12-2024 को हुआ। अन्य विशिष्ट सर्जरी के अलावा, बाल चिकित्सा सर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, दर्द निवारक दवा और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सहित सुपर स्पेशियलिटी सेवाएँ भी नियमित रूप से उपलब्ध हैं।

ऑपरेशन थिएटर एनेस्थीसिया संचयी जनगणना (01/04/2024 से 31/03/2025)

क्र.सं.	संज्ञाहरण का प्रकार	कुल
1	सामान्य संज्ञाहरण	876
2	क्षेत्रीय संज्ञाहरण	1135
3	निगरानीयुक्त संज्ञाहरण	1554
	कुल	**3565**

विभागवार और मासिक जनगणना

Month & Year	GS	Ortho	OBG	ENT	Ophthal	Paed. Sx	Plastic Sx	Urology	Anae/ Pain Med	ECT	Total
24-Apr	33	18	64	19	117	20	11	2	2	0	286
24-May	33	23	61	17	108	24	25	3	3	0	297
24-Jun	35	19	50	17	91	16	14	2	4	0	248
24-Jul	32	23	72	16	88	25	16	6	8	0	286
24-Aug	30	21	68	23	128	21	14	7	0	0	312
24-Sep	37	20	67	19	127	18	15	8	5	0	316
24-Oct	29	17	82	24	101	15	18	4	1	0	291
24-Nov	36	16	92	29	130	20	14	4	1	0	342
24-Dec	30	15	91	18	88	20	12	4	0	0	278
25-Jan	41	30	66	21	77	22	22	5	1	0	285
25-Feb	40	31	58	23	120	21	19	8	3	0	323
25-Mar	35	24	57	22	109	19	18	9	4	4	301
TOTAL	411	257	828	248	1284	241	198	62	32	4	3565



विभाग में आयोजित कार्यशालाएँ और कार्यक्रम

	
कार्यशाला "सीएसएसडी- नसबंदी प्रक्रिया और संक्रमण नियंत्रण पर एक नज़र" 27 अप्रैल 2024 को आयोजित की गई जिसमें विभाग के संकाय, एसआर, जेआर और नर्सिंग अधिकारियों ने भाग लिया	17 दिसंबर 2024 को एम्स बीबीनगर में डॉ. (प्रो.) विकास भाटिया द्वारा चौथे ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन

	
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी ने कई प्रक्रियाओं में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है, क्योंकि इसमें कम आक्रामक विकल्प उपलब्ध हैं, जिससे रिकवरी में तेजी आती है और चीरा भी छोटा लगता है।	**ऑपरेशन थियेटर में दो उच्च स्तरीय एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन प्राप्त हुए**

ऑक्सीजन सेल

1. मुख्य बिन्दु

25/05/2021 को गठित ऑक्सीजन सेल, निर्बाध ऑक्सीजन और मेडिकल गैस आपूर्ति सुनिश्चित करता है। यह ऑक्सीजन मैनिफोल्ड, 2 वैक्यूम सक्शन यूनिट (10 एचपी), 2 मेडिकल एयर कंप्रेसर (10 और 15 एचपी), 335 डी-टाइप, 88 बी-टाइप, 9 ए-टाइप ऑक्सीजन सिलेंडर, 9 ए-टाइप और 4 डी-टाइप नाइट्रस ऑक्साइड सिलेंडर, और 4 कार्बन डाइऑक्साइड सिलेंडर का प्रबंधन करता है। यह मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (एमजीपीएस) से संबंधित खरीद, रीफिलिंग और उपकरणों के रखरखाव की देखरेख करता है।

2. समिति के सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. अय्या श्यामा सुंदर	संकाय प्रभारी, ऑक्सीजन सेल	अतिरिक्त प्रोफेसर, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
डॉ. सीएच राम कृष्ण प्रसाद	संकाय, ऑक्सीजन सेल	सहायक प्रोफेसर, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
श्री सरवनन सी	नर्सिंग अधिकारी (वर्तमान पदस्थापना)	नर्सिंग अधिकारी - ऑपरेशन थियेटर

3.समिति की उपलब्धियाँ और प्रमुख कार्यक्रम

1. **द्वितीयक और आरक्षित ऑक्सीजन मैनिफ़ोल्ड** स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की गई। इन प्रणालियों को प्राथमिक मैनिफ़ोल्ड की विफलता की स्थिति में विश्वसनीय बैकअप के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। स्थापना और कमीशनिंग सफलतापूर्वक पूरी हो गई।
2. अस्पताल के मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (एमजीपीएस) के बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए, एक अतिरिक्त **15 एचपी मेडिकल एयर कंप्रेसर** के साथ एक एकीकृत **मेडिकल एयर ड्रायर (60 सीएफएम) और** एक **10 एचपी वैक्यूम कंप्रेसर** खरीदे और लगाए गए। ये इकाइयाँ एमजीपीएस की निर्बाध आपूर्ति के लिए आवश्यक हैं।
3. जनवरी 2025 में, **अस्पताल के भीतर और अस्पताल के भीतर मरीज़ों के परिवहन के लिए 50 बी-प्रकार के ऑक्सीजन सिलेंडर** खरीदे गए । इस पहल का उद्देश्य मरीज़ों की आवाजाही के दौरान निरंतर ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना था, जिससे मरीज़ों की सुरक्षा और देखभाल की निरंतरता में सुधार हो सके।
4. अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान, संस्थान की चल रही ऑक्सीजन और एनेस्थेटिक गैस आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, निम्नलिखित सिलेंडरों को फिर से भरा गया:

    - **डी-टाइप ऑक्सीजन सिलेंडर:** 1,800 इकाइयाँ
    - **बी-प्रकार ऑक्सीजन सिलेंडर:** 175 इकाइयाँ
    - **ए-टाइप नाइट्रस ऑक्साइड सिलेंडर:** 5 इकाइयाँ





द्वितीयक आपूर्ति मैनिफोल्ड (10x10) और आरक्षित आपूर्ति मैनिफोल्ड (5x5)



अतिरिक्त एयर कंप्रेसर (15 एचपी) एयर ड्रायर और वैक्यूम कंप्रेसर के साथ

अस्पताल सीएसएसडी



अवलोकन:
इस वित्तीय वर्ष में, हमने अपने केंद्रीय बाँझ सेवा विभाग (सीएसएसडी) के कार्यों में उल्लेखनीय वृद्धि और प्रगति देखी है। रणनीतिक निवेश और गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से, हमने अपनी नसबंदी क्षमताओं का विस्तार किया है और अपनी सेवाओं को बेहतर बनाया है।

मुख्य बातें:
नसबंदी उपलब्धियाँ: इस वित्तीय वर्ष में, हमारी सीएसएसडी टीम ने कुल 32,154 सेटों की नसबंदी की, जो पिछले वर्ष के 17,461 सेटों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। यह उपलब्धि नसबंदी उत्पादन का लगभग दोगुना है, जो हमारे अस्पताल की शल्य चिकित्सा और नैदानिक इकाइयों की बढ़ती माँगों को पूरा करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है।
सेवा क्षेत्र: हमारी सीएसएसडी सेवाएं अस्पताल के भीतर कई विभागों तक फैली हुई हैं, जिनमें ऑपरेटिंग थिएटर, गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) शामिल हैं, जो सभी रोगी देखभाल क्षेत्रों में नसबंदी और संक्रमण नियंत्रण के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करती हैं।

उपकरण सूची:
- हमारी वर्तमान उपकरण सूची में शामिल हैं:
- तीन क्षैतिज आयताकार आटोक्लेव मशीन
- एक फ्लैश स्टेरलाइजर
- एक वॉशर कीटाणुनाशक मशीन
- पारस्वनिक मार्जक
- एक ड्रायर
- मुद्रांकन यंत्र

निवारक रखरखाव: हम अपने सभी उपकरणों का नियमित रूप से निवारक रखरखाव करके उपकरणों की विश्वसनीयता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण इष्टतम

प्रदर्शन सुनिश्चित करता है और डाउनटाइम को न्यूनतम रखता है, जिससे हम अपने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा इकाइयों को निर्बाध सेवा प्रदान कर पाते हैं।

मानव संसाधन:
अपने बढ़ते परिचालन को सहयोग देने के लिए, हमने अपनी सीएसएसडी टीम में अतिरिक्त कर्मचारियों का स्वागत किया है। हमारे विभाग से अपेक्षित स्टरलाइज़ेशन और उत्कृष्ट सेवा के उच्च मानकों को बनाए रखने में उनकी विशेषज्ञता और समर्पण अमूल्य रहा है।

एम्बुलेंस सेवाएं

अवलोकन:



वित्तीय वर्ष में, हमारी अस्पताल एम्बुलेंस सेवा ने हमारे चिकित्सा केंद्रों और समग्र समुदाय को आवश्यक परिवहन सहायता प्रदान करना जारी रखा है। दो एम्बुलेंस के बेड़े के साथ, हमने मोबाइल चिकित्सा इकाई सेवाओं, रोगी रेफरल, नैदानिक परिवहन और छात्र सहायता की सुविधा के लिए अपनी पहुँच का विस्तार किया है।

मुख्य बातें:
सेवा क्षेत्र: हम चिकित्सा सुविधाओं के बीच रोगियों के रेफरल, नैदानिक प्रयोजनों के लिए परिवहन, तथा चिकित्सा आपातस्थितियों या नियमित नियुक्तियों के दौरान छात्रों को सहायता प्रदान करते हैं।

परिचालन दक्षता:
निवारक रखरखाव: हम नियमित निवारक रखरखाव सेवाएँ प्रदान करके अपनी एम्बुलेंस की विश्वसनीयता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण सर्वोत्तम प्रदर्शन सुनिश्चित करने और अप्रत्याशित खराबी के जोखिम को कम करने में मदद करता है, जिससे हम अपने रोगियों और समुदाय को निर्बाध सेवा प्रदान कर पाते हैं।
प्रदूषण नियंत्रण जांच: पर्यावरण नियमों और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुपालन में, हम नियमित रूप से प्रदूषण नियंत्रण जांच करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी एम्बुलेंस उत्सर्जन मानकों को पूरा करती हैं या उससे अधिक हैं, जिससे हमारे पर्यावरणीय पदचिह्न न्यूनतम हो जाते हैं।
बीमा नवीनीकरण: हम अपने एम्बुलेंसों के लिए अद्यतन बीमा कवरेज बनाए रखते हैं, जिससे हमारे वाहनों, यात्रियों और जनता के लिए व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

छोटी-मोटी मरम्मत: छोटी-मोटी मरम्मत पर तुरंत ध्यान देने से हमें अपनी एम्बुलेंस की विश्वसनीयता और दिखावट बनाए रखने में मदद मिलती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे आपातकालीन कॉल का जवाब देने और मरीजों को सुरक्षित और आराम से ले जाने के लिए हमेशा तैयार हैं।

कुशल सेवा वितरण:
हम अपने मरीज़ों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कुशल और समय पर एम्बुलेंस सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एम्बुलेंस चालकों और चिकित्सा कर्मियों की हमारी समर्पित टीम सभी ज़रूरतमंद व्यक्तियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया समय, करुणामय देखभाल और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करती है।

अस्पताल कपड़े धोने की सेवाएं

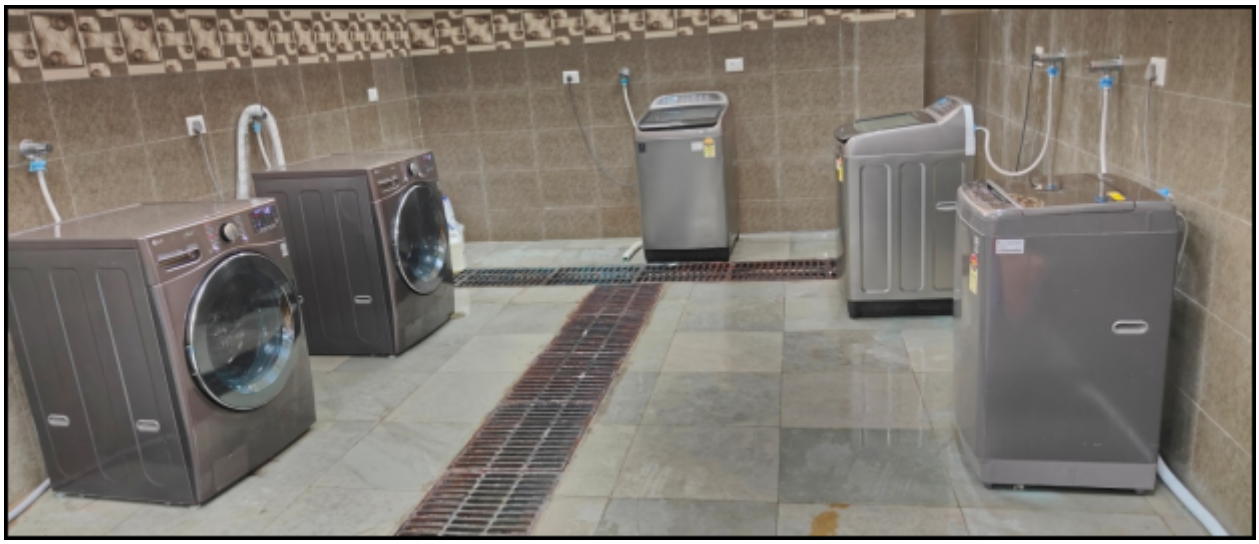
अवलोकन :
वित्तीय वर्ष [01-4-2024 से 31-03-2025] में, हमारे अस्पताल की लॉन्ड्री सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि और सुधार हुआ है। दक्षता और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, हमने अपनी क्षमता का विस्तार किया है, अपने उपकरणों को उन्नत किया है, और अपनी टीम में नए सदस्य का स्वागत किया है।

मुख्य बातें :
क्षमता : कपड़े धोने का विभाग कुल छह वाशिंग मशीनों से सुसज्जित है, जिसमें 21 किलोग्राम प्रत्येक की क्षमता वाली दो फ्रंट-लोड मशीनें और 11 किलोग्राम प्रत्येक की क्षमता वाली चार टॉप-लोड मशीनें शामिल हैं, जो संस्थान की दैनिक लिनन प्रसंस्करण आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करती हैं।

परिचालन दक्षता : एकीकरण और उपकरणों के साथ, हमने एक निर्बाध और कुशल कपड़े धोने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अपने संचालन को अनुकूलित किया है।

प्रदर्शन मीट्रिक : वित्तीय वर्ष [01-4-2024 से 31-03-2025] में, हमने कुल 1,76,439 कपड़े धोए हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में लगभग चार गुना वृद्धि दर्शाता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे अस्पताल समुदाय की बढ़ती माँगों को पूरा करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भविष्य के लिए दृष्टि :
भविष्य में, हम अपने मरीज़ों और कर्मचारियों को उच्चतम गुणवत्ता वाली देखभाल और सहायता प्रदान करने के लिए अपनी लॉन्ड्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निरंतर सहयोग के माध्यम से, हम अस्पताल के लॉन्ड्री संचालन में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने का प्रयास करेंगे।



आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-राजीव आरोग्यश्री योजना

1. समिति की मुख्य बातें

एम्स बीबीनगर को मई 2024 से आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई - राजीव आरोग्यश्री योजना के तहत सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें **सभी व्यापक विशेषज्ञताएं और अधिकांश सुपर स्पेशलिटीज शामिल हैं । यह योजना** समाज के वंचित वर्गों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एम्स बीबीनगर, अपनी समर्पित टीम और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के साथ, योजना के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना चाहता है, जिससे मरीज बिना वित्तीय तनाव के आवश्यक उपचार प्राप्त कर सकें । एबी पीएमजेएवाई-आरएएस की एकीकृत योजना गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को अस्पताल में भर्ती और सर्जरी की आवश्यकता वाली गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए एक वर्ष में 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है और उच्च अंत प्रक्रियाओं के लिए वित्तीय कवरेज भी प्रदान करती है। हमारे संस्थान में इस योजना के तहत पहला मरीज 3 मई 2024 को पंजीकृत किया गया था और 516 लाभार्थियों ने पंजीकरण कराया और 31 मार्च 2024 तक इस योजना का लाभ उठाया। कुल दावा राशि इस योजना के अंतर्गत 5,68,220/- रूपये स्वीकृत किये गये ।

2. समिति के सदस्य

नाम	पद का नाम	विभाग
डॉ. अरुण आर	नोडल अधिकारी	अतिरिक्त प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड बैंक
डॉ. पीएस सिद्धार्थ राव	समन्वयक और संपर्क अधिकारी	सहायक प्रोफेसर, अस्पताल प्रशासन
डॉ. जैसन जोसेफ	अतिरिक्त नोडल अधिकारी	सहायक प्रोफेसर, नर्सिंग कॉलेज
श्रीमती नंदीगामा वंदना	अतिरिक्त नोडल अधिकारी	ट्यूटर, नर्सिंग कॉलेज
श्रीमती कंभमपति कमला	नर्सिंग अधिकारी	PMJAY-राजीव आरोग्यश्री
श्री बंदारी श्रवण	नर्सिंग अधिकारी	PMJAY-राजीव आरोग्यश्री
श्री प्रणय पी बहादुरे	नर्सिंग अधिकारी	PMJAY-राजीव आरोग्यश्री
श्री प्याला रवि	डी ई ओ	PMJAY-राजीव आरोग्यश्री
श्री वाजिद अली	जीडी सहायक	PMJAY-राजीव आरोग्यश्री

3 समिति की उपलब्धियाँ और प्रमुख कार्यक्रम

	
एबी पीएमजेएवाई-राजीव आरोग्यश्री के लाभार्थी	एबी पीएमजेएवाई-राजीव आरोग्यश्री के लाभार्थी
	
एबी पीएमजेएवाई-राजीव आरोग्यश्री के लाभार्थी	एबी पीएमजेएवाई-राजीव आरोग्यश्री योजना काउंटर

ई-संजीवनी विभाग

1. **मुख्य अंश:**

ई-संजीवनी का शुभारंभ 6 अगस्त, 2022 को माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री, भारत सरकार डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा आधिकारिक उद्घाटन के साथ हुआ । इस हाई-प्रोफाइल लॉन्च ने टेलीमेडिसिन सेवाओं को बढ़ाने के प्रति सरकार के महत्व और प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इस लॉन्च ने टेलीमेडिसिन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसकी सावधानीपूर्वक योजना और क्रियान्वयन ने यह सुनिश्चित किया कि यह पहल स्वास्थ्य सेवा की पहुँच में सुधार के अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

विशेष विकास:

- एम्स बीबीनगर में इसकी शुरुआत 9 विशेषज्ञताओं के साथ हुई थी और अब इसका विस्तार 21 विशेषज्ञताओं तक हो गया है, जिसमें 6 सुपर स्पेशलिटीज भी शामिल हैं, और एम्स बीबीनगर ने 1,30,000 से अधिक परामर्श पूरे कर लिए हैं।

तेलंगाना में व्यापक कवरेज:

- एम्स बीबीनगर में संचालित ई-संजीवनी राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा ने तेलंगाना राज्य भर में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच को काफ़ी मज़बूत किया है। 25 जून, 2025 तक, संस्थान ने तेलंगाना के सभी 33 ज़िलों के 1,698 से ज़्यादा स्वास्थ्य सेवा केंद्रों को कवर करते हुए, ई-संजीवनी के माध्यम से 1,32,728 परामर्श सफलतापूर्वक प्रदान किए हैं।
- प्रतिदिन औसतन 109 मामले दर्ज किए गए। उल्लेखनीय है कि फिजियोथेरेपी (25525), ऑर्थोपेडिक्स (29217) और पल्मोनोलॉजी (10,523) में कुल परामर्श, पुरानी बीमारियों और पुनर्वास देखभाल के लिए वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बढ़ती निर्भरता को उजागर करते हैं।

महत्वपूर्ण नई पहल:

- ई-संजीवनी ऑनलाइन परामर्श विस्तारित स्वास्थ्य कार्यक्रम तेलंगाना बालिका आवासीय विद्यालय (TSWRS वलिगोंडा और जगद्गिरिगुट्टा)
- एम्स बीबीनगर में ई-संजीवनी ने **सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी इकाइयों** जैसे **हैदराबाद में बूचड़खानों और चिड़ियाघरों तक अपनी सेवाएं बढ़ा दी हैं** , जैसे नेहरू

प्राणी उद्यान और हैदराबाद के अंबरपेट स्थित बूचड़खाने, ताकि चिड़ियाघर के रखवालों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में वृद्धि की जा सके, ताकि उनमें किसी भी जूनोटिक बीमारी की जांच की जा सके, जो कि **वन हेल्थ दृष्टिकोण** का व्यावहारिक अनुप्रयोग है ।

2. महत्वपूर्ण घटनाओं की तस्वीरें

	
10 दिसंबर 2024 को , ई-संजीवनी ऑनलाइन परामर्श को नेहरू प्राणी उद्यान, हैदराबाद तक विस्तारित किया गया, ताकि चिड़ियाघर के रखवालों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में वृद्धि की जा सके और उनमें किसी भी जूनोटिक बीमारी की जांच की जा सके।	13 मार्च, 2024 को छात्रों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में वृद्धि हेतु ई-संजीवनी पहल को स्कूलों तक विस्तारित किया गया।



30 अक्टूबर 2024 को , ई-संजीवनी ऑनलाइन परामर्श हैदराबाद के अंबरपेट स्लॉटर हाउस तक विस्तारित किया गया, ताकि स्लॉटर हाउस में कसाइयों के बीच स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को बढ़ाया जा सके और उनमें किसी भी जूनोटिक बीमारी की जांच की जा सके ।